



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

CB  
25/3/81

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 7, 1985/अग्रहायण 16, 1907

No. 49]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1985/AGRAHAYANA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असर संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 नवम्बर 1985

मा का नि 1125--राष्ट्रपति सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा पदस्थ शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आसाम राइफल के महानिदेशालय, गृह मंत्रालय, में चिकित्सा अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् --

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम आसाम राइफल (चिकित्सा अधिकारी) भर्ती नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2. मर्यादा, वर्गीकरण और वेतनमान -- उक्त पद की मर्यादा, इसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों में उपाखण्ड अनुसूची के सम्मेलन 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि -- उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें में होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के खण्ड 5 से 11 में विनिर्दिष्ट हैं।

1. निरर्हता -- वह व्यक्ति --

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लाभ स्वीकृत विधि के अधीन अनुमोदित है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

शिक्षित करने की शक्ति -- जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपखण्ड को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

(2891)



## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, 20th November, 1985

G.S.R. 1125.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Medical Officers in the Directorate General of Assam Rifles, Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Assam Rifles (Medical Officers) Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of Pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit educational qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by orders, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation in age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (pension) Rules 1972.
1	2	3	4	5	6	7
Medical Officer	63* (1965)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Not applicable	Not applicable	Not applicable
	*Subject to variation dependent on workload.					

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which UP SC is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13	14
Not applicable	Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central/State Go-	Not applicable	Consultation with the UPSC necessary while appoint an officer

8	9	10	11	12	13	14
				vernments —		on deputation
				(a)(i) holding analogous posts; or officers of the rank of Captain in the A M C of the Ministry of Defence or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs 650-1200 or equivalent, and		
				(b) possessing the following qualifications —		
				(i) MBBS Degree or equivalent		
				(ii) Completion of compulsory Internship		
				(Period of deputation, including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall ordinarily not exceed 3 years).		

[No I-12016/5/84-DO. (Pers II)]

GOPAL KRISHAN, Desk Officer

कार्मिक और प्रशिक्षण, ब्रह्मसैनिक सुधार  
और लोक शिकायत तथा पेन्शन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1985

सा का नि 1126.—सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए, राष्ट्रपति पदद्वारा विभागीय कैंटीन कर्मचारी (भर्ती और सेवा शर्तें) नियमावली, 1980 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1 (1) इन नियमों का नाम विभागीय कैंटीन कर्मचारी (भर्ती और सेवा शर्तें) संशोधन नियमावली, 1985 है।

(2) ये नियम सरकारों राजपत्र में उनके प्रकाशन का तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 विभागीय कैंटीन कर्मचारी (भर्ती और सेवा शर्तें) नियमावली, 1980 के नियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

“व्याप्ति— इस सबध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों

का हिा जाने वाले आरक्षण आयु सीमा में दोल तथा अन्य श्रिययतों पर इन नियमों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।”

[संख्या 4/7/79— नि. (कै.)]

डी. सी. गुप्ता, सयुक्त सचिव

मुख्य नियमों को दिनांक 17.1.1981 की मा का नि संख्या 54 के अधीन भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (1) में प्रकाशित किया गया था और इन्हें इसके बाद निम्नलिखित द्वारा संशोधित किया गया था

(1) भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (1) में दिनांक 8.8.1981 की अधिसूचना मा का नि संख्या 730 के रूप में।

(2) भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (1) में दिनांक 27.4.1985 की अधिसूचना मा का नि संख्या 404 के रूप में।

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN.  
REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 20th November, 1985

GSR 1126 —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the



Departmental Canteen Employees (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1980, namely :—

Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

[No. 4/79-Dir. (C)]  
D. C. GUPTA, Jt. Secy.

1. (1) These rules may be called the Departmental Canteen Employees (Recruitment and Conditions of Service) Amendment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 31 of the Departmental Canteen Employees (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1980, the following rule shall be substituted, namely :—

Principal Rules were published vide Notification G.S.R. No. 54 dated 17-1-1981 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (i) and subsequently amended by —

(1) Notification GSR No. 730 dated 8-8-1981 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (i).

(2) Notification GSR No. 404, dated 27-4-1985 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (i).

"Saving—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1985

सां० का० नि० 11.27 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कर्मचारी चयन आयोग ने अनुसंधान सहायक/प्रलेखन सहायक समूह 'ग' पर पर भर्तियों की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मचारी चयन आयोग (अनुसंधान सहायक/प्रलेखन सहायक) भर्ती नियम, 1985 हों।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्मृति 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. इनसे संबंधित भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्मृति 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :—वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगा।

6. व्यापति : इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की सं०	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अवयव पद	सेवा में जाड़े गए वर्गों का फायदा केन्द्रीय सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सांघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान सहायक/ प्रलेखन सहायक	5* (1985)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित	425-15-500- ब० रा०-15-560-	लागू नहीं होता	नहीं	लागू नहीं होता
	* कार्यभार के अधिनगर परिचालन किया जा सकता है।	अनुसूचित जातियों	30-700 रु०			

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोन्नति व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
भर्ती की पद्धति/शर्तें सीधे होती या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली गिनतियों की प्रतिज्ञाता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जायगा।	
11	12	
प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण : ऐसे अधिकारी जो समुच्च या समतुल्य पद धारण किए हुए हैं; या केन्द्रीय मन्त्रिालय विधिकीय सेवा के उच्च श्रेणी विधिक और केन्द्रीय मन्त्रिालय आणवितिक सेवा/आणवितिक मूह/संगणक जिम्होंने अपने श्रेणियों में 5 वर्ष निरंतर सेवा की है और जिनके पास निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताएँ हैं। किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री हो और सांख्यिकी या गणित या वाणिज्य या अर्थशास्त्र, डिग्री स्तर पर एक विषय के रूप में रखा हो। बांछनीय : सांख्यिकी आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण का अनुभव। (प्रतिनियुक्ति का अर्थ प्रमाणित माना जायगा।)	
यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सब नाह भेजा जायगा भरण न कया जायगा	
13	14	
मुद्रि के संबंध में विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति : 1. उप सचिव, कर्मचारी चयन आयोग—अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्रशासन) कर्मचारी चयन आयोग—सदस्य 3. उप निदेशक, (अनुसंधान और विश्लेषण), कर्मचारी चयन आयोग—सदस्य	लागू नहीं होता	

[सं० 24011/18/84-स्था० (ख)]  
पी०एम० मिह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st November, 1985

G.S.R. 1127.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' post of Research Assistant[Documentation Assistant in the Staff Selection Commission, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Staff Selection Commission (Research Assistant[Documentation Assistant] Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule, annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification :—No person—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation in age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of CCS (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6
Research Assistant/Documentation Assistant.	5* (1985) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 425-15-500-FB-15-560-20-700.	Not applicable	No
Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of premotecs	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	
7	8	9	10	11	
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation/-transfer.	
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a DPC exists, what is its composition		Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
12		13		14	
Transfer on Deputation/Transfer : Officers holding analogous/or equivalent posts; or Upper Division Clerks of Central Secretariat Clerical Service and Stenographers Grade 'D' of Central Secretariat Stenographer Service/Computers with 5 years' regular service in the grade; possessing the following educational qualifications: Degree of a recognised University with Statistics or Mathematics or Commerce or Economics as one of the subjects at the degree level. Desirable: Experience of collection and analysis of Statistical Data. (Period of deputation shall ordinarily not exceed three years.		DPC for considering confirmation. 1. Deputy Secretary, Staff Selection Commission—Chairman. 2. Under Secretary (Administration), Staff Selection Commission—Member. 3. Deputy Director (Research & Analysis), Staff Selection Commission—Member.		Not applicable	

[No. 24011/18/84—Estt.—(B)]

P.N. SINGH, Desk Officer

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 नवम्बर 1985

सा. का. नि. 1128—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमाशुल्क विभाग (समूह "ग") भर्ती नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमाशुल्क विभाग (समूह "ग") भर्ती (संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सीमाशुल्क विभाग (समूह "ग") भर्ती नियम, 1979 की अनुसूची में, निवारक अधिकारी (सामूली श्रेणी) के पद से संबंधित क्रम सं. 4 के सामने स्तंभ 12 में "प्रोन्नति" शीर्षक के नीचे, टिप्पण 1 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात् :-

"टिप्पण 1:- निवारक अधिकारी (सामूली श्रेणी) की श्रेणी में प्रोन्नतियाँ, उस वर्ष की जिसमें विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक होती है, 1 जनवरी को प्रत्येक सीमाशुल्क क्लर्करी में उच्च श्रेणी लिपिकों, आशुलिपिकों (श्रेणी II और श्रेणी III दोनों को मिलाकर)

और तलाशी महिलाओं के पदों की मजूर की गई मख्या के अनुपात के आधारे पर की जाएंगी।”

[फ. म. ए-12018/7/85- पट्टी-III- बी]

आर. के. गुप्तान, अवर सचिव

# MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th November, 1985

G.S.R. 1128.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Customs Development (Group C) Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Customs Department (Group-C) Recruitment (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Customs Department (Group C) Recruitment Rules, 1979, against serial number 4 relating to the post of Preventive Officer (Ordinary Grade), in column 12 under the heading 'Promotion', for Note 1, the following Note shall be substituted, namely :—

“Note 1 :—The Promotions to the grade of Preventive Officer (Ordinary Grade) will be made on the basis of the ratio of the sanctioned strength of the posts of Upper Division Clerks, Stenographers (Grade II and Grade III taken together) and Women Searchers in each Collectorate of Customs as on the 1st day of January of the year in which the meeting of the Departmental Promotion Committee take place.”

[F. No. A-12018/7/85-Ad. III-B]

R. K. GUPTAN, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1985

शुद्धि-पत्र

सा. का. नि. 1129.—अधिसूचना सा. का. नि. सं. 373, दिनांक 29-3-1985 जो दिनांक 13-4-1985 को प्रकाशित हुई, में अनुसूची के कॉलम 4 में दिखाए गए वेतनमान को उल्टा दिखाए गए विद्यमान वेतनमान के स्थान पर 650-30-740-35-680-द. रो -40-960 रु. पढ़ा जाए।

[सं. ए-12023/2/82-प्रशा.-1]

एन. सी. गोयल, अवर सचिव

# MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th October, 1985

# CORRIGENDUM

G.S.R. 1129.—In Notification G.S.R. No. 373 dated the 29-3-85 and published on 13-4-85 the scale of pay shown in Column of the Schedule may be read as Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 instead of the existing pay scale shown therein.

[No. A-12023/2/82-Admn II]

L. C. GOYAL, Under Secy.

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(वन और वन्य प्राणि विभाग)

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1985

सा. का. नि. 1130:—राष्ट्रपति. संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दादरा और नागर हवेली वन विभाग में सहायक वन संरक्षक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् --

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दादरा और नागर हवेली वन विभाग, सहायक वन संरक्षक, भर्ती नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

निरर्हता: वह व्यक्ति -

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के आधीन अनुमोदित है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

शिथिल करने की शक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

व्याप्ति —इन नियमों की कोई बात, ऐसे प्रारक्षणों, आयु-सीमा से छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस अधिनियम के अन्तर्गत प्रस्तावित जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रकरणों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	अन्य पद प्रथम अध्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा का फायदा केन्द्रीय सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	-------------------------------	---

1	2	3	4	5	6	6क
सहायक वन सहायक	1 * (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राज-पति अनुसूचित	650-30 740- 35-310-र. रो 35-380- 40-1000-र. रो-40- 200-र.	चयन	लागू नहीं होता	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि यदि कोई हो  
नहीं होगी  
विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत  
व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

7	8	9
लागू नहीं होगा	लागू नहीं होता	दो वर्ष

भर्ती की पद्धति सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा  
नया विभिन्न पदों पर भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता  
प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

10

11

प्रोन्नति द्वारा जिनके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।

प्रोन्नति : ऐसे रज वन अधिकारी जिसकी उस श्रेणी में 8 वर्ष की नियमित सेवा है और जिनकी कम से कम शैक्षिक अर्हता दसवीं या समतुल्य है तथा जिन्होंने वन स्कूल में प्रशिक्षण लिया है।  
टिप्पणी : प्रोन्नत रज वन अधिकारी में महापुरुष वन सहायक के रूप में अधि-पटाई रूप से उसकी नियुक्ति किये जाने के पूर्व वन अनुसंधान संग्रहालय और महा विद्यालय, देहरादून व एक पुनर्वास पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने का अपेक्षा की जाएगी।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के ऐसे अधिकारी जो :-

(क) (1) सहायक पद धारण किए हुए हैं या

(2) 425- 700/800 या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष की सेवा कर चुके हैं, और

(ख) जिनकी वनो के विकास, संरक्षण और परिरक्षण में अनुभव है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ बाध्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माघारणतया तन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उम्मीद, सर्व्वता

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

12

13

(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति जा निम्नलिखित में मिलकर बनेगी।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के लिए चयन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

1 कलेक्टर -- अध्यक्ष

2 सचिव, प्रशासन-- सदस्य

3 उप वन संरक्षक-- सदस्य

टिप्पण पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[म 9-3/83- एफ. ई. 2/वी-2]

आर एम. बिष्ट, अवर सचिव

## MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(Department of Forests and Wildlife)

New Delhi, the 21st November, 1985

G.S.R. 1130.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Conservator of Forests in the Dadra and Nagar Haveli Forest Department, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Dadra and Nagar Haveli, Forest Department, Assistant Conservator of Forests, Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualification :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation, of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Assistant Conservator of Forests	1* (1985)	General Central Service Group 'B' Gazetted non-Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not applicable
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
6(a)	7		8	9	10
No	Not applicable		Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation.

In case of promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt
11	12	13
<p>Promotion : Range Forests Officer with 8 years regular service in the grade with minimum qualification of Matriculation or equivalent and who have undertaken training in a Forest School. Note —Promotee Range Forest Officers shall, after promotion as Assistant Conservator of Forests be required to complete successfully a refresher course at Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun before they are appointed substantively to the grade</p> <p>Transfer on deputation Officers of the Central Government/State Government and Union Territory Administration</p> <p>(a) (i) holding analogous posts, or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs 425-700/800 or equivalent, and (b) Possessing experience in development conservation and protection of forests, (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' D P C</p> <p>1 Collector—Chairman 2 Secretary to the Administrator—Member 3 Deputy Conservator of Forests —Member</p> <p>Note The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the U P S C for approval If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the D P C to be presided over by the Chairman or a Member of the U P S C shall be held</p>	<p>Consultation with the U P S C necessary while making selection for transfer on deputation</p>

[No 9-3/83-F.E II, P II]

R S BISHT, Under Secy

मानव ससाधन विकास मन्त्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 1985

सा का नि —1131 सविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा मानव ससाधन विकास मन्त्रालय (शिक्षा विभाग) में कार्पोराइट सूचना अधिकारी लाइसेन्सिंग अधिकारी व पदों की शर्तों की प्रणाली का नियमन करन के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं —

1 लघु शीर्षक तथा प्रारम्भ — (1) इन नियमों को मानव ससाधन विकास मन्त्रालय (शिक्षा विभाग) कार्पोराइट सूचना अधिकारी लाइसेन्सिंग अधिकारी शर्तों नियमावली, 1985 कहा जाए।

(2) सार्वारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से वे लागू होंगे।

2 मर्यादा, वर्गीकरण तथा वेतनमान — पदों की मर्यादा, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान उसी प्रकार होगा जिस प्रकार इन नियमों की सलग अनुसूची के कालम 2 से 4 तक में निर्दिष्ट है।

3 शर्तों की प्रणाली, आयु सीमा अर्हताएं आदि — इन पदों के लिए शर्तों की प्रणाली, आयु सीमा अर्हताएं तथा अन्य संबंधित विषय उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्टानुसार होंगे।

4 अयोग्यताएं कोई भी ऐसा व्यक्ति —

(क) जो ऐसा व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करना है जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के रहने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, इन पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा

अर्थात् कि, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति और विवाह के द्वारा पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5 छूट देने का अधिकार — जहां केन्द्रीय सरकार की राय यह है कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है तो निम्नलिखित रूप में कारणों को बत करके हुए तथा सब लोक सेवा आयोग के परामर्श में वह आदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा थग के व्यक्तियों/पदों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

6. धर्त :- इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को दिए जाने वाले अपेक्षित आरक्षणों, आयुसीमा की छूट और अन्य रियायतों को इन विदियों में से कोई भी नियम प्रभावित नहीं करेगा।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	नया प्रवर्णन पद है अथवा गैर प्रवर्णन पद है	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
कापीराइट सूचना अधिकारी/लाइसेंस अधिकारी	*2 (1985) *कार्यभार के अनुसार इसमें परिवर्तन किया जा सकता है।	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपक्षित	1200-50-1600 M	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है) टिप्पणी : 1 आयु-सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि भारत (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर) में उम्मीदवारों से आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि होगी।

नया केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 30 के अंतर्गत जोड़े गए सेवा वर्षों का लाभ प्राप्ति है।

सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं

नया सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी

6क	7	8	9
नहीं	अनिवार्य (i) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री या उसके समकक्ष। (ii) विधायी मामलों/दंड विधि/विशेष विधि/कापीराइट से संबंधित प्रशासनिक मामलों में 8 वर्ष का अनुभव। टिप्पणी :- यदि उम्मीदवार अन्य बातों में पूर्ण अर्हता प्राप्त है तो संघ लोक सेवा आयोग की इच्छा पर अर्हताओं में छूट दी जा सकती है। टिप्पणी : 2—अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में यदि उनके अध्ययन के किसी स्तर पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इन जातियों के लिए आरक्षित स्थानों को भरे के लिए इन समुदायों के अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो उनके संबंध में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव संबंधी अर्हताओं में छूट दी जा सकती है। वाक्य न : प्रशासनिक अनुभव।	लागू नहीं होता।	(1) सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए 1 वर्ष (2) पदोन्नति वालों के लिए 2 वर्ष।



भर्ती की पद्धति - सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा होगी तो वे प्रश्न जिन से पदोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है।

10

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्पकालिक ठेके सहित) द्वारा क्रिये त हानि पर सीधी भर्ती द्वारा)

11

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्पकालिक ठेका सहित)

(i) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/संव शासित क्षेत्रों/विश्वविद्यालयों/ मान्यताप्राप्त अनु-संधान संस्थाओं/ सार्वजनिक उपक्रमों/सांविधिक धर्म- सरकारी श्रम या स्वायत्त संगठनों के अधिकारों

(क) (i) सदृश्य पदधारी अधिकारी, अथवा

(ii) 700-1300 रु. या समान वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा वाले अधिकारी, अथवा

(iii) 650-1200 रु. अथवा समान वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष की सेवा वाले अधिकारी, और

(ख) कालम 7 में सीधी भर्ती जानों के लिए निर्धारित शैक्षिक अर्हताएं और अनु-भव रखते हों

2 प्रेड में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले विभागीय विशेष अधिकारी (कापीराइट) के संकेत में भी विचार किया जाएगा और पद पर नियुक्ति के लिए उनका चयन हो जाने पर उक्त पद को पदोन्नति द्वारा भरा हुआ समझा जाएगा। पूरक श्रेणी के जो विभागीय अधिकारी पदोन्नति की सीधी पक्ति में आते हैं, वे प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचारार्थ पात्र होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति पदोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए भी विचारार्थ पात्र नहीं होंगे। उसी संगठन विभाग में इस नियुक्ति के तत्काल बाद किसी दूसरे संबंधित व्यक्त पद में प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति/ठेके की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है

परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाता है।

12

समूह "क" विभागीय पदोन्नति समिति स्थायीकरण पर विचार करने के लिए)

(i) सचिव, शिक्षा विभाग—अध्यक्ष

(ii) संयुक्त सचिव प्रशासन शिक्षा विभाग—सदस्य

टिप्पणी : स्थायीकरण से सम्बन्धित विभागीय पदोन्नति की कार्यवाही अनुमोदन के लिए आयोग को भेजा जायेगा। फिर भी यदि आयोग द्वारा इस कार्यवाही का अनुमोदन नहीं किया जाता है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष अध्यक्ष सदस्य की अध्यक्षता में एक नई बैठक बुलाई जायेगी।

13

प्रत्येक द्वार चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जायेगा।

[स ए- 12011/6/83-स्वा.- I]

सुदर्शन लाल टक्कर, अवसर सचिव]

## MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

New Delhi, the 15th October, 1985

G.S.R. 1131.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Copyright Information Officer/Licensing Officer in the Ministry of Human Resource Development (Department of Education), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Human Resources Development (Department of Education) Copyright Information Officer/Licensing Officer Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post ;

Provided that the Central Government, may if satisfied such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the members of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service and under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	6a
Copyright Information Officer/Licensing Officer	2* (1985)	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1200-50-1600	Not Applicable	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government)	No

\*Subject to variation dependent on workload.

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. Whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods
7	8	9	10
Essential : (i) Degree in Law of a recognised University or equivalent. (ii) 8 years' experience in legislative matters/Criminal Law/Civil Law/administrative matters relating to copyright.	Not applicable	1. 1 year for direct recruits.  2. 2 years for promotees.	By promotion/transfer on deputation (including short-term laying which by direct rectt.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belong-

ging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable:

Administrative experience.

In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
11	12	13
<p>Promotion/Transfer on Deputation (Including short term Contract):</p> <p>(1) Officers under the Central/State Government/Union Territories/Universities/Recognised Research Institutions/Public Undertakings/Statutory, Semi Government or Autonomous Organisations:—</p> <p>(a)(i) holding analogous posts; or</p> <p>(ii) with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent; or</p> <p>(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Column 7.</p> <p>(2) The Departmental Special Officer (Copyright) with 8 years' regular service in the grade will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion.</p>	<p>Group 'A' D.P.C. (for considering confirmation)</p> <p>(i) Secretary, Department of Education — Chairman.</p> <p>(ii) Joint Secretary (Administration), Department of Education—Member.</p> <p>Note : The Proceedings of the D.P.C. relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the D.P.C. to be prescribed over by the Chairman or a Member of the U.P.S.C. shall be held.</p>	<p>Selection on each occasion shall be made in consultation with the U.P.S.C.</p>

In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
11	12	13

(The Departmental Officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not, be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation/contract including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/ department shall ordinarily not exceed 3 years).

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1985

New Delhi, the 7th November, 1985

सा. का. नि. 1132 राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रकाशन विभाग, दिल्ली (वर्ग 2 पद) भर्ती नियम 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

G.S.R. 1132.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Publications Division, Delhi (Class II Posts) Recruitment Rules, 1961, namely:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रकाशन विभाग, दिल्ली (वर्ग 2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. प्रकाशन विभाग, दिल्ली (वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1961 में
  - (1) "वर्ग 2" शब्द और अंक के स्थान पर, जहाँ-जहाँ वे आते हैं, "समूह 'ख'" शब्द और अक्षर रखे जाएंगे;
  - (2) "सहायक कार्यालय प्रबंधक" के पद से संबंधित अनुसूची के स्तम्भ 6 में, विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखी जाएगी, अर्थात् :  
"35 वर्ष से कम (सरकारी सेवाको के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकता है)"।

1. (1) These rules may be called the Publications Division, Delhi (Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Publications Division, Delhi (Class II Posts) Recruitment Rules, 1961,

(i) for the word and figures 'Class II' wherever they occur the word and letter 'Group B' shall be substituted;

(ii) in column 6 of the Schedule 'relating to the post of Assistant Business Manager', for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

"Below 35 years. (relaxable to Government servants upto 5 years)."

[फा० सं. ए. 12018/1/84-प्रशा. 1/डी. पी. डे./यू.एम. (एम.सी.)  
घनश्याम दास गुलाटी, अवर सचिव]

[F. No. A-12018/1/84-Admn. I/DPD/US(MC)]

G. D. GULATI, Under Secy.

टिप्पण. मूल नियम, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में सा. का. नि. 243, तारीख 21 फरवरी, 1961 के रूप में प्रकाशित किए गए थे और पश्चात्तर्षी संशोधन राजपत्र में निम्नलिखित अधिसूचना संख्याओं के अधीन प्रकाशित किये गए थे :

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India Part II, Section III, Sub-Section (i) as G.S.R. 243 dated the 21st February, 1961 and subsequent amendments were published in the Official Gazette vide notification numbers:

1/48/61-प्रका., तारीख 2-12-61;

1/48/61-Pub. dated, 2-12-61;

2/3/62-प्रका., तारीख 8-7-63;

2/8/62-Pub. dated, 8-7-63;

9/13/58-ई/यू एम (पी.) तारीख, 6-3-67;

9/13/58-E/US(P) dated, 6-3-67;

ए-12018/1/70-प्रशा. 1, तारीख 7-7-70;

A-12018/1/70-Admn. I-dated, 7-7-70;

ए-12018/1/72-प्रशा. 1/यू.एम. (1) तारीख 26-4-74

A-12018/2/73-Admn. I, dated, 9-7-73; and

और ए-12018/1/73-प्रशा. 1, तारीख 9-7-73;

A-12018/1/72-Admn. I/US(I), dated, 26-4-74.

## परिवहन मंत्रालय

(जल मूल परिवहन विभाग)

(मुख्य अभियन्ता एवं प्रशासन का कार्यालय)

(अन्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह निर्माण कार्य)

पोर्ट ब्लेयर, 15 नवम्बर, 1985

सा० का० नि० 1133—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अन्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह निर्माण कार्य (तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती नियम 1969 को उन बातों के सिवाय अधिग्रहण करते हुए जिन्हें ऐसे अधिग्रहण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है अन्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह निर्माण कार्य में समूह "ग" और "घ" के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अन्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह निर्माण कार्य समूह "ग" और "घ" पद भर्ती नियम 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों में उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

## 4. निरर्हता :—यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या पत्नी जीवित है विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार को यह समाधान हो जाता है कि ऐसे विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उसके लिये जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य गिनायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संवध में समय समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रत्ययन पद	सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य ग्रहणाएँ
1	2	3	4	5	6	7	8
(1) कार्यालय अधीक्षक	* 6 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपक्षित अनुसूचिकीय	550-20-650- 25-750 रु	चयन	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक ग्रहणाएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिमितियों की प्रतिशतता।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा रिक्तियों की प्रतिशतता :— (क) मुख्य अभियन्ता और प्रशासक का आणुलिपिक और व्यक्तिगत सहायक 20% (ख) लेखापाल/प्रधान लिपिक 80%	प्रोन्नति :—(क) मुख्य अभियन्ता और प्रशासक का आणुलिपिक और व्यक्तिगत सहायक जिसमें नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पञ्चान् उस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा की है। (ख) लेखाकार जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर उस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा की है। (ग) "ख" के न हो सकने पर लेखाकार जिन्होंने नियमित आधार पर उस	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिये 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अलबनिका) —सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं		

9	10	11	12	13	14
			पद पर नियुक्ति के पश्चात् सेवाकार तथा प्रधान लिपिक के श्रेणी में सम्मिलित रूप से 3 वर्ष की सेवा की है।		
			(ब) "ख" और "ग" के तहत होने पर प्रधान लिपिक जिन्होंने निय- मित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा की है।		
			प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण — ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय/राज्य सरकारों के अधीन विभागों में समकक्ष पद पर हैं अथवा जिन्होंने 425-700/800 रु० के या समतुल्य वेतनमान के पदों पर तीन वर्ष तक नियमित सेवा की है।		
			(प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत उसी संगठन विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य संवर्ग बाह्य पद पर प्रति- नियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।		

1	2	3	4	5	6	7	8
(2) सेवाकार	*6 (1985) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग "ग"	425-15-500- द०रो०-15-560- 20-640-द०रो०- 20-700-25-750	वचन	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके तहत ने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोन्नति :— प्रधान लिपिक जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 2 वर्ष की सेवा की है। जिसके तहत होने पर उच्च श्रेणी लिपिक/अध्यापक/अध्यापक श्रेणी III (330-560) जिन्होंने नियमित आधार पर क्रमानुसार उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागों में समकक्ष पद पर हैं अथवा जिन्होंने 330-560 रु० के वेतनमान में 5 वर्ष की नियमित सेवा की है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत हमारे संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति गमिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिए :— (1) प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष (2) उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य (3) सम्बद्ध अधिकारी (अलवतिका —सदस्य (4) ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
						भामने मे प्रायु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिये कहा जायेगा ।	
9	10	11	12	13	14		
प्रायु—नहीं शैक्षिक योग्यता—हां	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण तथा दोनों के न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति : आगुलिपिक ग्रेड III जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात उम्र श्रेणी मे 5 वर्षों को सेवा की है । प्रतिनियुक्ति—ऐसे अधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागों मे समकक्ष पद पर है अथवा 330- 560 रु० के वेतनमान मे 5 वर्ष की सेवा है अथवा समकक्ष (प्रतिनियुक्ति की अवधि को जोड़कर नियुक्ति के तत्काल पहले उसी संगठन/विभाग मे किसी अन्य संवर्ग वाला पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी ) ।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिये 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अवलंबनिका) —सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं		
1	2	3	4	5	6	7	8
(5) उच्च श्रेणी लिपिक	*34 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग "ग" अ राजपत्रित अनुसूचीय	330-10-380- ६००-12-500- ६००-15-560	अवयव	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं	दो वर्ष	25% सीमित विभागीय परीक्षा द्वारा तथा 75% प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा ।	सीमित विभागीय परीक्षा 25% निम्न श्रेणी लिपिक/भण्डार लिपिक श्रेणी I और II/भण्डार सहायक श्रेणी I जिन्होंने नियुक्ति के उपरान्त 5 वर्ष की नियमित सेवा की है । प्रोन्नति :—75% निम्न श्रेणी लिपिक/ भण्डार लिपिक श्रेणी I और II/ भण्डार सहायक श्रेणी-I जिन्होंने नियुक्ति के उपरान्त उस श्रेणी मे 8 वर्ष की नियमित सेवा की है । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :— ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय/राज्य सरकारी विभागों/केन्द्र शासित प्रशासन मे समकक्ष पद पर है अथवा 260-350/400 रु० के वेतनमान में 8 वर्षों की नियमित सेवा है या समकक्ष (प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग मे इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य संवर्ग वाला पद पर प्रति- नियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिये :— 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अवलंबनिका) —सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं		

1	2	3	4	5	6	7	8
6. आणुलिपिक	*12 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अ राजपत्रित अनुसन्धीय	330-10-380- ब.रो.-12-500- ब.रो.-15-560	लागू नहीं	नहीं	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्म-चारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी - आयु-सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख बहू होगी जिस अन्तिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अङ्ग-मान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षदीव के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु-सीमा अव-धारित करने की निर्णायक तारीख बहू होगी जिस अन्तिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	1. मैट्रिक परीक्षा या इसके समकक्ष अर्हताएं। 2. टाइप में न्यूनतम गति 40 शब्द प्रति मिनट। 3. आणुलिपिक में न्यूनतम गति 80 शब्द प्रति मिनट।

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	निम्न श्रेणी लिपिक/ अण्डार लिपिक ग्रेड-I/ अण्डार सह-यक ग्रेड-I/ अण्डार लिपिक ग्रेड-II/ में से समिति विभागीय प्रति-योगिता परीक्षा द्वारा जिसके न हों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिए :— 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अलव-निका)—सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अङ्गमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
7. निम्न श्रेणी लिपिक	*80 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अ राजपत्रित अनुसन्धीय	260-6-290- ब.रो.-6-326-8- 360-ब.रो.-8- 390-10-400 रूपये।	लागू नहीं	नहीं	18 से 25 वर्ष। केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्म-	मैट्रिक परीक्षा या इसके समकक्ष अर्हताएं तथा टाइप की न्यूनतम गति 35 शब्द प्रति मिनट।



2	7
किया जा सकता है।	<p>कारियों के लिए 35 वर्ष तक शिक्षणीय है।</p> <p>टिप्पणी आयु-सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख बड़ी होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अप्रमान और निको बार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अनिर्दिष्ट) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे।</p> <p>जहाँ भर्ती राजशाह कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोज़गार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।</p>

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	<p>निम्न श्रेणी लिपिक की श्रेणी में 10% की रिक्तियों नियमित स्थापना के कर्मचारियों में से निम्नलिखित शर्तों के अधीन सीधे भर्ती द्वारा भरो जाएंगे।</p> <p>(क) विभागीय परीक्षा द्वारा वर्ग "घ" के उन कर्मचारियों में से चयन किया जाएगा जो अपेक्षित मैट्रिक या समकक्ष की स्तुनम शैक्षणिक योग्यता पूरा करते हों।</p> <p>(ख) परीक्षा के लिए आयु-सीमा 10 वर्ष होगी। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के मामले में आयु सीमा 45 वर्ष होगी।</p> <p>(ग) वर्ग "घ" में 5 वर्ष की नियमित सेवा आवश्यक है।</p> <p>(घ) इस विधि से अधिकतम रिक्त स्थान भरने की सीमा 10 प्रतिशत है। वर्ष में जो स्थान रिक्त हो जायेंगे उनमें बिना भरे गए रिक्त स्थान नहीं जोड़ जाएंगे।</p>	<p>मनुष्य ग विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिए --</p> <p>1 प्रधान अभियन्ता--अध्यक्ष</p> <p>2 उप मुख्य अभियन्ता--सदस्य</p> <p>3 सम्बद्ध अधिकारी (अलमनिक)--सदस्य</p> <p>4 यार्माण विकास अधिकारी (अप्रमान तथा निकोबार प्रशासन)--सदस्य</p>	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
8 भण्डार लिपिक ग्रेड-I	19 <sup>th</sup> (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माध्यम केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अनुसूचित श्रेणी	260-6-290- बंगलूर-6-3, 16- 8-366-बंगलूर-4- 390-18-400 रूप में।	अवकाश नहीं		18 से 25 वर्ष। केन्द्रीय सरकार द्वारा समय- समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कम- चारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलीय है।	1. मैट्रिक परीक्षा या सम- कक्ष ग्रहण। 2. टाइप में न्यूनतम गति 30 शब्द प्रति मिनट।
<p>टिप्पणी: आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वहीं होगी जिस अन्तिम तारीख तक भारत उम्मीदवारों (अंतिम और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे।</p> <p>जहाँ जहाँ रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अन्तिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।</p>							

9	10	11	12	13	14
अयु—नहीं अधिक अक्षर—हो	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकते पर सीधे भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : भण्डार सहायक ग्रेड-2 जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा की है।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति/पुष्टि के लिए 1 प्रधान अधिकारी—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अधिकारी—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी—सदस्य (अलभनिका) 4 सामाजिक विकास अधिकारी (अंतिम तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	खारू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
9 कार्य निरीक्षक	32 <sup>nd</sup> (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा	माध्यम केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अनु- सूचित श्रेणी	550-20-1650- 25-750 रू०	अवकाश नहीं		30 वर्ष से अधिक नहीं। केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कम-चारियों के लिए 35	1. किसी माध्यमता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / भारी इंजीनियरिंग में डिग्री अथवा समकक्ष सहित दो वर्ष का

2		7		8			
सकता है।		वर्ष तक शिथिलनीय है।		अनुभव तथा			
		टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के प्रति-रिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे।		2 सिविल / मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / माइनिंग इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा समकक्ष सहित 5 वर्ष का अनुभव। टिप्पणी : अनुभव संबंधी अहंभाग नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब तक शिथिल की जा सकती है जब तक चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके लिए आगस्तस रक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।			
		अहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अक्षरधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को तामाकन भेजने के लिए कहा जाएगा।					
9	10	11	12	12	14		
नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधे भर्ती द्वारा।	अभियांत्रिकी सहायक जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा की है।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति/पुष्टि के लिए 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अल-बनिका)—सदस्य 4. ग्रामाण विकास अधिकारी (अंडमन तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं		
1	2	3	4	5	6	7	8
10. अभियांत्रिकी सहायक	*95 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अनुसन्धीय	425-15-500- द.रो.-15-560- 20-700 रुपये।	चयन	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारी के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस	किसी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से सिविल/यांत्रिक / विद्युत अभियांत्रिकी में डिग्री अथवा सिविल / यांत्रिक / विद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा सहित 2 वर्ष का सिविल निर्माण कार्यों में अनुभव / विभिन्न मशीनों /

	7	8
	<p>अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किये जायेंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।</p>	<p>विद्युत कार्यों में चलाने एवं अनुरक्षण का अनुभव। टिप्पणी : अनुभव संबंधी अर्हताएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अभ्याधियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके लिए अपेक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्याधि प्रयाप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p>

9	10	11	12	13	14
नहीं	दो वर्ष	25% पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधे भर्ती द्वारा अथवा 75% सीधे भर्ती द्वारा।	ओवरसीयर जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा की है।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति/प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिए 1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी (अल-बनिका)—सदस्य 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अंडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
11. प्रारूपकार श्रेण -1	4* (1935) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	माधारण केन्द्रिय सिविल सेवा समूह "न" अगजपत्रित अनुसूचिकीय	550-20-650-25-750 रुपये	चयन	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रिय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुवशो या आवशो के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनय है।	किसी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से सिविल, यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिग्री तथा प्रारूपकारिता में दो वर्ष का अनुभव अथवा सिविल/यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा सहित 5 वर्षों का अनुभव। टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णय- टिप्पणी अनुभव सम्बन्धी अर्हताएं नियुक्ति प्राधि-

7	8
<p>यक तारीख वहाँ होगा जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किये जायेंगे।</p> <p>जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जानी है उस में मले में आय सीमा अवधारित करने की नि- णयित तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।</p>	<p>कारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लक्ष्य करके तब प्रशिक्षण की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की राय है कि उसके लिए आवश्यक शिक्षणों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उप- लब्ध नहीं हो सकेंगे</p>

9	10	11	12	13	14
नहीं	दो वर्ष	प्राप्ति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण तथा दोनों के न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।	<p>प्रोत्तन - गैस प्रारूपकार श्रेणी-2 जिन्होंने नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पश्चात उस श्रेणी में 5 वर्षों की सेवा की है।</p> <p>प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण ऐसे व्यक्ति जो केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों/मुख्य पोर्ट ट्रस्ट में सम- कक्ष पद पर हैं अथवा जिन्होंने 415-700/800 रु. के या सम- तुल्य वेतमान पदों पर 5 वर्ष तक नियमित सेवा की है।</p> <p>(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसे संगठन/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठवाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधार- णतः नौ वर्ष से अधिक नहीं होगी)</p>	<p>समूह "ध" विभागीय प्रोत्तन लाभ नहीं समिति प्रोत्तन तथा पुर्णित के लिए</p> <p>1 प्रधान अभियन्ता — अध्यक्ष</p> <p>2 उप मुख्य अभियन्ता — सदस्य</p> <p>3 सम्बद्ध अधिकारी — सदस्य (अलबनिवा)</p> <p>4 समीक्षा विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन) — सदस्य</p>	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
12 प्रारूपकार श्रेणी-2	<p>4* (1985) कैबिनेट के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।</p>	<p>नाधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अंगजबजित अनुसूचित वर्ग</p>	<p>425-15-500-रु. 15-500-20-700 रु.</p>	चयन	नहीं	<p>30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकार के कर्मचारियों को लिए 35 वर्ष तक प्रशिक्षण दिया है।</p> <p>प्रशिक्षण आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णयित तारीख वहाँ होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों</p>	<p>मिनिस्टर/पब्लिक अभियन्ता-1 त्रिकी में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता तथा रेख चित्र कार्यालय में कार्य का अनुभव।</p> <p>प्रशिक्षण अभ्यर्थी अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में वह</p>

		7	8				
		(अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) में आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालय द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	अहाँ वह इसके लिए जो कारण हैं उन्हें लखबंद करके तब निर्णय की जा सकती है जब चयन के फिर्ता प्रश्न पर नियुक्ति प्राधिकारों की यह राय है कि उसके लिए अश्विनि रिक्ति को भरने के लिए अश्विनि अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अल्प-वर्षीय पयपि संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।				
9	10	11	12	13	14		
नहीं	दो वर्ष	प्राप्ति द्वारा जिसके न हो प्रोत्ति-सकने पर संघो भर्ती द्वारा।	नियमित आधार पर उस पद पर नियुक्ति के पञ्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा की है।	समूह "ग" विभागीय प्रोत्ति-समिति/प्रोत्ति तथा पुष्टि के लिए 1. प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3. सर्वोच्च अधिकारी (अवबन्तिका)—सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अंडमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	यान् नहीं		
1	2	3	4	5	6	7	8
13 प्राप्ति-अर्थो-3	5 <sup>th</sup> (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	साक्षरता केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अतनुमधिकीय	330-10-380-12-300-व. रो. 15-560 रु०	अवयव नहीं	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या अदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक सिविलीय है। टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारण करने की तिथि तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) में आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालय द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	सिविल, यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा अथवा सिविल, यांत्रिक अभियांत्रिकी में दो वर्ष का प्रमाण पत्र सहित रेकार्डिंग कार्यालय में तीन वर्ष की सेवा।	

9	10	11	12	13	14
आयु—नहीं शैक्षिक अनुपात — हा	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा	प्रोन्नति . अनुरक्षण-ब-लोह मुद्रक समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति लागू नहीं जिन्होंने नियमित आधार पर उस समिति/प्रोन्नतिपुष्टि के लिए पद पर नियुक्ति के पश्चात उन 1 प्रधान अभियन्ता —अध्यक्ष अंशों में 5 वर्ष की सेवा की है। 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 1 सम्बद्ध अधिकारी—सदस्य (अलबानिका) 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अवमान तथा निकोबार प्रशासन) — सदस्य		

1	2	3	4	5	6	7	8
14 अनुरक्षण ब लोह मुद्रक	12* (1985) *कार्यभार के आधार समूह "ग" पर परिवर्तन अराजकप्रति क्रिया जा अनुसन्धानीय सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग"	260-3-300- द रो -8-340- 10-380-10- द रो -10-430	लागू नहीं	नहीं	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुवृत्तों या आवेशों के अनुसार सरकारी कर्मचा- रियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है।	मैट्रिक या समकक्ष योग्यता अनुरक्षण/लोह मुद्रक में किसी रेखाचित्र या कार्यालय में अनुभव या सिविल प्राथमिका- रिता में अनुभव।
						टिप्पणी: आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख यह होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अवमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अति- रिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालय द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक ता- रिख यह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोज- गार कार्यालयों को ना- मांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	टिप्पणी: अनुभव सम्बन्धी अहंसाए नि- युक्ति प्राधिकारी विवकामुसार अनु- सूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अभ्याषियों की दशा में वहाँ यह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियु- क्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके लिए आवश्यक रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेगे।

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति/पुष्टि के लिए 1 प्रधान अभियन्ता —अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता —सदस्य 1 सम्बद्ध अधिकारी —सदस्य (अलबानिका) 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अवमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
(15) महायुक्त समूची *5 सर्वेक्षण (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अननुसूचित	550-20-650- 25-750-र.	नागू नहीं	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनु- सार सरकारी कर्मचा- रियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है।	विशेष अभियांत्रिकी में डिप्लोमा सम्मकक्ष योग्यता तथा जन सर्वेक्षण में अनुभव या भारतीय नौसेना में अभियन्तक-1 की सेवा की हो।	
					टिप्पणी :—आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णा- यक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जहां भर्ती रोजगार कार्यालय द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	टिप्पणी :—अनुभव सम्बन्धी अर्हताएँ नियुक्ति प्राधि- कारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अभ्यासियों की दशा में वहां वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर नि- युक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके आरक्षित शक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन सम्भाव्यों के अभ्यर्षी प्राप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।	

9	10	11	12	13	14
नागू नहीं	दो वर्ष	संघे भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : ऐस अधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकारी के विभागों/मुख्य पोत में सर्वेक्षण पर धारण किए हुए हैं अथवा 425-700/800 रु के वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा की है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसी संघ/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठस्तर/पद पर प्रति- नियुक्ति की अवधि है, साधारणतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह "ग" विभागीय प्रोत्थित समिति : प्रोत्थित/पुष्टि के लिए 1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी—सदस्य (अलबतिका) 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	नागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
(16) मास्टर (सारंग व नेवीसेटर)	*16 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अननुसूचित	550-20-650- 25-750	नयन	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्म- चारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है।	भारतीय भाष जलयान अभिनियम 1917 के अधीन अंतर्देशीय भाष जलयान में प्रथम श्रेणी मास्टर/द्वितीय श्रेणी मास्टर में सम्मता का प्रमाण पत्र तथा कक्षा



1	2	3	4	5	6	7	8
						टिप्पणी —आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे। जहाँ भर्ती रोज-गार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा व्यवधानित करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक रोज-गार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	5 वर्षों का अनुभव। टिप्पणी —अनुभव सम्बन्धी अर्हताएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अभ्यासियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जा कारण है उन्हें देखबद्ध करके तब नियुक्ति की जा सकती है जब चयन के क्रिया प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके लिए आरक्षित रिक्तियों का भरण के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समूहों के व्यर्थों प्रयाप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

9	10	11	12	13	14
आयु नहीं शैक्षिक ही योग्यता	दो वर्ष	प्रोत्तति द्वारा जिसके न होने पर सीधे भर्ती द्वारा	प्रोत्तति सौरग जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्षों की सेवा की है।	समूह "ग" विभागीय प्रोत्तति समिति, प्रादेशिक/पुष्टि के लिए 1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी—सदस्य (अलबानिका) 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	नायु नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
(17) सारग	*9 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" धराज-पत्रित अनुसूचि-वीय	380-12-500- द.रो.-15-560	आयु नहीं	नहीं	30 वर्षों में अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्षों तक शिथिलनीय है। टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंशमान और निकोबार	अनर्देशीय भाषा जलवायन अधिनियम 1917 के अधीन प्रथम श्रेणी मास्टर/ द्वितीय श्रेणी मास्टर में सक्षमता का प्रमाण पत्र सहित ग्रेड में कमश 3 से 5 वर्षों का अनुभव। टिप्पणी अनुभव संबंधी अर्हताएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों या अनु-

1	2	3	4	5	6	7	8
						द्वीप समूह और सहद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) में आवे- दन प्राप्त किए जाएंगे जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख बतही होगी जिस अंतिम तारीख तक रोज- गार कार्यालयों को तामि- नान भेजने के लिए कहा जाएगा	सूचित जनजातियों के अभ्यासियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उन्हें देखबूझ करके तब शिथिल की जा सकती है जब खपत के किसी प्रकार पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तिमो- को भरने में लिए अपे- क्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्य- र्थी पर्याप्त संख्या में उप- लब्ध नहीं हो सकेंगे।

9	10	11	12	13	14
वापू नहीं	दो वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा जिसके न हों सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण ऐसे व्यक्ति जो केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागों/मुख्य पोर्ट में समकक्ष पद पर हैं अथवा जिन्होंने 260- 350/400 रु. के वेतनमान में 5 वर्ष तक नियमित सेवा की है अथवा समकक्ष तथा जिसके पास सीधी भर्ती के लिए विहित शैक्षिक योग्यताएँ हैं (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी मण्डल/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठ बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतः तीन वर्ष में अधिक नहीं होगी।	समूह "ग" विभागीय प्रोत्ति मिति —गुटि के लिए— 1. प्रधान अभियंता—अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियंता—सदस्य 3. सहाय्य अधिकारी—सदस्य (असहनिता) 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोवार प्रशासन) —सदस्य	वापू नहीं।

1	2	3	4	5	6	7	8
18. मुख्य इञ्जन खालक व धात्विक	* 4 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित अन- नुसन्धित	550-20-650- 25-750-क	नयन	नहीं	30 वर्ष में अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सर- कारी कर्मचारियों के लिए 15 वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी आयु सीमा निर्धार- ण करने की निर्णायक तारीख बतही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंशमान और निवा- स्य द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त में आवे-	अनिवार्य : समूह चालित मोटर पोत में सक्षमत का प्रमाण पत्र व्यापा- रिक नौवहन अधिनियम 1958 के अधीन या प्रथम श्रेणी इञ्जन खालक में सक्षमता का प्रमाण पत्र अनिवार्य भाग जलयान अधिनियम 1917 के अधीन तथा समूह चालित जलयान में 18 वर्षों का अनुभव। बाह्यतीय डीजल इंजी- नियरिंग में डिप्लोमा टिप्पणी अनिवार्य सक्ती अनुदान नियुक्ति प्राधि- कारी के विवेकानुसार

1	2	3	4	5	6	7	8
						दन प्राप्त किये जायेंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्याथियों की दशा में वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब शिथिल की जा सकती है जब चयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की गाय है कि उसके लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्याथी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।
9	10	11	12	13	14		
आयु नहीं शैक्षिक योग्यताएँ— हा	२० वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा तथा दोनों के न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (सविदा को जोड़कर)	प्रोन्नति मेरीन इजन चालक जिन्होंने नियमित आधार पर उम्र पद पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में ८ वर्ष की सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (सविदा को जोड़कर) गैस अधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागों/मुख्य पात के अधीन सदृश पद धारण किए हुए हैं अथवा ४२५-७०० रु के वेतनमान में ३ वर्षों की सेवा है अथवा ३३०-३८०-५६० रु के वेतनमान में ५ वर्षों की सेवा है अथवा समकक्ष तथा जिससे पाग सीधे भर्ती के लिए शैक्षिक अर्हताएँ हैं (प्रतिनियुक्ति की अवधि, सविदा साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति तथा पुष्टि के लिए— १ प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष २ उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य ३ सवद्ध अधिकारी—सदस्य (अलबनिका) ४ ग्रामीण विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं		
1	2	4	5	6	7	8	
१९ समुद्री इजन चालक	* १३ (१९८५) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अग्रजपत्रित अग्रतुल्यविवीय	३८०-१२-५००-६२०-१५-५६०	लागू नहीं	नहीं	३० वर्ष से अधिक नहीं केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार मर-कारी परामर्शियों के लिए ३५ वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी आय सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत व उम्मीदवर्ती (अडमान और निको-	अंतरदेशीय मोटर पोत नियम १९१७ के अधीन प्रथम श्रेणी इजन चालक का प्रमाण पत्र अथवा द्वितीय श्रेणी इजन चालक से अंतर्देशीय मोटर पोत नियम १९१७ के अधीन मक्षमता या प्रमाण पत्र सहित क्षेत्र में ५ वर्ष का अनुभव। टिप्पणी अनुभव संबंधी अर्हताएँ नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार

1	2	3	4	5	6	7	8
						बार द्वीप समूह और मछली के उम्मीदवारों के अनिश्चित (मे आवे-वन प्राप्त किए जायेंगे जहां भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आसु सोमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस अनिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा)।	अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के अभ्यासियों की दशा में वहां वह इसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तब शिथिल की जा सकती है जब जयन के किसी प्रक्रम पर नियुक्ति प्राधिकारी की यह राय है कि उसके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	वा वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा स्थानांतरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण ऐसे अधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकार विभाग/मुख्य पोर्ट में समकक्ष पद पर रहे हैं अथवा जिन्होंने 260-350/400 रु० के वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा की है अथवा समकक्ष तथा जिनके पास सीधी भर्ती के लिए बिजिन शैक्षिक योग्यताएं हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसे मगठन/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य नाइटबाल पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माध्याह्न तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह "ग" विभागीय प्रोवेंति समिति पुष्टि के लिए 1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 संबद्ध अधिकारी (अलबकि) —सदस्य 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अडमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
20	बतार प्रचालक *5 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माध्याह्न केन्द्रीय संख्या 330-10-380-समूह 'ग' अग्रज- व रो -12-500-पत्रित अनुसूचिणीय द रो -15 560	लागू नहीं	लागू नहीं	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलता है।	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलता है।	किसी माय्यता प्राप्त संस्था में मैट्रिक परीक्षा या समकक्ष तथा पोस्ट-मास्टर जनरल द्वितीय श्रेणी विशेष परीक्षा में उत्तीर्ण।
						टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अनिम तारीख तक भारत व उम्मीदवारों (अडमान और निकोबार द्वीप समूह और	

1	2	3	4	5	6	7	8
						समूहों के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण ऐसे अधिकारी जिन्होंने केन्द्रीय/राज्य सरकार विभाग/मुख्य पोट में सर्वश्रेष्ठ पद धारण किए हुए हैं अथवा 260-350/400 रु. वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा की है तथा जिनके पास सीधे भर्ती के लिए ब्रिहित शैक्षिक योग्यताएँ हैं (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठरखाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) :	लागू नहीं		
				1 प्रधान अभियंता—अध्यक्ष			
				2 उप मुख्य अभियंता—सदस्य			
				3 सहायक अधिकारी (प्रबन्धनिका) — सदस्य			
				4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अवमान तथा निकोबार प्रशासन)—सदस्य			
1	2	3	4	5	6	7	8
21 बफतरी*	* 3 (1985) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ब' अराजपक्षित अनुसूचित सचिवीय	200-3-206-4-234-द रो.-5-250 रु.	अवयव	नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं	लागू नहीं	100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा	ऐसे अपरासी से प्रोन्नति जिसने उस पद पर तीन वर्ष की न्यूनतम सेवा की है।	समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति प्रोन्नति/पुष्टि के लिए	लागू नहीं		
				1 प्रधान अभियंता —अध्यक्ष			
				2 उप मुख्य अभियंता—सदस्य			
				3. सहायक अधिकारी (अवमानिका) —सदस्य			
				4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अवमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य			

1	2	3	4	5	6	7	8
22 चपरासी	*16 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा 'घ' अंगज- पत्रित अनुसचि- वीय	196-3-220-द रो-3-232 द	लागू नहीं	लागू नहीं	18 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 15 वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अवमान और निको बार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवे- दन प्राप्त किए जायेंगे। जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालय द्वारा को जाती है उस मामले में आयु- सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालय को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	आठवीं कक्षा उत्तीर्ण

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं	समूह ४ विभागीय प्रोन्नति समिति/प्रोन्नति (पुष्टि के लिए) 1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2 उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी (अल- बनिका) —सदस्य 4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अवमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
23 फरासी	*1 (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' अंगजपत्रित अनुसचिवीय	196-3-220- द रो -3-232 द	लागू नहीं	नहीं	1 से 25 वर्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है। टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी	माभर तथा स्वस्थ शरीर होना चाहिए

1	2	3	4	5	6	7	8
						जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंजमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे जहाँ भर्ती राजभार कार्यालयों द्वारा का जाता है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने का निर्णायक ताराख वही होगा जिस अंतिम तारीख तक राजभार कार्यालय का नामांकन भजने के लिए कहा जाएगा ।	
9	10	11		12		13	14
लागू नहीं	वा वर्ष	साध भर्ती द्वारा		लागू नहीं		समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए) :	लागू नहीं
						1 प्रधान अभियन्ता—अध्यक्ष 2, उप मुख्य अभियन्ता—सदस्य 3 सम्बद्ध अधिकारी (अन-बनिका) —सदस्य 4 द्वासीण विकास अधिकारी (अंजमान तथा निकोबार प्रशासन) —सदस्य	
1	2	3	4	5	6	7	8
24. खलामो	*4 (1985) माधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ब' के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	196-3-220- द रा -3-232 घ	लागू नहीं	नहीं	18 व 25 वर्ष	स्वस्थ शरीर होना चाहिए ।	वांछनीय आठवी कक्षा उत्तारण
					द्वीप सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय है ।	वांछनीय आठवी कक्षा उत्तारण	
					टिप्पणी आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंजमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अतिरिक्त) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे । जहाँ भर्ती		

1	2	3	4	5	6	7	8
						रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं	दो वर्ष	संघ भर्ती द्वारा	लागू नहीं	समूह 'घ' विभागीय प्राप्ति समिति (पुण्ड के लिए) :	लागू नहीं		
				1 प्रधान अभियन्ता —अध्यक्ष			
				2 उप मुख्य अभियन्ता			
				—सदस्य			
				3. सम्बद्ध अधिकारी (अलबानिका			
				—सदस्य			
				4 ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोबार प्रशासन)	—सदस्य		
1	2	3	4	5	6	7	8
25 चौकीदार	49* (1985) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' अराजपक्षित अनुसूचितवाय	196-3-220- ब.रा -3-232 ६०	लागू नहीं	नहीं	30 वर्ष से अधिक नहीं। मांशक तथा स्वस्थ शरीर (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार या सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिक्षितयोग्य है)। टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तारीख वही होगी जिस अंतिम तारीख तक भारत के उम्मीदवारों (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के अनिश्चित) से आवेदन प्राप्त किए जायेंगे जहाँ भर्ती रोजगार कार्यालयों द्वारा की जाती है उस मामले में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस अंतिम तारीख तक रोजगार कार्यालयों को नामांकन भेजने के लिए कहा जाएगा।	



9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधे चर्चा द्वारा	लागू नहीं	समूह 'ब' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि) के लिए— 1. प्रधान अभियन्ता ---अध्यक्ष 2. उप मुख्य अभियन्ता ---सदस्य 3. सम्बद्ध अधिकारी (अल-बनिका). ---सदस्य 4. ग्रामीण विकास अधिकारी (अंशमान तथा निकोबार प्रशासन) ---सदस्य	लागू नहीं

[ए.एल.एच डब्ल्यू/ए.डी.एम./1(12)/85]

एम. जानओलिवु, मुख्य अभियन्ता एवं प्रशासक (अलबनिका)

## MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Surface Transport)

(Office of the Chief Engineer &amp; Administrator)

(Andaman Lakshadweep Harbour Works)

Port Blair, the 15th November, 1985

G.S.R. 1133.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Andaman Lakshadweep Harbour Works (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' and Group 'D' posts in the Andaman Lakshadweep Harbour Works, Ministry of Transport, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Andaman Lakshadweep Harbour Works Group 'C' and Group 'D' posts Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary to expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rules 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7	8
1. Office Superintendent	6* (1985) *Subject to variation on work load.	General Central Service, Group 'C' Non-gazetted Ministerial	Rs. 550-20-650-25-750.	Selection	No	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grade from which promotion/deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation. Percentage of vacancies: (a) Stenographer & Personal Assistant to Chief Engineer and Administrator—20% (b) Accountant/Head Clerk—80%	Promotion : (a) Stenographer and Personal Assistant to Chief Engineer & Administrator with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. (b) Accountant with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. (c) Failing (b) above, Accountant with 3 years combined service in the grades of Accountant and Head Clerk rendered after appointment to the respective grades on a regular basis. (d) failing (b) (c) above Head Clerk with 3 years service rendered after appointment to the grade on a regular basis  Transfer on deputation:  Officer holding analogous posts under Central/State Government Department or with 3 years Service in the scale of Rs. 425-700/800 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confirmation : (1) Principal Engineer—Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member (4) Rural Development Officer, Andaman and Nicobar Administration—Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
2. Accountant	6* (1985) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 425-15-500-EB5-15-560-20-640-EB-20-700-25-750	Selection	No	Not applicable	Not applicable

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation	<p>Promotion : Head Clerk with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis, failing which Upper Division Clerk/Store keeper/Stenographer Gr. III (Rs. 330-560) with 5 years in the respective grades rendered after appointment thereto on a regular basis.</p> <p>Transfer on deputation : Officers holding analogous posts in Central/ State Government Departments or with 5 years service in the scale of Rs. 330-560 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).</p>	<p>Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confirmation</p> <p>(1) Principal Engineer—Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member (4) Rural Development Officer, Andaman &amp; Nicobar Administration—Member</p>	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Head Clerk	*4 (1985) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Selection	No	Not applicable	Not applicable

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation	<p>Promotion : Upper Division Clerk/Store Keeper/Stenographer Gr. III (Rs. 330-560) with 5 years service in the respective grades rendered after appointment thereto on a regular basis.</p> <p>Transfer on deputation : Officers holding analogous posts in Central/State Government Departments or with 5 years service in the scale of Rs. 330-560 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).</p>	<p>Group 'C' Departmental Promotion Committee for Promotion/confirmation:</p> <p>(1) Principal Engineer—Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member (4) Rural Development Officer, Andaman &amp; Nicobar Administration—Member</p>	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
4. Stenographer and Personal Assistant to Chief Engineer & Administrator	*1 (1985) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 425-15-500-FB-15-560-20-700	Selection	No	18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Matriculation or equivalent qualification with 40 words per minute in typewriting and 120 words per minute in Shorthand.

9	10	11	12	13	14
Age : No Educational Qualifications : Yes	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment	Promotion : Stenographer Gr. III with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Deputation : Officers holding analogous posts in Central /State Government Departments or with 5 years service in the scale of Rs. 330-560 or equivalent (including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/ confirmation : (1) Principal Engineer—Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
5. Upper Division Clerk	*34 (1985) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-FB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	No	Not applicable	Not applicable.

9	10	11	12	13	14
Not applicable ;	2 years	25% by limited Departmental Examination and 75% by promotion failing which by deputation.	Limited Departmental Examination 25% : Lower Division Clerk/Store Clerk Gr. I & II/Store Assistant Gr. I with 5 years service after appointment thereto on a regular basis. Promotion 75% : Lower Division Clerk/Store Clerk Gr. I & II/Store Assistant Gr. I with 8 years service after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation : Officers holding analogous posts in Central/State Government Departments/ Union Territory Administrations or with 8 years service in the scale of Rs. 260-350/400 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman (2) Deputy Chief Engineer —Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
6. Stenographer	*12 (1985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not application	No	18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	(i) Matriculation or its equivalent qualification. (ii) Minimum speed of 40 words per minute in type-writing. (iii) Minimum speed of 80 words per minute in Shorthand.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By limited Departmental competitive examination from the grades of Lower Division Clerk, Store Clerk Gr. I, Store Assistant Gr. I and Store Clerk Gr. II failing which by direct recruitment.	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
7. Lower Division Clerk	*80 (1985) *Subject to variation dependent on workload	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-360-EB-8-390-10-400.	Not applicable	No	18 to 25 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Matriculation or equivalent qualification with minimum speed of 30 words per minute in typewritings

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	10% of the vacancies in the grade of Lower Division Clerk shall be filled by direct recruitment of employees borne on regular establishment subject to the following conditions : (a) Selection shall be made through a Departmental examination confined to such Group 'D' employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification namely Matriculation or equivalent.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable

9	10	11	12	13	14
			(b) the maximum age for this examination shall be 40 years (45 years for SC/ST candidates).		
			(c) atleast 5 years service in Group 'D' would be essential.		
			(d) The maximum number of recruits by this method would be limited to 10% of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerk occurring in a year. Unfilled vacancies shall not be carried over.		

1	2	3	4	5	6	7	8
8. Store Clerk Grade I	*19 (1985) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Non-Selection	No	18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	(i) Matriculation or its equivalent qualification. (ii) Minimum speed of 30 words per minute in typewriting.

9	10	11	12	13	14
Age : No educational qualifications ; Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Store Assistant Grade II with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'C' Departmental Promotion Committee promotion/confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman (2) Deputy Chief Engineer —Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
9. Inspector of of Works	*32 (1985)	General Central Service Group 'C' Non-Gaze- ted Non- Ministerial	Rs. 550-20- 650-25-750	Selection	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable for Go- vernment servants upto 35 years in accordance with the instructions or or- ders issued by the Central Government) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candida- tes in India (other than in Andaman & Nicobar Island and Lakshadweep). In case the appoint- ment to the post is made through the Employment Ex- changes, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employ- ment Exchanges are asked to submit the names.	(i) Degree in Civil /Me- chanical/Electrical/Min- ing Engineering of a recognised University or equivalent with 2 years experience. OR (ii) Dipoma in Civil/Me- chanical/Electrical/Min- ing Engineering or eq- ivalent with 5 years Experience. Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Autho- rity for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection the Appointing Authority is of the opinion that suffi- cient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."

(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
No	2 years	By promotion failing which by direct recruit- ment	Promotion : Engineering Assistant with 5 years service in the grade ren- dered after appointment thereto on a regular basis.	Group, 'C' Departmental promotion Committee for promotion/confir- mation : (1) Principal Engineering —Chairman (2) Deputy Chief Engi- neer —Member (3) Attached Officer, Andaman Laksha- dweep Harbour Works —Member (4) Rural Development officer Andaman & Nicobar Administration , —Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
10. Engineering Asssitant	*95 (1985)	General Central Service Group 'C' Non-Gaze- tted Non- Ministerial	Rs. 425-15- 500-EB-15- 560-20-700	Selection	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable for Go- vernment servants upto 35 years in accordance with the instructions or or- ders issued by the Central Government)	Degree of a recognised Uni- versity in Civil/Mechanical/ Electrical Engineering or Diploma in Civil/ Mechanical/Electrical En- gincering with 2 years experience in Civil cons- truction works/Running and maintenance of



1	2	3	4	5	6	7	8
						<p>Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (Other than in Andaman &amp; Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.</p>	<p>different types of machines/ Electric works.</p> <p>Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."</p>

9	10	11	12	13	14
No	2 years	25 % by promotion failing which by direct recruitment and 75 % by direct recruitment.	Overseer with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'C' Departmental promotion Committee for promotion/confirmation : (1) Principal Engineer: Chairman (2) Deputy Chief Engineer —Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
11. Draftsman Grade I	*4 (1985)  *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-20 650-25-750.	Selection	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment	Degree of a recognised University in Civil/Mechanical Engineering with 2 years experience in Draftsmanship or Diploma in Civil/Mechanical Engineering with 5 years experience. Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that suff-

1	2	3	4	5	6	7	8
						to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	cient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."
9	10	11	12	13	14		
No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation & failing both by direct recruitment.	Promotion : Draftsman Grade II with 5 years service in the grade after appointment thereto on a regular basis.  Transfer on deputation : Persons working in analogous posts in Central/State Government Departments/Major port Trust or with 5 years service in the scale of Rs. 425-700/800 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental promotion Committee for promotion/confirmation : (1) Principal Engineer : —Chairman (2) Deputy Chief Engineer —Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable		
1	2	3	4	5	6	7	8
12. Draftsman Grade II	*4 (1983)  *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Diploma in Civil/Mechanical Engineering or equivalent qualification with 2 years experience in drawing office. Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."

9	10	11	12	13	14
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment,	Promotion : Draftsman Grade III with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confir- mation : (1) Principal Engineer : —Chairman (2) Deputy Chief Engineer : Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
(13) Draftsman Grade III	*5 (1985)  *Sub- ject to variation depen- dent on work load.	General Central Service Group 'C' Non- Gazetted Non- Ministerial	Rs. 330-10- 380-12-500- EB-15-560	Non Selection	No	18 to 25 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Diploma in Civil/Mechanic Engineering or 2 years Certificate in Civil/Mechanical Engineering with 3 years service in drawing office.

(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
Age : No. Educational Qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Tracer-cum-Ferro Printer with 5 years service in the grade after appointment thereto on a regular basis.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confir- mation : (1) Principal Engineer : —Chairman (2) Deputy Chief Engineer - Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works — Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration. Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
(14) Trace- Ferro Printer	*12 (1985)  *Sub- ject to varia- tion Non- depen- dent on work- load.	General Central Service Group 'C' Non- Gazetted Non- Ministerial	Rs.260-8- 300-EB-8- 340-10-380- EB-10-430	Not applicable	No	18 to 25 years ; (Relaxable for Go- vernment servants up to 35 years in accor- dance with the ins- tructions or orders issued by the Central Government. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candida- tes in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employ- ment Exchanges, the age limit shall be the last date upto which the Employment Ex- changes are asked to submit the names.	Matriculation or equivalent qualification. Experience in tracing/ferroprinting in any drawing office or in civil draftsman ship.  Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Autho- rity for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appoin- ting Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisit e experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for confirmation. (1) Principal Engineer ; —Chairman (2) Deputy Chief Engi- neer — Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshad- weep Harbour Works — Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Adminis- tration — Member.	Not applicable		
1	2	3	4	5	6	7	8
(15) Assistant Marine Surveyor	*5 (1985)  *Subject Group 'C' to variation NonGazetted dependent on Non-ministerial work load.	General Central Service NonGazetted Non-ministerial	Rs.550-20- 650-25-750	Not applicable	No	Not exceeding 30 years ; (Relaxable for Go- vernment servants up to 35 years in accordance with the inst- ructions or orders issued by the Central Government) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lak-	Diploma in Civil Engineer- ing or equivalent qualifi- cation with Hydrographic Survey experience or ser- ved as Recorder-I in Indian Navy.  Note: "The qualifications regarding exprience are relaxable at the discre- tion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writinge in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Schedled Tribes if any stage of Selection Appo- inting

1	2	3	4	5	6	7	8
						shadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."
9	10	11	12	13	14		
Not applicable.	2 years	By direct recruitment failing which transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers holding analogous posts in Central/State Government Departments/ Major Ports or with 5 years service in the scale of Rs. 425-700/800 or equivalent (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for confirmation :	Not applicable		
				(1) Principal Engineer—Chairman (2) Deputy Chief Engineer—Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member			
1	2	3	4	5	6	7	8
(16) Master (Serang-Cum-Navigator)	*6 (1985) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-20-650-25-750	Selection	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Certificate of Competency as 1st Class Master/Second Class Master of Inland Steam Vessels under Indian Steam Vessels Act of 1917 with 5 years experience respectively. Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."

9	10	11	12	13	14
Age : N. Educational Qualifications : Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruit- ment.	Promotion : Serang with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confir- mation : (1) Principal Engineer — Chairman (2) Deputy Chief Engineer — Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshad- weep Harbour Works —Member (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administra- tion Member	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
17. Serang	9* (1985) *Subject to varia- tion de- pendent on work load.	General Central Service Group 'C' Non- Gazetted Non- Ministerial	Rs. 380-12 500-EB-15- 560	Not applicable	No	Not exceeding 30 years; (Relaxable for Go- vernment servants upto 35 years in ac- cordance with the instructions or or- ders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candi- dates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appoint- ment to the post is made through the Employment Ex- changes, the crucial date for determining the age limit shall be last date upto which the Employ- ment Exchanges are asked to submit the names.	Certificate of competency as First Class Master/ Second Class Master under Inland Steam Vessel Act, 1917 with 3 to 5 years experience in respective grades. Note : The qualifications re- garding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Au- thority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appo- inting Authority is of the opinion that sufficient num- ber of candidates from these communities posses- sing the requisite experience are not likely to be avail- able to fill up the vacancies reserved for them."

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment failing which by transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers holding analogous posts under the Central/ State Government Depart- ments/Major Ports or with 5 years service in the scale of Rs. 260-350/400 or equi- valent and possessing qua- lifications prescribed for	Group 'C' Departmental Promotion Committee for confirmation: 1. Principal Engineer— Chairman. 2. Deputy Chief Engi- neer—Member 3. Attached Officer, Andaman Lakshad-	Not applicable

				12	13		
				direct recruits (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years)	weep Harbour Works — Member 4. Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member		
1	2	3	4	5	6	7	8
18. Chief Engine-Driver-cum-Mechanic	4* (1985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550 -20-650-25-800	Selection	No	Not exceeding 30 years: (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Certificate of competency as sea going Engine Driver (Motor) under Merchant Shipping Act, 1958, or, Certificate of competency as First Class Engine Driver under (Inland Steam Vessel) Act, 1917 with 8 years experience on sea going vessels. Desirable : Diploma in Diesel Engineer Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."
9	10	11	12	13	14		
Age : No Educational Qualification : Yes	2 years	By promotion failing which direct recruitment and failing both by transfer on deputation (including contract).	promotion : Marine Engine Driver with 8 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis Transfer on deputation including contract;  Officers holding analogous posts under the Central/ State Government Departments/Major Ports or with 3 years service in the scale of Rs. 425-700 or 8 years service in the scale of Rs. 330/380-560 or equivalent and possessing educational qualifications prescribed for direct recruits (period of deputation/contract not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee for promotion/confirmation: 1. Principal Engineer — Chairman 2. Deputy Chief Engineer — Member 3. Attached Officer, Andaman Lakshadweep Haribour Works —Member 4. Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member	Not applicable		

1	2	3	4	5	6	7	8
19. Marine Engine Driver	*13 (1985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 380-12-500-EB-15-560	Not applicable	No	Not exceeding 30 years: (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note . The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment is made through the Employment, Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Certificate of competency as First Class Engineer Driver of Inland Motor Vessels under Act I of 1917 or Certificate of competency as Second Class Engine Driver of Inland Motor Vessels under Act I of 1917 with 5 years of experience in the field. Note : "The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them."
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	2 years	By direct recruitment failing which by transfer on deputation	Transfer on deputation: Officers holding analogous posts under Central/State Government Departments/ Major Ports or with 5 years experience in the scale of Rs. 260-350/400 or equivalent and possessing qualifications prescribed for direct recruits (period on deputation including the period of deputation in an other cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Department Promotion Committee for Confirmation 1. Principal Engineer—Chairman 2. Deputy Chief Engineer—Member 3. Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member 4. Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member	Not applicable		
1	2	3	4	5	6	7	8
20. Wireless Operator	5* (1985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 33 -10-380-EB-12-500-EB-15-560	Not applicable	No	18 to 25 years: (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). (Note . The crucial date for determining the age limit shall	Matriculation or equivalent from a recognised Institution and pass in post Master General Class II Special Examination in Radio Operator.



1	2	3	4	5	6	7	8
						be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date up to which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment failing which by transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers holding analogous posts in central/State Government Departments/ Major Ports or with 5 years service in the scale of Rs. 260-350/400 possessing qualifications prescribed for direct recruits (period of deputation including the period of deputation in an other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same Organisation/Department shall not ordinarily exceed 3 years).	Group 'C' Departmental promotion Committee for confirmation : 1. Principal Engineer—Chairman 2. Deputy Chief Engineer—Member 3. Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member. 4. Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member.	Not applicable

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
21. Daftry	*3 1(985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 200-3-206-4-234-EB-5-250	Non-Selection	No	Not applicable	Not applicable.

(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)
Not applicable	No applicable	100% by promotion	Promotions from persons with a minimum period of 3 years service in the grade	Group 'D' Departmental Promotion Committee for promotion/confirmation :	Not applicable.

9	10	11	12	13	14
				(1) Principal Engineer —Chairman. (2) Deputy Chief Engineer—Member. (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration —Member.	

1	2	3	4	5	6	7	8
22. Peon	*16 (1985) *Subject to varia- tion depen- dent on workload	General Central Service Group 'D' Non- G zatted Ministerial	Rs. 196-3- 220-EB-3- 232.	Not applicable	No	Between 18 to 25 years ■ (Relaxable for Government ser- vants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Govern- ment). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candi- dates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employ- ment Exchanges, the crucial date for de- termining the age limit shall be the last date for upto which the Employment Ex- changes are asked to submit the names.	8th Standard pass.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman. (2) Deputy Chief Engineer—Member. (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administra- tion—Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
23. Farash	*1 (1985) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable	No	18 to 25 years : (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Literate. Should possess sound health.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer —Chairman. (2) Deputy Chief Engineer—Member. (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works —Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
24. Khalasi	*4 (1985) *Subject to variation dependent on work load	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs.196-3-220-EB-3-232	Not applicable	No	18 to 25 years: (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Should possess sound health Desirable : 8th Standard pass

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer—Chairman. (2) Deputy Chief Engineer—Member. (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
25. Watchman	*49 (1985) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable	No	Not exceeding 30 years : (Relaxable For Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment to the post is made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names	Literate. Should possess sound health.

9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee for confirmation : (1) Principal Engineer—Chairman. (2) Deputy Chief Engineer—Member. (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works—Member. (4) Rural Development Officer, Andaman & Nicobar Administration—Member.	Not applicable.

उर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1984

सां.का.नि. 113—केन्द्रीय संचार, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की धारा 69 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक तथा राज्य सरकारों से परामर्श करके, निम्नलिखित नियम बनाए गए हैं, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विद्युत (प्रदाय) (वार्षिक लेखा) नियम, 1985 है।
- (2) ये 1 अप्रैल, 1985 को प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएँ:—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा प्रवेक्षित न हो,—
- (क) “अधिनियम” से विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) अभिप्रेत है;
- (ख) “उपाबंध” से इन नियमों में अनुलग्न उपाबंध अभिप्रेत है;
- (ग) “वार्षिक लेखा विवरण” से नियम 5 के उपनियम (1) में अध्यापारिभाषित वार्षिक लेखा विवरण अभिप्रेत है;
- (घ) वित्तीय वर्ष से प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाली बारह कैलेण्डर मास की अवधि या प्रथम लेखा के मामले में, उससे अल्पतरु वह अवधि अभिप्रेत है जो बोर्ड के गठन की तारीख से प्रारम्भ होती है और ठीक पञ्चातवर्ती 31 मार्च को समाप्त होती है;
- (ङ) “टिप्पण” या “लेखाओं पर टिप्पण” से वार्षिक लेखा विवरण के विवरण में 5 अंतर्गट लेखाओं पर टिप्पण अभिप्रेत है;
- (च) “अनुसूची” से वह अनुसूची अभिप्रेत है जो लेखाओं के वार्षिक विवरण का भाग है,
- (छ) “विवरण” से वह विवरण अभिप्रेत है जो वार्षिक लेखा विवरण का भाग है।
- (2) उन शब्दों और मनों के जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वहाँ अर्थ होंगे जो अधिनियम उनके हैं।

अध्याय 2

वार्षिक लेखाओं का संकलन

3. लेखा अवधि—वह लेखा वर्ष जिसके लिए बोर्ड द्वारा वार्षिक लेखा संकलित किया जाता है प्रत्येक वर्ष, 31 मार्च को समाप्त होने वाले बारह कैलेण्डर मास का अवधि या प्रथम लेखा के मामले में उनसे अल्पतरु वह अवधि होगा जो बोर्ड के गठन की तारीख को प्रारम्भ होती है और ठीक पञ्चातवर्ती 31 मार्च को समाप्त होता है।

4. वार्षिक लेखा का संकलन और प्रस्तुति—(1) प्रत्येक बोर्ड, प्रत्येक वित्तीय वर्ष को समाप्त पर, उस वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं का संकलन करेगा और ऐसे वित्तीय वर्ष का समाप्त से छह मास के भीतर, उक्त वार्षिक लेखा और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण और संबंधित राज्य सरकारों को प्रस्तुत करेगा।

(2) जब लेखाएं केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण और राज्य सरकार को प्रस्तुत की जाएं, तो उनके सबसे ऊपर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और उनके बाद नियम 5 के उपनियम (1) में उल्लिखित अनुक्रम से व्यवस्थित वार्षिक लेखा विवरण होगा।

5. वार्षिक लेखा विवरण का प्रारम्भ और अंतर्वस्तु—(1) बोर्ड के वार्षिक लेखा विवरण में निम्नलिखित अनुक्रम में व्यवस्थित विवरण और अनुसूचियाँ समाविष्ट होंगी।

विवरण में. शीर्षक

1. राजस्व लेखा
2. शुद्ध राजस्व और विनियोग लेखा
3. तुल्यपत्र
- राजस्व लेखा की अनुसूचियाँ
- (अनुसूची 1 से 18)
- तुल्यपत्र की अनुसूचियाँ
- (अनुसूची 19 से 35)
4. लेखा नीतियों का विवरण
5. लेखाओं पर टिप्पण
6. राजस्व और व्यय का कृत्यवार विवरण
7. मिश्रियों के खोल और उपयोग
8. अधिनियम की धारा 59 के अधीन पंजी आधार और अधिप्रेष
9. तकनीकी विनिर्देशों का विवरण

(2) वार्षिक लेखा वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बोर्ड की वित्तीय स्थिति और इस वर्ष में बोर्ड की संक्रियाओं के परिणामों का सत्य और ऋजु रूप प्रस्तुत करेगी।

6 लेखाओं का चार्ट--(1) उपाबंध 2 में अधिकथित लेखाओं का पुनरीक्षित चार्ट, इन नियमों के प्रारम्भ से प्रवृत्त होगा। उक्त तारीख के पश्चात् होने वाले बोर्ड के सव्यवहारों का लेखा, नियम 11 के अधीन रहते हुए उक्त उपबंध में दिए गए लेखा चार्ट में उपाबंधित लेखा शीर्ष के अधीन दिया जाएगा।

(2) बोर्ड, उपाबंध 2 में अतिरिक्त उपबंधों के अनुसार लेखाओं के चार्ट में परिवर्तन या उपान्तरण कर सकेगा यदि स्थानीय परिस्थितियाँ या प्रक्रिया इसका समर्थन करती हैं।

7 आधारभूत सिद्धांत और नीतियाँ--(1) बोर्ड के सव्यवहारों का लेखा, इसके उपाबंध 3 में अधिकथित मूल लेखा सिद्धांतों और नीतियों के अनुसार दिया जाएगा।

(2) उक्त लेखा सिद्धांत और नीतियाँ, इन नियमों के प्रारम्भ पर तुरन्त अपनायी जाएंगी।

(3) मूल लेखा सिद्धांतों और नीतियों को, केवल भविष्यत्वेकी प्रभाव से ही लागू किया जाएगा, अर्थात् केवल उन सव्यवहारों के प्रति जो इन नियमों के प्रारम्भ पर होते हैं।

8 लेखा नीतियों का प्रकटीकरण--बोर्ड, अपने वार्षिक लेखाओं में, लेखा नीतियों का विवरण (विवरण 4) विहित लेखा नीतियों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए सम्मिलित करेगा साथ ही विहित लेखा नीतियों से किए गए विचलन, यदि कोई हो, का भी उल्लेख करेगा।

9 उपाबंध 3 के अंतर्गत न जाने वाले सव्यवहारों के लिए लेखा नीतियाँ--(1) बोर्ड, उन सव्यवहारों की बाबत में वर्षान्ति प्रोदम्भवन की लेखा प्रणाली अपनाएगा जिनके लिए उपाबंध 3 में कोई विशिष्ट नीति विहित नहीं की गई है। ऐसे मामले में अपनायी गई लेखा नीति का लेखा नीतियों के विवरण में कथन किया जाएगा, यदि अनपेक्षित राशियों की मात्रा अधिक है।

(2) वे लेखा नीतियाँ जो विहित नीतियों से भिन्न हैं, ऊपर उपनियम (1) के अनुसार बोर्ड के विलक्षण सव्यवहारों को लागू हैं, इसी प्रकार वर्ष प्रतिवर्ष निरन्तर लागू की जाती रहेंगी।

(3) यदि अनेक या सभी राज्य विद्युत बोर्ड ऐसे तथा क्रियाकलाप आरम्भ करते हैं जो अब तक नहीं किया गया है तो उसकी समुचना या जानाकारी प्राप्त होने पर केन्द्रीय सरकार भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक और संबंधित राज्य सरकार से परामर्श करके उक्त नए समुच्चय क्रियाकलापों में उत्पन्न होने वाले सव्यवहारों से संबंधित लेखा नीतियाँ अधिकथित करेगा। समुचित लेखा शीर्ष ऐसे सव्यवहारों को खताबद्ध करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित किए जायेंगे। वार्षिक लेखा में ऐसे सव्यवहारों की रिपोर्ट करने के लिए प्रकटीकरण अपेक्षा भी केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक और संबंधित राज्य सरकारों से परामर्श करके अधिकथित की जाएगी।

10 विहित लेखा नीति से विचलन के लिए मानदंड--(1) बोर्ड विहित लेखा नीतियों से केवल निम्नलिखित परिस्थितियों में विचलन कर सकते हैं,

(क) ऐसी स्थिति जिसमें, ऐसे कारणों से लेखबद्ध किए जायेंगे, विहित लेखा नीतियाँ, सव्यवहारिक या अनावश्यक समझी जाती हैं, या

(ख) विहित लेखा नीतियों को अपनाने से बोर्ड के लेखे मत्प और ऋजु स्थिति प्रस्तुत नहीं करेगी।

(2) विहित लेखा नीतियों से विचलन या नियम 9 के उपनियम (1) के अधीन बोर्ड द्वारा अपनायी गयी लेखा नीतियों की बाबत परिवर्तन को, विचलन या परिवर्तन के वर्षों साथ ही उसके तुरन्त बाद प्रथम दो वर्षों तक बोर्ड के वार्षिक लेखाओं में प्रकट किया जाएगा। ऐसे प्रकटीकरण में उक्त विचलन या परिवर्तन के कारणों तथा वर्षों के लिए अधिशेष तथा स्थिर आस्तियों पर प्रभाव भी सम्मिलित होगा जो अधिनियम की धारा 59 के अधीन न्यूनतम अधिशेष को साधना के प्रयोजनों के लिए आधार समझी जाएगी।

(3) जहां उपर उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट विहित लेखा नीति में लेखाओं के चार्ट में यथा विहित लेखा शीर्षों से विचलन या नए लेखा शीर्ष प्रारम्भ करना अनपेक्षित है तो वहां यह बात केन्द्रीय सरकार और भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक को बतायी जाएगी।

11 पुनरीक्षित लेखा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया--पुनरीक्षित लेखा प्रणाली में परिवर्तन के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया वह होगी जो इसके उपाबंध 4 में अधिकथित की गई है।

12 प्रक्रिया संबंधी विषयों में एकस्यता लेखाओं के बनाए रखने में प्रविधात्मक विषयों में एकरूपता के लिए बोर्ड, उपाबंध 5 में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों का पालन करेगा।

13 समायोजन प्रविष्टियाँ--बोर्ड, 31 मार्च, 1986 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए अपने लेखाओं में ऐसे लेखाओं को इन नियमों के उपाबंधों के अनुसार पुष्टिभोज्य बनाने के लिए समायोजन प्रविष्टियाँ कर सकेगा।

### अध्याय 3

#### वार्षिक लेखाओं का अपनाया जाना

14 बोर्ड द्वारा वार्षिक लेखाओं का अपनाया जाना--(1) बोर्ड के वार्षिक लेखाओं पर, भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक के या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को लेखा-परीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाने के पूर्व, बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा और वे प्रारम्भिक रूप में अपनाए जाएंगे।

2 इन लेखाओं पर, पूर्वोक्त रूप में लेखा-परीक्षा पूरी होने और उसके पश्चात् उनमें आवश्यक परिवर्तन करने के पश्चात् विचार किया जाएगा और वे उनमें कोई अन्य उपान्तरण किए बिना बोर्ड द्वारा अंतिम रूप से अपनाए जाएंगे।

[स 25(1)/85-डी (एस ई बी)]

मतीश खुराना, सयुक्त सचिव

राजस्व लेखा

विवरण सं. 1

लाख रु० में

अनुसूची टिप्पण

विवरण किए गए यूनिट (दस लाख में)	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
आय		
1 * विद्युत के विक्रय से राजस्व		
4 राजस्व सहायिकी और अनुदान		
5 अन्य आय	योग	
व्यय		
6. विद्युत श्रय		
7 विद्युत उत्पादन		
8 मरम्मत और अनुक्षण		
9. कर्मचारी व्यय		
10 प्रशासन और साधारण व्यय		
11 अदायग और संवर्धन कटौती (शुद्ध) (उपयोग)		
12 व्याज और वित्त पोषण प्रसार		
घटाए :- पूंजीकृत व्यय		
13 पूंजीकृत व्याज और वित्त पोषण प्रसार		
14 पूंजीकृत अन्य व्यय		
15 अन्य कटौतियाँ	उपयोग	
16. असाधारण नदे	योग	
कर देने से पूर्व लाभ/हानि ( )		
17 आय-व्यय के लिए उपबंध		
कर देने के बाद लाभ/हानि ( )		
शुद्धपूर्ववर्ती जमा (प्रसार)		

अनिशेष/(कमी)

वर्ष के प्रारम्भ में संघा रत बोर्ड की स्थिर

आपूर्तियों के मूल की प्रतिशतता के मूल रूप में अधिशेष

राज्य सरकार द्वारा विहित न्यूनतम

वार्षिक

राज्य सरकार द्वारा 198 से 8 तक पश्चात्तवर्ती वर्ष के लिए विहित न्यूनतम अधिशेष

अनुसूची 2 और 3 क्रमशः राजस्व प्रवयव पार विवरण और विद्युत के विक्रय से आयत धनो से संबंधित।

शुद्ध राजस्व और वित्तियोग लेखा

विवरण संख्या 2

(लाख रु० में)

टिप्पण	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
पिछले वर्ष से अग्रणीत अनिशेष		
राजस्व लेखा के अधिशेष/(कमी)		
जमा		
साधारण आरक्षित से अंतरण		
वित्तियोग		
आरक्षित और आरक्षित निधियों में अविदाय		
*—उधारों के प्रतिस्थापन के लिए निशेष निधि,		
—साधारण आरक्षित निधि		

अग्रणीत अनिशेष

इस लेखा का कार्यान्वयन प्रास्थगिम रखा जा सकता है।

## मुख्य पत्र

## अनुसूची टिप्पण

हम वर्ष 31 मार्च  
को यथा विद्यमानपूर्ववर्ती वर्ष 31 मार्च  
को यथा विद्यमान

## शुद्ध आस्तिया

- 19\* शुद्ध स्थिर आग्निदा  
सकल वनाक  
घटाएं : संचयित अवक्षेपण  
शुद्ध स्थिर आस्तिया
- 21 प्राप्ति में पूंजी व्यय
- 22 आस्तियां जो उपयोग में न हों
- 23 आस्थागित लागत
- 24 अनुरत आस्तिया
- 25 विनिधान  
शुद्ध चालू आस्तियां
- 26 कुल चालू आस्तियां  
घटाएं

## कुल चालू दायित्व

- 27 उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रतिभूति निक्षेप
- 28 अन्य चालू दायित्व  
शुद्ध चालू दायित्व
- 29 सरकार से प्राप्त सहायकी

## शुद्ध आस्तियां

## निम्नलिखित द्वारा वित्तपोषण

- 30 भासकाज पूंजी के लिए उधार
- 31 पूंजी दायित्वों पर शोध सदाय
- 32 पूंजी दायित्व
- 33 राज्य सरकार से निधियां
- 34 पंजी आस्तियों की लागत में अभिदाय, अनुदान और उसकी सहायकी
- 35 प्रारम्भित और अग्रश्रा निधियां  
अग्रिणेष (नमी)

## कुल निधियां

अनुसूची \* 20 स्थिर आस्तियों के कृत्यवार व्योरे से संबंधित है।

## मेवरा नीतियों का विवरण

## विवरण 4

1 विद्युत (प्रदाय) अधिनियम 1948 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुपालन का विवरण,

बोर्ड ने, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अपने लेखाओं को बनाए गए रखा है अपने  
वार्षिक लेखा विवरण का अनुपालन किया है ;

मूल लेखा सिद्धांतों और लेखा नीतियों से निम्नलिखित विचलन (जैसा कि नियमानुसार अनुज्ञात है) उन कारणों से हुए हैं जो उनके  
सामने कथित हैं ,

(क)

(ख)

(ग)



## 2 लेखा नीतियों में परिवर्तन

बोर्ड द्वारा अपनायी गई लेखा नीतियों का निम्नलिखित क्षेत्रों में परिवर्तन को छोड़कर, निम्न अनुसरण किया गया है -

(लेखा नीति में प्रत्येक परिवर्तन के लिए निम्नलिखित का कथन करें--

—अब तक अपनायी गई नीति

—वर्ष के दौरान अपनायी गई नीति

—यदि राशि, यदि वार्षिक हो, निम्न राजस्व लेखा शुद्ध राजस्व और विनियोग, लेखा या तुलनपत्र प्रभावित हुआ है। इस प्रयोजन के लिए 3 प्रतिशत या उससे अधिक का धन प्रत्येक परिवर्तन का वार्षिक समझा जाएगा।)

## लेखाओं पर टिप्पण

विषय 5

लेखाओं पर टिप्पण, सही और ऋजु रूप प्रस्तुत करने के लिए आवश्यकपूर्ण अपेक्षा है।

टिप्पण जहाँ तक संभव है स्पष्ट शब्दों में होना चाहिए और बिना किसी संदिग्ध के विषय-वस्तु को अभिव्यक्त करने योग्य होना चाहिए। संबंधित राशि, जहाँ कहा सुयोग्य हो ही जानी चाहिए।

टिप्पण—दो खंडों में विभक्त होना चाहिए

(अ) राजस्व लेखा और शुद्ध राजस्व तथा विनियोग लेखा और

(आ) तुलन पत्र पर टिप्पण।

जहाँ कोई टिप्पण दोनों खंडों के मध्य से संबंधित हो उस टिप्पण, राजस्व लेखा के खंड में दिया जाना चाहिए,

टिप्पण संख्या को प्रतिनिधित्व, राजस्व लेखा, शुद्ध राजस्व और विनियोग लेखा तुलनपत्र या किसी अन्य विवरण या अनुसूची में सुगत मध्य के सामने दिया जाना चाहिए। उरी प्रकार सुगत प्रगुनी संख्या, विवरण संख्या का भी विवरण टिप्पण के सामने दिया जाना चाहिए। सुगत में सम्मिलित विषयों को प्रत्येक बोर्ड द्वारा लेखाओं पर टिप्पण में प्रकट दिया जाना चाहिए किन्तु उन मामलों में नहीं जिनमें उनसे कोई बाई को लागू नहीं हो। यह सूची सर्वसामान्य होने के लिए प्राथमिक नहीं है, अतः बोर्ड को अन्य विषयों का कथन करना चाहिए जिनके लिए एक टिप्पण वार्षिक लेखाओं में आवश्यक होता है।

लेखाओं पर टिप्पण में प्रयुक्त कथित पदों का स्पष्टीकरण

- (1) टिप्पण 1 में की गई सविदा किन्तु जा निष्पादित नहीं हुई है जिसके लिए उपाय नहीं किया गया है के प्रति निर्देश है। इस पर से अभिप्रेत है : तुलन पत्र की तारीख की सविदाका कार्य का कुल मन्थन।

घटाए

इस कार्य का सविदा एवम जो निष्पादित हो गया है और जिनके लिए लेखा जोखा किया गया है अर्थात् जिनके लिए मदाय कर दिया गया है या जिसके लिए प्रदाय कर्ता सविदाकर्ता के पक्ष में दाखिल का उपपन्न कर दिया गया है।

घटाए

अग्रिम सदाय की राशि (सविदा के अनिष्पादित भाग के संबंध में किया गया) जो तुलनपत्र की तारीख को अपनायोजित रह गई।

इस टिप्पण के प्रयोजनार्थ "सविदा" शब्द के अन्तर्गत ऐसी सभी प्रकार की पूजी सविदाएँ जैसे, पूजी प्रदाय के लिए सविदाएँ, पूजी आस्तियों के निर्माण के लिए सविदाएँ, पूजी आस्तियों के प्रदाय और निर्माण के लिए सविदाएँ आदि आती हैं जिनका मूल्य मूल्य प्रति सविदा 1 करोड़ रु से अधिक है।

- (2) टिप्पण 3 और 4 'क्रय के बिना शर्त बाध्यता' और विपणन के विक्रय के लिए बिना शर्त अधिकार' में सम्मिलित है।

"बिना शर्त क्रय बाध्यता" अन्य निकायों में विपणन के क्रय का कोई ठहराव है जो

—किसी सुदूर आकस्मिकता के घटित होने पर या

—अन्य पक्षकार की अनुज्ञा से या

—यदि उन्हीं पक्षकारों के बीच किसी प्रविधानी करार पर डबारा किया जाता है या

—ऐसी राशि की शक्ति के सदाय पर जिससे करार का जारी रहना सुनिश्चित प्रतीत होता है रद्दकरणीय नहीं है या केवल रद्दकरणीय है। क्रय पक्षकार के लिए जो 'बिना शर्त क्रय बाध्यता' है वही विक्रय पक्षकार के लिए बिना शर्त विक्रय का अधिकार है।

लेखाओं पर टिप्पण

विवरण 5

(जारी)

(3) टिप्पण 3 और 4 "वित्तपोषण ठहराव के साथ" बिना शर्त क्रय बाध्यता की गन् से निम्नवाता है। "बिना शर्त ठहराव के साथ" बिना शर्त क्रय बाध्यता से अभिप्रेत है ऊपर (2) में वर्णित प्रकार का क्रय ठहराव भिन्न परक्रमण उन सुविधाओं के लिए वित्तपोषण ठहराव के भाग रूप किया गया था (जिनमें स्टेशन, पारोषण लाइन आदि) जो सविदाकृत विद्युत का उल्लंघन करेगी ऐसे ठहराव का उल्लंघन है। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम परियोजनाओं का विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषण जो राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम द्वारा उत्पादन की जाने वाली विद्युत के क्रय के लिए राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और राज्य विद्युत बोर्डों के बीच ठहराव के अधीन रहने हुए होगा।

लेखाओं पर टिप्पण में प्रकट किए जाने वाले विषय

1 पूँजी व्यय के लिए प्रतिबद्धता	इस वर्ष के अंत में पूर्णता की सं- प्रत में
की गई संविदा किन्तु जो निष्पादित हुई है और जिसके लिए उदाहरण नहीं किया गया है कार्य जो प्राधिकृत किया जा चुका है किन्तु जिसके लिए संविदा नहीं की गई है	रु. रु०
योग	
2 पूँजी दायित्व की कुल राशि जो प्रतिस्वयं मोचन के लिए शोध्य हो गया है —अगला वर्ष	
3 विद्युत के क्रय के लिए बिना शर्त बाध्यता —वित्त पोषण ठहराव के साथ —अन्य	
ऐसी बाध्यता के प्रकटन में बाध्यता की प्रकृति और निम्न में करार के अंगीन विद्युत क्रय के लिए किया जाने वाला निम्न या परिवर्तनीय स्वयं और वर्ष के दौरान क्रय की यूनिट और मूल्य आदि को ऐसी प्रत्येक बाध्यता के लिए पूर्वकृत संशोधन किया जा सकता है। विद्युत के विक्रय का बिना शर्त अधिकार	
4 —वित्त पोषण ठहराव के साथ —अन्य	
क्रय बाध्यता के लिए प्रकटन में ऊपर टिप्पण 3 में निर्दिष्ट सूचना सम्मिलित होगी।	
5 उन आकस्मिकता दायित्वों की बाबत, जो प्रत्येक 1 करोड़ से अधिक मूल्य की हैं बोर्ड आकस्मिक रूप से मदेय कुल राशि को प्रकट करेगा यदि वे दायित्व तुलन पत्र की तारीख की वास्तविक दायित्व बन जाते।	
6 बोर्ड की आस्तियों पर धारणाधिकार।	
7 सरकारी अनुदान आदि के लिए तुलन पत्र की तारीख को अपूर्ण शर्तें, यदि कोई हो यद्यपि अनुमान प्राप्त हो जाता है।	
8 बोर्ड की आस्तियां चाहे वे पर्याप्त रूप से बीमाकृत हो या नहीं	
9 आय-कर कार्यवाहियों से वर्ष के अंत में संचयित हानियां अनुमानित अवक्षयण तथा विनिधान मोक	
10 कोयले की प्राप्ति या खपत और स्टॉक का (परिमाण)	इस वर्ष ' पूर्ववर्ती वर्ष
आरंभिक स्टॉक मकल प्राप्ति या घटाए परिवहन हानि शुद्ध प्राप्ति या आरंभिक स्टॉक + शुद्ध प्राप्ति या घटाए खपत अंत स्टॉक	मी ट मी ट मी ट मी ट

## लेखाओं का टिप्पण

विवरण नं० 8 (जारी)

11. संबंधाधीन भाषागार में पूंजी उपकरण, फायर पुर्जे और अन्य सामग्रियों पर सीमाबद्ध के लिए दायित्व की गति, जिसके लिए उचित नहीं किया गया है।
12. व्ययों का वर्गीकरण  
“मभी व्यय, स्वाभाविक शीपों के अधीन राजस्व लेखा में प्रतिबिम्बित है। तदनुसार, विद्युत का क्रय, विद्युत का उत्पादन या मरम्मत और अनुक्षण में दक्षिण व्यय में, कर्मचारी लागत, अवज्ञा, प्रशासन और साधारण व्यय तथा व्याज और बित्त प्रसार सम्मिलित नहीं है जिन्हे पूरक दर्शाया गया है।”
13. राजस्व लेखा में निम्नलिखित लागत और निम्नलिखित उत्पादन स्टेशनों की बाबत परीक्षण के प्रक्रम पर राजस्व सम्मिलित है जो पञ्जीकरण अधिनियम के अर्थात् परीक्षण प्रक्रम की पूर्ण अपघि या परीक्षण प्रक्रम के प्रारम्भ से तीन मास की अवधि के पश्चात् उत्पन्न हुआ हो (इसमें से जो भी सम्पन्न हो) :
- (1) उत्पादन स्टेशन का अवस्थान
  - (2) क्षमता
  - (3) परीक्षण प्रक्रम की अपघि
  - (4) परीक्षण प्रक्रम के दौरान उत्पादित यूनिट महायक क्षरत और शुद्ध उत्पादन
  - (5) परीक्षण प्रक्रम के दौरान उत्पादित विद्युत के विक्रय से राजस्व  
(योग घटाएँ: पूंजीकृत—राजस्व लेखा में जमा)
  - (6) परीक्षण प्रक्रम के दौरान उत्पन्न लागत (मदवार व्यौरा):  
(योग घटाएँ: पूंजीकृत—राजस्व लेखा पर प्रसारित)
14. राजस्व लेखा में निम्नलिखित बंद पड़े विद्युत स्टेशन लाइन, सब-स्टेशन आदि से संबंधित निम्नलिखित निरंतर व्यय सम्मिलित है।
- (1) बंद पड़े विद्युत स्टेशन लाइन सब स्टेशन का व्यौरा
  - (2) बंद होने की तारीख
  - (3) बंदी के समय से उत्पन्न कुल व्यय रु० वर्ष के दौरान उत्पन्न हुए हैं रु० जिसमें से
  - (4) कर्मचारी लागत, मरम्मत और अनुक्षण, प्रशासन और साधारण व्यय आदि के बीच व्ययों का व्यौरा।
15. पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वार्षिक लेखाओं के पक्षों के मूल्य में अत्यन्त असाधारण वृद्धि/ह्रास के कारणों की बाबत टिप्पण।
16. अनुक्षति का अधिग्रहण, अधिग्रहीत आस्तियों और दायित्वों का विस्तृत व्यौरा गुलन पत्र की तारीख तक निर्मुक्त न की गई आस्तियों का बंधक आदि, सदात/सधेय प्रतिकर और अधिग्रहण की बाबत अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किया गया विवाद यदि कोई हो प्रतिकर या अन्य विवाद।
17. विद्युत का उत्पादन क्रय और विक्रय (10 लाख यूनिटों में)

	वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष		
	उत्पादित यूनिट	महायक क्षरत	शुद्ध	उत्पादित यूनिट	महायक क्षरत
ताप विद्युत					
जल विद्युत					
गैस					
क्रम					
विक्रय					
टी और डी					
हानियां					
		यूनिट और %		यूनिट और %	

## 18. उत्पादन स्टेशन

- (अ) वर्ष के प्रारम्भ से क्रियाशील संयंत्र
- (आ) वर्ष के दौरान अधिग्रहीत किया गया संयंत्र
- (ग) वर्ष के दौरान अनाधिकृत मूल संयंत्र

अवस्थान

क्षमता

19. सामग्रियों का क्रय निगम और स्टक (गैस) 22 से 22.6 में अधिलिखित मूल्य यहाँ पत्र किया जाना चाहिए

	लेखा शीर्ष में प्रतिशेष	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
(अ) प्रारम्भिक स्टॉक					
—पूँजी	22 60 और 22 61				
—सं और प	22 62 और 22 63				
योग					
(ब) ऋण					
—पूँजी I	22 20 और 22 21				
—सं और प	22 22 और 22 23				
योग					
(ग) प्रारम्भिक स्टॉक + ऋण					
(घ) खपत के लिए निर्गम					
—पूँजी	22 30 और 22 31				
—सं और प	22 32 और 22 33				
योग					
(ङ) डेकवारो को निर्गमित					
—निर्गम	22 34 और 22 35				
—वापसी	22 36 और 22 37				
शुद्ध निर्गम					
(च) कुल निर्गम (घ और ङ)					
(छ) अन्त स्टॉक					
—पूँजी	22 60 और 22 61				
—सं और प	22 62 और 22 63				
योग					
(ज) अंदर स्थानांतरण	22 40 और 22 41				
बाहर स्थानांतरण	22 42 और 22 43				

लेखाधरो का विवरण		विवरण 5 (जारी)			
20१ विद्युत के विक्रय के संबंध में प्राप्तों का सामञ्जस्य		इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		लेखा कोड			
		रु.	रु.	रु.	रु.
(अ) प्रारम्भिक प्रतिशेष		23 1			
		23 2			
		23 4			
		23 5			
		23 6			
		23 7			
(आ) विद्युत के बिजय से राजस्व		61 1			
		61 2			
		61 3			
		61 6			
		61 7			
		61 8			
		61 9			
(इ) कुल विद्युत शुल्क और अन्य प्रभाविता उद्ग्रहण		61 501			
		से 61 539			
(ई) विलम्बित संवाय प्रमाण		62 250			

विद्यार्ण ३ (जारी)

- 1 विद्युत का प्रय  
(इसे योग वाले स्तम्भ में ढालें)
- 2 विद्युत का उत्पादन  
-- ईंधन खपत  
-- ईंधन से संबंधित प्रमुख लागत  
-- प्रचालन व्यय  
उप-योग

- ईधन से संबंधित हानियां  
योग  
3 मरम्मत और अनुरक्षण  
4 कर्मचारी व्यय  
5 प्रशासन और साधारण व्यय  
6 अवधायण और संबंधित कटौतियां  
(शुद्ध)  
7 व्याज और वित्त पोषण प्रभार  
8 कल व्यय  
9 घटाएं पूंजीकृत व्यय  
10 जोड़ें—पुनःआवृत्ति व्यय
- 
- 11 शुद्ध व्यय

- टिप्पण : (1) इस अनुबन्धी में वर्णित गए कृत्य उदाहरण स्वरूप हैं। वास्तव में विश्लेषण उन कृत्यों के लिए होगा जो लेखा यूनिटों को समुनवेशित अवस्थान कोड में समाविष्ट हैं।
- (2) उस कृत्य के स्तम्भ में दर्शाया जाए जिससे सहायकी अनुदान संबंधित है।
- (3) यह विभिन्न प्रकार की आय के लिए आय लेखा समूह है जिसमें प्रकीर्ण प्राप्तियां सम्मिलित हैं, प्रत्येक कृत्य में कुछ आय की कुछ राशि होने की संभावना है।

विवरण—7  
लाख रु. में

निधियों के स्त्रोत और उपयोग

टिप्पण	क्र. सं.	विशिष्टियां	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
		निम्नलिखित द्वारा उपबंधित निधियां कर देने से पूर्व लाभ (राजस्व सहायकी और अनुदानों को छोड़कर) घटाएं . वर्ष के दौरान कर भंडार जोड़ें . राजस्व लेखा में कटौतियां जिसमें तकदी परिचय अपेक्षित नहीं है —अवधायण —आस्थगित लागतों का वार्षिक अपाकरण —अमूर्त आस्तियों का वार्षिक अपाकरण घटाएं . राजस्व लेखा में जमा जिसमें नकद प्राप्तियां अंतर्गस्त नहीं है		
		अर्जन से शुद्ध निधियां राजस्व सहायकी और अनुदानों की प्राप्तियां पूँजी आस्तियों की लागत में अभिदाय, अनुदान और सहायकी स्वयं आस्तियों के व्यय से आगम सक्रियताओं से निधियां कार्यकरण पूंजी में वृद्धि/(कमी) —स्टॉक —बिश्नु के प्रयास के संबंध में प्राप्त —ऋण और उधार —अप्यन्य प्राप्त उपयोग —उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रतिभूति निक्षेप —चालू और प्रोदभूत दायित्व —कार्यकरण पूंजी में शुद्ध वृद्धि/कमी —तकदी और बैंक अतिशेष में वृद्धि/कमी —कार्यकरण पूंजी के लिए उधार में वृद्धि/कमी		

निधियों के स्त्रोत और उपयोग

विवरण 7  
(जारी)

टिप्पण	क. सं.	विशिष्टियाँ	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
भार्यकरण पूँजी पर उपयोग की गई निधि				
संक्रियाओं से शुद्ध निधियाँ				
पूँजी व्यय पर उपयोग की गई निधियाँ				
परियोजनाओं पर (परियोजनावार व्यय के लिए विवरण 7 का उपाबंध देखें)				
अमूर्त आस्तियाँ				
आस्थानित लागत				
कुल पूँजी परिचय				
पूँजी निधियों में कमी जो बाहरी स्त्रोतों से पूरी की गई हों				
पूँजी दायित्व में शुद्ध वृद्धि/(कमी)				
नए उधार				
राज्य के ऋण				
बिदेसी मुद्रा ऋण/प्रत्यय				
घटाएँ . प्रतिसंदाय				
राज्य के ऋण				
बिदेसी मुद्रा ऋण/प्रत्यय				
अन्य उधार				
पूँजी आस्तियों पर शोध संवाय में वृद्धि/कमी				
पूँजी दायित्वों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)				
विनिधान में शुद्ध (वृद्धि)/कमी				
बाहरी स्त्रोतों से शुद्ध पूँजी निधियाँ				
कुल पूँजी व्यय की प्रतिमतता के रूप में संक्रियाओं से शुद्ध निधियाँ				%
पूँजी व्यय का परियोजनावार विश्लेषण				विवरण सं. 7 का उपाबंध
परियोजना कोड	परियोजना का संक्षिप्त वर्णन	कुल परियोजना लागत	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत तक इस वर्ष के दौरान उप-लागत	इस वर्ष के अंत तक कुल लागत
		मूल संजूरी	पुनरीक्षित संजूरी	
उपपादन (अ)				
उपयोग (अ)				
पापेक्षण लाइन और				
सब-स्टेशन (आ)				
उपयोग (आ)				
ग्रामीण विद्युतीकरण (इ)				
अन्य परियोजनाएं (ई)				
उपयोग (ई)				
योग (अ से ई)				
किसी भी परियोजना के अन्तर्गत न आने				
बाली संनिर्माण मशीनरी				
पंजीकृत राजस्व व्यय				
पूरे किए गए संकमों के लिए उपाबंध				
कुल योग				
टिप्पण .	(2) परियोजना कोड ..... उपर में उल्लिखित अनुमतिपत्रों के अधिग्रहण पर पूँजी व्यय में नकद रूप में संदत्त प्रतिकर ..... रु. हैं। बाई/द्विबैर के रूप में प्रतिकर ..... रु. हैं।			
	इस वर्ष के दौरान उपगत लागत में पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में इन अतिशयो की तुलना में निम्नलिखित अतिशेष में वृद्धि/कमी सम्मिलित नहीं है पूँजी प्रवाय/पूँजी संकर्म के लिए अधिमों में वृद्धि/(कमी) ..... रु. संनिर्माण अवस्थाओं पर पूँजी षंडारों में वृद्धि/(कमी) ..... रु. पूँजी प्रदाय/पूँजी संकर्म के लिए दायित्वों में वृद्धि/(कमी) ..... रु. शुद्ध ..... रु.			

पूँजी आधार और अधिशेष का विवरण		विवरण सं. 8	
क्र. सं.	विशिष्टियाँ	अनुसूची	इस वर्ष के आरंभ में पूर्ववर्ती वर्ष के आरंभ में
1.	स्थिर आस्तियों की मूल लागत	19	
2.	घटाएँ, संचयित अधिशेष	19	
3.	शुद्ध ब्लाक (1—2)		
4.	प्राप्तिमानों के अधिभार	34	
5.	पूँजी आधार (3—4)		

(अर्थात् वर्ष के आरंभ में धारा 59 के अधीन सेवारत स्थिर आस्तियों का मूल्य)

क्र. सं.	विशिष्टियाँ	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
6.	अधिशेष) धारा 59 के अधीन		
7.	पूँजी आधार के प्रतिशत के रूप में अधिशेष (धारा 59 के अधीन)	%	%

संक्रान्तिक विनिष्टियों का विवरण विवरण सं. 9

क्र. सं.	विशिष्टियाँ	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1.	वर्ष के अंत में संस्थापित उत्पादन क्षमता (मै. वा. में)		
	जल बिद्युत		
	ताप बिद्युत		
	योग		
2.	प्रणाली पर सामान्य अधिकतम मार्ग (मै. वा. में)		
	(क) प्रबंधित		
	(ख) अप्रबंधित		
3.	उस समय संयंत्र की क्षमता जब अधिकतम प्रणाली मौजूद पूरी की नहीं थी (उत्पादन स्टेजनों की बांझित शुद्ध क्षमता के प्रतिशत के रूप में)	%	%
4.	संयंत्र चार कारक		
5.	उत्पादन (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में)		
	जल बिद्युत		
	ताप बिद्युत		
	योग		
6.	सहायक खपत (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में)		
7.	बिद्युत शक्ति का (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में) स्त्रोत		
	योग		
8.	विक्रय के लिए उपलब्ध बिद्युत शक्ति (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में) (5—6+7)		
9.	विक्रय की गई बिद्युत (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में)		
10.	पारेषण और वितरण हानियाँ (दस लाख के. डब्ल्यू. एच. में) (8—9)		
	विक्रय के लिए उपलब्ध बिद्युत के प्रतिशत के रूप में	%	%



1	2	3	4	विवरण में 9 (आरी)
11. ईंधन				
(क) खपत (मो. ट. में)				
कोयला				
आर.एफ.ओ./एफ.ओ.				
एल.डी. तेल एच.एस.डी				
(ख) खपत हुई ईंधन का प्रति कि.ग्रा.				
औसत कैलोरी मूल्य (के. कैल कि.ग्रा. में)				
कोयला				
आर.एफ.ओ.एफ.ओ.				
एल.डी. तेल एच.एस.डी.				
(ग) उत्पादन का प्रति यूनिट खपत (कि.ग्रा. के.इयू.एच.)				
कोयला				
आर.एफ.ओ.ओ.				
एल.डी. तेल एच.एस.डी.				

## मकनीकी विशिष्टियों का विवरण

क्र.	विशिष्टियाँ	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
सं.		उपभोक्ताओं की संख्या	उपभोक्ताओं की संख्या
		कनेक्शन दिया गया भार में, वा. में	कनेक्शन दिया गया भार में, वा. में
1. विद्युत शक्ति का विवरण			
उपभोक्ता प्रवर्ग			
(i) घरेलू			
(ii) वाणिज्यिक			
(iii) सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था			
(iv) सिनार्ड और जलनिकासी			
(v) सार्वजनिक जल संकर्म			
(vi) औद्योगिक एल.टी/एच.टी			
विद्युत शक्ति-केन्द्रित, विशेष			
(vii) रेल कर्षण			
(viii) थोक प्रदाय			
(ix) बाहरी प्रदाय			
(x) प्रकीर्ण			
योग			

टिप्पण: जहाँ कहीं समुचित हो तथा पूर्ववर्ती वर्ष से वृद्धि/कमी को कोष्ठकों में उपदर्शित करें।

उदाहरण 1—लेखाओं का वार्षिक विवरण

## भाग 2

राजस्व लेखा की अनुसूची

(अनुसूची 1 से 18)

विद्युत शक्ति के विवरण से राजस्व				अनुसूची 1
क्र. सं.	विवरण	लेखा कोड	इस वर्ष रु.	पूर्ववर्ती वर्ष रु.
1	2	3	4	5
1.		मुख्य लेखा 61.2		
2.				
3.		और 61.3 के अधीन उपभोक्ता		
4.		प्रवर्गवार/उप-लेखा और मुख्य लेखा		
5.		61.1 के अधीन उपभोक्तावार		
6.		उप-लेखा		
7.				
8.				
9.				
10.				

1	2	3	4	5	6
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
कुल राजस्व					
16. विद्युत शुल्क की वसूली			61.501 से 61.519		
17. अन्य राज्य उद्ग्रहण की वसूली			61.521 से 61.539		
18. मोटर भाड़ा, रविम लाइन भाड़ा			61.6		
19. विद्युत शक्ति की खोरी, बुरावार के लिए वसूली			61.7		
20. उप-योग					
21. चक्रण प्रसार वसूली			61.8		
22. उपभोक्ताओं से प्रकीर्ण प्रसार			61.9		
विद्युत शक्ति के विक्रय से सकल राजस्व					
24. घटाएँ. संदेय विद्युत शुल्क ( )			61.541 से 61.559		
25. अन्य संदेय राज्य उद्ग्रहण ( )			61.561 से 61.579		
26. योग					
राजस्व का अवयववार विश्लेषण			अनुसूची 2		
क्र.सं.	विशिष्टियाँ	लेखा कोड	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष	
			ह.	प.	
	राजस्व	अवयव द्वारा			
	सार्व प्रसार	यसूत्र बनाया			
	ऊर्जा प्रसार	गया प्रत्येक			
	ईंधन लागत समायोजन प्रसार	उपभोक्ता			
		प्रवर्ग के लिए			
		उप-लेखा का			
	विद्युत शक्ति कारक अधिभार	अंतिम अंक			
	पूर्ववर्ती विलों में समायोजन				
योग					
विद्युत शुल्क और अन्य राज्य उद्ग्रहण					
	विद्युत शुल्क की वसूली		61.501 से 61.519		
	अन्य राज्य उद्ग्रहण की वसूली		61.521 से 61.539		
कुल उत्पाद शुल्क					
	मोटर भाड़ा/रविम लाइन भाड़ा		61.6		
	विद्युत शक्ति की खोरी/बुरावार के लिए वसूली		61.7		
	चक्रण प्रसार वसूली		61.8		
	प्रकीर्ण वसूली स्थल प्रसार		61.9 के अधीन		
			उप-लेखा		
कुल प्रकीर्ण वसूली			61.9		
विद्युत शक्ति के विक्रय से सकल राजस्व					
	घटाएँ. संदेय विद्युत शुल्क ( )		61.541 से 61.559		
	अन्य राज्य उद्ग्रहण ( )		61.561 से 61.579		
योग					

## विद्युत शक्ति के विक्रय से भीसत वसूली

अनुसूची 3

पूर्व वर्षीय वर्ष				क्र. सं.	उपभोक्ता प्रवर्ग	इस वर्ष			
उपभोक्ताओं की संख्या	बेची गई यूनिट		प्रति यूनिट			बेची गई यूनिट		प्रति यूनिट	
	यूनिट	बेची गई कुल यूनिट का %		यूनिट	बेची गई कुल यूनिट का %				
			पैसे में भीसत वसूली				पैसे में भीसत वसूली		
1.									
2.									
3.									
4.									
5.									
6.									
7.									
8.									
9.									
10.									

100%

योग

100%

उपभोक्ताओं के प्रत्येक प्रवर्ग से भीसत वसूली निम्नलिखित रूप में संगणित की जानी चाहिए :

उपभोक्ता प्रवर्ग को विद्युत शक्ति के विक्रय से राजस्व—

उस प्रवर्ग से विद्युत शुल्क और अन्य राज्य उद्ग्रहण

योग, उस प्रवर्ग को बेची गई यूनिटों की संख्या से विभक्त।

राजस्व सहायकी और अनुदान

अनुसूची 4

विशिष्टियाँ	लेखा कोड	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
	मुख्य लेखा 63.1 के अधीन प्रत्येक उप-शीर्ष		
योग			

अन्य आय

अनुसूची 5

क्रम सं०	विशिष्टियाँ	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		₹०	₹०	₹०	₹०
1.	कर्मचारियों को दिये गये उधार और अग्रिम पर व्याज	62.210 से	62.219		
2.	विनिष्ठाओं से आय	62.220 से	62.239		
3.	अनुज्ञप्तिधारियों को दिये गये उधार और अग्रिम पर व्याज	62.240			
4.	उपभोक्ताओं से प्राप्त विलम्ब संवाय प्रभार	62.250			
5.	प्रदायकर्ता ठेकेदार को दिये गये अग्रिम पर व्याज	62.260			
6.	बैंकों से प्राप्त व्याज (नियत कालिक निक्षेपों से नि:स)	62.270			
7.	व्यापार से आय	62.13			
8.	कर्मचारिवृन्द कल्याण क्रियाकलाप से आय	62.6			
9.	प्रकीर्ण प्राप्तियाँ	62.9			
	योग				

विद्युत शक्ति का खर्च		अनुसूची 6		
क्रम सं०	विविष्टियाँ	लेखा कोड	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1.	ऊर्जा की गई विद्युत शक्ति	70.01	प्रत्येक उप-लेखा	
			पृथक रूप से	
2.	विद्युत शक्ति का कुल खर्च			
3.	अन्य विकारों से विद्युत शक्ति प्राप्त करने के अधिकारों के अर्थों की जागत का अपरिचित किया जाना	70.3		
4.	अन्य प्रकार	70.4		

## बीज

विद्युत शक्ति का उत्पादन		अनुसूची 7			
क्रम सं०	विविष्टियाँ	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष
			र०	र०	र०
ईंधन की खपत					
1.	कोयला	71.110			
2.	तेल	71.120			
3.	गैस	71.130			
4.		81.140 से			
		71.199 तक			
5.	बीज (1 से 4)	71.2, 71.3			
6.	ईंधन से संबंधित अन्य लागत	(71.4 + 82.7)			
7.	ईंधन लागत के लिये उप-योग (5 + 6)				
प्रचालन व्यय					
8.	ऊर्जा की लागत	71.5			
	—बल विद्युत				
	—ताप विद्युत				
9.	स्नेहन और खपत बोम्ब सामग्रियाँ	71.6			
10.	स्टेशन प्रवास	71.7			
11.	प्रचालन व्यय के लिये उप-योग (8 से 10)				
12.	विद्युत शक्ति के उत्पादन की लागत (7 + 11)				
13.	ईंधन से संबंधित हानियाँ	(72.1, 72.2)			
		72.3			
14.	योग (12 + 13)				

मरम्मत और अनुरक्षण		अनुसूची 8		
क्रम सं०	विविष्टियाँ	लेखा कोड	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
	निम्नलिखित की मरम्मत और अनुरक्षण			
	संबंध और मशीनरी	74.1		
	अवन	74.2		
	सिखित संकर्म	74.3		
	अन्य संकर्म	74.4		
	साइन, फ्लैग, नेटवर्क, वाहि	74.5		
	यान	74.6		
	फर्नीचर और फिनिशर	74.7		
	कार्यालय उपकरण	74.8		

## बीज

## कर्मचारी सागत

अनुसूची 9

क्रम सं०	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			₹०	₹०	₹०	₹०
1	वेतन	76 1				
2	अतिक्रम	76 2				
3	महंगाई भत्ता	76 3				
4	अन्य भत्ते	76 4				
5	बोनस	76 5				
6	उप-योग					
7	चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	76 611				
8	छुट्टी यात्रा सहायता	76 612				
9	अर्जित छुट्टी के बदले नकद सहाय	76 613				
10	कर्मकार प्रतिकर अधिनियम के अर्धीन सहाय	76 620				
11	कुल अन्य कर्मचारी सागत (7 से 10)					
12	कर्मचारिभूत कल्याण व्यय	76 7				
13	सेवात फायदे	76 8				

## योग

## प्रशासन और साधारण व्यय

अनुसूची 10

क्रम सं०	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			₹०	₹०	₹०	₹०
1	भाड़ा, दर और कर	76 101, 76.102				
2	बीमा	76 104 से 76 106				
3	टैलीफोन प्रसार, डाक व्यय टैलीग्राम और टैलेक्स प्रसार	76 111 से 76 113				
4	विधिक प्रसार	76.121				
5	लेखा परीक्षा फीस	76 122				
6	परामर्श प्रसार	76 123				
7	तकनीकी फीस	76 124				
8	अन्य वृत्तिक प्रसार	76 125				
9	सवारी और यात्रा	76 131 से 76 139				
10	अन्य व्यय फीस और अतिवाय पुस्तक और पत्रिकाएं मृदुल और लेखा सामग्री बिज्ञापन अभिदाय विद्युत् प्रसार अक्ष प्रसार मनोरजन प्रकीर्ण व्यय	76 151 से 76 199				
11	अन्य व्ययों का योग					
12	माल भाड़ा	76 210 से 76 220				
13	क्रम से संबंधित अन्य व्यय	76 230 से 76 299				
14	कुल मालभाड़ा और क्रम से संबंधित अन्य व्यय	76 2				

## योग

## अपविवृत और सुविवृत कटौतियाँ (सूची)

अनुसूची-11

क्रम सं०	विविधियाँ	सेवा कोट	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			₹०	₹०	₹०	₹०
1.	अपविवृत	77.1 और 77.2				
2.	आस्तियों को बढ़ करने की लागत	78.5				
3.	अपविवृत छोटे और कम मूल्य की सड़ें	77.6				
4.	उप-योग					
5.	अपविवृत आस्तियों का अपविवृत मूल्य	77.710				
6.	वस्तुपद्धि सुधारण के पश्चात् पाई गई स्थिर आस्तियों की कमी का अग्रोक्षण	77.720				
7.	स्थिर आस्तियों के विपक्ष पर हानियाँ	77.780				
8.	5 से 7 का योग					
9.	कुल कटौतियाँ (4 से 8) घटाएँ					
10.	आस्तियों के विपक्ष पर अभिलाष (जिसमें पूँजी रिजर्व में अन्तर्गत ₹० का पूँजी अभिलाष सम्मिलित नहीं है)	62.4				

## 11 बीय

व्याज और वित्त पोषण प्रभार			अनुसूची 12			
क्रम सं०	विविधियाँ	सेवा कोट	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			₹०	₹०	₹०	₹०
1.	राज्य सरकार के उधारों पर व्याज	78.1				
2.	बचपन पर व्याज	78.2				
3.	डिबेंचर पर व्याज	78.3				
4.	विदेशी मुद्रा ऋण पर व्याज	78.4				
5.	अन्य उधार/आवृत्तित ऋण पर व्याज	78.5 के अधीन प्रत्येक उप-सेवा पृथक् न्युनतम है।				
6.	पूँजी व्ययों की बाबत वार्षिक व्याज	78.691 से 78.699				
7.	उपभोक्ताओं को व्याज	78.6				
8.	पूँजी व्ययों पर कुल व्याज					
9.	कार्यकरण पूँजी के लिये उधारों पर व्याज	78.7				
10.	अन्य व्याज और वित्तपोषण प्रभार					
11.	उपभोक्ताओं को दानों के समय पर, सहाय के लिये कटौती	78.820 से 78.839				
12.	प्रभावकारी डिबेंचरों को व्याज	78.841 से 78.842				
13.	निष्पक्षवर्तिक गतिविधियों पर व्याज	78.850				
14.	अभिलाषी अविवृत निधि पर व्याज	78.851				
15.	आधारण वित्त निधि पर व्याज	78.852				
16.	अन्य व्याज	78.85 के अधीन अन्य उप-सेवा				
17.	वित्त शान्त करने की लागत	78.861 से 78.869				
18.	बचपन/डिबेंचर के जारी करने पर कटौती	78.871				
19.	बचपन/डिबेंचर के मोचन पर प्रिविडम	78.875				
20.	अन्य प्रभार	78.881 से 78.889				
21.	राज्य सरकार द्वारा, गारंटी के अधीन, सहाय स्तर पर व्याज	78.890				

## 22 बीय

टिप्पण : अनुसूची में बंशित ब्याज प्रभार, ब्याज के समय पर संशय उद्घाटनों के समय पर प्रतिबंध के लिये अनिवार्य रूप से की गयी कटौती करके दर्शाया गया है ।

पूँजीकृत ब्याज और वित्त पोषण प्रभार

अनुसूची 13

इस अनुसूची में सन्निर्माण के प्रक्रम पर उपयोग की गई विधियों पर पूँजीकृत ब्याज की राशि की संगणना का ब्यौर होगा ।

इस वर्ष

पूर्ववर्ती वर्ष

पूँजीकृत अन्य व्यय

अनुसूची 14

क्रम सं०	विशिष्टियाँ	सेवा कोड	इस वर्ष र०	पूर्ववर्ती वर्ष र०
1.	परीक्षण के दौरान उद्घाटन की लागत का पूँजीकरण	71.0		
2.	पूँजीकृत कर्मचारी भागत	75.0		
3.	पूँजीकृत प्रशासन और साधारण व्यय	76.0		
4.	पूँजीकृत अवक्षयण और संबंधित लागत	77.0		

योग

अन्य कटौती

अनुसूची 15

क्रम सं०	विशिष्टियाँ	सेवा कोड	इस वर्ष र०	पूर्ववर्ती वर्ष र०
1.	सामग्री लागत में फेरफार	70.1		
2.	अनुसंधान और विकास व्यय	70.2		
3.	व्यवसाय विनिर्माण क्रियाकलाप की लागत	70.3		
4.	दूबल और संकायस्थ ऋण जो अपसंचित हैं / जिनके लिये उपबंध किया गया है ।	70.4		
5.	प्रकीर्ण हानियाँ और अपसंचित भू	70.5		
6.	अन्य व्यय	70.7		
	(अन्य उप-सेवा दृष्ट कर दे)			

योग

असाधारण भर्तें

अनुसूची 16

असाधारण भर्तें वे भर्तें हैं जो बोर्ड के साधारण क्रिया-कलाप से प्रत्यक्ष घटनाओं और सम्बन्धितों से उत्पन्न होती हैं और जो तत्परिक है तथा जिनके घटित होने की आशा बार-बार या नियमित रूप से नहीं की जाती । इनमें ऐसी भर्तें नहीं हैं जो यद्यपि राशि और बढना के अनुसार असाधारण हैं (और जिनके लिये पृथक् प्रकटन अपेक्षित होगा) बोर्ड के साधारण क्रियाकलाप में की घटनाओं या सम्बन्धितों से उत्पन्न होती हैं । उसी प्रकार पूर्व बर्तें भर्तें केवल इस कारण असाधारण भर्तें नहीं हैं कि वे पूर्व वर्ष से संबंधित हैं ।

इस वर्ष  
र०

पूर्ववर्ती वर्ष  
र०

- असाधारण जमा (जिसमें बाढ़, आग, सूकान आदि के कारण हुई हानि से संबंधित सहायकी सम्पत्ति है — सेवा शीर्ष 63.2)  
कुल जमा
- असाधारण कटौतियाँ (बाढ़, अकाल, आग आदि के कारण हानियाँ—सेवा शीर्ष 79.8)  
कुल कटौतियाँ
- असाधारण भर्तें (शुद्ध)

### आप-कर के लिये उपभोग

अनुसूची 17

क्र.सं.	लेखा कोड	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
आय-कर के लिये उपयुक्त	46 8		

योग

સુદ્ધ પૂર્વે જન્મધિ જમા/મજાર

अनुसूची १४

पुनः अवधि मर्ये ने मर्ये ॥ जो—

—सेवा के आधार में मतसखी परिवर्तन

(यह ध्यान देने योग्य है कि सेवा के आधार में भूतलजी परिवर्तन से, जहाँ तक संभव हो, बना जाना चाहिये)

—पूँर्ब अवधियों के सिद्धांतों में प्रसिद्ध गणितियों के सुधार पर.

—पूर्ववर्ती वर्षों में किये गये कम वा अधिक उपबांध, के कारण उत्पन्न होती है।

पूर्ववर्ती वर्ष के राजस्व व्यय के संबंधित किसी कतिपय के अधिस्वजन को (या वोट की कमजोर वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा पूर्ववर्ती वर्षों के लिये ध्याज का अधिस्वजन) पर अवधि आय समझा जायेगा।

क्र.सं०	विवरण	लेखा कोड	इस वर्ष र०	पूर्ववर्ती वर्ष र०
1.	पूर्ववर्ती वर्षों से संबंधित खान	65.1 से 65.2 के अधीन प्रत्येक उपलेखा पूषकत:		
2	पूर्व अवधि व्यय/आमियां	83.1 से 83.9 के अधीन प्रत्येक उपलेखा के लिये पूषकत		
3	शुद्ध पूर्व अवधि जमा/प्रभार			

अनुबंध 1—वार्षिक सेवा विवरण

आम ४

राजस्व सेवा की अनुसूची  
(अनुसूची 10 के 3B)

स्थिर वास्तव्यों और व्यवसाय के लिए उपयुक्त

क्र.सं.	वस्तु	नेवा कोड	सकल उत्पाद					अवसयन के लिए उपयुक्त					कुल उत्पाद
			पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में	जोड़	बढ़ाव	पुनर् वर्गीकरण	इस वर्ष के अंत में	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में	वर्ष के लिए अवसयन	बटाने पर समा योजन	पुनर् वर्गीकरण	इस वर्ष के अंत में	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	भूमि और भूमि अधिकार	10 1											
2	मकान	10 2											
3	जल सफाई	10 3											
4	खन्य सिंचित जल	10 4											
5	खन्य और मशीनरी	10 5											
6	साइल और केबल नेट वर्क	10 6											
7	वायु	10 7											
8	फाईबर और फिबर	10 8											
9	कार्यालय उपकरण	10 9											
उप योग													



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
10	पूजो गत ब्यय जिसका परि- गम ऐसी भास्ति है जो बोझ नहीं है	10.1											
11.	अतिरिक्त युनिट/सर्विस युनिट	11.2											
12.	उत्पादन स्टेजनों पर पूजो का लक्ष्य पुनर्	11.3											
13.	अनुज्ञानधारियों से गृहान आ- स्तियां —अंतिम मूल्यांकन होने तक	11.5											
योग													

## पूर्ववर्ती वर्ष के लिए योग

टिप्पण : (1) पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़े प्रत्येक स्तर के नीचे कोष्ठकों में दर्शाए जाने चाहिये।

(2) टिप्पण स्वरूप यह प्रकट करें सकल ब्लाक में, 500 ब. से कम लागत वाली प्रत्येक छोटी जोर निम्न मूल्य अस्तियों का मूल्य निर्धारित नहीं है, जो उस वर्ष के राजस्व लेखा पर प्रभावित है जिस वर्षों में उनका पहली बार उपयोग किया गया है।

—राजस्व लेखा पर प्रभावित ऐसी अस्तियों का मूल्य

—वर्ष के दौरान

—दुलभ पत्र की तारीख को योग (अर्थात् पूर्ववर्ती वर्ष के अवलेखन)

स्मर अस्तियों का हस्त्यार ग्यौरा

कृष्य	सकल ब्लाक	संचयित अवक्षयण	शुद्ध ब्लाक
पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में	बोझ घटाव	पुनः वर्गी- वर्ष के अंत में	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में
		वर्ष के लिए अवक्षयण	वर्ष के लिए घटाव पर पुनः सम.योजन वर्गीकरण
			वर्ष के अंत में
			वर्ष के अंत में
			पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में

ताप विद्युत

उत्पादन

बल विद्युत उत्पादन

गारेजन

वितरण

योग

## पूजो ब्यय की प्रगति

अनुसूची 21

विशिष्टियां	सेवा कोष	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1	2	3	4
1. प्रगति कर रहा पूजो संकर्म	14		
2. प्रगति कर रही संविदा	16.1		
3. उप-योज			
4. पूजो संकर्म पर आबंटन अंशित करने पर्यन्त राजस्व व्यय	18.2		
5. पूरे किए गए कार्य के लिए उपबंध	15.5		
6. संचयण की सुविधाएं			
(मागत	ब. घटाएं		
अवक्षयण के लिए उपबंध)	15.6		

1	2	3
7. सश्रमिकों के प्रकट पर आधिन्या		
(3 से 6)		
8. प्रवायकता ठेकेदारों (पूँजी) के लिए अधिस	25 1 से	
	25 9	

टिप्पण (1) मानक दर अवधारित मूल्यांकन के अधीन कुछ तोड़ गतिमान सामग्रियां मानक दर पर न कि वास्तविक लागत पर सक्रम पर प्रधारित हैं।  
 सर्पूँ वर्ष के लिए मानक दर और सामग्री लागतगमें संचयित वास्तविक लागत के बीच अंतर वर्ष के दौरान अलिखित समग्रियों के कुछ अग्र पर  
 पूँजी और संगठन और पद्धति दोनो के उपयोग के लिए) ( ब प स्तविक लागत पर मानक लागत का आधिक्रय)  
 ( ब मानक लागत पर वास्तविक लागत का आधिक्रय) ब वक्षित करत है।  
 (2) प्रगति कर रही सचिदा निष्पचित किए गए उन पूँजी सक्रमों के लिए ठेकेदारो को किए गए अंतरिम सचिदा को वक्षित करत है जिसकी वास्तव  
 क्रोड को हक तभी सक्ता होगा जब सचिदा पूर्ण हो जायगा।  
 (3) वर्ष के दौरान पूँजी सक्रम पर प्रधारित सन्निर्माण सुविधा पर अवलक्षण ब है।

आदिमियाँ जो उपयोग में नहीं हैं							अनुसूच. 22		
पूर्ववर्ती वर्ष के प्रारंभ में अतिशेष	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान जोड़	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान घटाव	जमा रा	अपिष्ट समूह	लेखाकोष	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में अतिशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान घटाव	(इस वर्ष के अंत में अतिशेष)
४	५	६						७	८

1 अप्रचलित और  
 --- नेकार पड़ी आ-  
 स्तियों का 10 1  
 अपलिखित मूल्य -----  
 प्रत्येक  
 उप-लेखा  
 पथक रूप से

योग								
आस्थगित लागत					अनुसूची 23			
पूर्ववर्ती वर्ष के प्रारंभ में अतिशेष रु	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान आस्थगित लागत रु	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान राजस्व पर प्रभारित लागत रु	विनिश्चयिता	लेखाकोड	पूर्ववर्ती वर्ष के वर्ष के दौरान अंत में अतिशेष आस्थगित रु	वर्ष के दौरान राजस्व पर प्रभारित लागत रु	इस वर्ष के अंत में अतिशेष रु	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
			आस्थगित राजस्व व्यय	17 2				
			अनुसूचि के समय पूर्व अधिग्रहण के लिए प्रतिकर	17 221				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			कुल आस्थिति	17.2 के				
			राजस्व व्यय	अधीन अस्थ				
			उप	उप-लेखा				
			परियोजनाओं					
			के सर्वेक्षण/	17.8				
			साक्ष्यता अध्ययन					
			पर व्यय जो					
			मंजूर नहीं हुई					
			है					
			कुल आस्थिति					
			बागत	17				

## अमूर्त आस्थिति

अनुसूची 24

पूर्ववर्ती वर्ष के प्रारंभ में अतिरिक्त	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उपगत लागत	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान राजस्व पर प्रभाविता लागत	अमूर्त आस्थिति	लेखाकोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में अतिरिक्त	वर्ष के दौरान उपगत अतिरिक्त	वर्ष के दौरान राजस्व पर प्रभाविता लागत	इस वर्ष के अंत में अतिरिक्त
			अस्थ निकायों के विद्युत शक्ति प्राप्त करने का अधिकार अर्जित करने के लिए संभाल	18 100				
			बोर्ड का गठन और संगठन करने के लिए व्यय	18 200				

## योग

## विनिर्माण

अनुसूची 25

पूर्ववर्ती वर्ष के प्रारंभ में अतिरिक्त	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अतिरिक्त विनिर्माण	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान वसूल किया गया विनिर्माण	कम	विनिर्माण	लेखाकोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में अतिरिक्त	वर्ष के दौरान अतिरिक्त विनिर्माण	वर्ष के दौरान वसूल किया गया विनिर्माण	(इस वर्ष के अंत में अतिरिक्त)	विनिर्माण का ध्यौरा, प्रभाव पड़ जाधि जो प्रतिभूति के रूप में गिरवी रखा गया हो
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

1 विधियों के संबंध में विनिर्माण उप-योग

20.1 प्रत्येक उपलेखा पृथक रूप से

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
			2. निधियों में विनिधान से भिन्न विनिधान उप-योग	20.2 प्रत्येक उपलेखा पृथक रूप से						
			3 समतुल्यगियों में विनिधान उप-योग	20.3 प्रत्येक उपलेखा पृथक रूप से						
			4. भागीदारी/ संयुक्त प्रत्येक में विनिधान उप-योग	20.4 प्रत्येक उपलेखा पृथक रूप से						

कुल योग

कुल जालू प्राप्तियां

अनुसूची 26

क्रम सं.	जालू प्राप्तियां	अनुसूची	इस वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1.	स्टॉक	26 (क)		
2.	विद्युत प्रदाय के संबंध में प्राप्तियां	26 (ख)		
3.	नकदी और बैंक अतिशेष	26 (ग)		
4.	उधार और अग्रिम	26 (घ)		
5.	अन्यान्य प्राप्तियां	26 (ङ)		

6. योग

स्टॉक

क्रम सं.	विशिष्टियां	लेखाकोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			र.	र.	र.	र.
1	2	3	4	5		
1.	ईंधन स्टॉक	21.101				
		21.105				
2.	अभिवहनाधीन में कोयला	21.108				
		21.121				

1	2	3	4	5
3	अभिवहनाधीन तेल	21.125		
4	सन्निमण भंडारों में सामग्रियों का स्टॉक	22.60		
		22.61		
5	अन्य भंडारों में सामग्रियों का स्टॉक	22.62		
		22.63		
6	स्थल पर सामग्रियां	22.64		
		22.65		
7	निरीक्षण के लिए लंबित सामग्रियां	22.66		
		22.67		
8	अभिवहनाधीन सामग्रियां	22.68		
		22.69		
9	अन्य सामग्री लेखा	22.7		
10	अन्वेषण के लिए लम्बित ईंधन स्टॉक आधिक्य/कमी	21.2		
11	अन्वेषण के लिए लंबित सामग्री स्टॉक आधिक्य/कमी	22.8		
योग				

## विद्युत शक्ति के प्रदाय के संबंध में प्राप्तियां

अनुसूची 26 (ख)

क्रम सं.	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष रु.	पूर्ववर्ती वर्ष रु.
1.	विद्युत शक्ति के लिए अन्याय्य ऋणी	23.1		
2.	विद्युत शक्ति के अन्तर-राज्यीय विक्रय के लिए अन्याय्य ऋणी	23.6		
3.	विद्युत शुल्क के लिए अन्याय्य ऋणी	—		
4.	बिल न बनाए गए राजस्व का उपबंध	23.2		
5.	स्थायी रूप से काटे गए उपभोक्ताओं से शोध (समपद्धत शुद्ध प्रतिभूति विशेष)	23.4		
		23.5		
6.	अन्याय्य ऋणी उपभोक्ताओं से प्रकीर्ण प्राप्तियां	23.7		
उप-योग				
7.	बटाए-उपभोक्ताओं से शंकास्पद शोध के लिए उपबंध	23.9		
योग				

## नकदी और बैंक प्रतिशेष

अनुसूची 26 (ग)

क्रम सं.	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष रु.	पूर्ववर्ती वर्ष रु.
1	हथि नकदी	24.1		
2	कर्मचारियों को नकद भुगतान	24.2		
3.	बैंक में प्रतिशेष	24.3 और		
		24.4		
4.	संक्रमणाधीन नकदी	24.5 और		
		24.6		
योग				

## उधार और ऋण

अनुसूची 26 (घ)

क्रम सं.	विवरण	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1.	मं और प. सबंधी पूर्तियां संकर्म के लिए ऋण	26.1	से 26.7		
2.	ईंधन की पूर्ति के लिए ऋण	26.8			
3.	उप-योग				
4.	कर्मचारियों की उधार और ऋण	27.1	और 27.2		
5.	अनुसूचित जातियों की उधार और ऋण	27.3			
6.	ऋण आय-कर शीत पर कटौती	27.4			
7.	उधार और ऋण-अन्य	27.8			
8.	योग				
9.	घटाएँ--शकास्पद उधार और ऋण के लिए उपबंध	27.9			
10.	योग (8-9)				

## अन्योन्य प्राप्ति

अनुसूची 26 (ङ)

क्रम सं.	विवरण	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			रु.	रु.	रु.	रु.
1.	अन्योन्य ऋणी--व्यापार लेखा	28.1				
2.	निम्नलिखित पर प्रोद्भूत आय और शोध —निविदान	28.210 से 28.240				
	—अन्य आय प्रोद्भूत और शोध	28.290				
3.	प्रोद्भूत आय-कर किन्तु शोध नहीं	28.3				
4.	कर्मचारियों/भूतपूर्व कर्मचारियों से वसूलीय राशि	28.4				
5.	ईंधन से संबंधित प्राप्ति और दावे —कोयले का श्रेणी अन्तर (श्रेणी अन्तर पर हानि के लिए उपबंध की शुद्ध राशि हेतु) —कोयले के लिए रेल दावा —अन्य	28.511 और 28.512 28.513 और 28.514 28.5 के अधीन अन्य उपलेखा				
6.	अन्य दावे और प्राप्ति	28.7 और 28.8				
7.	निक्षेप	28.9				

## योग

उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप

अनुसूची 27

क्रम सं.	विवरण	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
			रु.	रु.	रु.	रु.
1.	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप (नकदी)	48.1				
2.	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप (नकदी से भिन्न)	48.2				
3.	उपभोक्ताओं के निक्षेप पर संदेय व्याज	48.3				

## योग

अन्य बालू दायित्व		अनुसूची 28			
क्रम सं	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष
			रु	रु	रु
1	कोयले की प्राप्तियों के लिए रेल के प्रति दायित्व	40 1			
2	कोयले की श्रेणी में अन्तरो के मध्ये दायित्व	40 2			
3	असदत्त कोयला बिल	40 7			
4	अन्य ईंधन सब धी दायित्व	40 के अधीन अन्य उप-लेखा			
5	विद्युत के क्रय के लिए दायित्व	41 1 और 41 2			
6	पूजी, प्रदायोम क्रमों के लिए दायित्व	42 1 42 2 और 42 3			
7	ओ ग्री एम प्रदायक क्रमों के लिए दायित्व	43.1 43 2 और 43 3			
8	कर्मचारिबन्ध संबंधी दायित्व और उपबध	44 1 से 44 4			
9	प्रदायकर्ताओ और ठेकेदारों से निक्षेप और प्रतिधारण (विनिधानों आदि के रूप में प्राप्त निक्षेपों की शुद्ध रकम)	46 1 और 28 930			
10	विद्युत शुल्क और सरकार को देय अन्य उद्योग	46 3			
11	व्ययों के लिए दायित्व	46 4			
12	अनुमतिधारियों को देय रकम	46 6			
13	उधारों से संबंधित उद्भूत अदावाही रकम	46 7			
14	प्राय-कर के लिए उपबध	46 8			
15	अन्य दायित्व और उपबध	46 9			
16	उप-योग				
17	विद्युतीकरण सेवा कनेक्शन, आदि के लिए निक्षेप	47			
18	योग				

सरकार से प्राप्त साहायिकी					अनुसूची	29
क्रम संख्या	विशिष्टिया	लेखा कोड	इस वर्ष रु	पूर्ववर्ती वर्ष रु		
	प्राप्य पूजी साहायिकी उपदान	28 610				
	प्राप्य राजस्व साहायिकी उपदान	28 620				
	योग					

कामकाज पूजी के लिए उधार			अनुसूची 30	
क्रम संख्या	विशिष्टियां	लेखा कोड	इस वर्ष रु.	पूर्ववर्ती वर्ष रु.
1	बैंक से नकदी उधार	50 1		
2	बैंक प्रोविडेंट	50 2		
योग				

टिप्पण . वर्ष के दौरान लिए गये और प्रतिवर्त अस्थायी उधार . . . . रु.

पूँजी दायित्व पर शोध संदाय					अनुसूची 31			
पूर्ववर्ती वर्ष के आरम्भ पर शोध	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान शोध	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान किया गया संदाय	क्रम. सं.	विशिष्टियाँ	लेखा कोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में शोध	इस वर्ष के दौरान शोध	इस वर्ष के दौरान किए गए संदाय
			1.	शोध प्रतिसंदाय	51.101 से 51.199 तक प्रत्येक उप-लेखा पृथक रूप से			

## शोध प्रतिसंदायों का योग

			2.	प्रोद्भूत और शोध व्यय — पूँजी दायित्वों पर — राज्य सरकार —अन्य पूँजी दायित्वों पर प्रोद्भूत और शोध व्यय का योग	51.201 से 51.299 तक			
			3.	योग				
		पूँजी दायित्व						अनुसूची 32

पूर्ववर्ती वर्ष के आरम्भ पर बकाया	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान के अंत तक	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान शोध प्रति संदाय	क्र. सं.	विशिष्टियाँ	वर्ष के अंत में लगा व्यय दर, अधिस्थ-गन और दर के ब्योरे	लेखा कोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में बकाया	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	वर्ष के दौरान शोध प्रति-संदाय	वर्ष के अंत में बकाया
			1.			52 और 53 के				
			2.			अधीन प्रत्येक उप-				
			3.			लेखा				
				योग						

टिप्पण : 1. विवेची मुद्रा — ऋणों, उधारों की जाबत, वर्ष के दौरान प्राप्त के रूप में बर्शाई गई रकम (जिसमें रु. की वृद्धि (पूर्ववर्ती वर्ष रु.) ( रु. की शुद्ध कमी (पूर्ववर्ती वर्ष रु.) जो पुन. प्रपक्षस्थित करने के परिणामस्वरूप हुए ऋण/उधार का वर्ष के अंत में विनियम दर के अनुसार, रूपों में मूल्य है।

- 2 उधार की शक्ति : विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 की धारा 65(ख) के अधीन अधिकतम उधार की शक्ति कम कीजिए : वर्ष के अंत तक प्रयोग में लाई गई जोरिए : वर्ष के दौरान मोचन की गई वर्ष के अंत पर प्रयोक्तव्य उधार की शक्ति का बकाया

## 3. उधार मध्ये प्रस्थापित प्रतिभूतियाँ

राज्य सरकार से निधियां					अनुसूची 33					
पूर्ववर्ती वर्ष के आरंभ पर बकाया	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान शोध प्रति-संदाय	क्रम. सं.	विशिष्टियां	वर्ष के अंत में लागू ब्याज दर अधि-स्थगन और दर के ब्योरे	लेखा कोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में बकाया	पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	वर्ष के दौरान शोध प्रति-संदाय	वर्ष के अंत में बकाया
			1.			54.1 और 54.2				
			2.			के अधीन प्रत्येक				
			3.			उप-लेखा पृथक-				
			4.			पृथक बर्शाया जाएगा				



9. कुल ऋण	
10. राज्य सरकार से गारण्टी के अधीन प्राप्त रकम	54.3 और 54.4

## 11. योग

टिप्पण: वर्ष के अंत में बकाया की रकम में निम्नलिखित सम्मिलित है—

- .....रु. जो कि राज्य सरकार द्वारा दान की गई आस्तियों का उचित मूल्य है।  
.....रु. जो राज्य सरकार से वृत्तियों के अधीन प्राप्त आस्तियों का उचित मूल्य है।

## पूंजी आस्तियों की लागत मध्ये अंशदान, उपदान और सहायिका

अनुसूची 34

पूर्ववर्ती वर्ष के प्रारम्भ पर बकाया	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में प्राप्त	क्र. सं.	विशिष्टियां	लेखा कोड	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में बकाया	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के अंत में योग
			1. उपभोक्ताओं के अंश-	55.1	प्रत्येक उप-लेखा के लिए पृथक रूप में		
			2. दान				

19.

20. उपभोक्ताओं के अंशदान का योग

21. पूंजी आस्तियों की लागत मध्ये साहायिकियां

55.5

22. पूंजी आस्तियों की लागत मध्ये उपदान

55.3

## योग

टिप्पण: प्रनिदाय होने वाली (ऐसे कारणों से, जैसे साहायिकी, उपदान की शर्तों को पूरा करने में बाध की असफलता) साहायिकियों, उपदानों, आदि की रकम 'वर्ष के दौरान वृद्धियां', स्तंभ में नकारात्मक रकम के रूप में दर्शाई जानी चाहिए और उसके कारण इस अनुसूची में एक टिप्पण के रूप में स्पष्ट किए जाने चाहिए।

## प्रारभितियां और प्रारभित निधियां

अनुसूची 35

पूर्व वर्ष के प्रारम्भ में बकाया	पूर्व वर्ष के दौरान वृद्धियां	पूर्व वर्ष के दौरान कटौतियां	क्रम सं.	विशिष्टियां	लेखा कोड	पूर्व वर्ष के अंत में बकाया	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में बकाया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				1. प्रारभितियां	56 और 57 के अधीन प्रत्येक उप-लेखा				
				2.	शुद्ध राजस्व और निधियोजन लेखा के सिवाय				
				3.	पृथक पृथक दर्शाया जाएगा।				

3

10. प्रारक्षितियों का कुल  
योग

11 प्रारक्षित निधियां

15 कुल प्रारक्षित निधि

16. कुल योग

साधारण प्रारक्षित वृद्धियों, कटौतियों के ब्यौरे

उपाबंध 2		
लेखाओं का चार्ट		
विषय वस्तु		पृष्ठ
भाग		
1	लेखाओं के चार्ट की संरचना	
2	लेखाओं का चार्ट (लेखा शीर्ष और लेखा कोड)	
अनुभाग	विषय वस्तु	पृष्ठ
1.	लेखाओं के चार्ट की संरचना कोड-स्कीम उप-लेखाओं का कोड करने में कोड की भूमिका अवस्थित कोड अवस्थिति कोड का लेखा कोड के पूर्व लिया जाना लेखाओं को कोड करने की अग्रतः स्पष्टीकरण नए लेखाओं का पुनःस्थापन लेखा-कोडों का विकसित करना	
2	लेखाओं का चार्ट (लेखा शीर्ष और लेखा कोड) लेखा समूह कोड      लेखा समूह शीर्ष	
	<hr/>	<hr/>
	10 से 29	आस्ति लेखे
	<hr/>	<hr/>
	10 से 16	पूंजी व्यय और स्थिर आस्तियां
	17 से 19	आस्थगित लागत और अमूर्त आस्तियां
	20	बिनिधान
	21 से 29	बालू आस्तियां, ऋण और ऋणिम
	30 से 39	अन्तर एकक लेखे
	40 से 59	दायित्व लेखे
	40 से 49	बालू और उद्भूत दायित्व
	50 से 54	पूंजी दायित्व और अन्य उधार
	55 से 59	प्रारक्षितियां और अभिशेष
	60 से 64	आय लेखे
	60 से 69	आय
	70 से 89	व्यय लेखे
	70 से 89	व्यय और हातियां
2	लेखाओं का चार्ट (लेखा शीर्ष और लेखा कोड) — (जारी)	
	लेखा समूह कोड	लेखा समूह शीर्ष
	90 से 92	शापन लेखे
	91	परीक्षण के प्रक्रम पर लागत और राजस्व
	92	विद्युत के क्रय, उत्पादन, विक्रय आदि के वृत्तियों की सख्या को लेखाबद्ध करने के लिए शापन लेखे

## उपबन्ध 2

## लेखाओं का चार्ट

## अनुभाग—1

## लेखाओं के चार्ट की संरचना

1. लेखाओं के एक संरचनात्मक चार्ट की मिफारिश विभिन्न संव्यवहारों को खाताबद्ध करने के लिए की गई है।

## कोड-स्कीम

2. लेखा शीर्षों का कोड पांच अंकों का है। कोड स्कीम का स्पष्टीकरण निम्नलिखित प्रकार से है :—

- (1) पहले और दूसरे अंक लेखा समूह उपदर्शित करते हैं
- (2) तीसरे अंक के साथ पहले और दूसरे अंक मुख्य लेखा कोड उपदर्शित करते हैं।
- (3) चौथे और पांचवें अंक का प्रयोग प्रत्येक मुख्य लेखा कोड के भीतर उप-लेखा कोड के लिए किया जाता है।
- (4) मुख्य लेखा कोड और उसके साथ उप-लेखा कोड मिलकर लेखा शीर्ष का विनिर्दिष्ट लेखा कोड बन जाता है।

## उप-लेखाओं का कोड करने में बोर्ड की भूमिका

3. विभिन्न मुख्य लेखा कोडों में, विभिन्न बोर्डों द्वारा उनकी अपनी आवश्यकताओं के आधार पर संक्षिप्त उप-लेखा समनुदिष्ट किए जायेंगे। ऐसे कोडों के उदाहरण निम्नलिखित हैं :

- (1) बालू पूंजीगत संकर्म को खानाबद्ध करने के लिए परियोजना कोड
- (2) विद्युत के विक्रय से राजस्व और विद्युत के विक्रय से प्राप्तियों को खाताबद्ध करने के लिए उपभोक्ता प्रवर्ग कोड
- (3) अन्तर एकक लेखें।

## अवस्थिति कोड

4. प्रत्येक बोर्ड लेखें तैयार करने वाले अपने सभी एककों के लिए अवस्थिति कोड समनुदिष्ट करेगा। ये इस प्रकार से समनुदिष्ट किए जायेंगे कि कोड से लेखा रखने वाले एकक के अधीन मंचालकों द्वारा किए जाने वाले कृत्य भी स्पष्ट हो जाएं। इस प्रयोजन के लिए जिन विनिर्दिष्ट मंचालकों को स्वीकार किया जाएगा वे होंगे जिनके लिए पृथक डिवाइजन विद्यमान हैं। डिवाइजन स्तर पर कोड करने में दो विभिन्न कोड हो सकेंगे, उदाहरण के लिए संग्रहण और निर्माण एक सामान्य सकल के अधीन दो पृथक डिवाइजनों को समनुदिष्ट किए जायेंगे।

अवस्थिति कोड का लेखा कोड के पक्षे जोड़ा जाना

5. अवस्थिति कोड लेखाओं के एक रूप चार्ट में सिकारिश किए गए लेखा कोडों के पहले जोड़ा जाएगा। किसी लेखा रखने वाले एकक के सभी संव्यवहारों के लिए अवस्थिति कोड एक ही रहेगा। अतः अवस्थिति कोड बार बार लिखने की आवश्यकता नहीं होगी। कोड उस अवस्थिति पर प्रयोग में लाए जा रहे सभी लेखा दस्तावेजों पर पहले से मुद्रित होगा। लेखा कोड करने की ऐसी संरचना के कारण विद्यमान लेखाओं के चार्ट के अष्ट अंकों के कोड के स्थान पर पांच अंकों का छोटा लेखा कोड रखना संभव हुआ है।

लेखाओं को कोड करने की बाबत स्पष्टीकरण

6. लेखा रखने वाला एकक अपने संव्यवहारों को लेखाओं के प्रस्थापित चार्ट के अधीन नीचे वर्णित रीति से लेखाबद्ध करेगा :

- (1) प्रत्येक लेखा एकक की एक अवस्थिति कोड समनुदिष्ट किया जाएगा जो—

- (क) लेखा यूनिट में किए जा रहे कृत्य (उत्पादन, संग्रहण आदि)
- (ख) लेखा एक को दिए गए विनिर्दिष्ट कोड, उपदर्शित करेगा।

अवस्थिति कोड तीन अंकों का एक कोड होगा

- (2) अवस्थिति कोड लेखा एकक में प्रयोग में लाए जा रहे प्रत्येक लेखा कोड के पहले जोड़ा जाएगा।

111

46,410

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

—व्यर्थों के लिए विविध उधार खाताओं का लेखा कोड

—अवस्थिति कोड—ताप विद्युत उत्पादन उर्कई

- (3) अवस्थिति कोड का उपयोग प्रधानतया एक एकक को दूसरे एकक में उस समय पृथक करने के लिए है जब विभिन्न लेखा एककों के तुलनपत्र या लेखा विवरण संक्षिप्तियों को एक ही स्थान पर प्राप्त किया जाता है।  
उदाहरण के लिए, डिवाइजनों से लेखाओं को और बहुत से अक्षरों से तुलनपत्रों और लेखा साक्षिप्तियों को एकत्रित करने के प्रक्रम पर तब जब लेखा एकक अपने तुलनपत्रों, लेखा संक्षिप्तियों, अनुसूचियों, विवरणियों आदि को दूसरे एकक को भेजता है और उनमें अवस्थिति को लिखा जाता है, ऐसे अवस्थिति की पहचान सुनिश्चित हो जाती है।
- (4) अतः विनियुक्त के आधार पर, अवस्थिति कोड को वाउचरों आदि पर लेखा कोड लिखते समय दज करना आवश्यक नहीं है। इसके बजाय कोड को पहले से मुद्रित किया जा सकता है या उस पर पहले से रबड़ स्टाम्प लगाए जा सकते हैं।
- (5) किसी अवस्थान द्वारा नी गई अन्तर एकक सूचनाओं पर अवस्थिति कोड रखना चाहिए जिससे कि गरीबी एकक जानकारी का आसानी से पहचान कर ले।
- (6) तथापि, अन्तर एकक संव्यवहारों के लिए लेखाओं के संबध में दो अवस्थिति कोड होंगे—  
(क) उस एकक का अवस्थिति कोड जो संव्यवहार को लेखाबद्ध करता है  
(ख) उस एकक का अवस्थिति कोड जिसके मध्ये संव्यवहार को नामस्थाने या जमा खाते किया जाता है।  
उदाहरण के लिए एकक 334 से एकक 465 को नियत आस्तियों का अन्तरण संव्यवहार को लेखाबद्ध करने वाले एकक अर्थात् 334 का अवस्थिति कोड वह होगा जिसका पहले उल्लेख किया गया है जो उस एकक के वाउचरों पर पहले से मुद्रित होगा।

यदि लेख कोड 31.465 है तो 32 संभवहारों से संबंधित नियत प्राप्तियों के लिए अक्षर एकक लेखा है और 485 से अभिप्रेत है कि अक्षर एकक 465 को किया गया है।

नवसवरी एकक सं. 465 का कोड उसके अपने शीर्षों पर पहले से सूचित होगा। अतः वह 32.334 लेखा कोड का प्रयोग करेगा जिसने 32 संभवहार से संबंधित नियत प्राप्तियों के लिए अक्षर एकक लेखा है और 334 से अभिप्रेत है कि वह एकक सं. 334 से अंतर्धित है।

(7) विविध विधियों के अन्तर्गत पर उल्लिखित अवस्थिति कोड का प्रयोग संयोजन के समय विभिन्न कृत्यकारी के संभवहारों को पृथक पृथक करने के लिए किया जाएगा।

-- विभिन्न विधियों के अवस्थिति कोड को पहले नहीं लगाया जाएगा यदि अक्षर अपने अंतर्गत विविधियों के तुल्य पत्र-संसार करता है। ऐसे दशा में तबकि मूलपत्र पर अक्षर का कोड अवस्थिति कोड के रूप में प्रयोग में लाया जाएगा।

-- विभिन्न अक्षरों के अवस्थिति कोडों को पहले नहीं लगाया जाएगा यदि मुख्यालय अक्षरवार लेखाओं को समेकित करता है और बोर्ड के लेखाओं को संक्षिप्त करता है।

लेखाओं के चार्ट में रिक्त स्थान रचना

7. लेखाओं के चार्ट में लेखा समूह, मुख्य लेखा शीर्ष और उप-लेखा शीर्ष स्तर पर रिक्त स्थान छोड़े गए हैं जिससे कि उपयुक्त स्तरों पर नीचे दिए 8 में अधिकृत प्रक्रिया के अनुसार नए लेखा शीर्षों को पुरःस्थापित करने में सुविधा रहे।

नए लेखा शीर्षों का पुरःस्थापन

8. लेखाओं के चार्ट में ऐसे सभी संभवहारों के लिए व्यवस्था की गई है जिनकी गणित्यता मंत्रालय कर सकता है। यदि फिर भी, किसी बोर्ड को यह प्रतीत होता है कि उसके संभवहारों में से कुछ किसी लेखा शीर्ष के अन्तर्गत आता-बढ़ नहीं किया जा सकता है या उनके अधिक व्योरेवार रूप में आता-बढ़ करने की आवश्यकता है तो नए लेखाओं को, जैसा आवश्यक हो, पुरःस्थापित किया जा सकता है। प्रत्येक नए लेखा का प्रयोजन और उपयोग बोर्ड द्वारा स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा।

9. बोर्ड द्वारा इस प्रकार पुरःस्थापित प्रत्येक मुख्य लेखा कोड या उपलेखा कोड संबंधित लेखा समूह के अंतर्गत होना चाहिए।

10. बोर्ड द्वारा इस प्रकार पुरःस्थापित प्रत्येक मुख्य लेखा कोड या उप-लेखा कोड, बोर्ड के विवेकानुसार, उसी लेखा समूह के अंतर्गत पुनः वर्गीकृत किया जा सकता है या तत्पश्चात् किसी समय हटाया जा सकता है।

11. नए लेखा समूह के पुरःस्थापन के लिए मंत्रालय के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इस बाबत मंत्रालय द्वारा कोई अनुमोदन नियंत्रक महालेखा परीक्षक और संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से किया जाएगा।

लेखा कोडों का हटाया जाना

12. बोर्ड को लेखाओं के विहित चार्ट में से किसी लेखा को हटाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रतिषेध उन मामलों में भी लागू होगा जहां बोर्ड ऐसे प्रकार के संभवहार नहीं करता जो लेखा के अंतर्गत नहीं आते।

## भाग 2

### लेखाओं का चार्ट

#### (लेखा शीर्ष और लेखा कोड)

#### लेखा समूह कोड

#### लेखा समूह

10 से 16	पूँजी व्यय और स्थिर प्राप्तियां
10	स्थिर प्राप्तियां
11	अन्य पूँजी व्यय, स्थिर प्राप्तियां
12	स्थिर प्राप्तियों पर अवक्षयण के लिए व्यय-व्यवस्था
13	अन्य पूँजी व्यय, स्थिर प्राप्तियों पर अवक्षयण के लिए व्यय-व्यवस्था
14	पूँजी बालू संकर्म लेखा
15	निर्माण की स्थिति में प्राप्तियों के अग्र्य लेखों-लिए
16	प्रयोग में न लाई जा रही प्राप्तियां
17 से 19	प्रास्थगित लागत और अमूर्त प्राप्तियों
17	प्रास्थगित लागत
18	अमूर्त प्राप्तियां
20	वित्तियान
21 से 29	बालू प्राप्तियां, ऋण और अधिम
21	ईधन लेखा
22	मंडार और संबंधित लेख
23	विद्युत के प्रदाय मंडे प्राप्तियां
24	नकदी और बैंक
25	प्रदाय कर्ताओं, ठेकेदारों को अग्रिम—(पूँजी)
26	प्रदाय कर्ताओं ठेकेदारों को अग्रिम—ओ और एम

लेखा समूह कोड	लेखा समूह
27	अन्य ऋण और अग्रिम
28	विविध प्राप्तियां
30 से 39	अन्तर यूनिट लेखे
30	अन्तर यूनिट लेखे—ईंधन
31	अन्तर यूनिट लेखे—सामग्री
32	अन्तर यूनिट लेखे—पूँजी व्यय और स्थिर आस्तियां
33	अन्तर यूनिट लेखे—मुख्यालय को संप्रेषण
34	अन्तर यूनिट लेखे—मुख्यालय से निधि अंतरण
36	अन्तर यूनिट लेखे—कार्मिक
37	अन्तर यूनिट लेखे—अन्य संव्यवहार, समायोजन
40 से 49	धालू और प्रोदभूत दायित्व
40	ईंधन सम्बंधी दायित्व
41	विद्युत क्रय करने के लिए दायित्व
42	पूँजी पुनियों, पूँजी संकर्मों के लिए दायित्व
43	का. और प्र. पूतियों का. और प्र. संकर्मों के लिए दायित्व
44	कर्मचारीबुन्द संबंधी दायित्व और व्यवस्थाएं
46	अन्य दायित्व और व्यवस्थाएं
47	विद्युतीकरण, सेवा कनेक्शन, भावि के लिए निक्षेप
48	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप
50 से 54	पूँजी दायित्व और अन्य उधार
50	कार्यकरण पूँजी के लिए उधार
51	पूँजी दायित्वों पर देय संदाय
52 )	पूँजी दायित्वों (राज्य सरकार के ऋणों से विभक्त)
53 )	
54	राज्य सरकार से निधियां
55 से 59	आरक्षितियां और अधिशेष
55	पूँजी आस्तियों के खर्च मई अभिदाय, उपदान और साहाय्यकियां
56	आरक्षितियां
57	अरक्षित निधियां
58	अधिशेष
60 से 69	आय
61	विद्युत के विक्रय से राजस्व
62	अन्य आय
63	साहाय्यकियां और उपदान
65	पूर्ववर्ती आय
72 से 89	व्यय और हानियां
70	विद्युत क्रय लेखे
71	विद्युत के उत्पादन का लागत
72	ईंधन संबंधी हानियां
74	मरम्मत और अक्षुरक्षण
75	कर्मचारीबुन्द लागत
76	प्रशासन और साधारण व्यय
77	स्थिर आस्तियों से संबंधित अवक्षेपण और अन्य लागत
78	भ्याज और अन्य वित्तीय प्रभार
79	राजस्व लेखानामे अन्य राशियां
81	वर्ष के लिए आय-कर के लिए उपबंध
83	पूर्व अवधि व्यय/हानियां
90 से 99	लेखा पक्ष
91	परीक्षण अवस्था में लागत और राजस्व
92	विद्युत के क्रय, उत्पादन, विक्रय आदि के यूनिटों की संख्या को लेखबद्ध करने के लिए लेखा-पक्ष ।

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
10	स्थिर शास्तियाँ
10 1	भूमि और भूमि अधिकार
10 101	पूर्ण हक के अधिन स्थापित वाले भूमि
10 102	पट्टे के अधिन धारित भूमि
10 103	पट्टावृत्त भूमि के विकास की लागत
10 2	संवय
10 20	उत्पादन संयंत्र, पारेषण और वितरण संस्थापनों वाले भवन
10 201	ताप विद्युत उत्पादन संयंत्र वाले भवन
10 202	जल विद्युत उत्पादन संयंत्र वाले भवन
10 203	हल जल विद्युत उत्पादन संयंत्र वाले भवन
10 204 से 10 206	अन्य प्रकार के उत्पादन संयंत्रों वाले भवनों के लिए भिन्न स्थान
10 207	पारेषण संस्थापनों वाले भवन
10 208	वितरण संस्थापनों वाले भवन
10 21 से 10 29	अन्य भवन
10 211	कार्यालय भवन
10 222	कर्मचारीवास के लिए आवासीय कालोनी
10 233	अन्य भवन
10 3	द्रव चालित संकर्म
10 301	द्रव चालित संकर्म जो जल विद्युत प्रणाली, बाँध, उत्पन्न मार्ग, बाँध, नहरों, प्रचलित कंकट नालिकाओं और नालियों (साइन) का भाग हो।
10 305	द्रव चालित संकर्म जो जल विद्युत प्रणाली, प्रचलित कंकट पाइप लाइन और प्रोतकर्व टैंक, इस्पात पाइपलाइन, सेवा द्वार, इस्पात प्रोत्कर्ष टैंक, द्रव चालित नियंत्रण द्वार और अन्य द्रव चालित संकर्मों का भाग है।
10 310	जल शक्ति प्रणाली
10 311	शक्ति टावर
10 315	भोठा जल व्यवस्थापन जिसमें अलायस आदि भी आते हैं।
10 320	आवासीय कालोनी में जल की आपूर्ति के लिए संयंत्र और पाइपलाइन
10 322	मालिकी और मलक जल व्यवस्था आवासीय कालोनी
10 4	अन्य सिविल संकर्म
10 401	पक्की सड़कें
10 402	कच्ची सड़कें
10 412	रेल साइडिंग
10 5	संयंत्र और मशीनरी
10 501	वायलर संयंत्र और उपस्कर
10 502	मिट्टी/बग्नर
10 503	टर्बाइन चालित (जनरेटर) भाप शक्ति उत्पादन
10 504	भाप शक्ति संयंत्र के लिए संयंत्र नींव
10 509	भाप शक्ति संयंत्र के लिए उपसाधन
10 511	रेल इंजिन और वाहन
10 515	कोयला घराई उठाई संयंत्र और घराई उठाई उपस्कर
10 516	तेल भण्डारण टैंक, तेल घराई उठाई संयंत्र और उपस्कर
10 517	गैस स्टेशन, गैस पाईप लाइन आदि
10 531	जल विद्युत उत्पादन संयंत्र
10 532	जल विद्युत उत्पादन संयंत्र के लिए संयंत्र नींव
10 535	जल विद्युत संयंत्र के उप साधन
10 536	गैस विद्युत संयंत्र के लिए नींव
10 538	गैस विद्युत संयंत्र के लिए उप साधन
10 541	पारेषण संयंत्र-ट्रांसफार्मर जिनकी रेटिंग 100 के बी ए और उससे अधिक हो।
10 542	अन्य ट्रांसफार्मर
10 543	अन्य पारेषण संयंत्र, ट्रांसफार्मर किओस्क, उप-स्टेशन उपस्कर और अन्य नियत साधन
10 551	सामग्री की घराई उठाई के उपस्कर मिट्टी उठाने वाले बुलडोजर
10 552	सामग्री घराई उठाई के उपस्कर मोर्टार मिश्रक
10 553	सामग्री घराई उठाई के उपस्कर
10 559	सामग्री घराई उठाई के उपस्कर अन्य
10 561	स्विच गियर जिसमें केबिल कनेक्शन भी है

कोडा कीड	लेखा शीर्ष
10.563	पट्टियाँ जिनमें चार्ज करने के उपस्कार भी हैं
10.565	रचकशास्त्रा कर्मशास्त्रा सर्वज्ञ और उपस्कार
10.567	तद्विषय निरोधक
10.571	संचार उपस्कार रेडियो और उच्च आवृत्ति वाहक प्रणाली
10.572	संचार उपस्कार टेलीफोन लाइनों और टेलीफोन स्थितिक मशीन औजार और उपस्कार
10.576	वायु प्रणाली न संयोज स्वचालित
10.577	वायु प्रणाली न संयोज चाल
10.58, 10.69	प्रकीर्ण उपस्कार
10.580	प्रशिक्षित और जलमयितक
10.581	भीटर टैस्ट करने के प्रयोगशाला औजार और साधन
10.582	अस्पतालों, निवास गृहों के उपस्कार
10.583	बीजार और टैकिल— प्रत्येक बृहत् प्रकार के उपस्कार के लिए जिन्हें एक लेखा शीर्ष 'प्रकीर्ण उपस्कार' के अर्धेन एका साथ रखा जा सकता है एक उत-लेखा कोड पुरस्पातित किया जाना चाहिए
10.519	अन्य प्रकीर्ण उपस्कार
10.6	लाइव केबिल गैट वक आदि
10.60	शीर्षोपरि लाइनें (टावर, पोल फिक्सचर शीर्षोपरि संचालक और युक्तियाँ) गढ़ी गई इस्पात के आधारों पर लाइनें जो 66 के बी ए से उच्चतर प्रसामान्य वोल्टता पर कार्य संचालित हो।
10.602	शीर्षोपरि लाइनें (टावर, पोल फिक्सचर शीर्षोपरि संचालक और युक्तियाँ) इस्पात के आधारों पर लाइनें जो 13.2 के बी ए से उच्चतर किन्तु 66 के बी ए से अधिक प्रसामान्य वोल्टता पर संचालित हो।
10.603	शीर्षोपरि लाइनें (टावर, पोल फिक्सचर शीर्षोपरि संचालक और युक्तियाँ) प्रचालित कंक्रीट के आधारों पर लाइनें। है
10.604	शीर्षोपरि लाइनें (टावर, पोल फिक्सचर शीर्षोपरि संचालक और युक्तियाँ) उपचारित काष्ठ के आधारों पर लाइनें
10.611	भूमिगत केबिल, जिसमें जायन्ट बोक्स और असंयोजक बोक्स भी हैं।
10.612	भूमिगत केबिल/केबिल डक्ट प्रणाली
10.621	सेवा कनेक्शन
10.625	विद्युत की आपूर्ति के लिए अस्थाई कनेक्शन
10.631	मापन उपस्कार
10.641	मार्ग प्रकाशन और संकेतन प्रणालियाँ
10.685	प्रकीर्ण उपस्कार
19.7	वाहन
10.710	ट्रक, ट्रैम्पू ट्रैक्टर आदि
10.720	वर्षे जिनमें मिनी बस भी हैं
10.730	जीप और मोटर कार
10.740	अन्य वाहन
10.8	फर्नीचर और फिक्सचर
10.9	कार्यालय उपस्कार
10.901	कैलकुलेटर
10.902	टाइपराइटर
10.903	नकदी कार्यालयों में नगदी रजिस्टर
11	अन्य पूँजी व्यय, स्थिर आस्ति
11.1	पूँजी व्यय जिनसे ऐसी आस्ति परिणामित हो जो ब्रोड की नहीं है
11.101	नगरपालिका की भूमि पर खड़े
11.2	कालत्, यूनिट/सेवा यूनिट
11.3	उत्पादन स्थानों पर पूँजी कालत् पुर्जे
11.4	पूँजी आस्ति अन्तरण अंतर्गामी

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
11.401 से 11.403 तक	आस्ति अन्तरण अन्तरागामी—प्राप्तियाँ के नामेखाने लेखा समूह '10' में बृहत् आस्ति समूहों के समान उप-लेखे ।
11.421 से 11.429 तक	आस्ति अन्तरण अन्तरागामी—लेखा समूह 10 को अन्तरणों पर जमा खाते लेखा समूह 10 में बृहत् आस्ति समूहों के समान उप-लेखे
11.5	अनुज्ञापितधारकों से गृहीत आस्तियों—अंतिम मूल्यांकन होने पर्यन्त
11.501 से 11.509 तक	अंतिम मूल्यांकन होने पर्यन्त अनुज्ञापितधारकों से गृहीत आस्तियाँ लेखा समूह 10 में बृहत् आस्ति समूहों के समान उप-लेखे इसी प्रकार के पृथक् उप-लेखा समूह, उदाहरणार्थ 511 से 519, 521 से 529 ऐसे प्रत्येक अनुज्ञापितधारक के लिए जिनसे गृहीत आस्तियों का अंतिम रूप से मूल्यांकन नहीं किया जाता
12	स्थिर आस्तियों पर अवक्षयण के लिए उपबंध
12.1	अवक्षयण उपबंध—पट्टाघृत भूमि और भूमि विकास लागत
12.2	अवक्षयण उपबंध—भवन
12.3	अवक्षयण उपबंध—द्रव आलित संकर्म
12.4	अवक्षयण उपबंध—अन्य सिविल संकर्म
12.5	अवक्षयण उपबंध—संयंत्र और मशीनरी
12.6	अवक्षयण उपबंध—लाईन केबिल नेट वर्क आदि
12.7	अवक्षयण उपबंध—वाहन
12.8	अवक्षयण उपबंध—फर्नीचर और फिक्स्चर
12.9	अवक्षयण उपबंध—कार्यालय उपस्कर
	स्थिर आस्ति लेखाओं में विहित वर्गीकरण के समान उप-लेखे प्रत्येक मुख्य लेखा के अंतर्गत दो उप-लेखे चलाए जाने चाहिए (1) अवक्षयण के लिए उपबंध (2) अग्रिम अवक्षयण (नामेखाने)—लेखाओं के खाटों में मार्गदर्शक उपबंध देखिए ।
13	अन्य पूँजी व्यय, स्थिर आस्तियों पर अवक्षयण के लिए उपबंध
13.1	ऐसे पूँजी व्यय पर जिससे ऐसी आस्ति परिणामित हो जो बोर्ड की नहीं है अवक्षयण उपबंध
13.2	कालतू पूँजियों/दिया पूँजियों पर अवक्षयण उपबंध
13.3	उत्पादन स्टेजों पर पूँजी/कालतू पूँजियों पर अवक्षयण उपबंध
13.4	आस्ति अन्तरण अन्तरागामी पर अवक्षयण उपबंध
13.401 से 13.409 तक	आस्ति अन्तरण अन्तरागामी पर अवक्षयण उपबंध—जमाखाने लेखा समूह 10 में विहित आस्ति समूहों के समान उप-लेखे
13.421 से 13.429 तक	आस्ति अन्तरण अन्तरागामी पर अवक्षयण उपबंध—लेखा समूह 12 के रूप में वर्गीकृत लेखा समूह 10 में विहित आस्ति समूहों के समान उप-लेखे
13.5	अनुज्ञापितधारकों से गृहीत आस्तियों पर अवक्षयण उपबंध अंतिम मूल्यांकन होने पर्यन्त
13.501 से	
13.509 तक	
	लेखा समूह 10 में विहित आस्ति समूहों के समान उप-लेखे इस प्रकार के उप-लेखा समूह उदाहरणार्थ, 13.511 से 13.519 तक, 13.521 से 13.529 तक प्रत्येक ऐसे अनुज्ञापित- धारक के लिए जिनसे गृहीत आस्तियों का अंतिम रूप से मूल्यांकन नहीं किया गया है ।
14	बालू पूँजी संकर्म लेखे उप-लेखाओं की संरचना निम्नलिखित रूप में होगी —

14	कोडके 3 रे और 4 थे अक्षर	5वें अक्षर
बालू पूँजी संकर्म	परियोजना संख्यांक	औ मुख्य आस्ति समूह वर्गीयता
		1. भूमि
		2. भवन
		3. द्रव आलित संकर्म
		4. अन्य सिविल संकर्म
		5. संयंत्र और मशीनरी
		6. लाईनें, केबिल नेट वर्क, आदि
		7. वाहन
		8. फर्नीचर और फिक्स्चर
		9. कार्यालय उपस्कर



लेखा कोड	लेखा शीर्ष
15	संनिर्माण की श्रवधि में आस्तियों के लिए अन्य लेखे
15.1	चालू संधिदाएं
15.2	प्रत्येक परियोजना के लिए उप-लेखा कोड
15.201 से 15.209 तक	लंबित राजस्व व्यय
15.220	पूजी संकर्मों पर आर्बटल
15.5	प्रत्येक व्यय लेखा समूह के लिए
15.6	(जो परियोजना बार नहीं हो) उप-लेखा
15.601	मुख्यालय पर्यवेक्षण प्रभार
15.602	पूरे किए गए संकर्मों के लिए उपबंध
15.603	संनिर्माण प्रसुविधाएं
15.631	निर्माण उपस्कर-- मिट्टी हटाने का उपस्कर और कुल बोजर
15.651 से 15.699 तक	निर्माण उपस्कर-- सीमेंट मिश्रक और अन्य सिविल निर्माण मशीनें
	बालने के कार्य की कर्मशाला संनिर्माण कर्मशाला उपस्कर
	संनिर्माण प्रसुविधाओं पर प्रबलक्षण के लिए उपबंध
	601 से 649 तक संबंधित आस्तियों के लिए उप-लेखाओं के तत्स्थानी उप-लेखे, उदाहरणार्थ 15.603 के लिए 15.653 से आस्ति पर प्रबलक्षण के लिए उपबंध हेतु कोड होगा।

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
16	अप्रयुक्त आस्तियां
16.1	गत प्रयोग, स्केप की गई आस्तियों का अपलिखित मूल्य
	(स्थिर आस्ति लेखाओं के वर्गीकरण के समतुल्य उप-लेखे)

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
17	आस्थगित लागत
17.2	आस्थगित राजस्व व्यय
17.221	अनुश्रुतिधारकों के समय पूर्व ग्रहण के लिए प्रतिकर
17.3	उस समय तक मंजूर न की गई परियोजनाओं के सर्वेक्षण, माध्यता अध्ययन

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
18	(आमूर्त आस्तियां)
18.100	अन्य निकायों से विद्युत् प्राप्त करने के अधिकार के अर्जन के लिए सहाय
18.200	बोर्ड बनाने और गठित करने के लिए व्यय

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
20.1	निधियों में विनिधान
20.110	कर्मचारिभूत पेंशन निधि विनिधान
20.120	उपदान निधि विनिधान
20.2	निधि विनिधानों से भिन्न विनिधान
20.10	सरकारी प्रतिभूतियों में विनिधान

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
20.230	डिबेन्चरों में विनिधान
20.250	विद्युत् के उत्पादन, वारेण या वितरण में लगे हुए ग्रन्थ ध्वियों में बोण्डों, डिबेन्चरों में विनिधान
20.270	मिगम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के शेयरों में विनिधान
20.280	बैंकों, कंपनियों आदि में नियत निधिधियों के रूप में विनिधान
20.200	ग्रन्थ विनिधान 20.1 और 20.2 में के प्रत्येक लेखाओं में प्रत्येक प्रकार के बाण्ड, शेयर आदि को एक लेखा के अधीन सेखवद्ध करने के लिए उप-लेखे कोडों का प्रयोग किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, 20.11 से 20.119 तक कर्मचारिवृत्त पेशन निधियों मद्धे विभिन्न विनिधानों के लिए, 20.270 से 20.279 तक विभिन्न कंपनियों में शेयरों के लिए और इसी प्रकार से ग्रन्थ ।
20.3	समनुषंगियों में विनिधान ।
20.31	समनुषंगियों के शेयरों में विनिधान ।
20.311 से 20.319 तक	समनुषंगी वार शेयर पूंजी वार (साधारण अधिमानी) <span style="float: right;">श्वीरों के लिए उप-लेखे (प्रत्येक समनुषंगी के लिए पृथक लेखा)</span>
20.32	समनुषंगियों के डिबेन्चरों, श्वीरों में विनिधान
20.321 से 20.229 तक	समनुषंगी वार विनिधान श्वीरों के लिए उप-लेखे
20.33	समनुषंगियों को ऋण
20.331 से 20.339 तक	समनुषंगी वार, ऋण वार श्वीरों के लिए उप-लेखे
20.4	भागीदारियों/संयुक्त उपक्रमों में विनिधान
20.41	भागीदारियों/संयुक्त उपक्रमों के पूंजी में विनिधान
20.411 से 20.419 तक	फर्म वार/संयुक्त उपक्रम वार श्वीरों के लिए उप-लेखे
20.42	भागीदारियों/संयुक्त उपक्रमों को ऋण
20.421 से 20.429 तक	फर्म वार/संयुक्त उपक्रम वार, ऋण वार श्वीरों के लिए उप-लेखे ।

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
21	ईंधन स्टॉक और संबंधित लेखे
21.1	ईंधन स्टॉक लेखे
21.101	कोयला स्टॉक
21.105	तेल स्टॉक
21.108	संक्रमणगत गैस
21.121	संक्रमणगत कोयला
21.125	संक्रमणगत तेल
21.2	ग्रन्थेयणपर्यन्त ईंधन स्टॉक आधिक्य/कमी

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
22	सामग्री स्टॉक और संबंधित लेखे
22.1 से 22.7 तक	सामग्री स्टॉक और संबंधित लेखे
22.1	धीमा फाल्तू पूर्ण स्टॉक लेखे
22.2	सामग्री क्रय लेखे
22.20 से 22.21 तक	पूँजी सामग्री क्रय
22.201	पूँजी सामग्री क्रय--इस्पात
22.202	पूँजी सामग्री क्रय--सीमेन्ट
22.203	पूँजी सामग्री क्रय--ट्रांसफार्मर
22.204	पूँजी सामग्री क्रय--मापक उपस्कर
22.205	पूँजी सामग्री क्रय--केविल और प्रचालक
22.206	पूँजी सामग्री क्रय--बाम्बे
22.207	पूँजी सामग्री क्रय--विद्युत् प्रा काश फिटिंग
22.208	पूँजी सामग्री क्रय--फाल्तू पूर्ण
22.219	पूँजी सामग्री क्रय--ग्रन्थ
22.22 और 22.23	(5 वें बॉक द्वारा उपरिस्थित सामग्री समूहों की उसी प्रकार से पुन संरचना की जा सकती है जैसा बॉक उपरिस्थित समूहों) संगठन और पद्धति, सामग्री क्रय

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
22.221	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- उत्पाद
22.222	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- सीमेण्ट
22.223	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- ट्रांसफार्मर
22.224	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- मापी उपस्कर
22.225	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- केबिल और मुचालक
22.226	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- खम्बे
22.227	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- विद्युत् प्रकाश फिटिंग
22.228	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- फालतू पुर्जें
22.239	संगठन और पद्धति सामग्री क्रय-- अन्य
22.3	सामग्री निर्गम लेखे
22.30 और 22.31	सामग्री निर्गम पूंजी उप-कोड 22.301 से 22.319 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत निर्गम और वापसियों को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.32 और 22.33	सामग्री निर्गम (संगठन और पद्धति) उप-कोड 22.321 से 22.339 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत निर्गम और वापसियों को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.34 और 22.35	ठेकेदारों को दी गई सामग्री उप-कोड 22.341 से 22.359 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत निर्गमों को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.36 और 22.37	ठेकेदारों द्वारा लौटाई गई सामग्री उप-कोड 22.361 से 22.379 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत ठेकेदारों को वापसियों को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.4	सामग्री अन्तरण लेखे
22.40 और 22.41	सामग्री अन्तरण अंतर्गामी उप-कोड 22.401 से 22.419 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत अंतर्गामी सामग्री अन्तरण को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.42 और 22.43	सामग्री अन्तरण--बहिर्गामी उप-कोड 22.421 से 22.439 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत बहिर्गामी सामग्री अन्तरण को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.5	सामग्री स्टॉक समायोजन लेखा
22.50 और 22.51	सामग्री स्टॉक समायोजन लेखा (पूँजी) उप-कोड 22.501 से 22.519 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत बढोतरियों और कमियों के लिए स्टॉक के समायोजन को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.52 और 22.53	सामग्री स्टॉक समायोजन लेखा (संगठन और पद्धति) उप-कोड 22.521 से 22.539 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत बढोतरियों और कमियों के लिए स्टॉक समायोजन को खाताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
22.6	सामग्री स्टॉक लेखे
22.60 और 61	पूँजी सामग्री स्टॉक लेखा उप-कोड 22.601 से 22.619 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत पूँजी सामग्री स्टॉकों को समेकित करने के लिए किया जाएगा।
22.62 और 22.63	संगठन और पद्धति सामग्री स्टॉक लेखे उप-कोड 22.621 से 22.639 का प्रयोग प्रत्येक सामग्री समूह के अंतर्गत संगठन और पद्धति सामग्री स्टॉक को समेकित करने के लिए किया जाएगा।
22.64	स्थल सामग्री लेखा
22.65	(एम ए एस ए)
22.640	स्थल सामग्री (पूँजी)
22.617	स्थल सामग्री (संगठन और पद्धति)
22.66 और 22.67	निरीक्षण होने पर्यन्त सामग्री-

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
22 660	निरीक्षण होने पर्यन्त पूजा सामग्री
22 670	निरीक्षण होने पर्यन्त संगठन और पद्धति सामग्री
22 68 और 22 69	संक्रमणगत सामग्री
22 690	संक्रमणगत पूजा सामग्री
22 690	संक्रमणगत संगठन और पद्धति सामग्री
22 7	अन्य सामग्री लेख
22 710	कर्मचारी उचल—सामग्री
22 720	निर्माणकर्ताओं को दी गई सामग्री
22 730	ठेकेदारों से मिले पश्कियों को उधार दी गई सामग्री
22 740	बंधित भाण्डागार में पूजा उपकरण और पूजा फालतू पुजे
22 750	बंधित भाण्डागार में सामग्री
22 760	गतिमानिक सामग्री स्टॉक
22 8	अन्वेषण पर्यन्त सामग्री स्टॉक की प्राप्ति/कथियां
22 810	अन्वेषण होने पर्यन्त स्टॉक बढ़ोतरी
22 830	अन्वेषण होने पर्यन्त स्टॉक कमी
23	वित्त के प्रदाय मंडे प्राप्ति
23 1	वित्त के विक्रय के लिए विविध ऋणी
23 101	वित्त के विक्रय के लिए विविध ऋणी—घरेलू
23 102	वित्त के विक्रय के लिए विविध ऋणी—व्यावसायिक
	इस प्रकार उपकोड 101 से 119 का प्रयोग उपभोक्ताओं के विनिश्चित प्रवर्ग में प्राप्ति को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
23 2	वित्त शुल्क के विविध ऋणी
	उप कोड 201 से 219 का प्रयोग उपभोक्ताओं के विनिश्चित वर्ग से प्राप्ति को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
	विविध ऋणी संग्रह लेखा
	(दिन भर के संग्रहणों के लिए और उन्हें अवरित करने पर 23.1 और 23.2 में से प्रत्येक लेखा में अभाव करने के लिए पृथक उप-लेखा)
23 4	बिल न किए गए राजस्व के लिए उपग्रह
	उप कोड 401 से 419 का प्रयोग उपभोक्ताओं के विनिश्चित प्रवर्ग के लिए उपभोक्तों को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
23 5	स्थायी और पर कोड किए उपभोक्ताओं से देय राशि।
	उप कोड 501 से 519 का प्रयोग उपभोक्ताओं के विनिश्चित प्रवर्ग द्वारा देय राशियों को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
23 6	वित्त के अन्तरराष्ट्रीय विक्रय के लिए विविध ऋणी
	उप कोड 601 से 609 का प्रयोग विनिश्चित राष्ट्रीय द्वारा देय राशियों को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
23 7	विविध ऋणी—उपभोक्ताओं से प्रकीर्ण प्राप्ति
23 9	उपभोक्ताओं द्वारा देय संदिग्ध राशियों के लिए
	(जमा लेखा)
	उप कोड 901 से 919 का प्रयोग उपभोक्ताओं के विनिश्चित प्रवर्ग द्वारा देय राशियों को दर्शाने के लिए किया जाएगा।
24	तगर्दा और बैंक
24 1	तगर्दा लेख
24 110	हृष तगर्दा
24 120	हृष डंक स्टॉक
24 2	कर्मचारिवृन्द के पास अधिदाय का लेखा
24 210	कर्मचारिवृन्द के पास स्थायी अधिदाय
24 220	कर्मचारिवृन्द के पास अस्थायी अधिदाय
24 3	संग्रहण बैंक लेख
24 301	संग्रहण बैंक उदाहरणार्थ, बैंक आफ इंडिया (301 से 399 तक के उप-लेखे पृथक-पृथक बैंक लेखाओं के लिए प्रयोग में लाए जाएंगे—प्रत्येक लेखा एक 'उसकी' अधिकारिता के अंतर्गत विनिश्चित बैंक लेखाओं के लिए उपकोडों का प्रयोग करेगा।
24 4	संवितरण बैंक लेख

## लेखा कोड

## लेखा शीर्ष

24 401	संचितरण बैंक—उदाहरणार्थ बैंक आफ बडीदा (401 से 489 तक उप-लेखे पृथक-पृथक बैंक लेखाओं के लिए प्रयोग में लाए जाएंगे—परंपरा लेखा एकक उसके अधिकारिता के अधीन विनिर्दिष्ट बैंक लेखाओं के लिए उप कोड का प्रयोग करेगा)
24 440	बोर्डों पर ध्याज के सदाय के लिए निधि अन्तरण (जैसे बैंक आफ इण्डिया)
24 491	आर ई डिपेन्डेंसी पर ध्याज के सदाय के लिए निधि अन्तरण (जैसे सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया)
24 5	सम्पन्न लेखाओं में मुख्यालय को प्रेषण
24 501	निर्बल जन से प्रेषण
	उप लेखा 501 से 549 तक मुख्यालय संचितदार तोंडें उप-लेखाओं का प्रयोग में लएगा। गणक निर्वाजनदार उप-लेखाओं को प्रयोग में लएगा। उपयोग में लाया गया प्रत्येक उप लेखा कोड अवस्थान के अनुसार भिन्न-भिन्न होंगे इस उप लेखा कोडों से मुख्यालय और संचित दारा निर्बल जनो से निधि प्रेषणों का पता करना सम्भव होगा। बॉर्ड के लेखाओं का गणकन करने समय सम्पन्न के अधिन कुल रकम मुख्य लेखास्तर 24 5 पर जान हुआ करेगी।
24 551	अचल से प्रेषण
	उप लेखा 501 से 599 तक मुख्यालय संचित दार उप लेखाओं का प्रयोग संचितो से प्रेषणा को मॉनिटर करने के लिए करेगा।
24 6	सम्पन्न लेखाओं में मुख्यालय से अन्तरण
24 601	मुख्यालय से अन्तरण
24 9	नगदी आगम और बहिष्म लेखे
24 911 से 24 919 तक	नगदी आगम (पूजी प्राप्तियां) लेखा (जमा खाते लेखा)
24 921 से 24 929 तक	नगदी बहिष्म (पूजी सदाय) लेखा (नामे खाते लेखा)
24 931 से 24 939 तक	नगदी आगम (राजस्व प्राप्तियां) लेखे (जमा खाते लेखे)
24 941 से 24 959	नगदी बहिष्म (राजस्व सदाय) लेखा (नामे खाते लेखा)
24 961	कुल नगदी आगम लेखा- (नामे खाते लेखा)
24 995	कुल नगदी बहिष्म लेखे (जमा खाते लेखा)
25	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को अधिम (पूजी)
25 1	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को अधिम (पूजी--ध्याज युक्त)
	उप कोड 25 101 से 25 199 तक का प्रयोग, जहां तक सम्भव हो विनिर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए अधिमों की पहचान के लिए किया जाएगा
25 5	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को अधिम (पूजी--निर्ध्याज)
	उप कोड 25 501 से 25 599 तक का प्रयोग, जहां तक सम्भव हो विनिर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए अधिमों की पहचान के लिए किया जाएगा।
25 7	ठेकेदार सामग्री नियंत्रण लेखा (पूजी)
	उप कोड 25 701 से 25 799 तक का प्रयोग विनिर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए अधिमों की पहचान के लिए किया जाएगा
26	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को अधिम (कार्यालय और पद्धति)
26 1	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को उधार (कार्यालय और पद्धति--सम्भ्याज)
26 5	प्रदायकर्ताओं, ठेकेदारों को उधार (कार्यालय और पद्धति--निर्ध्याज)
26 7	ठेकेदार सामग्री नियंत्रण लेखा (कार्यालय पद्धति)
26 8	ईधन प्रदायों के लिये अधिम
26 801	कोयला प्रदायकर्ताओं को अधिम
26 805	तेल प्रदायकर्ताओं को अधिम
27	अन्य उधार और अधिम
27 1	कर्मचारिबन्ध को उधार और अधिम--सम्भ्याज
27 101	कर्मचारिबन्ध को उधार और अधिम--मकन निर्माण
27 102	कर्मचारिबन्ध को उधार और अधिम--स्कूटर (उप लेखा 101 से 119 विभिन्न प्रकार के उधारों के लिए)
27 2	कर्मचारिबन्ध को उधार और अधिम--निर्ध्याज
27 3	अमूर्तनिधियों को उधार और अधिम
27 4	अधिम आयकर और जीन पर कर कटौतियां

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
27.110	अग्रिम आय-कर
27.421	स्त्रोत पर आय-कर की कटौतियाँ—विनिधानों से आय
27.425	स्त्रोत पर आय-कर की कटौतियाँ—अन्य प्राप्तियाँ
27.8	उधार और अग्रिम—अन्य
27.9	सदस्यसद उद्धारों और अग्रिमों के लिए उद्धार (जवाबदाते में)
28	विविध प्राप्तियाँ
28.1	विविध ऋणी—व्यापार मेला
28.101	बोर्ड द्वारा विनिर्मित विद्युत संयंत्र के विक्रय के लिए विविध ऋणी
28.102	साक्षि और उधारों के विक्रय, शिपय या भाड़े के लिए विविध ऋणी
28.103	भण्डारों के विक्रय के लिए विविध ऋणी
28.104	सम्पत्ति के किराए के लिए विविध ऋणी
28.107	वाष्प के शिपय के लिए विविध ऋणी
28.108	अन्य प्रक्षेपण आय के लिए विविध ऋणी
28.2	प्रोद्भूत और शोध आय
28.210	निधि विनिधानों पर प्रोद्भूत और शोध आय
28.220	निधि विनिधानों पर प्रोद्भूत और शोध आय से भिन्न विनिधानों पर प्रोद्भूत और शोध आय
28.230	समन्वयनी समितियों से विनिधानों पर प्रोद्भूत और शोध आय
28.240	मानवीयारिणी/समुक्त अध्ययनसामा में विनिधानों पर प्रोद्भूत और शोध आय
28.290	प्रोद्भूत या शोध आय—अन्य प्रत्येक प्रवर्ग के अन्तर्गत विभिन्न आयों की बाबत उप लेखा कोडों का प्रयोग किया जा सकता है
28.3	उदाहरणार्थ, 28.211—पेंशन निधि विनिधानों पर प्रोद्भूत आय
28.310 से	प्रोद्भूत पर शोध आय
28.340 तक	वही उप-शीर्ष जो 28.210 से 28.240 की दशा में ऊपर है
28.350	प्रोद्भूत किन्तु अशोध्य व्याज-अनुज्ञप्तियों धारकों को उधार और अग्रिम
28.360	प्रोद्भूत व्याज—कर्मचारियों को उधार और अग्रिम
28.390	प्रोद्भूत किन्तु अशोध्य व्याज—अन्य
28.4	कर्मचारियों/पूर्व कर्मचारियों से वसूलीय रकम
28.401	कर्मचारियों से वसूलीय रकम
28.402	पूर्व कर्मचारियों से वसूलीय रकम
28.5	हृद्यत संबंधी प्राप्तियाँ और दावे
28.511	श्रेणियों में अन्तर—कोयले की निम्नतर श्रेणी
28.512	कोयले की निम्नतर श्रेणी पर हानि के लिए उपबंध
28.513	कोयले के लिए रेल के दावे—कोयला लागत
28.514	कोयले के लिए रेल के दावे—भाड़ा
28.531	माछाओं में अन्तर—गैस की न्यून प्राप्ति
28.532	गैस की न्यून प्राप्ति से हानि के लिए उपबंध
28.551	प्राप्त न हुए कोयला बैगनों के लिए संरक्ष माछा
28.552	प्राप्त न हुए तेल टैंकरों के लिए संरक्ष माछा
28.554	गुमशुदा टैंकरों के लिए दावे—तेल लागत
28.555	गुमशुदा टैंकरों के लिए दावे—भाड़ा
28.558	गैस की न्यून प्राप्ति के लिए दावे
28.6	प्राप्ति योग्य सहायकी/प्रमुदान
28.610	प्राप्ति योग्य पूँजी सहायकी/प्रमुदान
28.620	प्राप्ति योग्य राजस्व सहायकी/प्रमुदान
28.7	अन्य दावे
28.72	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे
28.721	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—रेल
28.722	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—सीमा-शुल्क प्राधिकारी
28.723	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—पत्तन न्यास प्राधिकारी
28.721	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—वीमा समितियाँ
28.725	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—प्रदायकता
28.729	गाम्भी की हानि/नुकसानी के लिए दावे—अन्य
28.74	पूर्वी प्राप्तिओं की हानि नुकसानी के लिए दावे

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
28. 741	पूजी श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- रेल
28. 742	पूजी श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- सीमा-शुल्क प्राधिकारी
28. 743	पूजी श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- पत्तन न्यास प्राधिकारी
28. 744	पूजी श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- बीमा कर्पनिया
28. 745	पूजी श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- प्रदायकर्ता
28. 749	पूजा श्रास्त्रियों की हानि/नुकसानी के लिए दावे-- अन्य
28. 8	अन्य प्राप्तियां।
28. 810	प्रदायकर्ताओं/ठेकेदारों से बसुलीय व्यय
28. 820	पूर्व संवत् व्यय।
28. 857	राज्य सरकार के ऋणों का लिए प्राधिकृत प्राप्त सहाय

टिप्पणी--प्रदायकर्ताओं/ठेकेदारों से प्राप्त योग्य व्ययों का संबंध कतिपय व्ययों से, जैसे, डेमरत, आदि में है जो कि उनके द्वारा उभगत किए जाते हैं और जो दाय श्राद्ध की शर्तों के अनुसार उनसे बसुलीय हैं।

लेखा कोड	लेखा-शीर्ष
28. 9	निक्षेप।
28. 911	सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के पास निक्षेप
28. 912	पत्तन न्यास प्राधिकारियों के पास निक्षेप
28. 913	उत्पाद-शुल्क प्राधिकारियों के पास निक्षेप
28. 914	टेलीफोन प्राधिकारियों के पास निक्षेप
28. 919	अन्य निक्षेप।
28. 930	प्रदायकर्ताओं/ठेकेदारों से प्रतिभूतियां (नियत निक्षेप आदि के रूप में निक्षेप)
28. 932	उपभोक्ताओं से प्रतिभूतियां-- (नियत निक्षेपों आदि के रूप में निक्षेप)
30	अन्तर यूनिट लेखा-- ईंधन
31	अन्तर यूनिट लेखा-- सामग्रियां
32	अन्तर यूनिट लेखा-- पूजी व्यय और स्थिर श्रास्त्रियां।
33	अन्तर यूनिट लेखा-- मुख्यतः प्रेषण
34	अन्तर यूनिट लेखा-- मुख्यतः वे निधियों का अन्तरण
36	अन्तर यूनिट लेखा-- कार्मिक
37	अन्तर यूनिट लेखा-- अन्य संयंत्रों/समायोजन
40	ऊपर के लेखाओं में से प्रत्येक में उप-लेखा कोड के रूप में तीन श्रेणियों का व्यवधान कोड होगा जो उन लेखा यूनिट का दिया जाएगा जिसके साथ अन्तर यूनिट संयंत्रों/समायोजन हैं।
40. 1	ईंधन सम्बन्धी दायित्व
40. 110	कोयला की प्राप्ति के लिए रेलों के प्रति दायित्व
40. 112	रेल मार्ग-- कार्बटिव वेगन।
40. 120	रेल मार्ग परिवर्तित आन्तरिक वेगन भाड़ा
40. 130	रेल मार्ग परिवर्तित बाह्य वेगन भाड़ा
40. 140	रेल सम्बन्ध वेगन भाड़ा।
40. 160	मार्ग परिवर्तित आन्तरिक वेगन-- कोयला लेखा लागत
40. 170	मार्ग परिवर्तित बाह्य वेगन-- कोयला लेखा लागत
40. 180	सम्बन्ध वेगन-- कोयला लागत
40. 2	कोयला खानों के प्रति दायित्व
40. 210	श्रेणी अन्तर-- उत्तम श्रेणी
40. 220	उत्तम श्रेणी पर लाभ के लिए उपबन्ध (ताम्र खाने लेखा)
40. 230	निम्नतर श्रेणी मध्ये प्रतिधारण
40. 3	तेल की प्राप्ति के लिए रेल के प्रति दायित्व
40. 310	रेल भाड़ा-- श्रेणियां
40. 320	सम्बन्ध टैकर-- कोयला लागत लेखा
40. 330	सम्बन्ध टैकर-- रेल भाड़ा लेखा
40. 4	तेल प्रदायकर्ताओं के प्रति दायित्व
40. 410	प्रसक्त तेल बिंदों के लिए उपबन्ध
40. 5	गैस के प्रदाय के लिए दायित्व
40. 510	गैस प्रदायकर्ता लेखा
40. 520	गैस के क्रय के लिए दायित्व
40. 530	माता अन्तर-- गैस की प्राधिकृत प्राप्तियां

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
40 540	गैस की कम प्राप्तियों के लिए प्रतिधारण
40 6	इंधन सम्बन्धी लागतों के लिए दायित्व
40 611	उपखण्ड--कायला सम्बन्धी लेखे--उपलेख 40 611 से 40 619 का प्रयोग बित्तिरिष्ट कायला सम्बन्धी लागतों के दावों के लिए किया जा सकता है, उदाहरणार्थ, 40 611--कायला (धरा उठाई ठेकेदार)
40 621 से 40 629	तेल सम्बन्धी लागतें
40 631 से 40 639 तक	गैस सम्बन्धी लागतें
40 641	कायला सम्बन्धी लागतों के लिए उपबन्ध
40 642	तेल सम्बन्धी लागतों के लिए उपबन्ध
40 643	गैस सम्बन्धी लागतों के लिए उपबन्ध
40 7	असंयत बोधोला बिल
41	विद्युत कार्य के लिए दायित्व
41 1	विद्युत के त्रय के लिए विविध लेनदार (विद्युत के प्रत्येक विभिन्न प्रदायकर्ता के लिए उपलेखाओं का प्रयोग किया जा सकता है उदाहरणार्थ, 41 101 राष्ट्रीय तारपीय विद्युत निगम),
41 2	विद्युत के त्रय के लिए दायित्व तथा उपबन्ध
42	पूर्वा प्रदायों/पूर्व-सकमों के लिए दायित्व
42 1	सामग्र्य/सकमों की प्रदाय के लिए दायित्व-पूर्व उपलेख 42 101 से 42 119 का प्रयोग परियोजना कोडों के लिए, जहाँ तक सम्भव हो बित्तिरिष्ट परियोजनाओं के अर्धत दायित्व का पहचान के लिए किया जाना चाहिए।
42 2	प्रदायकर्ता/ठेकेदार नियंत्रण लेखा-यूजो उपलेख 42.201 से 42.299 का उपयोग परियोजना कोडों के लिए, जहाँ तक सम्भव हो बित्तिरिष्ट परियोजनाओं के अर्धत प्रदायकर्ताओं/सकमों के लेनदारों का पहचान के लिए किया जाना चाहिए।
42 3	सामग्र्य/सकमों के प्रदाय के लिए उपबन्ध-पूर्व
43	कार्यालय और पद्धति प्रदाय/कार्यालय और पद्धति सकमों के लिए दायित्व
43 1	सामग्र्य/सकमों के प्रदाय के लिए दायित्व-कार्यालय और पद्धति
43 2	विविध लेनदार/ठेकेदार नियंत्रण लेखा कार्यालय और पद्धति
43 3	सामग्र्य/सकमों के प्रदाय के लिए उपबन्ध-कार्यालय और पद्धति
44	कर्मचारिवृत्त सम्बन्धी दायित्व और उपबन्ध
44.1	कर्मचारिवृत्त सम्बन्धी उपबन्ध
44.110	उपदान के लिए उपबन्ध
44.120	पेंशन के लिए उपबन्ध
44.2	असंयत वेतन, बोनस आदि
44.219	असंयत वेतन
44.220	असंयत बोनस
44.3	देय वेतन, बोनस आदि
44.310	शुद्ध देय वेतन
44.320	देय बोनस
44.330	चिकित्सीय व्ययों के लिए दायित्व
44.340	अर्जित छुट्टी भुनान के लिए दायित्व
44.4	कर्मचारिवृत्त कटौतियों और देय वसूतियों
44.401	वोट पर कटौती किया गया आय-कर
44.402	प्रविश्य निधि सहे कर्मचारियों का अभिदाय
44.403	कुटुम्ब पेंशन स्कीम सहे कर्मचारियों का अभिदाय
44.404	प्रविश्य निधि सहे बोर्ड का अभिदाय
44.405	कुटुम्ब पेंशन स्कीम सहे बोर्ड का अभिदाय
46	अन्य दायित्व और उपबन्ध
46.1	प्रदायकर्ता/ठेकेदार से निक्षेप
46.101	नकदी प्रतिभूति निक्षेप-पूर्व
46.102	नकदी से धित प्रतिभूति निक्षेप-पूर्व
46.103	अग्रिम धन निक्षेप-पूर्व
46.104	प्रदायकर्ता/ठेकेदारों से प्रतिधारण धन-पूर्व



लेखा कोड	लेखा वर्ण
46 121	नकदी प्रतिभूति निक्षेप कार्यालय और पद्धति
46 122	नकदी से भिन्न प्रतिभूति निक्षेप-अग्रिम और पद्धति
46 124	अग्रिम धन निक्षेप-कार्यालय और पद्धति प्रदायकता/ठेकेदारों से प्रतिधारण धन-कार्यालय और पद्धति
46 3	सरकार को दिये विद्युत् शुल्क और अन्य उद्ग्रहण
46 300	सरकार को दिये विद्युत् शुल्क और अन्य उद्ग्रहण
46.4	व्ययों के लिए दायित्व
46.410	व्ययों के लिए विविध लेनदार
46 430	व्ययों के लिए दायित्व हेतु उपबन्ध
46 6	अनुवर्तिधारकों को दिये रकम
46 7	धारकों से सम्बन्धित उद्भूत/अदायक रकम
46.710	धारकों पर उद्भूत किन्तु अशोध्य व्यय
46 736	धारकों पर दायाकृत व्यय
46 730	बोर्डों/डिबेचरों के अदायक प्रत्यय
46 8	आय-कर के लिए उपबन्ध
46.9	विविध दायित्व और उपबन्ध
46.91	मकानों के अधीन बैंक आदि
46 910	पुराने बैंक
46 911	कार्य के लिए रेल प्रत्यय पत्र
46 912	रेल के लिए रेल प्रत्यय पत्र
46 913	अन्य रेल प्रत्यय पत्र
46 914	बोर्डों पर व्यय के सहाय के लिए जारी किए गए व्यय वारंट
46 915	डिबेचरी पर व्यय के सहाय के लिए जारी किए गए व्यय वारंट
46 920	कर्मचारियों के प्रतिभूति निक्षेप
46 922	मण्डार, रईस, आदि के विषय के लिए प्राप्त अग्रिम
46 923	धारकों पर व्यय के सहाय पर कटौती किया गया आय-कर
46 924	ठेकेदारों का सहाय पर कटौती किया गया आय-कर
46 925	अन्य व्ययों पर कटौती किया गया आय-कर
46 931	जागे न किए गए बैंकों के लिए दायित्व
46 935	प्रतिवेप सरकारी सहायिका
46 96	गन्तव्यिकी पर हानि के लिए उपबन्ध
46 961	पूर्व आर्स्विकी के गन्तव्यिकी पर हानि के लिए उपबन्ध
46 962	पूर्व फालतु पुर्जों के गन्तव्यिकी पर हानि के लिए उपबन्ध
46 963	स्टाफ गन्तव्यिकी के गन्तव्यिकी पर हानि के लिए उपबन्ध
टिप्पणी	लेखा (अन्य प्रकृति दायित्व) लेखाओं के प्रमाणित जाई में नहीं दिया गया है। विभिन्न प्रकार के दायित्वों के लिए विनिर्दिष्ट लेखा इस समूह 46 9 के अधीन खोले जाते चाहिए और कौन पर सभी सम्बन्धों को पहचाना 46 910 और 46 914 के बीच विनिर्दिष्ट लेखा शीर्षों से की जानी चाहिए।
47	विद्युत्करण, सेवा कनेक्शनों, आदि के लिए निक्षेप
47 1	ग्रामों के विद्युत्करण के लिए निक्षेप
47 2	औद्योगिक उपकरणों के विद्युत्करण के लिए निक्षेप
47 3	सेवा कनेक्शनों के लिए निक्षेप
47 301	निम्न और मध्यम वोल्टता सेवा कनेक्शनों के लिए निक्षेप
47 311	उच्च विभव (टैशन) सेवा कनेक्शनों के लिए निक्षेप
47 6	उपभोक्ताओं के अन्य निक्षेप
	(प्रत्येक प्रकार के अन्य निक्षेप के लिए उपलब्ध, उदाहरणार्थ 47 601 जैसे हुए मोटरों के लिए प्राप्त निक्षेप)
48	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप
48 1	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप (नकद) (उपलेखा 48 101 से 48 119 का प्रयोग प्रत्येक वर्ग के उपभोक्ता के लिए प्रतिभूति निक्षेप को पृथक् रूप से खानाबख्त करने के लिए किया जाएगा)
48 2	उपभोक्ताओं से प्रतिभूति निक्षेप (नकद से भिन्न) (उपभोक्ता वर्गों के लिए 48 201 से 48 219 तक उपलेख)
48 3	उपभोक्ताओं के निक्षेप पर दत्त व्यय (उपभोक्ता वर्गों के लिए 48 301 से 48 319 तक उपलेख)
50	कार्यकरण पूर्ण के लिए उधार
50 1	बैंक से नकद उधार
50 2	बैंक और डाक
51.	पूर्व दायित्वों पर दत्त सहाय

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
51.1	देय प्रति संदाय (उपलेखा 51.101 से 51.199 तक का प्रयोग पूँजी उधारों के प्रत्येक स्रोत के लिए देय प्रतिसंदाय को अभिलिखित करने के लिए किया जाना चाहिए)।
51.2	उद्भूत और देय व्यय (उपलेखा 51.201 से 51.299 तक का प्रयोग पूँजी उधारों के प्रत्येक स्रोत पर उद्भूत और देय व्यय को अभिलिखित करने के लिए किया जाना चाहिए)।
52 और 53	पूँजी दायित्व (राज्य सरकार के उधारों से भिन्न)
52.1	बोर्ड
52.110	मानवजनिक बोर्ड
52.170	आवृत्त होने पर्यन्त बोर्ड अभिदाय राशि
52.2	डिवेचर
52.210	आर ई डिवेचर
52.260	आर ई डिवेचर समरूप अभिदाय
52.270	अन्य डिवेचर
52.290	अभिदाय पर्यन्त डिवेचर अभिदाय राशियाँ
52.3	विदेशी करेसी उधार/ऋण
52.310	विदेशी करेसी उधार
52.350	विदेशी करेसी आस्थगित ऋण
52.4	आस्थगित सदाय ऋण स्मृति में
52.5	जीवन बीमा निगम से उधार
52.501	जीवन बीमा निगम से उधार
53.1	कृषि पुनर्बित्त निगम से उधार
53.2	कृषि वित्त निगम से उधार
53.3	ग्रामीण विद्युतीकरण निगम से उधार
53.4	नबार्ड से उधार
53.5	विद्युतीकरण स्कीमों के लिए वाणिज्यिक बैंकों से उधार
53.6	उपभोक्ताओं द्वारा वित्तीय भागीदारी
53.610	उपभोक्ताओं द्वारा वित्तीय भागीदारी सन्ध्याज
53.620	उपभोक्ताओं द्वारा वित्तीय भागीदारी निष्ठाज
54	राज्य सरकार से निर्धन
54.1	विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 की धारा 60 के अधीन राज्य सरकार से उधार
54.2	विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 की धारा 64 के अधीन राज्य सरकार से उधार
54.3	प्रतिसंदायों पर गारण्टी के लिए राज्य सरकार से प्राप्त रकम
54.4	व्याज की गारण्टी के लिए राज्य सरकार से प्राप्त रकम
55	पूँजी आस्तियों की लागत मद्धे अभिदाय अनुदान और सहायकी
55.1	पूँजी आस्तियों की लागत मद्धे उपभोक्ताओं के अभिदाय
55.2	पूँजी आस्तियों की लागत मद्धे सहायकी
55.3	पूँजी आस्तियों की लागत मद्धे अनुदान
56	आरक्षितियाँ
56.1	साधारण आरक्षित
56.2	पूँजी आरक्षित
56.3	उधारों के प्रतिसंदाय के लिए ऋण मंडोल
56.4	विनिधान मोक आरक्षित
56.410	विनिधान मोक आरक्षित
56.450	विनिधान मोक आरक्षित उपयोजित
56.5	टैरिफ आरक्षित
56.6	अन्य आरक्षितियाँ
56.610	सामग्री की लागत में अन्तरण के लिए आरक्षित
56.620	विनिमय अन्तर आरक्षित
56.660	सम्पति बीमा आरक्षित
57	आरक्षित निर्धन
57.1	कर्मचारिवृन्द आरक्षित निर्धन
57.110	अभिदायी भविष्य निधि

लेखा कोड

लेखा शीर्ष

57.120

गाधारण भविष्य निधि

57.130

नवदान निधि

57.140

कर्मचारी/श्रमिक पेंशन निधि

57.150

कर्मचारी/श्रमिक स्वास्थ्य निधि

58

अधिशेष

58.1

राजस्व लेखा

58.2

शुद्ध राजस्व और वित्तियोग लेखा

58.210

शुद्ध राजस्व और वित्तियोग लेखा

58.22

आरक्षित/आरक्षित निधियों के अधिशेष/अभिदायो का वित्तियोग

58.231

उधार के प्रतिभदाय के लिए ऋण मंडोल से अभिदाय ।

58.232

गाधारण आरक्षित में अभिदाय

61

विद्युत के बिजय से राजस्व

61.1

विद्युत के बिजय से राजस्व अन्तरिक्षिय

61.2 और 61.3

उप लेखा 61.10 से 61.19 का प्रयोग विभिन्न राज्य को किए गए बिजय की बाबत किया जाना चाहिए विद्युत के बिजय से राजस्व अन्य उपभोक्ता

हम-लेखा 61.20 से 61.39 तक का उपयोग विभिन्न बोर्डों का टैरिफ संरचना में यथाविद्यमान उपभोक्ताओं के के विभिन्न प्रयोगों के लिए किया जाना चाहिए

उप-लेखाओं को समन्वयित करते समय योजना आयोग की उपभोक्ताओं के निम्नलिखित प्रयोगों का ध्यान में रखना आवश्यक है

—घरेलू

—वाणिज्यिक

—सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था

—सिंचाई और जल विकास

—सार्वजनिक जल संकर्म

—औद्योगिक (एल टी एन टी गहन विद्युत और बिजय)

—रेल कर्षण

—धार्मिक प्रदाय

—प्रकाश

मुख्य लेखा 61.1 61.2 और 61.3 के अन्तर्गत प्रत्येक लेखा कोड में प्रभावशील टैरिफ के अन्तर्गत व्यक्तिगत प्रकार के प्रभार की अधिलिखित करने के लिए किया जाना चाहिए । तथापि, विनिर्दिष्ट कोड की संरचना इस प्रकार से की गई है कि तत्समान प्रकार के प्रभार उन्नी पन्ध्र अंक कोड के अन्तर्गत खानाबद्ध किए जाए, उदाहरणार्थ

6 उर्जा प्रभार

1 मांग प्रभार

2 ईंधन लागत समायोजन प्रभार

1

1

1

8 विद्युत फैक्टर उप-प्रभार

9 गत विभाग का समायोजन

गत विभाग को सुटियों को सही करने के लिए किए गए सभी समायोजन (किन्तु जो चालू वर्ष के हो) विभिन्न एकको (0 से 8) के अन्तर्गत पृथक् पृथक् दर्शाए जाने चाहिए अपितु उनका योग शीर्ष 9 "विभाग के प्रति समायोजन" के अधीन खानाबद्ध किया जाना चाहिए । उपभोक्ता प्रयोग और विभिन्न प्रकार के प्रभार को सम्मिलित करने कोड निम्नलिखित रूप में होगा, अर्थात्:

61.201 विद्युत के बिजय से राजस्व घरेलू मांग प्रभार

61.291 विद्युत के बिजय से राजस्व सार्वजनिक जल संकर्म ईंधन लागत समायोजन प्रभार

61.5

विद्युत शुल्क और अन्य राज्य उपयोग

61.501

विद्युत शुल्क समूची घरेलू उपभोक्ता

61.502

विद्युत शुल्क समूची वाणिज्यिक उपभोक्ता इस प्रकार से अंतिम दो अंकों का प्रयोग प्रत्येक उपभोक्ता प्रयोग में उपचार शुल्क की पृथक् पृथक् समूची को अधिलिखित करने के लिए किया जाएगा ।

लेखा शीर्ष	लेखा शीर्ष
61.501 से 61.539 तक	अन्य राज्य उपग्रहण वसुलियाँ
61.541 से 61.559 तक	देय विद्युत शुल्क (के विच्छेद)
61.561 से 61.579 तक	देय अन्य राज्य उपग्रहण (के विच्छेद)
61.5	टिप्पण: इस समूह में के उप-लेखा आय अनुसूची में विद्युत शुल्क को सुधिन रूप से सूचित करने में समर्थ बनाने के लिए विरोधो लेख हैं
61.6	मोटर वाहन/सिमा लाइन याता
61.7	विद्युत को चोरी/रु व्ययहारो के लिए वसूलियाँ
61.710	विद्युत को चोरी के लिए वसूलियाँ
61.720	गुणवत्ता के लिए वसूलियाँ
61.8	भक्षण प्रभार वसूलियाँ
61.9	उपभोक्ताओं से प्रकीर्ण प्रभार
61.901	पूज्य प्रभार
61.902	पुनः कनेक्शन फीस
61.903	सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था अवरुद्ध प्रभार
	1
	1
	1
61.914	मोटर वाहन प्रभार
	विविध वसूलियों की प्रत्येक किस्म के लिए उप-लेखाओं का प्रयोग किया जाएगा
62	अन्य आय
62.3	उधारों अधिमो, विनिधानों आदि से आय
62.21	कर्मचारिवृत्त्य को उधारों और अधिमो पर व्याज
	प्रत्येक प्रकार के उधार के लिए उप-लेखा 62.210 से 62.219 तक
62.22	विनिधानों से आय
	लेखा समूह 20—"विनिधान" में यथा वर्गीकृत प्रत्येक प्रकार के विनिधान के लिए 62.220 से 62.239 तक
	तत्संबंधी उप-लेखे
62.240	अनुकूलितधारकों को उधार और अधिमो पर व्याज
62.250	उपभोक्ताओं से विलम्ब से संदाय के लिए प्रभार
62.260	प्रदायकर्ताओं/उत्प्रेक्षकों को अधिम पर व्याज
62.270	बैंकों से व्याज (विधान 1 पर व्याज से भिन्न जिसे विनिधानों से आय के रूप में हिसाब में लिया जाएगा)
62.3	आपार से आय
62.310	कोषे द्वारा विनिमित्त विद्युत सप्लाई के विक्रय पर लाभ (केवल लाभ अर्थात् विक्रय आयों में से लागत को घटाने के पश्चात्)
62.321	साधित के विक्रय, अवश्रय या किराए पर देने से लाभ (लाभ विक्रय आयों में से लागत घटाने के पश्चात्)
62.322	तारों के विक्रय, अवश्रय या किराए पर देने से लाभ (लाभ विक्रय आयों में से लागत घटाने के पश्चात्)
62.323	टेलीफोन के किराया प्रभार
62.330	घाण्डारों के विक्रय से लाभ
	(लाभ विक्रय आयों में से लागत घटाने के पश्चात्)
62.340	मृत्त विक्रय (विक्रय आयों को कि स्थानों बाबत कोई लागत समनुदिष्ट नहीं की जाएगी)
62.350	वायु का विक्रय (विक्रय आयों को कि स्थानों बाबत कोई लागत समनुदिष्ट नहीं की जाएगी)
62.351	उत्प्रेक्षक या विक्रय (विक्रय आयों को कि उत्प्रेक्षक बाबत कोई लागत समनुदिष्ट नहीं की जाएगी)
62.36	व्यापार से अन्य प्रकीर्ण प्राप्तियाँ
62.360 से 62.369 तक	व्यापार से समन्वित प्राप्त होने वाली प्रकीर्ण प्राप्तियों के प्रत्येक प्रकार के लिए पृथक् उप-लेखा का प्रयोग किया जाना चाहिए और 62.369 का प्रयोग व्यापार से प्रकीर्ण प्राप्तियों के अतिरिक्त के लिए किया जाना चाहिए।
62.4	मिथर आस्तियों के विक्रय से लाभ
62.6	कर्मचारिवृत्त्य आय वर्गधारियों की बाबत आय/कीम/संप्रभण
62.610	किस्म शी संप्रभण
62.620	बाचनालय मददों से फीस
62.630	परिप्रेक्ष्य सुविधाओं के लिए वसूलियाँ
62.7	इंधन स्टॉक के सम्पूर्ण सत्यापन पर पाए जाने वाला आधिक्य

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
62 9	प्रतीक प्राप्ति
62 901	कर्मचारीगृह कवाटरों के लिए किराया
62 902	ठेकेदारों से किराया
62 902	सामग्री स्टॉक के वस्तुपरक सत्यापन पर पाए जाने वाला अधिशेष
62 905	स्थिर आस्तिियों के वार्षिक सत्यापन पर पाए जाने वाला अधिशेष
62 906	पारवहन और वाहन व्ययों के लिए बमुदी (कर्मचारीगृह से बमुदियों में भिन्न)
62 910	पुनर्गीकृत विविध जमाखाने अतिशेष
62 912	र मा-शुल्क प्राधिकारियों से वापस पन्दिदाय
62 913	पत्तन व्याप में प्रतिदाय
62 914	विद्युत शुल्क के संग्रहण के लिए कमीशन
62 916	
63	सहायकों और अनुदान
63 1	राजस्व सहायकियाँ और अनुदान
63 110	अनुसंधान और विकास व्ययों के लिए अनुदान
63 2	बाढ़ आग, तपान आदि के कारण होने वाले सहायकियाँ
65	पूर्व अवधि आय
65 1	पूर्व अवधि सत्यवहारों की अनुदान सम्बन्धी लाभ
65 1110	पूर्व अवधि के कोयला सम्बन्धी लाभ
65 120	पूर्व अवधि के तेल सम्बन्धी लाभ
65 130	पूर्व अवधि के गैस सम्बन्धी लाभ
65 2	पूर्व अवधि की बाबत उपयोगों में प्राप्ति
65 4	पूर्व अवधि के लिए व्याज आय
65 5	पूर्व अवधि में आय-कर के लिए अतिरिक्त उपबन्ध
65 6	पूर्व अवधि में अवधायण के लिए अतिरिक्त उपबन्ध
65 7	पूर्व अवधि में व्याज और बिल के लिए अतिरिक्त उपबन्ध
65 8	पूर्व अवधि में अन्य अतिरिक्त उपबन्ध
65 9	पूर्व अवधि की बाबत अन्य आय
70	विद्युत कार्य लेखा
70 1	विद्युत कागज लेखा
	(विद्युत के प्रत्येक प्रदायकता के लिए और विद्युत लागत और उत्पाद-शुल्क के लिए पृथक पृथक उपलेख)
70 3	अन्य विभागों से विद्युत प्राप्त करने के अधिकार के अंशित करने का लागत का अपविष्टित किया जाना
70 4	दण चक्षण प्रसार
71	विद्युत के उत्पादन के लागत
71 1	ईंधन उपयोग
71 110	उपयोजित कोयला की लागत वाष्प शक्ति उत्पादन
71 120	उपयोजित तेल की लागत—वाष्प शक्ति उत्पादन
71 130	उपयोजित गैस की लागत—वाष्प शक्ति उत्पादन
71 140	उपयोजित गैस की लागत—अन्तर्वहन
71 150 से 71 160 तक	(जैसे प्रत्येक पृथक प्रवर्ग के लिए)।
71 2	ईंधन सम्बन्धी लागत
71 21	कोयला सम्बन्धी लागत
71 211	कोयला उठाई घराई के प्रसार
71 212	कोयला के खेतों पर उठाई घराई
71 213	अनुसंधान प्रसार
71 214	खदान के लिए शक्ति
71 215	अभिकारियों की कमीशन
71 216	राष्ट्रीय विद्युत स्टेशन पर नैनात रेल कर्मचारीगृह की सहाय
71 217	कोयला स्टॉक अंतर्ग्रहण लागत
71 219	अन्य कोयला सम्बन्धी लागत
71 32	तेल सम्बन्धी लागत
71 331	तेल घरा उठाई हाइ प्रसार
71 333	तेल टैंकर पर केमरेज

लेखा कोड	लेखा शीर्ष
71 213	तेल की पालियों पर साइडिंग प्रभाव
71 22	गैस सम्बन्धी लागतें
71 231	गैस पदायकताओं की सकल गैस स्टेशन पाइप लाइन अग्रिम प्रभाव
71 232	गैस मोटर परीक्षण प्रभाव
71 3	कोयले की पालियों पर भार में अन्तर
71 4	ईंधन के स्टॉक के वस्तुपरक स्थापन पर स्टॉक में कमी
71 110	कोयले के वस्तुपरक स्थापन पर स्टॉक में कमी
71 410	तेल के स्टॉक के वस्तुपरक स्थापन पर स्टॉक में कमी
71 5	नम्र की लागत
71 6	स्नेहक और छपने वाला सामान
71 7	स्टेशन प्रदाय इन दोनों लागतों में से पर्येक में चल बिजुल उत्पादन तापीय बिजुल उत्पादन और अत्यंत बिजुल उत्पादन के लिए उपलब्ध होंगे
71 9	परीक्षण के दौरान उत्पादन की लागत (जो सर्वत्र पर प्रभावित)
72	ईंधन सम्बन्धी हानियाँ
72 1	ईंधन संक्रमण हानियाँ
72 100	गैस संक्रमण हानि कोयला
72 101	गैस संक्रमण हानि I—कोयले
72 102	गैस संक्रमण हानि II—कोयला
72 131	तेल की गैस संक्रमण हानि
72 141	गैस की कम प्रतियाँ के कारण हानि
72 2	ईंधन के दावों के निपटारे के कारण हानि
72 210	कोयले के तेल दावों के निपटारे के कारण अन्तर
72 220	तेल के तेल दावों के निपटारे के कारण अन्तर
72 3	कोयले की अणुओं में अन्तर
74	मरम्मत और अनुरक्षण
74 1	सयत्त और मशीनों की मरम्मत और अनुरक्षण
74 2	भवनों की मरम्मत और अनुरक्षण
74 3	मिथिल सकर्मों की मरम्मत और अनुरक्षण
74 4	द्रव जालित सकर्मों की मरम्मत और अनुरक्षण
74 5	लाइनों, केबल नेटवर्क आदि की मरम्मत और अनुरक्षण
74 100 से 74 159	इन पांचो मुख्य शीर्षों में निम्नलिखित उपशीर्ष होंगे सामान्य मरम्मत और अनुरक्षण ऐसी मरम्मतों को विभागों/लागत केन्द्रों में और वर्गीकृत किया जायेगा। यह आवश्यक नहीं कि यह विभाग वही हो जिनके लिए कर्मचारी लागतों का विश्लेषण किया जाना है। तथापि विश्लेषण के दिन आधारों के बीच कुछ सीमा तक संगति वांछनीय है। प्रत्येक विभाग के लिये मरम्मत और अनुरक्षण लागतें भी उपशीर्षों के अधीन खानाबदल की जाएगी (1) भवन में दी गई सामग्री (2) मरम्मत के लिए विनिर्दिष्ट रूप से त्रय की गई और स्थल पर सीधे प्राप्त की गई (भवन के माध्यम से नहीं) सामग्री के लिए सदाय (3) टेंकेदारों और अन्य बाहरी पक्षकारों की सदाय इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि अस्थायी कर्मचारियों की सदाय (मरम्मत और अनुरक्षण) लेखा शीर्ष के अधीन खानाबदल नहीं किए जाएंगे भले ही ऐसे कर्मचारियों को किसी स्कीम के लिए विनिर्दिष्ट रूप से रखा गया हो। मशीन कर्मचारी लागतें "75- कर्मचारी लागत" लेखाकोडों के अधीन खानाबदल की जाएगी। 60 पचासकोड (100 से 159 तक) 20 विभागों के लिए होंगे जिनमें से प्रत्येक के लिए तीन लेखाशीर्ष होंगे। वार्षिक बजट में भाग के रूप में या बजट के पुनरीक्षण के समय मंजूर की गई विशेष और पूर्व अनुमानित मरम्मत और अनुरक्षण सीमाओं के अधीन मरम्मत और अनुरक्षण। प्रत्येक स्कीम के लिये संबंधित लेखा यनित द्वारा एक कांड समनवित किया जाएगा। प्रत्येक स्कीम में 3 लेखाकोड होंगे जैसा कि सामान्य मरम्मत और अनुरक्षण की दशा में है। अकल्पित मरम्मत और अनुरक्षण के लिए विशेष रूप से मंजूर की गई स्कीम के अधीन मरम्मत और अनुरक्षण। प्रत्येक स्कीम को संयोजित लेखा यनित द्वारा कांड समनवित किया जाएगा। प्रत्येक स्कीम में शीर्ष उपलेखा कांड होंगे जैसा कि सामान्य मरम्मत और अनुरक्षण की दशा में है। 74 6 वाहनों की मरम्मत और अनुरक्षण 74 61 ट्रकों और ट्रैक्टरों की मरम्मत और अनुरक्षण 74 63 बसों मिनो बसों की मरम्मत और अनुरक्षण 74 65 जीपी और मोटरकारों की मरम्मत और अनुरक्षण 74 66 अन्य वाहनों की मरम्मत और अनुरक्षण

## लेखा कोड

## लेखा शीर्ष

	अंशम अंक का प्रयोग, जैसा कि संयंत्र की मरम्मत और अनुरक्षण की दशा में है, तीन प्रकारों की मरम्मतों और अनुरक्षण को आताबद्ध करने के लिए किया जाएगा।
74.7	फर्नीचर और फिक्सचर की मरम्मत और अनुरक्षण
74.70	फर्नीचर और फिक्सचर की मरम्मत और अनुरक्षण (जैसे कि संयंत्र और भवनों की मरम्मत की दशा में है, तीन प्रकारों में विभाजन के लिए उपलब्ध कोड)
74.8	कार्यालय उपस्कर की मरम्मत और अनुरक्षण
74.80	कार्यालय उपस्कर की मरम्मत और अनुरक्षण (जैसे कि संयंत्र और भवनों की मरम्मत की दशा में है, तीन प्रकारों में विभाजन के लिए उपलब्ध कोड)
75.	कर्मचारी लागतें
75.1	वेतन—
75.110	वेतन—स्थायी कर्मचारी
75.130	वेतन—अस्थायी कर्मचारी—नियमित
75.150	वेतन—अस्थायी कर्मचारी—आकस्मिक
75.170	वेतन—प्रशिक्षु
75.2	अतिकाल
75.210	अतिकाल—स्थायी कर्मचारी
75.230	अतिकाल—अस्थायी कर्मचारी—नियमित
75.250	अतिकाल—अस्थायी कर्मचारी—आकस्मिक
75.270	अतिकाल—प्रशिक्षु
75.3	महंगाई भत्ता
75.310	महंगाई भत्ता—स्थायी कर्मचारी
75.330	महंगाई भत्ता—अस्थायी कर्मचारी—नियमित
75.4	अन्य भत्ते
75.410	अन्य भत्ते—स्थायी कर्मचारी
75.430	अन्य भत्ते—अस्थायी कर्मचारी—नियमित
75.450	अन्य भत्ते—अस्थायी कर्मचारी—आकस्मिक
75.470	अन्य भत्ते—प्रशिक्षु
75.5	बोनस 75.1, 75.2, 75.3 और 75.5 के अधीन सभी ऊपर दिए गए लेखाओं में कोई द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले बड़े बड़े विभागों की इन लागतों की पहचान के लिए उपलब्ध कोड सम्मिलित किए जाने चाहिए। इन लागतों का विभागीय विभाजन करने का प्रयोजन ऐसी जानकारी देना है जिसके प्रयोग विभिन्न निषिद्धियों के लिए, जैसे कर्मचारीवृन्द लागत का पूर्वीकरण आदि के लिए किया जा सके। तब कोय निम्नलिखित दश में होंगे :-
75.111	वेतन—स्थायी—ईश्वर अनुभाग
75.112	वेतन—स्थायी—लेखा विभाग
75.113	वेतन—स्थायी—विद्युत अनुरक्षण
75.114	वेतन—स्थायी—भंडार
75.126	वेतन—स्थायी—उच्च टेशन लाइन बिछाने वाला स्कंध
75.127	वेतन—स्थायी—कार्यशाखा विभागों के ऐसे कोड सम्मिलित करने में समर्थ बनाने के लिए लेखाओं के लिए ऐसे कोड रखे गए हैं जिससे कि प्रत्येक लेखा में 20 उपलेख्य आ सकें, उदाहरणार्थ, 75.110 से 75.120 तक स्थायी कर्मचारियों के वेतन
75.6	अन्य कर्मचारीवृन्द लागतें
75.611	चिकित्सा व्यय की पूर्तिपूर्ति
75.612	छुट्टी यात्रा सहायता
75.617	अर्जित छुट्टी का तकदी भुगतान
75.629	कर्मकार प्रतिकार अधिनियम के अधीन सदाय
75.7	कर्मचारीवृन्द कल्याण व्यय
75.710	चिकित्सा व्यय
75.720	कंटीन व्यय
75.730	शिक्षा व्यय
75.740	बर्दी व्यय
75.750	मनोरंजन व्यय
75.760	अन्य कल्याण व्यय
75.8	सेवांत प्रसुविधाएं
75.810	सेवांत प्रसुविधाएं (भविष्य निधि) बोर्ड का अभिदाय
75.820	सेवांत प्रसुविधाएं (कुटुम्ब वेतन स्कॉलर) बोर्ड का अभिदाय
75.830	सेवांत प्रसुविधाएं (अधिवर्षिता) बोर्ड का अभिदाय
75.840	सेवांत प्रसुविधाएं (उपदान)
75.850	भविष्य निधि निरीक्षण और सुपरीक्षा प्रभाग
75.9	पूरी संकल्पों पर प्रचारित कर्मचारी लागत
76.	प्रशासन और साधारण व्यय

लेखाकोड	लेखा शीर्ष
76.1	प्रशासन व्यय
76.10	सम्पत्ति संबंधी व्यय
76.101	भाटक (जिसमें घति भाटक भी है)
76.102	रेट और फर
76.104	स्थिर आस्तियों का बीमा]
76.105	स्टाको का बीमा]
76.106	संनिर्माण के भवित्तीय आस्तियों और बीमा
76.11	संचार
76.111	टेलीफोन और टूक काल
76.112	हाक और तार
76.113	टेलीक्स प्रभार
76.12	बढ़ि प्रभार
76.121	विधिक प्रभार
76.122	सपरीक्षा फीस
76.123	परामर्श प्रभार
76.124	नकलीकी फीस
76.125	अन्य वृत्तिक प्रभार
76.13	प्रवहण और यात्रा
76.131	प्रवहण व्यय
76.132	यात्रा व्यय
76.133	कर्मचारियों को यात्रा भत्ता
76.134	वाहनों को चलाने का व्यय (ट्रकों और हिलीवरी वैन से भिन्न)
76.136	वाहनों की अनुशक्ति और रजिस्ट्रीकरण फीस
76.13	अन्य व्यय
और	
76.14	
76.151	फीस और अभिदाय
76.152	पुस्तकें और पाक्षिक पत्र
76.153	मुद्रण और स्टेनरी
76.155	विज्ञापन व्यय
76.157	अभिदाय
76.158	विद्युत प्रभार
76.160	भत्ता प्रभार
76.162	मनोरंजन
76.190	प्रकीर्ण व्यय
76.2	नामधारी संबंध व्यय
76.210	पूजा उपस्कर के लिए भाड़ा
76.220	अन्य भाड़ा
76.230	संक्रमण बीमा
76.240	वाहनों के चलाने का व्यय, ट्रक/हिलीवरी वैन वृत्ति
76.250	
76.260	सविदा, सूचना विज्ञापन और अन्य क्रय संबंधी विज्ञापन
76.270	अनुपयोगी भत्ता व्यय
76.281	डलाई प्रभार
76.282	डलाई/अन्य की लागत से प्राप्तित डलाई प्रभार
76.900	पूजा संकर्मों पर प्रचारित प्रकाशन और साक्षारण व्यय (जमा खाता)
77	स्थिर आस्तियों को बाधित अवकाश और अन्य सापेक्ष
77.1 और 77.2	अवकाश
77.110	पट्टाधृत आस्तियों का अपाकरण
77.120	भवनों पर अवकाश
77.130	द्रव्य आसित संकर्मों पर अवकाश
77.140	अन्य सिविल संकर्मों पर अवकाश
77.150	संयंत्र और मशीनों पर अवकाश
77.160	वाहनों और केबल नेटवर्क आदि पर अवकाश
77.170	वाहनों पर अवकाश
77.180	फर्नीचर और फिक्स्चर पर अवकाश



लेखा कोड	लेखा शीर्ष
77.190	कार्यालय पुस्तकों पर अवक्षयण
77.210	ऐसे पूजा व्यय पर अवक्षयण जिसकी ऐसी आग्नि परिणामित है जो बार्ह की नहीं है।
77.220	फालतू यूनिट/रोया यूनिट पर अवक्षयण
77.230	उत्पादन स्थलों पर पूजा फालतू पूजा पर अवक्षयण
77.250	अनुज्ञापित आगियां से अधिवृष्टि की गई आगियों पर अंतिम मृत्युफल पर्यन्त अवक्षयण
	ऊपर के लेखाओं में स्थिर आगियों के मुख्य लेखा कोडों के समन्वय उपलेखा कोड होंगे।
77.5	आगियों के समापन का लागत
77.510	स्थल पुनरुद्धार लागत
77.520	भवन सिविल संरचना टूटाई लागत
77.530	उत्पादन संयंत्र समापन लागत
77.540	परिपण लाइनों/उप स्टेशन समापन लागत
77.550	अन्य समापन लागतें
77.6	छोटों और निम्न मूल्य का सर्वो का अपलेखन
77.610	छोटा और निम्न मूल्य का सर्वो का अपलेखन (अपलेखन का विश्लेषण और नियंत्रण करने के लिए उपलेख 76.611 से 76.649 तक)
77.7	स्थिर आगियों से संबंधित हानियां
77.710	स्त्रीपुंजी की गई आगियों का अपलिखित मूल्य
77.720	स्थिर आगियों के वस्तुपरक सत्यापन पर पाई गई कमियों का अपलेखन
77.730	स्थिर आगियों के निर्यात पर हानि
	(अंतिम अंक का प्रयोग मुख्य आग्नि समूह में से प्रत्येक के लिए उपलेखा कोडों के लिए किया जाएगा)
77.9	पूजा समूहों पर प्रसारित अवक्षयण और सर्वोपयोग लागतें (समाख्या 4)
78.	व्याज और अन्य वित्तीय प्रभार
78.1	राज्य सरकार के ऋणों पर व्याज
78.2	बैंकों पर व्याज
78.3	डिबेंचरों पर व्याज
78.4	विदेशी मुद्रा और उधारों पर व्याज
78.5	पूजा दायित्वों पर आग्नि व्याज
	(पूजा दायित्वों के वर्गीकरण के अनुसार उपलेखा 78.590 से 78.599 तक)
78.6	उपभोक्ताओं की व्याज
78.7	कार्यक्रम पूजा के उधार पर व्याज
78.8	अन्य व्याज और वित्तीय प्रभार
78.82	और 78.83 उपभोक्ताओं की छूट
78.840 से 78.849	बैंकों से समय पर भुगतान के लिए उपभोक्ताओं की छूट
	(उपभोक्ता प्रवर्गों के लिए उपलेख)
78.84	प्रदायकताओं के देदारों की व्याज
78.841	प्रदायकताओं के देदारों की व्याज पूजा
78.842	प्रदायकताओं के देदारों की व्याज कार्यालय और पद्धति
78.85	नियत जमाओं, अभिदायों, भविष्य निधि, साधारण भविष्य निधि, प्रतिभूति निक्षेपों आदि पर व्याज
78.850	नियत निक्षेपों पर व्याज
78.851	अभिदायों भविष्य निधि पर व्याज
78.852	साधारण भविष्य निधि पर व्याज
78.853	अभिवृद्धि के प्रतिभूति निक्षेपों पर व्याज
78.86	वित्त देने की लागत
78.861	स्टाम्प शुल्क
78.862	विधि प्रभार
78.863	विज्ञापन
78.864	सेवा फीस
78.865	प्रत्यय फीस
78.866	वायदा प्रभार
78.87	बैंकों/डिबेंचरों पर बढ़ता निर्मोचन प्रीमियम
78.871	बैंकों/डिबेंचरों पर बढ़ता
78.873	बैंकों/डिबेंचरों पर निर्मोचन प्रीमियम
78.88	अन्य प्रभार
78.881	बैंकों के कार्यालयों के बीच प्रेषणों के लिए बैंक प्रभार
78.882	उपभोक्ताओं से संग्रहण के लिए बैंक कमीशन
78.883	अन्य बैंक प्रभार
78.884	गारंटी प्रभार
78.89	प्रदायकता के लिए गारंटी के अधीन सदायों पर व्याज
78.890	राज्य सरकार द्वारा गारंटियों के अधीन सदस्य राजियों पर व्याज

लेखा कोड

लेखा शीर्ष

- 79 9 मन्त्रिमण्डल के दौरान प्रयोग से लाई गई निधियों पर व्याज का पूंजीकरण
- 79 राजस्व लेख में अन्य नाम खाने
- 79 1 सामग्री लागत अंतर
- 79 110 सामग्री लागत अंतर-पूँजी
- 79 120 सामग्री लागत अंतर कार्यालय और पदेनि
- 79 2 अनुसंधान और विकास व्यय
- 79 210 अनुसंधान और विकास व्यय
- 79 3 व्यापार विनिर्माण कार्यों की लागत
- 79 4 इन्वेंट और सदेहास्पद ऋण का अपलेखन उपबन्ध
- 79 410 इन्वेंट ऋण अपलेखन उपभोक्ताओं द्वारा देय रकमे
- 79 420 इन्वेंट ऋणों का अपलेखन-प्रदायकताओं/ठेकेदारों को अग्रिम
- 79 430 इन्वेंट ऋण अपलेखन-अन्य
- 79 460 इन्वेंट और सदेहास्पद ऋणों के लिए उपबन्ध-उपभोक्ताओं द्वारा देय रकमे
- 79 470 इन्वेंट और सदेहास्पद ऋणों के लिए उपबन्ध-प्रदायकताओं/ठेकेदारों को अग्रिम
- 79 480 इन्वेंट और सदेहास्पद ऋणों के लिए उपबन्ध-अन्य
- 79 5 प्रकीर्ण व्यय और अप लेखन
- 79 510 स्टाफों के वस्तुपरक सन्वयपन पर कमियाँ
- 79 511 भूखण आदि द्वारा सामग्री की हानि
- 79 520 नकदी हानि का अपलेखन
- 79 530 क्षति, मृत्यु, नुकसान के लिए प्रतिकर कर्मचारिवृन्द
- 79 531 क्षति, मृत्यु और नुकसान के लिए प्रतिकर बाहरी व्यक्ति
- 79 532 अपलिखित असफल पूँजी व्यय
- 79 560 स्थिर आस्तिगो के रद्दकरण से हानि
- 79 561 स्टाफ में भण्डार आदि के रद्दकरण से हानि
- 79 570 विनियम दर परिवर्तन से हानि
- 79 571 अपलिखित विविध नाम अनिशेष
- 79 572 स्केप, विक्रय से हानि
- 79 573 भण्डार के विक्रय से हानि
- 79 7 विविध यय
- 79 710 अपलिखित अधूर्ण आस्तिगो
- 79 72 आस्तिगो राजस्व व्यय का अपलेखन
- 79 720 अनुज्ञातधारा के समय पूर्व उद्दिष्टहण के लिए प्रतिकर का अपलेखा
- 79 738 आकस्मिकताओं के लिए उपबन्ध
- 79 8 बाढ़, तूफान अग्नि आदि के कारण हानि
- 79 841 बाढ़, तूफान, अग्नि आदि के कारण स्थिर आस्तिगो की हानि
- 79 842 बाढ़, तूफान अग्नि आदि के कारण भण्डार की हानि
- 79 843 बाढ़, तूफान अग्नि आदि के कारण निर्माणधीन आस्तिगो की हानि
- 79 884 बाढ़, तूफान आदि से प्रभावित क्षेत्रों में उपभोक्ताओं से शोध्य राशि के अपलिखित किए जाने से हानि
- 81 वर्ष के लिए आय-कर के लिए व्यवस्था
- 81 1 वर्ष के लिए आय-कर के लिए व्यवस्था
- 93 पूर्व अवस्थित व्यय/हानियाँ
- 83 1 पूर्व वर्षों में त्रय की गई विधुन के लिए लेखा उपबन्ध
- 83 2 पूर्व वर्षों से संबंधित इन्वेंट सबधी हानियाँ, व्यय
- 83 210 पूर्व वर्षों की कोयला सबधी व्यय/हानियाँ
- 83 220 पूर्व वर्षों के तेल सबधी व्यय/हानियाँ
- 83 230 पूर्व वर्षों के गैस सबधी व्यय/हानियाँ
- 83 3 पूर्व वर्षों के कार्यकरण व्यय
- 83 4 पूर्व वर्षों से संबंधित उत्पादन पर उत्पाद-शुल्क
- 83 5 पूर्व वर्षों से संबंधित कर्मचारी लिखते
- 83 6 पूर्व वर्षों से कम आधुनिक अवलक्षण
- 83 7 पूर्व वर्षों से संबंधित व्याज और अन्य वित्तीय प्रभार
- 83 8 पूर्व वर्षों से संबंधित अन्य प्रभार
- 93 810 आय कर के लिए काम उपबन्ध-पूर्व वर्ष

## लेखा कोड

## लेखा शीर्ष

83 320 प्रशासनिक व्यय, पूर्व वर्ष

83 840 सामग्री संबंधी व्यय-पूर्व वर्ष

91 परीक्षण अनुक्रम पर लागत और राजस्व

91 1 परीक्षण अनुक्रम पर लागतों के लिए नामेखाते लेखा

91 101 परीक्षण अनुक्रम पर ईंधन लागतों के नामेखाते लेखा

91.121 91 131 }

91.191 } विभिन्न समूहों के लिए

91 2 लागतों के नामेखाते के लिए आपन जमाखाते लेखा

91.201 से 91.299 तक ऊपर के लेखाओं में नामेखाते के लिए आपन जमाखाते लेखे उदाहरणार्थ 91.202 परीक्षण अनुक्रम पर ईंधन के जमाखाते लेखा के लिए

91.3 परीक्षण अनुक्रम पर राजस्व के लिए जमाखाते लेखा

91.301 परीक्षण अनुक्रम पर उत्पादित विद्युत से राजस्व के जमाखाते लेखा

91.4 राजस्व के जमाखातों के लिए आपन नामेखाते लेखा

91.401 ऊपर राजस्व लेखा में जमाखातों के लिए आपन नामेखाते लेखा

92 विद्युत के ऋण उत्पादन विषय आदि के यूनिटों के लिए यूनिटों की रकमा को अभिलिखित करने के लिए आपन लेखे

92.1 कुल यूनिट लेखा

92.2 उत्पादित यूनिट लेखा

91.201 तापीय

91 202 जल विद्युत

91.205 गैस टर्बीन

आदि

92.3 सहायक उपभोग लेखा

(92.3 के समतुल्य उप लेखा)

92.4 ऋण यूनिट लेखा

(ऋण के प्रत्येक ओर के लिए उपलेखा)

92.5 विभिन्न यूनिटों का लेखा

(प्रत्येक उपभोग प्रवर्ग के लिए उपलेखे)

## उपबन्ध 3 लेखा विधान और नीतियाँ

## 1 मूल लेखा सिद्धांत

1.1 बोर्ड अपने वार्षिक लेखाओं को तैयार करने में उन मूल लेखा सिद्धांतों का अनुसरण करेगा जो निम्नलिखित पैराग्राफों में अधिकृत हैं :-

वार्षिक लेखाओं के प्रयोजन के लिए बोर्ड का अस्तित्व

1.2 बोर्ड के वार्षिक लेखे बोर्ड के तथा किसी अन्य निकाय के जिसमें बोर्ड के एकमात्र स्वामी, भागीदार या व्यक्तियों के संगम के सदस्य के रूप में स्वामित्व अधिकार हैं और जिसके प्रबंध में बोर्ड महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रयोग कर सकता है और वास्तव में करता है, व्यवहारों को दर्शाएंगे।

1.3 किसी अन्य निकाय द्वारा उत्पादित विद्युत को भागतः या पूर्णतः प्राप्त करने का अधिकार मात्र, चाहे वह लागत पर हो या पूर्व नियत दर पर हो, बोर्ड के लेखाओं में ऐसे निकाय के संव्यवहारों को दर्शाने का आधार नहीं होगा।

1.4 जहाँ किसी अन्य निकाय के संव्यवहारों को एक से अधिक बोर्डों के लेखाओं में पैरा 1.2 के अनुसरण में दर्शाना हो तब बोर्ड उस निकाय की आस्तियों, दायित्वों, आय और व्ययों को उस निकाय से अपने स्वामित्व के अनुपात में दर्शाएगा।

1.5 बोर्ड द्वारा किसी ऐसे निकाय में अर्जित हित जिससे निकाय के संव्यवहारों का पैरा 1.2 के अनुसरण में बोर्ड के लेखाओं में निगमित किए जाने की अपेक्षा नहीं की जाती है, बोर्ड के लेखाओं में लागत पर विनिधान के रूप में प्रकट किया जाएगा। ऐसे मामलों में निकाय की शुद्ध आस्तियों में उस निकाय के हित में अर्जित भागत में प्राधिकृत या कमी बोर्ड के लेखाओं में एक टिप्पणी के रूप में प्रकट की जाएगी।

## ऐतिहासिक लागत कर्षण

1.6 बोर्ड के लेखाओं में आस्तियों, दायित्व, व्यय और राजस्व उन रकमों के अनुसार अभिलिखित किए जाएंगे जिन पर संव्यवहार किए गए थे। इस नीति का अर्थ यह है कि आस्तियों या दायित्वों का कोई पुनर्मूल्यांकन उन्हें पुनर्स्थापन लागत, खानू लागत आदि में समायोजित करने के लिए नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार से पुनर्स्थापन लागत आधार पर अवक्षयण भी अनुमान नहीं होगा।

## गतिशील सन्ध्या सिद्धांत

1.7 बोर्ड का वित्तीय विवरण इस परिकल्पना के आधार पर तैयार किया जाएगा कि उसका कारबार अनन्तकाल तक चलता रहेगा।

## समस्तता का सिद्धांत

1.8 समस्त लेखा नीतियाँ समान आधार पर वर्ष प्रतिवर्ष लागू की जाएंगी। उन क्षेत्रों के सम्बन्ध में, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट रूप से सम्मिलित नहीं किया गया है या उन मामलों में जहाँ विहित लेखा नीति से विचलन अनुज्ञात है, अनुसरण की जाने वाली लेखा नीतियाँ भी वर्ष प्रतिवर्ष संगत रूप से अनुसरण की जाएंगी। सही और उचित प्रस्तुति

1.9 बोर्ड के लेखा बोर्ड की वित्तीय स्थिति और क्रियाओं के परिणामों को सही और उचित रूप में प्रस्तुत करेंगे। सही और उचित रूप में प्रस्तुत करने का अर्थ यह है कि बोर्ड की वित्तीय स्थिति और संक्रियाओं के परिणामों को समझने के लिए पाठक के लिए आवश्यक सभी जानकारी का प्रकटीकरण।

1.10 बोर्ड के वार्षिक लेखाओं के प्ररूपों को विहित करने का उद्देश्य सभी बोर्डों द्वारा अपेक्षित न्यूनतम और समान प्रकटीकरण विहित करना है। लेखाओं में कोई अतिरिक्त जानकारी टिप्पणियों के रूप में दी जा सकती है यदि गयी और उचित प्रस्तुतीकरण गृहीत करने के लिए यह आवश्यक है।

लेखा रखने का नकदी आधार केवल वहाँ जहाँ विहित किया जाए

1.11 लेखा रखने का नकदी आधार अर्थात्, लागतों, राजस्वों, आयियों और बायियों को तब खताबद्ध करने की प्रक्रिया जब धन प्राप्त किया जाए या संवत् किया जाए, न कि तब जब वह प्रोद्भूत हो, बोर्ड द्वारा केवल तब अपनाई जाएगी जब उपबन्ध 5 में विनिर्दिष्ट मामलों में नकदी आधार को विहित किया गया है। अन्य सभी मामलों में बोर्ड वाणिज्यिक लेखा प्रणाली का अनुसरण करेगा जो उन संव्यवहारों को अभिविहित करने की अपेक्षा करती है जिनसे राजस्वों, लागतों, आयियों और बायियों को उस अवधि के लेखाओं में, जिसमें वे प्रोद्भूत होते हैं, दर्शाया जाता है।

पूर्व अवधि के राजस्व/लागतों का भूतलक्षी समायोजन न किया जाना

1.12 पूर्व अवधि के ऐसे सब राजस्व या लागतों को जो प्रोद्भूतों के लिए किए गए लेखा प्राकलन और संबद्ध वार्षिक मूल्यों के बीच अन्तर के कारण या किसी अन्य कारण से उत्पन्न होते हैं भूतलक्षी रूप से लेखाबद्ध किया जाएगा और गत वर्षों के आंकड़ों का भूतलक्षी रूप से पुनर्बंधन अनुज्ञान नहीं होगा।

पूर्ववर्ष के लिए तुलनात्मक आंकड़े

1.13 पूर्व वर्ष के लिए तुलनात्मक आंकड़े वार्षिक लेखाओं में दिए जाएंगे। पूर्व वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समाहित करने की अनुज्ञा उन मामलों के सिवाए नहीं होगी जहाँ चालू वर्ष के दौरान उसी मद के लिए आंकड़ों के लिए विभिन्न आधार अपनाया गया हो।

आयधितियों में राजस्व मद्धे प्रभागों का आयोजन न किया जाना

1.14 बोर्ड की आयधितियों, चाहे वे गत वर्षों के आधिक्य के उपयोजन से सृजित की गई हों या किसी अन्य रीति से, ऐसी लागतों को, जो चालू वर्ष, गत वर्षों या भविष्यत वर्षों के राजस्व पर अन्यथा प्रभार होंगी, (विहित रित्तितियों में के सिवाय) आयोजित करने के लिए उपयोग में नहीं लाई जाएगी।

राजस्व का आयधितियों के खाते में सीधे जमा न किया जाना

1.15 किन्हीं भी आयधितियों में कोई ऐसी रकम जमा खाने नहीं की जाएगी जो चालू वर्ष, गत वर्षों या भविष्यत वर्षों के राजस्व के रूप में मानी जानी चाहिए।

आयधितियों और बायियों की मुजराई

1.16 बोर्ड के तुलनपत्र में आयधितियों और बायियों को एक दूसरे से केवल तब मुजरा किया जाएगा जब मुजराई का विधिक अधिकार विद्यमान हो। अतः एक पक्षकार को वे रकमे उसी पक्षकार से प्राप्त होने वाली रकमों के मद्धे तब तक मुजरा नहीं की जाएगी जब तक बोर्ड को उन दोनों को मुजरा करने का विधिक अधिकार न हो।

तुलनपत्र की तारीख के पश्चात् होने वाली घटनाएँ

1.17 तुलनपत्र की तारीख के पश्चात् और संपरीक्षकों की रिपोर्ट की तारीख से पूर्व घटने वाली सभी घटनाएँ या संव्यवहार निम्न रीति से वर्णित जाएंगे :—

(1) दो प्रर की पश्चात्पूर्वी घटनाएँ और संव्यवहारों पर बोर्ड द्वारा विचार करना अपेक्षित है।

(2) पक्षी प्रकार की घटनाएँ वे हैं जो उन दशाओं की बावत जो तुलनपत्र की तारीख को विद्यमान थी, अतिरिक्त, साध्य

प्रस्तुत करती हैं और वार्षिक लेखाओं को तैयार करने की प्रक्रिया में प्रीवभवन आदि के लिए आवश्यक प्राकलनों को प्रभावित करती हैं। ऐसी सब जानकारी जो वार्षिक लेखाओं के अंतिम रूप दिए जाने से पूर्व उपलब्ध हो जाए उन दशाओं या गण्यमान करने में उपयोग में ली जानी चाहिए, जिन पर प्राकलन आधारित थे। वार्षिक लेखाओं को ऐसे साध्य के प्रयोग में परिणामित प्राकलनों में किन्हीं परिणामों को समायोजित करना होगा। ऐसी घटनाओं का ज्ञान जिनके कारण लेखाओं में समायोजन आवश्यक हो जाए निर्णय विवेक और तथ्यों के ज्ञान पर आधारित है। उदाहरण के लिए, किसी अस्वाभाव्य प्राप्ति पर किसी उपभोक्ता की गिरती हुई वित्तीय दशा के परिणामस्वरूप हानि, जिससे तुलनपत्र की तारीख को बह दिवासिया हो जाए, तुलनपत्र की तारीख को उस व्यक्ति की विद्यमान पूरी वित्तीय स्थिति का परिचायक होगी और इस कारण लेखाओं में समायोजन आवश्यक होगा। दूसरी और कोई ऐसी ही हानि जो किसी उपभोक्ता के साथ घटी किसी दुर्घटना के परिणामस्वरूप हो, जैसे तुलनपत्र की तारीख के पश्चात् कोई प्राग या बाढ़, तो वह तुलनपत्र की तारीख को उपभोक्ता के सम्बन्ध में उसकी विद्यमान दशा का परिचायक नहीं होगी और इसलिए उसके कारण कोई समायोजन आवश्यक नहीं होगा।

(3) दूसरे प्रकार की घटना वह हैं जो उन दशाओं की बावत साध्य प्रस्तुत कर सकती हैं जो तुलनपत्र की तारीख को विद्यमान नहीं थी किन्तु उस तारीख के पश्चात् पैदा हुई। इन घटनाओं के कारण लेखाओं में समायोजन नहीं किया जाना चाहिए। तथापि, इनमें से कुछ घटनाएँ ऐसी प्रकृति की हो सकती हैं कि उन्हें प्रकट न करने की शक के कारण अम पैदा करने वाले विवरण तैयार हो सकते हैं। ऐसी घटनाओं के (जिनके कारण लेखाओं में समायोजन नहीं किया जाना चाहिए किन्तु जिन्हें प्रकट करना आवश्यक है) निम्न है, अर्थात् किसी अनु-शक्तिधारी का अधिग्रहण, अग्नि, बाढ़, आदि से हानि।

हानि को बट्ट खाता डालने के लिए आरधरित न करना

1.18 बोर्ड का राजस्व खाता बोर्ड को किसी भी प्राकृतिक विपत्ति के कारण, जैसे, तूफान, बाढ़ आदि, पुनरावृत्ति न होने वाली घटनाओं, जैसे, प्राग या पुनरावृत्ति की सम्भावना वाली घटना, जैसे कोयले की निम्न श्रेणी की प्राप्ति, से होने वाले नुकसान, यदि कोई हैं, की रकम को पूर्ण रूप से दर्शाएगा। हानि का अन्य कोई भी अंश प्रागामी वर्षों में बट्टा-खाता डालने के लिए आरधरित नहीं किया जाएगा।

3 प्रतिशत वापसी और असामान्य तथा असाधारण लाभों और हानियों का बरता जाना तथा पूर्ववर्ष की आय और व्यय

1.19 बोर्ड के राजस्व लेखा में सभी असामान्य और असाधारण हानियों और लाभों तथा पूर्व अवधि की आय और व्यय पृथक-पृथक रूप से प्रकट किए जाएंगे। तथापि, धारा 59 का अनुपालन करने के प्रयोजन के लिए, जिसमें स्थिर आयधितियों के आधार पर 3 प्रतिशत अधिशेष की अपेक्षा की गई है, ऐसी असामान्य और असाधारण हानियाँ और लाभ तथा पूर्व अवधि के निक्षेप और प्रभार उसी प्रकार से विचार में लिए जाएंगे जैसे उस वर्ष की अन्य सामान्य और आबर्ली आय, व्यय, हानि और लाभ। इस प्रकार से लेखा तैयार करने से यह परिलक्षित होगा कि बोर्ड का कार्यकारी अधिशेष वर्ष के दौरान ऐसी मदों के कारण प्रभावित हुआ है (और ऐसी मदों को त्याग कर छिपाया नहीं) जाएगा।

## 2. —लेखान्तितियाँ

2.1 बोर्ड के संव्यवहारों का नीचे उल्लिखित लेखा न्तितियों के अनुसार हिसाब रखा जाएगा। विहित लेखा पद्धतियों का निम्नलिखित

भागों में वर्गीकृत किया गया है।

- (1) पूंजी व्यय और स्थिर आस्तियां,
- (2) ईंधन और सामग्रियों से सम्बन्धित लेखा,
- (3) उधार और विनिधान
- (4) अन्य लेखा क्षेत्र।

#### I. पूंजी व्यय और स्थिर आस्तियां

ऐतिहासिक लागत पर प्रकटीकरण और स्थिर आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन न करना

2.2 बोर्ड की स्थिर आस्तियां, लेखा बहियों में अभिलिखित की जाएंगी और वार्षिक लेखाओं में ऐतिहासिक लागत के आधार पर प्रकट की जाएंगी। इस नीति का अर्थ यह है कि स्थिर आस्तियों का कोई पुन-मूल्यांकन उन्हें पुनर्स्थापन लागत, वास्तु लागत, आदि में समाविष्ट करने के लिए नहीं किया जाएगा। इस प्रकार पुनर्स्थापन लागत पर अध्ययन अनुष्ठान नहीं होगा।

परियोजना ज्ञान सर्वेक्षण और ग्राह्यता अध्ययनों पर व्यय

2.3 किसी परियोजना के ज्ञान, सर्वेक्षण और ग्राह्यता अध्ययनों पर उपगत व्यय, उस परियोजना की मंजूरी या रद्दकरण पूर्ण विचार करने से पूर्व इस प्रयोजन के लिए उपबन्धित एक लेखा में संवर्धित किया जाएगा। बाद में, यदि परियोजना रद्द कर दी जाती है तो व्यय की पूरी रकम राजस्व पर, उस वर्ष के, जिसमें परियोजना रद्द की जाती है, असफल पूंजी व्यय के रूप में प्रभावित की जाएगी। यदि परियोजना मंजूर कर दी जाती है तो व्यय उस परियोजना के लिए पूंजी प्रभारों में मूल्य लेखा पर प्रभावित किया जाएगा। परियोजना की मंजूरी के पश्चात् उसके व्ययों के साध्यता अध्ययन आदि पर उपगत व्यय भी उस परियोजना के पूंजी प्रभारों में संवर्धित लेखा पर प्रभावित किया जाएगा। परियोजना के पूर्व और उसके पश्चात् उपगत व्यय का कुछ योग परियोजना के अधीन विनिर्मित 'मूल' आस्तियों पर उसी रीति से आवंटित किया जाएगा जैसे पूंजी संकर्मों पर प्रभारों राजस्व व्यय आवंटित किया जाता है।

पूंजी आस्तियों की लागत

2.4 पूंजी आस्तियों की लागत में आस्ति को प्रयोग के लिए तैयार करने पर उपगत सभी 'वास्तविक लागतें' उन अपवादों और आधारों के बिना मम्मिलित की जाएंगी जो निम्नलिखित पैराओं में लागत का अवधारण करने के लिए विहित है।

सामग्री सम्बन्धी लागत का हिसाब

2.5 किसी लेखा एकक पर जिसके अन्तर्गत केवल पूंजी सन्निर्माण की कार्यवाही की जाती है अभिलिखित सभी सामग्री सम्बन्धी लागतें पूंजी संकर्मों पर प्रभावित की जाएंगी।

2.6 ऐसे अवस्थान पर जिसके अन्तर्गत पूंजी सन्निर्माण और साथ ही कार्यालय, पद्धति कार्यवाहियों की जा रही है, केवल निम्न लागतें संकर्म पर प्रभावित की जाएंगी,—

- (1) आयातित पूंजी उपस्कर पर अन्य अन्तरदेशीय भाड़ा
- (2) स्थानीय पूंजी उपस्कर पर भाड़ा
- (3) परीक्षण प्रभार—पूंजी उपस्कर
- (4) आनुवंशिक संप्रसारण व्यय—पूंजी उपस्कर
- (5) पूंजी उपस्कर पर बचत
- (6) पूंजी उपस्कर त्रय करने के लिए निविदाओं आदि के लिए विज्ञापन।

आयातित उपस्कर

2.7 बोर्ड द्वारा आयातित पूंजी उपस्कर, फालतू पुर्जों और अन्य

सामग्री आगमों और निगमों का लेखा रखने के लिए निम्नलिखित रूप से मूल्यांकित की जाएंगी,—

- (1) लागत }  
भाना } सी आई एफ मूल्य  
घोषा }  
पत्र }

(2) सीमा मूल्य

बाहरी श्रमिकों/टिकेदार प्रभार

2.8 बाहरी व्यक्तियों को पूंजी कार्यों के सम्बन्ध में उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए देय सभी श्रमिक प्रभार या टिकेदार प्रभार सम्बन्धित पूंजी आस्तियों की लागत में मम्मिलित किए जाएंगे।

बोर्ड के कर्मचारियों के कर्मचारी लागत

2.9 सन्निर्माण एककों के सम्बन्ध में सभी कर्मचारी लागतें पूंजी आस्तियों की लागत के रूप में पूर्ण रूप से प्रभावित की जाएंगी।

2.10 कार्यालय और पद्धति तथा पूंजी एकक के लिए, कर्मचारी लागतों का लेखा रखने की प्रक्रिया निम्नलिखित होगी,—

(1) स्थायी कर्मचारी—मासिक संचय, जंग, वेतन/मजदूरी, मंहाराई भत्ता, अतिकाल और अन्य भत्ते पूंजीकृत किए जाएंगे। कुछ स्थायी कर्मचारी सेवा निवृत्ति फायदों के हकदार हो सकते हैं। भविष्य-निधि और कृष्ण पेंशन स्कीम के लिए मासिक संचय को भी पूंजीकृत किया जाना चाहिए। तथापि, यदि कोई स्थायी कर्मचारी वार्षिक संचय के, जैसे बोनस हकदार है तो उसके किसी भी भाग का पूंजीकरण नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि बोनस के संचय के समय तक सुसंगत पूंजी/कार्य/परियोजना, जिस पर उन्होंने काम किया है, पूर्ण और बन्द हो गया होगा तथा पूंजी लागत पहले ही अवधारित और स्थिर आस्तियां मध्ये अन्तर्गत हो गई होगी। एकसंपत्ता की दृष्टि में, ऐसे वार्षिक संचयों का पूंजीकरण नहीं किया जाएगा भले ही कार्य बन्द नहीं हुआ हो।

(2) अतिरिक्त परिलब्धियां (जैसे परियोजना भत्ते) जो किसी पूंजी परियोजना पर अतिरिक्त कार्य करने के लिए कार्यालय और पद्धति कर्मचारियों को दी जाएं, प्रोद्भूत होने पर एक पृथक लेखा में अभिलिखित की जाएंगी और उनका पूर्ण रूप से पूंजीकरण किया जाएगा।

(3) पूंजी कार्यों पर एकमात्र रूप से या अधिकांश रूप से लगाए गए स्थायी कर्मचारियों के समूह के लिए, यदि कोई है, एक पृथक संचय सूची तैयार की जाएगी। ये लागतें एक सुविन्न विभाग कोड, जैसे 'सन्निर्माण' या 'परियोजना अनुभाग' आदि, के अधीन छाता बद्ध की जानी चाहिए। सभी मासिक संचय (वेतन, अतिकाल भत्ता, मंहाराई भत्ता और अन्य भत्ते), जो ऐसे विभागीय कोड के अधीन अभिलिखित किए गए हों, पूर्णतया पूंजीकृत किए जाएंगे। तथापि सेवा निवृत्ति फायदों और वार्षिक संचयों के किसी भी भाग का पूंजीकरण नहीं किया जाना चाहिए।

(4) ऐसे स्थायी कर्मचारियों के सम्बन्ध में जो पूंजी कार्य और कार्यालय और पद्धति कार्य, दोनों पर, बिना अतिरिक्त परिलब्धियों के कार्य करते हैं, कर्मचारी लागत का कोई भी भाग पूंजीकृत नहीं किया जाएगा।

पूंजी संकर्मों पर प्रभार व्यय

2.11 सन्निर्माण एककों की बाबत सब व्यय पूंजी आस्तियों की लागत के रूप में पूर्णतया प्रभावित होंगे।

2.12 कार्यालय और पद्धति तथा पूंजी अवस्थान पर (जहां पूंजी कार्य और कार्यालय तथा पद्धति कार्य दोनों किए जा रहे हैं) केवल निम्नलिखित व्ययों का पूंजीकरण किया जाएगा :

(1) सन्निर्माण के अधीन आस्तियों का बीमा

(2) पूंजी प्रदाय कर्तों/टिकेदारों के साथ करारों के सम्बन्ध में वार्षिक प्रभार और स्टाम्प कीसे

- (3) पूजा परियोजनाओं के विषये विद्वशी तकनीकविदों को देय फीस
- (4) पूजा परियोजनाओं के लिए विदेशी तकनीकविदों पर उपगत व्यय
- (5) तकनीकी दस्तावेज तैयार करने और डिजाइन करने के प्रभार
- (6) अन्य परामर्श सम्बन्धी प्रभार—परियोजनाएँ (जिसके अन्तर्गत स्थापत्य सम्बन्धी फीस भी है)
- (7) सन्निर्माण के लिए प्रयुक्त विद्युत्

किन्हीं अन्य प्रशस्तिक और सञ्चरण व्ययों का कोई भी अंश पूँजी संकर्मों पर प्रभारित नहीं किया जाएगा।

अवक्षयण का पूँजीकरण

2.13 सन्निर्माण सुविधाओं पर (मिट्टी हटाने के यंत्र, सीमेंट मिश्रक, आदि) अवक्षयण का पूँजीकरण किया जाएगा।

इसी प्रकार से अन्य आस्तियों के सन्निर्माण के लिए प्रयुक्त स्थिर आस्तियों पर अवक्षयण (उदाहरणार्थ किन्हीं परियोजना के अन्तर्गत बाहरी पर अवक्षयण, सन्निर्माण डिब्बेज या सन्निर्माण संकर्मों में भवन, फर्नीचर, और फिनिशर, बाहरी और कार्यालय उपकरणों पर अवक्षयण) भी पूँजी संकर्मों पर प्रभारित किया जाएगा।

हानियों का पूँजीकरण न किया जाये।

2.14 पूँजी परियोजनाओं के लिए वन में कुछ हानियाँ हो सकती हैं, उदाहरण के लिए, ठेकेदारों को दिए गए अवसूचीय अधिम, सन्निर्माण के अनुक्रम पर आस्तियों की हानि या आस्तियों की नुकसानों और सन्निर्माण डिब्बेजों में मण्डारणों का वस्तुपरक स्थापन करने पर शांत होने वाली हानियाँ। ऐसी किसी हानि का कोई भी अंश पूँजीकरण नहीं किया जाना चाहिए जो आस्तियों के लागत में सम्मिलित किया जाना चाहिए। आय का पूँजीकरण न किया जाना।

2.15 कोई भी आय किसी आस्ति की लागत में पूँजीकरण नहीं की जाएगी और न उसमें से घटाई जाएगी। ऐसे मामलों में भी जहाँ आय को किसी एक या अधिक विनिर्दिष्ट आस्तियों में सम्मिलित किया जा सकता है, ऐसी आय का पूँजीकरण नहीं किया जाएगा। तथापि यह नीति परीक्षण के अनुक्रम में राज्य के लिए विहित भिन्न लेखा पद्धति के हानि अधीन रहते हुए है।

सागत में तदनन्तर वृद्धियाँ/ह्रास

2.16 पूँजी व्यय में तदनन्तर किसी वृद्धि या ह्रास का सम्बन्ध समुगत आस्तियों से जोड़ा जाएगा और ऐसे लागत जो उस आस्ति के लिए पक्षे हिस्सा में ली गई हो तदनुसर परिवर्तित की जाएगी।

कर्मचारिवृन्द लागतों और व्ययों में तदनन्तर वृद्धि/ह्रास

2.17 कर्मचारिवृन्द लागतों और अन्य व्ययों में, जो पहले किसी पूँजी संकर्म पर प्रभारित किए गए हों, तदनन्तर कोई वृद्धि या ह्रास निम्नलिखित प्रकार से लेखाबद्ध किया जाएगा—

- (1) यदि वृद्धि या ह्रास उग्री लेखा वर्ष के दोरान हुआ है (जिस वर्ष में व्यय मूल रूप से संकर्म पर प्रभारित किया गया था) तो वृद्धि या ह्रास को संकर्म पर उस अवधि के लिए, जिसमें वृद्धि/ह्रास हुआ है प्रभारित कर्मचारिवृन्द लागतों और व्यय में, जोड़ दिया जाएगा या उसमें से घटा दिया जाएगा।
- (2) यदि वृद्धि/ह्रास उस लेखा वर्ष से, जिसमें समुगत कर्मचारिवृन्द लागत और अन्य व्यय उपगत हुए थे, तदनन्तर किन्हीं वर्षों में हुए है तो वृद्धि/ह्रास को रकम को तदनन्तर वर्षों में व्ययों के पूँजीकरण के योजन के लिए गणना में नहीं किया जाएगा।

भूमि और भूमि अधिकार

2.18 भूमि लागत में निम्नलिखित समाविष्ट होंगे :—

- (1) भूमि का क्रय मूल्य
- (2) भूमि के अर्जन के लिए प्रतिकर
- (3) अर्जित भूमि के वृक्षों और फसलों के लिए प्रतिकर
- (4) प्रभावशील हक प्राप्त करने के लिए उपगत विधिक प्रभार, स्टाम्प शुल्क, आदि
- (5) भूमि के विकास के अनुक्रम में संदत्त भूमि राजस्व और अन्य भार
- (6) स्थल को तैयार करने का लागत, जैसे, पहुँचियों की समतल करने या निचोड़ने की करने का लागत, वृक्षों को कटने का लागत, आदि
- (7) यदि भूमि का अर्जन किसी संरचना सहित किया गया है तो ऐसी अवांछित संरचना को तोड़ने का लागत।

2.19 ऐसे भूमि सुधारों की लागत जिनका अवधि सम्मिलित है, जैसे लैंडस्केप, बाँचे, पैदल पथ, पट्टे और गार्डन प्रणाली खोदने की लागत भूमि की लागत में “भूमि विकास लागत” के रूप में जोड़ दी जाएगी। भवन

2.20 भवन के किराये/अर्जन का दशा में, भवन की लागत में निम्नलिखित मदें सम्मिलित होंगी :—

- (1) क्रय मूल्य
- (2) भवन के अर्जन के लिए प्रतिकर
- (3) किरायेदारों को उनके भूयुक्ति अधिकारों को रद्द करने के लिए किए गए सदाय
- (4) भवन वशोक्त हक प्राप्त करने के लिए उपगत व्यय, जैसे, विधिक प्रभार, स्टाम्प शुल्क आदि
- (5) भवन को उपयोग योग्य दशा में लाने के लिए की गई संरम्भते परिवर्तन और सुधार
- (6) भवन को पड़ती बार प्रयोग में लाने के पूर्व उसे पुनः स्वरूप देना, परिवर्तन करना, सुधार करने के लिए वास्तुकार की फीस।

2.21 निर्मित भवन की लागत में निम्नलिखित मदें सम्मिलित होंगी :—

(1) निर्माण की लागत, जिसमें सामग्री, श्रम, ठेकेदार के प्रभार और निर्माण मशीनों पर अवक्षयण की लागत भी है।

(2) सर्वेक्षण

(3) अनुज्ञप्तियों, मंजूर किए गए प्लानों, वृत्ति प्रमाण-पत्रों को नगर पालिका, या अन्य निकायों से प्राप्त करने की लागत

(4) स्थापत्य फीस

(5) पूरे न किए गए सर्वेमापों का धीमा।

(6) उत्खनन की लागत (उत्खनन भूमि विकास की लागत नहीं है)

वृद्धि, सुधार, पुनर्स्थापन और संरम्भते

2.22 वृद्धियों, सुधारों, पुनर्स्थापनों, संरम्भतों और अनुरक्षण पर व्यय निम्न पैराग्राफ में विहित नीतियों के अनुसार बरते जाएंगे। आस्तियों को प्रारम्भ करने के पूर्व संरम्भते

2.23 बोर्ड द्वारा क्रय की गई (पुरानी या नई) आस्ति पर, उसे प्रारम्भ करने से पूर्व, उस “आस्ति को उपयोग में लाने का वशा में प्रस्तुत करने हेतु” उपगत व्यय को उस पूँजी आस्ति की लागत के रूप में बरता जाएगा।

**मरम्मत और अनुरक्षण**

2.24 किसी आस्ति को उत्पादन/क्षमता/कार्यकरण की उस स्थिति, तक जैसी वह आस्ति तब थी जब वह पहली बार उपयोग में लाई गई थी, लाने पर किया गया कोई व्यय मरम्मत व्यय है। आस्ति के अनुरक्षण पर, उत्पादन/क्षमता/कार्यकरण के स्तर तक, जिस स्तर पर वह तब थी जब वह पहली बार उपयोग में लाई गई थी, किया गया व्यय अनुरक्षण व्यय है।

2.25 मरम्मत और अनुरक्षण पर व्यय उस वर्ष के राजस्व पर प्रभारित किया जाएगा जिस वर्ष में वह उपगत किया जाता है। ऐसा हस्तान्तरण को ध्यान में लाए बिना किया जाएगा कि मरम्मत या अनुरक्षण की रकम कितनी है।

**वृद्धियाँ**

2.26 वृद्धियों द्वारा कोई नई आस्ति सृजित की जा सकती है या विस्तार, फैलाव आदि द्वारा किसी आस्ति के वास्तविक आकार में वृद्धि की जा सकती है। वृद्धियों पर किए गए व्ययों को पूँजीकृत किया जाएगा।

**सुधार**

2.27 किसी आस्ति की उपयोगी जीवन अवधि में विस्तार करने वाले या किसी आस्ति के उत्पादन या क्षमता या सक्षमता में वृद्धि करने वाले या किसी आस्ति के कार्यकरण की लागत में कमी करने वाले व्यय को "सुधार" कहा जाएगा। सुधार पर व्यय में पुराने का पुनर्स्थापन (उदाहरणार्थ) एक ट्रांसफार्मर के स्थान पर अधिक क्षमता वाले दूसरे ट्रांसफार्मर का पुनर्स्थापन हो सकता है या पुराने का पुनर्स्थापन नहीं हो सकता। (उदाहरणार्थ, किसी जल प्रसंस्करण संयंत्र में क्षार रोधी अस्तर लगाने पर व्यय)। सुधारों पर किए गए व्यय का पूँजीकरण किया जाएगा।

**परिवर्तन/नवीकरण**

2.28 भवन या संयंत्र के परिवर्तनों या नवीकरणों की दशा में, व्यय को सुधारों की ही तरह बरता जाएगा।

**पुनर्व्यवस्था**

2.29 (संयंत्र की रूपरेखा, कार्यालय की रूपरेखा आदि की) पुनर्व्यवस्था पर सब व्यय उस वर्ष के राजस्व पर प्रभारित किया जाएगा जिसमें व्यय उपगत किया जाता है।

**पुनर्स्थापन**

2.30 पुनर्स्थापन को "एक स्थिर आस्ति के स्थान पर दूसरी का रखा जाना, विशिष्टतया किसी पुरानी आस्ति के स्थान पर नई आस्ति या किसी पुराने पुर्जे के स्थान पर नया पुर्जा" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। लघु पुनर्स्थापनों पर व्यय, मरम्मत और अनुरक्षण व्यय के रूप में राजस्व पर प्रभारित किया जाएगा। बृहत् पुनर्स्थापन व्यय का पूँजीकरण किया जाएगा। तथापि, पुरानी पुनर्स्थापित आस्तियों की लागत और संचयित अवक्षयण तब प्रतिसंहृत कर लिया जाएगा जब नई पुनर्स्थापित आस्ति का व्यय पूँजीकृत किया जाता है। लघु और बृहत् में अंतर करने के लिए मोटे तौर पर आधार यह होगा कि किसी ऐसी किसी आस्ति का या आस्ति के भाग का पुनर्स्थापन जिसके लिए एक पृथक स्थिर आस्ति अभिलेख अपेक्षित है, बृहत् पुनर्स्थापन समझा जाएगा।

**टुकड़ों में पुनर्निर्माण**

2.31 किसी आस्ति का एक बार में पुनर्स्थापन न करके किसी एक अवधि में उसके संघटकों का पुनर्स्थापन करके उसका पुनर्निर्माण किया जा सकता है। ऐसे मामलों में "लघु" और "बृहत्" पुनर्स्थापनों के लिए नियत किया गया मापदंड किसी आस्ति के पुनर्स्थापन व्ययों के कुल योग पर लागू किया जाएगा तथा तबनुसार उसके हिसाब में रखा जाएगा। किसी आस्ति का किसी अन्य स्थान को हटाया जाना।

2.32 आस्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर हटाने पर उपगत व्यय, इस बात पर ध्यान दिए बिना कि व्यय की रकम क्या है, उस वर्ष के राजस्व पर प्रभारित किया जाएगा, जिस वर्ष में वह व्यय उपगत किया गया होता है।

पूँजी आस्तियों की लागत में

अभिदाय, अनुदान और सहायकियाँ

2.33 पूँजी आस्तियों की लागत में अभिदायों अनुदानों और सहायकियों को निम्नलिखित पैराग्राफों में अधिकृत नीति के अनुसार करना जाएगा।

2.34 पूँजी आस्तियों में उपभोक्ताओं में प्राप्त अभिदायों, सहायकियों या अनुदानों को लेखाओं के चार्ट में वर्णित समुचित लेखा में जमा खाते किया जाएगा यदि निम्नलिखित शर्तों का समाधान हो जाता है :

- (1) रकम के साथ कोई ऐसी शर्तें नहीं जुड़े हैं जिन्हें बोर्ड को पूरा करना है या रकम के साथ जुड़ी हुई शर्तों को बोर्ड ने पूरा कर दिया है।
- (2) रकम का कोई भाग प्रतिवेद्य नहीं है और न उसका बोर्ड द्वारा प्रतिसंदाय करने की संभावना है।

2.35 आस्तियों की लागत में उपभोक्ताओं के अभिदाय, सहायकी और अनुदान लागत में से कटौती के रूप में नहीं बरते जाएंगे बल्कि ऐसी पूँजी प्राप्ति के रूप में बरते जाएंगे जो पूँजी आरक्षित लेखों में जमा खातों को जानी है।

2.36 पूँजी आस्ति की लागत का लेखांकन सामान्य अनुक्रम में आस्ति की लागत में किसी अभिदाय, सहायकी या अनुदान को हिसाब में लिए बिना किया जाएगा। अवक्षयण को भी आस्ति को "पूरी लागत" पर सामान्य अनुक्रम में प्रभारित किया जाएगा। छोटी और निम्न मूल्यों की मदों को पूरी तरह अपलिखित किया जाएगा।

2.37 सभी छोटी और निम्न मूल्यों की आस्तियों की पूरी लागत को, यदि उनमें से प्रत्येक की लागत 500 रुपये या उससे कम है तो, उस वर्ष में राजस्व पर पूरी तरह प्रभारित किया जाएगा जिसमें आस्तियों को प्रयोग में लाया जाता है। अतः ऐसी मदों की लागत का कोई भी भाग स्थिर आस्ति की लागत में सम्मिलित नहीं किया जाएगा और न कोई अवक्षयण ही उन पर प्रभारित किया जाएगा।

**अपवाद**

2.38 पैरा 2.37 में अधिकृत पूर्ण अपवेक्षण की नीति निम्नलिखित को लागू नहीं होगी :

1. ऐसी मदें जिनके लिए विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 के अधीन अवक्षयण के प्रयोजन के लिए कोई निर्दिष्ट वर्गीकरण विहित किया गया है।

2. "फर्नीचर और फिक्सचर" तथा "कार्यालय उपकरण" वर्गीकरण के अधीन सम्मिलित मदें।

2.39 पैरा 2.37 में विहित छोटी और निम्न मूल्यों की आस्तियों को अपलिखित करने के लिए लेखा नीति सेवा कनैक्शन मंजूर करने की लागत को लागू नहीं होगी।

मापदंड का किसी विशेष संघटक को नहीं बल्कि सम्पूर्ण आस्ति को लागू होना

2.40 छोटी और निम्न मूल्यों की मदों को पूर्ण रूप से अपलिखित करने की लेखा नीति को लागू करने में आस्ति को सम्पूर्ण रूप से लिया जाएगा और आस्ति के विभिन्न फालतू पुर्जों या संघटकों को पृथक रूप से नहीं बरता जाएगा। अतः 500 रुपये का मापदंड कुल व्यय पर लागू किया जाना चाहिए।

आस्तियों का थोड़ा थोड़ा करके निर्माण

2.41 आस्तियों का एक बार में पूर्ण निर्माण न करके एक सम्बन्धी अवधि में उनका पूर्ण निर्माण किया जा सकता है। ऐसे मामलों में अवसिद्ध करने के लिए कठोरी मापदंड कुल व्यय पर लागू किया जाना चाहिए और उसे तदनुसार हिसाब में लिया जाना चाहिए।

आस्तियों का प्रारम्भ

2.42 सम्पूर्ण पूँजी व्यय पूँजी प्रणामी संकर्म लेखाओं के माध्यम से हिसाब में लिया जाएगा। आस्तियों को प्रारम्भ करने समय, व्यय को समुचित नियंत्रण आस्ति लेखाओं में अन्तर्गत किया जाएगा। पूँजी संकर्म प्रगति लेखा से स्थिर आस्ति लेखा में अन्तर्गत हो, भाग में आस्तियों का पूँजीकरण कटा गया है। आस्तियों के पूँजीकरण के लिए विहित लेखा नीतियों निम्नलिखित पैराग्राफों में अधिकृत है :-

आस्ति के "प्रथम बार प्रयोग" पर पूँजीकरण

2.43 आस्ति का पूँजीकरण तब किया जाएगा जब उसे प्रथम बार प्रयोग में लाया जाएगा।

ऐसी आस्तियाँ जो "प्रारम्भ योग्य" हैं

किन्तु जिन्हें वास्तव में प्रारम्भ नहीं किया जाता

2.44 ऐसी आस्ति जो स्थापित निमित्त की जाती है तथा जो 'प्रयोग योग्य/प्रारम्भ योग्य' वर्ग में है किन्तु जिसे "प्रयोग में नहीं लाया जाता/प्रारम्भ नहीं किया जाता" तब तक पूँजीकृत नहीं की जाएगी जब तक उसे वास्तव में प्रयोग में नहीं लाया जाता है।

2.45 पूँजी आस्तियों पर उपगत सब लागतें (जिनके अंतर्गत ऐसी आस्तियों को, जो तैयार हैं, किन्तु जिन्हें वास्तव में प्रारम्भ करने की प्रतीक्षा है, के अनुक्षण पर उपगत लागत भी है) आस्तियों की लागत के रूप में प्रभावित की जाएगी।

अंतिम रूप देने की प्रतीक्षा न करना

2.46 आस्ति का प्रारम्भ करने के अनुक्रम तक उपगत आस्ति की लागत तब पूँजीकृत की जानी चाहिए जब उसका प्रयोग प्रारम्भ कर दिया जाता है और उसे अंतिम रूप देने की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह कार्य और मूल्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। इस प्रकार से अंतिम रूप देने की लागत, जब कार्य पूर्ण हो जाए आस्ति को पहले पूँजीकृत की गई लागत में हिसाब में लिया जाना चाहिए और जोड़ा जाना चाहिए।

तकनीकी प्रमाणपत्र

2.47 किसी आस्ति का प्रारम्भ एक तकनीकी विषय है, जिसमें विभिन्न पहलुओं पर विचार करना होता है, जैसे इस बारे में परीक्षा/परीक्षण कि आस्ति प्रयोग किए जाने की वशा में है या नहीं, आदि। उन आस्तियों का पूँजीकरण तब किया जाना चाहिए जब बोर्ड का सुसंगत तकनीकी प्राधिकारी आस्ति प्रारम्भ प्रमाणपत्र जारी करे।

ठेकेदारों के साथ विवादों के होने हुए भी पूँजीकरण

2.48 केवल इस कारण से कि सविदा की शर्तों और निबंधनों को पूरा करने की बाबत ठेकेदारों/प्रदायकताओं के साथ विवाद है आस्तियों का पूँजीकरण न हो राका जाएगा और न स्थगित किया जाएगा संविदा के आधार पर अवधारित आस्तियों की लागत का पूँजीकरण बोर्ड द्वारा अविश्वस्य ठेकेदार/प्रदायकता के वाच्यता के लिए आवश्यक उपबन्ध करने के पश्चात् ही किया जाना चाहिए।

ठेकेदारों के बिलों आदि का अंतिम रूप न दिए जाने पर भी पूँजीकरण

2.49 केवल इस कारण से कि प्रदायकताओं या ठेकेदारों ने अनंतिम बिल प्रस्तुत नहीं किए हैं, आस्तियों के पूँजीकरण को रोकने की अनुज्ञा नहीं होगी। उन मामलों में जहाँ बिल प्राप्त नहीं होते हैं या प्राप्त हो

जाते हैं किन्तु स्वीकार नहीं किए जाते हैं, सविदा के अनुसार रकम की व्यवस्था की जानी चाहिए। संबंधित आस्ति की लागत तदनुसार निर्धारित की जानी चाहिए और जब आस्तियाँ पहली बार प्रयोग में लाई जाएं तब लागत को पूँजीकृत किया जाएगा।

प्रतिष्ठापन दावे

2.50 प्रदायकताओं और ठेकेदारों द्वारा किए गए प्रतिष्ठापन दावों की लागत के लिए उभी विस्तार तक व्यवस्था की जानी चाहिए जिस तक बोर्ड द्वारा अविश्वस्य किए जाने हैं और आस्तियों की लागत, जिसमें ऐसी व्यवस्था भी है तब पूँजीकृत की जाएगी जब आस्ति को पहली बार उपयोग में लाया जाता है।

ग्रामीण विद्युतीकरण स्कीम

2.51 ऐसी आस्तियों की लागत जो किसी विद्युतीकरण स्कीम का आधारभूत हैं, तब पूँजीकृत की जाएगी जब आधारभूत को पहली बार प्रयोग में लाया जाता है और लाइनों में विद्युत छोड़ी जाती है। सेवा कनेक्शन को मंजूर करने पर तदनन्तर किया गया व्यय तब-तब पूँजीकृत किया जाएगा जब-जब सेवा कनेक्शन मंजूर किए जाते हैं। अप्टिक सेवा कनेक्शनों का पूँजीकरण तब तक नहीं रोका जाएगा या स्थगित नहीं किया जाएगा जब तक ईष्ट संख्या में सेवा कनेक्शन मंजूर नहीं कर दिए जाते हैं।

सामान्य प्रसुविधाओं का पूरा पूँजीकरण

2.52 कतिपय आस्तियाँ ऐसी हो सकती हैं जो सामान्य प्रसुविधाओं के अंतर्गत आएं, जैसे, किसी विद्युत स्टेशन परियोजना पर कार्यवाही धरा-उठाई संबंध जो, कल्पना कीजिए, 3 यूनिटों के लिए सेवा की सुविधा प्रदान करेगा। ऐसी सामान्य प्रसुविधा संबंधी आस्तियों की पूरी लागत को तब पूँजीकृत किया जाना चाहिए जब आस्तियों को पहली बार प्रयोग में लाया जाता है।

कम योगें

पूरा पूँजीकरण

2.53 एक बार किसी आस्ति का उपयोग प्रारम्भ कर दिया जाए तो यदि वह पूरी तरह उपयोग में नहीं भी लाई जाती है तब भी उसकी पूरी लागत का पूँजीकरण किया जाएगा।

विद्युत स्टेशन का प्रारम्भ

2.54 विद्युत स्टेशन आस्तियों के पूँजीकरण के लिए विहित लेखा नीति नीचे अधिकृत है :-

- 1 परीक्षण अनुक्रम से पूर्व उपगत सब लागतों का पूँजीकरण किया जाएगा।
- 2 परीक्षण अनुक्रम के दौरान सब लागत और राजस्व "परीक्षण अनुक्रम पर लागत और राजस्व" नामक पैरा 2.56 में विहित रीति से बरते जाएंगे।
- 3 परीक्षण अनुक्रम के अंत में, उत्पादन संबंध का "प्रारम्भ" माना जाएगा।

परिण लाइनों और उप-स्टेशनों का प्रारम्भ

2.55 परिण लाइनों के प्रारम्भ पर सभी आस्तियाँ, जिन्हें उपयोग में लाया जाता है, पूँजीकृत की जाएगी और ऐसी आस्तियों की कुल लागत प्रणामी संकर्म लेखाओं में स्थिर आस्ति लेखाओं को अंतर्गत की जाएगी। परिण लाइनों और उप-स्टेशनों को प्रारम्भ करने से पूर्व उपगत सब व्यय आस्ति की लागत में सम्मिलित किए जाएंगे।

परीक्षण अनुक्रम के दौरान लागत और राजस्व

2.56 परीक्षण अनुक्रम की अवधि के दौरान उपगत लागत और (परीक्षण के अन्तर्गत यूनिट द्वारा उत्पादित विद्युत के विश्रय से) अर्जित राजस्व को नीचे दिए गए अनुसार बरता जाएगा :-

- (1) परीक्षण अनुक्रम की पूरी अवधि या परीक्षण अनुक्रम के प्रारम्भ



में तीन माम की अवधि, दोनों में से जो भी कम हो, पूंजीकरण अवधि कहा जाएगी।

- (2) पूंजीकरण अवधि के दौरान उपगत परीक्षण अनुक्रम लागत अंतर्भूत आस्तियों की पूर्ण लागत के रूप में बरती जाएगी।
- (3) पूंजीकरण की अवधि के दौरान (परीक्षण के अधीन यूनिट द्वारा) उत्पादन व्युत्पन्न के विषय में अर्जित राजस्व पूंजी लागत में से कमों के रूप में बरती जाएगी।
- (4) उपर (3) के अनुसार राजस्व से उपर (2) के अनुसार लागतों का आधिक्य परीक्षण के अनुक्रम पर अंतर्भूत आस्तियों की लागतों में जोड़ा जाएगा। यदि राजस्व की रकम लागतों की रकम से अधिक है तो आधिक्य को परीक्षण अनुक्रम पर अंतर्भूत आस्तियों की लागत में से घटा दिया जाएगा।
- (5) पूंजीकरण अवधि के अंत के पश्चात् उपगत सभी परीक्षण अनुक्रम लागत या अर्जित राजस्व, उसके किसी भी भाग का पूंजीकरण किए बिना, राजस्व लेखों में अंतर्भूत किया जाएगा।

उत्पादन स्टेशनों पर पूंजी फालतू पूंजी का पूंजीकरण

2.57 उत्पादन स्टेशन का प्रारम्भ करने से पहले अथवा किए गये "उत्पादन स्टेशन पर पूंजी फालतू पूंजी", उस "उत्पादन स्टेशन का पूंजीकरण" करने पर, जिसके लिए फालतू पूंजी अथवा किए गए हैं, पूंजीकृत किए जाएंगे।

2.58 उत्पादन स्टेशन प्रारम्भ होने के बाद अथवा किए गए पूंजी फालतू पूंजी अथवा किए जाते हैं पूंजीकृत किए जाएंगे।

फालतू यूनिटों/सेवा यूनिटों का पूंजीकरण

2.59 भाग "अन्य लेख नीतियों" के अधीन सकारण की गयी सेवा नीति के अनुसार फालतू पुर्ण यूनिट सेवा यूनिट के रूप में वर्गीकृत की जाने वाली आस्तियों को तब पूंजीकृत किया जाएगा जब उन्हें "प्रयोग योग्य दशा में लाया जाता है" अथवा ही वे वास्तव में उपयोग में लाई जाती हैं या नहीं।

अवक्षयण

2.60 स्थिर आस्तियों के अवक्षयण से संबंधित सेवा नीति निम्नलिखित पैराग्राफों में अधिष्ठित है:-

- (1) बॉर्डर द्वारा वर्ष के आरम्भ पर प्रयोग में लाई जा रही स्थिर आस्तियों पर उतनी रकम, जितनी किसी आस्ति की लागत का 90 प्रतिशत अपरलिखित करने के लिए आवश्यक है, प्रत्यक्ष पद्धति द्वारा "आस्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि" से अवक्षयण के रूप में प्रभावित की जायेगी।

- (2) आस्ति पर अवक्षयण प्रकार उस वर्ष के:-

--जिसमें वर्ष का अवक्षयण और पूर्व वर्ष/वर्षों में प्रभावित अवक्षयण आस्ति की लागत के समुल्य या 90 प्रतिशत से अधिक हो जाता है; या

--आस्ति का उपयोग बाध द्वारा स्थाई रूप से रुक कर दिया जाता है;

--जो भी अवधि पूर्वतर हो, उसके ठीक आगामी वर्ष से समाप्त समझी जाएगी।

- (3) नई प्रारम्भ की गई आस्ति पर अवक्षयण प्रकार, प्रारम्भ करने के वर्ष के ठीक आगामी वर्ष से, प्रारम्भ होगा।

पट्टाधृत आस्तियों पर अवक्षयण

2.61 पट्टाधृत आस्तियों के सबध में, प्रति वर्ष प्रभावित किया जाने वाला अवक्षयण उतनी रकम होगा, जिसका:-

--आस्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि में, या

धृति की अवधि में,

दोनों में से जो भी कम हो, पट्टाधृत आस्ति की लागत को प्रत्यक्ष पद्धति के आधार पर अपरलिखित करने के लिए आवश्यक है (नकि 90 प्रतिशत तक जैसा कि अन्य आस्तियों के लिए है)।

धृति की अवधि पर विचार करने में, धृति करार के पुनर्विचारण खंड को, यदि कोई है, ध्यान में नहीं लाया जाएगा।

2.62 पट्टाधृत आस्तियों के विकास/मुधार पर व्यवस्थित रीति से अवक्षयण किया जाएगा कि ऐसे व्यवस्था की पूरी रकम

--आस्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन की अवधि में, या

--धृति की अवधि की शेष अवधि में,

दोनों में से जो भी कम हो, प्रत्यक्ष पद्धति के आधार पर, अपरलिखित की जायेंगे। धृति की अवधि पर विचार करने में धृति करार के पुनर्विचारण खंड को यदि कोई है ध्यान में नहीं किया जाएगा।

पुरानी आस्तियां

2.63 पुरानी आस्तियां, अर्थात् पुराने स्तरों द्वारा प्रयोग में लाई गई आस्तियों को (चाहे उनकी अवधि कितनी भी हो) और जो बाध द्वारा अर्जित की जाती हैं।

--राज्य सरकार द्वारा उक्त आस्तियों की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि में, और

--जहाँ राज्य सरकार ने एसी अवधि अभिविधित नहीं की है "उस वर्ष की नई आस्तियों की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि के अर्धे समय में," (मानों अर्धे जीवन समाप्त हो गया हो) अवक्षयित किया जाएगा।

आस्तियां जिनकी निवृत्ति की तारीख सामान्य है

2.64 ऐसी आस्तियां जिनका उपयोग केवल सामूहिक रूप में किया जाता है और जिस समूह की कोई पृथक आस्ति, समूह की अन्य आस्तियों को निवृत्त हो जाने के पश्चात् अपने आप में प्रयोग में लाए जाने योग्य नहीं है, "सामान्य निवृत्ति तारीख वाली आस्तियों" के रूप में परिभाषित है। अवक्षयण प्रभावित करने के प्रयोजन के लिए स्वीकार की गई "अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि" "सामान्य निवृत्ति तारीख वाली आस्तियों" के समूह में समूह सभी आस्तियों के लिए "सामान्य" होगी।

अवक्षयण का भूतलक्षी रूप से पुनः हिसाब लगाना

2.65 किसी आस्ति की लागत की रकम में परिवर्तन होने के कारण संशोधित अवक्षयण का भूतलक्षी रूप से पुनः हिसाब केवल बड़ा लगाया जाएगा जहाँ लागत की रकम में वृद्धि/कमी

--एक आस्ति के लिए 50,000 रुपये, और

--पहले लेखाबद्ध की गई लागत 20%

में अधिक है। अन्य सभी मामलों में आस्ति की शेष जीवन अवधि अवक्षयण में इस प्रकार से अनुपातिक वृद्धि या कमी की जाएगी जिससे कि आस्ति की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि में पूरी लागत का 90% (या पट्टाधृत आस्तियों की दशा में 100%) अवक्षयित कर दिया जाये

सन्निर्माण के लिए प्रयोग में लाई गई आस्तियों पर अवक्षयण

266 सन्निर्माण के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली आस्तिया निम्न लिखितरूप से वर्गीकृत की जाएंगी —

- (1) सन्निर्माण प्रयुक्त।
- (2) परिष्कार आस्तिया।
- (3) स्थिर आस्तिया।

267 सन्निर्माण प्रयुक्त आस्तियों में आग्नि के आस्तिया जो एक या अन्य पूजा परियोजना में प्रयोग के लिए आरक्षित हैं।

268 सन्निर्माण प्रयुक्त आस्तियों के रूप में वर्गीकृत आस्तियों पर अवक्षयण उग सामान्य रीति से प्रभावित किया जाएगा जिसमें यह कार्यालय और पर्वत में प्रयुक्त आस्तिया पर प्रभावित किया जाना है, मिलाव इसमें कि अवक्षयण की रकम अवक्षयण के रूप में नामित होने वाला जाएगा। न डालकर पूजा संबंध प्रगति — राजस्व व्यय द्वारा पुनर्बाधित करने में नामित होने वाला जाएगा।

269 किसी परियोजना के भाग के रूप में अर्जित/सन्निर्माण अतिरिक्त आस्तियों का प्रयोग उसी परियोजना की अन्य आस्तियों के निर्माण के लिए किया जा सकता है। ऐसी आस्तियों को जब पंजीकृत किया जाना चाहिए जब उन्हें पर्वतों द्वारा प्रयोग में लाया जाता है। पूजाकरण का प्रारम्भ होने तक, उदाहरण, स्वयं विद्युत संचयन का प्रारम्भ, रोकना नहीं चाहिए। अवक्षयण प्रारम्भ के प्रथम वर्ष में प्रभाव नहीं है। तदनंतर, वर्ष में अवक्षयण का सामान्य रीति से प्रभावित किया जाना चाहिए। तथापि, इस प्रकार प्रभावित अवक्षयण को पुन वर्गीकृत किया जाना चाहिए और परियोजना की अन्य आस्तियों की लागत पर प्रभावित किया जाना चाहिए।

270 सन्निर्माण के लिए प्रयोग में लाई गई स्थिर आस्तियों से अतिरिक्त हैं, वे आस्तियां जिन्हें उनके प्रारम्भ पर स्थिर आग्नि लेखाओं को अर्जित कर दिया जाता है और जिन्हें किसी परियोजना के सन्निर्माण के अनुक्रम पर प्रयोग में लाया जाता है।

271 ऐसी आस्तियों पर अवक्षयण की सामान्य रीति से प्रभावित किया जाएगा। ऐसी आस्तियों पर प्रभावित अवक्षयण की रकम तत्पश्चात् पुन वर्गीकृत की जाएगी और पूजा संबंध पर प्रभावित की जाएगी। अन्तिम अवक्षयण

272 कोई यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसी कोई आग्नि नहीं है जो प्रयोग में है किन्तु जिसका किसी कारण से, जैसे नीचे दिए गए हैं, अवक्षयण नहीं किया जाता —

- (1) निश्चित लागत प्राप्त न होने के कारण।
- (2) अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि प्राप्त न होने के कारण, या
- (3) नवनिर्मित/अर्जित आस्तियों के अनुक्षण और/या लेखा के उत्तरदायित्व का ज्ञान होने के कारण।

कोई यह प्रमाण करेगा कि ऐसे कारण को गोपनीयता के दूर कर दे और इस बीच में वह संबंधित आस्तियों पर कम से कम अन्तिम अवक्षयण अवश्य प्रभावित करेगा।

आस्तियों का नियुक्तमान स्वरूप और गति प्रयोग होता तथा विषय

273 आस्तियों के निश्चित स्वरूप होने गति प्रयोग होने तथा विषय में संबंधित लेखा नीतियां निम्नलिखित पैरामेट्रों में अधिकृत हैं।

आस्तियों के निश्चित स्वरूप होने और विषय की लागत

274 आस्तियों के निश्चित स्वरूप होने और विषय पर उपर्युक्त सब लागत उस वर्ष के राजस्व लेखा पर प्रभावित की जाएगी जिस वर्ष में लागते उपर्युक्त की जाती है। ऐसी लागतों के उदाहरण निम्नलिखित हैं -

- (1) भवन, गिरि संस्कारों को तोड़ने की लागत

(2) सर्वेक्ष को प्रयोग से हटाने की लागत

(3) रकम के पुनर्दाह की लागत

(4) पैना फ्लोर के प्रयोग के लिए उपर्युक्त, विभिन्न प्रकार और स्थापना

(5) गैस में किसी अग्नि / स्वरूप निश्चयन प्रविष्टि की आस्तियों के अन्तर्गत के लिए भाड़ा, आदि

(6) पैना को विषय की गई आस्तियों/स्वरूप के परिवर्तन के लिए भाड़ा, आदि पर व्यय।

लागत और अवक्षयण का प्रतिमहण

275 किसी आग्नि के निश्चित स्वरूप गति प्रयोग हो जाने पर आग्नि की लागत और उस पर संबंधित अवक्षयण स्थिर आग्नि आधार में प्रतिमहणित किया जाएगा और इन प्रयोजन के लिए उपर्युक्त प्रत्येक लेखा को अर्जित किया जाएगा।

आस्तियों के स्वरूप लिए जाने पर गति

276 स्वरूप की गई आग्नि की वषा में जिसके लिए कोई स्वरूप/उदाहरण मध्यम नहीं किया जाता है, ऐसी आस्तियों का अपरिष्कारित मध्यम वर्ष के राजस्व लेखा में, जिस वर्ष में स्वरूप की गई आस्तिया अवसूलीय पाई जाती हैं, 'स्वरूप की गई आस्तियों का अपरिष्कारित मध्यम' के रूप में प्रभावित किया जाएगा।

आस्तियों के विषय में लागत या लाभ/हानि

277 पूजा आस्तियों के विषय में होने वाला लाभ या हानि राजस्व के मद के रूप में दर्जता जाएगा। राजस्व पैरा 278 के अधीन राज्य सरकार के उस वर्ष के राजस्व लेखा में जमाकिये किया जाएगा जिसमें आग्नि का विषय किया जाता है और पूजा आग्नि के विषय से होने वाली हानि उस वर्ष राजस्व के लेखा में नामित होने की जाएगी जिसमें आग्नि का विषय किया जाता है।

278 आस्तियों के विषय में लाभ की वषा में विस्तार तक राजस्व के मद के रूप में दर्जता जाएगा जहां तक विषय की गई आग्नि पर प्रभावित कृत अवक्षयण है। विषय की गई आग्नि पर बोर्ड द्वारा प्रभावित संबंधित अवक्षयण में अधिक लाभ, यदि कोई पूजा लाभ के रूप में दर्जता जाएगा और पूजा आर्गुमन्टों के जमाकिये किया जाएगा।

279 आग्नि के विषय पर लाभ या हानि की सगणना करने के प्रयोजन के लिए और विषय की गई किसी पूजा आग्नि की लागत में संबंधित आस्तियों, उपादानों और सहायकियों को विषय की गई लागत में से कम नहीं किया जाएगा।

अर्जन की तारीख का ज्ञान न होना

280 स्वरूप की गई/ नष्ट की गई/विषय की गई ऐसी आस्तियों के दशा में जिनके अर्जन की तारीख ज्ञान नहीं है, यह मान लिया जाएगा कि संबंधित आग्नि लागत और अवक्षयण के प्रतिनिधित्व के प्रयोजन के लिए उस लेखा युक्ति पर प्रयोग में लाई जा रही उस प्रकार की आस्तियों में से सबसे पुरानी आग्नि थी।

आस्तियों की हानि

281 किसी आग्नि की हानि/ताश की स्थिति में, उस आग्नि की लागत और उस पर संबंधित अवक्षयण स्थिर आस्तियों के लेखा में से और अवक्षयण के उपर्युक्त में प्रतिमहणित किया जाएगा।

हानि का अपरिष्कारित किया जाना

282 हानि/नष्ट हुई आग्नि के अपरिष्कारित मध्यम में मजूर किए गए बीमा के दावे की रकम का अधिकतम उस वर्ष में, जिसमें बीमा दावा निपटारा जाता है, राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा।

## अन्य लेखा नीतियाँ

2.83 पूंजी आम्नियों के संबंध में अन्य सभी विषयों के लिए नीतियाँ निम्नलिखित पैराग्राफों में अंतर्कथित हैं :

उत्पादन स्थलों पर पूंजी फालतू पुर्जों के मुद्दे

2.84 उत्पादन स्थलों पर पूंजी फालतू पुर्जों के मुद्दे में निम्नलिखित नीति दी गई है :

- (1) उत्पादन स्थलों पर पूंजी फालतू पुर्जों को पूंजी आस्ति के रूप में अंतरा जाएगा।
- (2) फालतू पुर्जों के पूरे समूह के लिए, न कि एक-एक मध्य के लिए, एक माध्य हिसाब रखा जाएगा।
- (3) सभी फालतू पुर्जों की कुल लागत का पूंजीकरण किया जाएगा।
- (4) उत्पादन संयंत्र में पुनर्स्थापन करने के लिए ऐसे फालतू पुर्जों को देने समय उन लेखाओं में दर्ज नहीं किया जाएगा।
- (5) तथापि दूसरी ओर, फालतू पुर्जों के सम्पूर्ण समूह की कुल लागत पर अवक्षयण प्रभावित किया जाएगा।
- (6) अवक्षयण प्रभावित करने के प्रयोजन के लिए, फालतू पुर्जों की अनुमानित जीवन अवधि उत्पादन संयंत्र की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि के समतुल्य मानी जाएगी।
- (7) इस आधार पर, फालतू पुर्जों की लागत को 100% समतुल्य अवक्षयण (न कि 90% जैसा कि अन्य अस्तित्वों की दशा में है) उस समय तक प्रभावित किया जाएगा जब तक उत्पादन संयंत्र निवृत्त किया जाता है।
- (8) जीवन अवधि की समप्ति पर, फालतू पुर्जे मूल्यहीन हो जाएंगे।
- (9) अनुपयुक्त रह गए फालतू पुर्जे निवृत्त उत्पादन संयंत्र के संप्रसाध विषय किए जा सकते हैं। विक्रय के सम्पूर्ण अगमों को प्रतियों के विक्रय से नाम मना जा सकता है। क्योंकि उन पर गत काल में 100% अवक्षयण प्रभावित किया जा चुका है।
- (10) संयंत्र के निवृत्तमान होने पर, न बिक सकने वाले फालतू पुर्जों के स्टॉक को दशा में कोई हिसाब आवश्यक नहीं होगा।
- (11) यदि कुछ फालतू पुर्जे बिक जाते हैं और कुछ नहीं बिकने हैं तो बिकने वाले फालतू पुर्जों के लिए हिसाब रखना आवश्यक होगा और विक्रय आगमों को अस्तित्वों के विक्रय के संप्रसाध के रूप में अंतरा जाएगा।
- (12) यदि फालतू पुर्जों को उत्पादन स्थान से किसी अन्य ऐसे उत्पादन स्थान को अंतरित किया जाता है जिसे उनकी आवश्यकता है तो इस दशा में कोई हिस्सा आवश्यक नहीं है।

## अनुज्ञतिधारियों का अधिग्रहण

2.85 अनुज्ञतिधारियों से आस्तियों के अधिग्रहण के संबंध में, किसी आस्ति के लिए देय प्रतिकर की रकम को आस्ति की लागत के रूप में प्रमिलिखित किया जाएगा और हिसाब में लिया जाएगा।

2.86 जहाँ स्वयं अधिग्रहण की बाबत या अधिग्रहण के लिए बोर्ड द्वारा अधिधारित प्रतिकर की बाबत अनुज्ञतिधारी ने कोई विवाद खड़ा किया हो वहाँ आस्तियों का बोर्ड द्वारा अंतिम रूप से मूल्यांकन किया जाएगा।

2.87 अवक्षयण अंतिम मूल्यांकन पर आधारित के अनुसार सामान्य अनुभव में प्रभावित किया जाएगा। अनुमानित उपयोग जीवन अवधि वह होगी जो राज्य सरकार द्वारा नियत की जाए। यदि राज्य सरकार ने कोई जीवन अवधि नियत नहीं की है तो सामान्य जीवन अवधि का आधार स्वीकार किया जाएगा।

## फालतू यूनिट/सेवा यूनिट

2.88 फालतू/यूनिट/सेवा यूनिटों के लिए विहित की गई लेखा नीतियाँ नीचे दी गई हैं। फालतू यूनिट पर के अंतर्गत फालतू यूनिट और सेवा यूनिट दोनों ही पाते हैं।

- (1) सभी फालतू यूनिटों को तब जब उन्हें क्रय किया जाए और उपयोग योग्य दशा में लाया जाए। (इस तथ्य का ध्यान दिए बिना कि वह वास्तव में प्रयोग में नहीं लाया जा रहे हैं और उपयुक्त के रूप में भंडार में अनुपयोजित है) क्रय किया जाए।
- (2) फालतू यूनिटों पर अवक्षयण उसी सामान्य अनुक्रम में प्रभावित किया जाएगा जैसे उसी प्रकार की आस्तियों के लिए, जो प्रयोग में नहीं हैं, प्रभावित किया जाता है।
- (3) जब मूल यूनिटों को मरम्मत या अनुरक्षण के लिए हटाया जाता है और फालतू यूनिटों को स्थापित किया जाता है तब लेखाओं में कोई भी समायोजन नहीं होगा।

- (1) हटाए गए यूनिटों की मरम्मत या अनुरक्षण पर व्यय राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा।

- (5) निम्नलिखित दशाओं में कोई भी लेखा प्रविष्टि नहीं की जाएगी।

—जब हटाए गए यूनिट उपयोगी दशा में वापस रखे जाते हैं या

—जब वह किसी अन्य मरम्मत या अनुरक्षण के स्थान पर पुनः वास्तव में प्रयोग में लाये जाते हैं या

—मरम्मत किए गए यूनिट को उसी के स्थान पर पुनः स्थापित किया जाता है। और पहले स्थापित किए गए फालतू यूनिट को (ऊपर कार्यवाही संख्यांक 3) हटाया जाता है और पुनः भंडार में वापस रखा जाता है।

- (6) जब हटाए गए यूनिट को मरम्मत योग्य नहीं समझा जाता है तब उसे निवृत्तमान आस्ति समझा जाएगा (यदि उसका प्राक्कलित जीवन पूरा हो गया है) या वहीं आस्ति समझा जाएगा (यदि उसका प्राक्कलित जीवन पूरा नहीं हुआ है) और तदनुसार उसे निवृत्तमान, रद्द और विषय के अनुसार लेखाबद्ध किया जाएगा।

- (7) मूल यूनिट के निवृत्तमान/रद्द होने के साथ ही फालतू यूनिट की लागत और संचित अवक्षयण स्थिर आस्ति लेखा को अंतरित कर दिया जाएगा।

- (8) यदि (कुल स्टॉक की स्थिति को बनाए रखने के लिए) कोई नया फालतू यूनिट क्रय किया जाता है तो वह पंजीकृत किया जाएगा और तत्पश्चात् उपर्युक्त प्रक्रिया को उसकी बाबत पुनः अपनाया जाएगा।

- (9) इसी प्रकार, जब भी कोई नया यूनिट क्रय किया जाता है तब अनिवार्य रूप से पूंजी आस्ति में वृद्धि को मान्यता दी जाएगी और यदि कोई यूनिट निवृत्त हो जाता है/रद्द कर दिया जाता है तब कटौती को मान्यता दी जाएगी। स्थापित यूनिटों के समस्त स्टॉक के भीतर, जिसमें फालतू यूनिट भी है, किसी भी अंतरण के कारण कोई लेखांकन नहीं किया जाएगा।

## नए बोर्ड का गठन

2.89 किसी नए हराभय विद्युत बोर्ड का गठन किए जाने पर किसी विद्यमान बोर्ड की भौगोलिक क्षेत्र नए बोर्ड के अंतर्गत किया जा सकता है। विद्यमान बोर्ड की स्थिर आस्तियाँ भी वही मूल्य पर (लागत में से संचयित अवक्षयण घटाकर) नए बोर्ड को अंतरित की जा सकती हैं। अंतरण के ऐसे सभी मामलों में, नया बोर्ड शुद्ध लागत पर बड़ी मूल्य का हिसाब नहीं देगा, अपितु अपनी लेखा बाह्यो में लागत और संचित अवक्षयण की कुल राशि को सम्मिलित करेगा। ऐसी आस्तियों पर अवक्षयण सकल लागत पर

उसी प्रकार से प्रभावित किया जाता रहना चाहिए जिस रीति से बोर्ड, जो उच्च आस्ति को धारण कर रहा है, उसे प्रभावित करता रहा है।  
बिल संबंध लागत

2.90 सन्निर्माण/आस्तियों के प्रजनन के प्रयोजन के लिए लागतों का हिसाब रखने की लेखा नीतियां निम्नलिखित पैराओं में विहित की गई हैं।  
उधारों से संबंध लागत

2.91 गारंटी प्रभार, वायदा प्रभार, विधिक प्रभार/अपूरण करारों/बोर्डों/डिबेंचरों के लिए विधिक प्रभार, स्टाम्प शुल्क, बोर्डों को अनुसाधारण के लिए पुरोषुत करने की विज्ञापन लागतें, बोर्डों/डिबेंचरों को पुरोषुत करने के लिए कमीशन और ऐसी ही अन्य लागतें उस वर्ष में राजस्व पर प्रभावित की जाएंगी जिस वर्ष में लागतें सम्मिलित की जाती हैं।

बोर्डों/डिबेंचरों आदि पर बट्टा/कमीशन निर्मोचन प्रीमियम

2.92 बोर्डों/डिबेंचरों के पुरोधारण पर बट्टा उस वर्ष के राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा जिस वर्ष में बोर्ड/डिबेंचर पुरोषुत किए जाते हैं। बोर्डों/डिबेंचरों के निर्मोचन पर देय प्रीमियम उस वर्ष के राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा जिस वर्ष प्रीमियम देय हो जाता है।

सन्निर्माण के अनुक्रम पर प्रयुक्त निधि पर ब्याज का पंजीकरण

2.93 बोर्ड की अपनी निधियों पर अभ्यारोपित ब्याज लागत/प्राकृतिक ब्याज और ब्याज मुक्त बिल पोषण का पंजीकरण अनुज्ञात नहीं होगा।

2.94 प्रत्येक वर्ष, ब्याज मुक्त उधारों का वह भाग जो सन्निर्माण के अनुक्रम पर अर्थात् आस्ति को चामू करने तक, पंजी आस्तियों के बिल पोषण से संबंध है, उस रीति में संगणित किया जाएगा जो [नियम 13 के उप नियम (1) के अधीन जारी किए गए विनियमों में विहित की जाती है, और यदि] केन्द्र सरकार ऐसे अनुदेश देती है तो, उसे पंजीकृत किया जाएगा।

2.95 इस प्रकार संगणित और पंजीकृत ब्याज की रकम वर्ष के लिए ब्याज की रकम में से घटा दी जाएगी और केवल शेष रकम उस वर्ष के राजस्व लेखा खाते प्रभाव्य होगी।

2.96 ऐसी आस्तियों के संबंध में जिनमें आस्ति को प्रयोग योग्य दशा में लाने की अवधि अन्तर्गस्त नहीं है या नगण्य अवधियां अन्तर्गस्त हैं, उदाहरणार्थ—

—नये वाहनों का क्रय

—फर्निचर की मरों का क्रय।

—कार्यालय उपकरणों का क्रय।

2.97 पंजीकृत ब्याज की रकम उन आस्तियों की लागत में सम्मिलित की जाएगी जिसके सन्निर्माण के अनुक्रम पर यथेष्ट अवधि अंतर्गस्त है और जिनका, आस्तियों की मूल लागत के साथ, आस्तियों की अनुमानित उपयोगी जीवन अवधि के दौरान मामूली अनुक्रम में अवमूल्यन किया जाएगा।

11 ईंधन और सामग्री लेखा

ईंधन लेखा

2.98 ईंधन का लेखा रखने के लिए लेखा नीतियां निम्नलिखित पैराओं में अधिकृत हैं —

ईंधन की प्राप्ति के मूल्यांकन का आधार

2.99 ईंधन की प्राप्ति के मूल्यांकन वास्तव में प्राप्त की गई ईंधन की मात्रा और क्वालिटी पर, जिसे नियम 13 के उपनियम (1) के अधीन जारी किए गए विनियमों के अनुसार अवधारित किया जाएगा। उसमें लागत के दो उपादान होंगे, अर्थात्, ईंधन लागत और ईंधन की प्राप्ति के लिए भाड़ा।

2.100 कोयले की मात्रा लागत उस मानक भाड़ा दर पर आधारीत  
1140 GI/85-16

की जाएगी जिसे प्रत्येक विद्युत स्टेशन के लिए, कोयले के प्रबंधन के कार्य-क्रम के अनुसार प्रत्येक खदान से अनुमानित प्रदायी के आधार पर तै-मास के लिए नियत किया जाएगा।

ईंधन से संबंधित अन्य लागतों का लेखा

2.101 भाड़ा लागत और ईंधन लागत से भिन्न ईंधन की प्राप्ति और स्टार्कों से संबंधित लागतें प्राप्त हुए उपयोजित या स्टार्क में के ईंधन के मूल्य से नहीं जोड़ी जाएगी। ये लागतें जब उपगत की जाएं (चाहे संदाय किया गया हो या नहीं) राजस्व पर उन्हीं लागतों के लिए उपबंधित मुसंगत लेखा के मध्यम से प्रभावित की जाएगी।

कोयले की निम्नतर श्रेणी का लेखा

2.102 बोर्ड को प्रभावित और उसके द्वारा प्राप्त किए गए वैगनों की दशा में बिल की गई श्रेणी से निम्नतर श्रेणी के कोयले की प्राप्ति की दशा में वास्तव में प्राप्त निम्नतर श्रेणी के कोयले के लिए देय रकम से अधिक बिल की गई रकम का अधिक्य यदि कोई है कोयले की निम्नतर श्रेणी पर हानि के रूप में बरता जाएगा यदि वह रकम खदानों से बसुलीय नहीं है। ऐसा लेखांकन जहां तक संभव हो, उसी वर्ष में किया जाएगा जिसमें कोयला प्राप्त होता है।

कोयले की श्रेष्ठतर श्रेणी का लेखा

2.103 बोर्ड को प्रभावित और उसके द्वारा प्राप्त किए गए वैगनों की दशा में, बिल की गई श्रेणी से श्रेष्ठतर श्रेणी के कोयले की प्राप्ति की दशा में, बिल की गई रकम वास्तव में श्रेष्ठतर श्रेणी के कोयले के लिए देय रकम से अधिक बिल की गई रकम का अधिक्य, यदि कोई है, कोयले की श्रेष्ठतर श्रेणी पर लाभ के रूप में बरता जाएगा। ऐसा लेखांकन, जहां तक संभव हो उसी वर्ष में जाएगा जिस में कोयला प्राप्त होता है।

गुप्त वैगनों के लिए रेल के साथ बावों के निपटारे पर हानियां या लाभों का लेखा

2.104 उन हानियों के लिए कोई उपबंध नहीं किया जाएगा या उन लाभों को जमाखाते नहीं किया जाएगा जो रेल के साथ उन बावों की बाबत हो सकते हैं जो वर्ष के अंत तक निपटते नहीं हैं।

2.105 बावों के निपटारे पर हानियां या लाभ रेल द्वारा बोर्ड का उन बावों की बाबत संसूचित किए जाने पर, जो उनके द्वारा निपटाए जाते हैं, लेखाओं में प्रविष्ट किए जाने चाहिए।

उपयोजित ईंधन के मूल्यांकन का आधार और स्टार्क

2.106 उपयोजित ईंधन के मूल्यांकन के लिए भवनाई गई दर निम्नलिखित रूप से संगणित भास्ति औसत दर होगी।

(मास के प्रारम्भ पर स्टार्क का मूल्य + मास के दौरान शुद्ध प्राप्ति का मूल्य)

(मास के प्रारम्भ पर स्टार्क की मात्रा + मास के दौरान शुद्ध प्राप्ति की मात्रा)

2.107 मास के अंत में ईंधन के स्टार्क का मूल्यांकन का भी ऊपर उल्लिखित भास्ति औसत दर के अनुसार किया जाएगा।

टिप्पण (1) शुद्ध प्रदायो से अभिप्रेत होंगी संक्रमण के दौरान ईंधन की हानि के लिए कटौती करने के पश्चात् की प्राप्ति संक्रमण हानि का मूल्यांकन मास के लिए औसत प्राप्ति की दर पर किया जाएगा।

(2) मास के दौरान सभी ईंधन प्राप्ति का मात्रा और मूल्य, उनकी श्रेणी कोई भी हो, इस प्रयोजन के लिए संकलित की जाएगी।

ईधन स्टाक के वस्तुपरक मर्यापन पर पाए जाने वाले बाधे बाधिकाय/कमी का बरता जाना

घाय और विनिधानों का लेखा

2.108 वर्ष के अंत में ईधन के स्टाक के वस्तुपरक मर्यापन पर कमी के मूल्य की उपभोग किए गए ईधन की लागत के रूप में बरता जाएगा और आधिक्य के मूल्य को उपभोग किए गए ईधन की लागत में कमी के रूप में बरता जाएगा।

### II सामग्री लेखा

सामग्री संव्यवहारों के लिए लेखा

2.109 सभी सामग्री संव्यवहारों को उसी अवधि के लेखा में लिखा जाएगा जिसमें वे प्राप्त होती हैं या जारी आवि की जाती हैं। इस प्रकार से, बोर्ड द्वारा प्राप्त की गई और स्वोकार की गई सभी सामग्रियों के लिए दायित्व उस मास में सृजित होगा जिसमें सामग्री स्वीकार की जाती है अनुवर्गी व्ययों के लिए लेखा

2.110 उपगत किए गए अनुवर्गी व्ययों को सामग्री की वस्तुपरक प्राप्ति/प्रदायों के साथ जोड़ा नहीं जाएगा और इस प्रकार उसे सामग्री की लागत के रूप में नहीं बरता जाएगा। इन व्ययों को अवधि लागत के रूप में बरता जाएगा और उस अवधि के राजस्व लेखा पर प्रभावित किया जाएगा जिसमें ऐसे व्यय उपगत किए जाते हैं।

उपभोग की मान्यता

2.111 उपभोग का लेखा रखने की रीति लगभग वस्तुपरक संव्यवहारों के समान होगी। विनिविष्ट संकर्मों के संबंध में सामग्रियों के प्रदाय तुरंत उपभोग के रूप में बरते जाएंगे। जहां सामग्री एक मूर्त उठाई जाती है वहां उपभोग को मान्यता केवल तब दी जाएगी जब उसका अंतिम उपयोग ठीक-ठीक ज्ञात हो जाता है।

उधार और विनिधान

### III उधारों पर ब्याज

2.112 सभी उधारों पर, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार के ऋण भी हैं, प्रोद्भूत ब्याज के लिए, चाहे ऐसी ब्याज देय है या नहीं और चाहे उसका वास्तव में संदाय किया जाता है या नहीं, प्रतिवर्ष व्यवस्था की जाएगी। राज्य सरकार को ब्याज का संदाय जो अधिनियम की धारा 67क के अनुसार प्रभावी नहीं किया जाता है, आस्थित दायित्व माना जाएगा। ऐसे मामलों में आस्थित दायित्व से केवल संदायों का आस्थित अधिप्रेत होगा न कि राजस्व लेखा पर प्रभाव का आस्थित।

2.113 वर्ष की कुल ब्याज लागत, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार के ऋणों पर ब्याज भी है, पैरा 2.114 के अनुसार ब्याज के एक भाग का पूंजीकरण करने के अधीन रखते हुए उस वर्ष के राजस्व लेखा पर प्रभावित की जाएगी।

2.114 ऐसे उधारों पर ब्याज का कोई भाग जिनका संबंध, कार्य प्रारंभ करने के अन्तर्गत, किसी पूंजी प्रगतिमान संकर्म, के वित्तपोषण से है, यदि केन्द्रीय सरकार ऐसा निर्देश करती है तो पैरा 2.93 से 2.97 तक के अनुसार पंजीकृत किया जाएगा।

उधारों से संबंधित लेखा

2.115 ऋण करारों, डिबेंचरों न्यास लिखतों, बाडो या डिबेंचरों के लिए गारंटी प्रचारों, वायदा प्रचारों और विधिक प्रचारों/स्टाम्प शुल्क को उस वर्ष में, जिसमें लागतें उपगत की जाती हैं, राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा। वर्ष के अंत में वर्ष का उक्त लागतों के लिए व्यवस्था की जाएगी जो प्रोद्भूत हुई है किंतु जिनका संदाय नहीं किया गया है।

बोडो, घादि पर बट्टा और मोचन प्रीमियम

2.116 बोर्ड द्वारा प्रस्थापित बोडों, डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के पुरोषुत किए जाने पर बट्टा उस वर्ष के राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा जिसमें बोडो/डिबेंचर पुरोषुत किये जाते हैं।

2.117 बोडो, डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के मोचन पर प्रीमियम, यदि कोई है तो, उस वर्ष के राजस्व लेखा पर प्रभावित किया जाएगा जिसमें प्रीमियम देय हो जाता है।

2.118 विनिधानों से घाय उस वर्ष के राजस्व लेखा में जमाखाते की जाएगी जिसमें घाय प्रोद्भूत हो। तथापि यदि विनिधान किसी निधि के मद्धे मुनिष्ठित विनिधानों के रूप में धारित है, जैसे, पेंशन निधि, उपरा निधि, आदि तो ऐसे विनिधानों से घाय, संबंधित निधि में सीधे ही जमा-खाने की जा सकती है।

2.119 विनिधानों से घाय के लिए, जो प्रोद्भूत हुई है किंतु बोर्ड को प्राप्त नहीं हुई है (चाहे वह राजस्व खाते में जमाखाते की खानी है या किसी निधि में), उपबंध किया जाएगा।

विनिधानों का 'लागत पर' अधिविनिधित किया जाना

2.120 विनिधानों को लेखा बहियों में उन्हे अखिल करने की वास्तविक लागत के अनुसार, जिसके अंतर्गत धनराश प्रचार, स्टाम्प शुल्क, आदि भी हैं, अधिविनिधित किया जाएगा। विनिधानों के अंकित मूल्य के ऊपर आधिक्य या कमी के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाएगा।

विनिधानों से संबंधित हानि लाभ का लेखा

2.121 विनिधानों के विक्रय पर लाभ को शुद्ध राजस्व और विनियोजन लेखा में जमाखाते किया जाएगा। इसी प्रकार से यदि प्रतिभूतियों के परिपक्व होने पर कोई निर्मोचन प्रीमियम प्राप्त होता है तो वह भी शुद्ध राजस्व और विनियोजन लेखा में जमाखाते किया जाएगा। विनिधानों के विक्रय से हानि को शुद्ध राजस्व और विनियोजन लेखा में जमाखाते किया जाएगा। किसी निधि के मद्धे विनियोजनों की दशा में, लाभ के लिए जमाखाना या हानि के लिए नामखाना राजस्व लेखा में नहीं किया जाएगा बल्कि संबंधित निधि खाने में ही किया जाएगा।

### IV अन्य लेखा क्षेत्र

विदेशी करेंसी संव्यवहार

2.122 जब बोर्ड को लेखा बहियों में विदेशी करेंसी संव्यवहार पहली बार अधिविनिधित किया जा रहा हो, तब विदेशी करेंसी संव्यवहार से प्रोद्भूत भास्त्रियां, दायित्व, घाय या व्यय संव्यवहार की तारीख को प्रवृत्त सरकारी विनियम दर पर परिवर्तित किया जाएगा।

2.123 तुलनपत्र की तारीख को बोर्ड द्वारा विदेशी मुद्रा में देय या प्राप्त सब रकमों (जिसके अंतर्गत स्थायी भास्त्रियों के संबंध में दायित्व भी हैं) तुलनपत्र की तारीख को प्रवृत्त सरकारी विनियम दर पर परिवर्तित की जाएगी यदि ऐसे परिवर्तन पर हिसाब लगाई गई रकम उस रकम से भिन्न है जो प्राप्ति या दायित्व की बाबत लेखा-बहियों में दर्शाई गई है तो ऐसा अन्तर बहियों में निम्नलिखित रूप में अधिविनिधित किया जाएगा:—

- (1) प्राप्ति की रकम में वृद्धि या दायित्व की रकम में कमी लाभ के रूप में बरती जाएगी और विनियम अन्तर आरक्षित में जमाखाने किया जाएगा।
- (2) प्राप्ति की रकम में कमी या दायित्व की रकम में वृद्धि हानि के रूप में बरती जाएगी और विनियम अन्तर आरक्षित में नामे खाते की जाएगी। यदि इस प्रकार से नामेखाते करने के परिणामस्वरूप, आरक्षित लेखा में शुद्ध अतिशेष नामेखाते अधिशेष है तो नामेखाते अधिशेष पर रकम उस वर्ष के लिए 'विनियम दर अन्तर से हानि' के रूप में राजस्व पर प्रभावित की जाएगी।

वास्तव में प्राप्त संकलन रकम और उक्त रकम के बीच अन्तर जो बाडो में उक्त मद पर दर्शाई गई है, ऊपर वर्णित रीति में ही बरती जाएगी।

2.124 जहां स्थाय और उक्त करेंसी के बीच, जिसमें दायित्व का निष्पादन किया जाना है, पुनर्मूल्यांकन या अवमूल्यांकन एवं बार में इस

प्रतिष्ठित से अधिक हो तो उसे उपर उल्लिखित रीति के अनुसार नहीं बढ़ता जाएगा। ऐसी स्थिति में लेखाक्रम से संबंधित नीति निम्नलिखित होगी—

- (1) विदेशी करों की दायित्व की रकम में वृद्धि या कमी दायित्व द्वारा बिल पोषित प्राप्ति के लिए लागत में वृद्धि या कमी के रूप में लेखांकित की जाएगी।
- (2) जहाँ वेरा 2.65 में अवधारण का भूतलकी प्रभाव से पुनः हिमाब लगाने के लिए अधिकृतित हों पूरी हो जाए बहा आस्तियों के लिए पूर्व वर्षों के अवधारण का भी पुनः हिमाब लिया जाएगा।

भाग, बाढ़, तूफान आदि से हानि

2.125 बाढ़, तूफान, भाग आदि के कारण सब हानियों को उस वर्ष के लिए हानि के रूप में बढ़ता जाएगा जिस वर्ष हानि हुई है। ऐसे प्रभाव से राजस्व में निम्नलिखित को कम कर दिया जाएगा—

- (1) जहाँ आस्तिया किसी बाहरी बीमाकर्ता के साथ बीमाकृत है वहाँ बीमाकर्ता द्वारा मजूर किया गया बीमा दावा।
- (2) जहाँ बोर्ड स्वबीमा पद्धति का अनुमरण करता है वहाँ मजिन आरक्षित की रकम।
- (3) हानि का वहन करने के लिए, सरकार आदि से विनिर्दिष्ट रूप से प्राप्त सहायकी, प्रावि कोई है।

उपर उप-मध (2) निर्दिष्ट मामले आस्तियों की बाबत अलग रखी गई आधिक्य की रकम, यदि कोई है, राजस्व खाते में पुनः लिखी जाएगी।

आय-कर

2.126 बोर्ड द्वारा सुसंगत कर विधि के उपबंधों के अनुसार उम्मीद आय या लाभों पर देय कर के लिए प्रत्येक वर्ष उपबंध किया जाएगा ऐसी उपबंधित रकम को वर्ष के लिए धारा 59 के अधीन आधिक्य की गणना करने के प्रयोजन के लिए बोर्ड के लाभ का हिसाब लगाने से पूर्व राजस्व में प्रसार के रूप में बढ़ता जाएगा।

2.127 दय कर की सुसना आय-कर के लिए उपबंधित रकम का कोई आधिक्य या कमी उस वर्ष के राजस्व लेखा जिस वर्ष में ऐसा आधिक्य या कमी पार्स जाती है, पूर्व अवधि जमा या पूर्व अवधि प्रभाव के रूप में बढ़ता जाएगा।

राजस्व के लिए लेखा तैयार करने की अवधि

2.128 विद्युत के विक्रय से राजस्व को प्रोद्धान आधार पर हिसाब में लिया जाएगा। इस प्रकार, राजस्व का लेखा उपभोक्ताओं से राजस्व के वास्तविक संग्रह की अवधि और विस्तार से पूर्णतया पृथक होगा। जहाँ वर्ष के अंत के पूर्व, विद्युत के विक्रय को बिल नहीं किया गया हो वहाँ इस प्रकार बिल न किए गए राजस्व के लिए, वर्ष के अंत उपबंध किया जाएगा जिससे कि उस रकम को विद्युत के प्रदाय से वर्ष में राजस्व के रूप में रकम माला जा सके।

उपभोक्ताओं के वसूली कतिपय मयों का लेखा

2.129 उपभोक्ताओं से वसूली कतिपय मयों को बढ़तने की बाबत लेखा नीति ऐसी प्रत्येक मय के प्रतिनिर्देश से नीचे अधिकृतित है—

#### (1) विद्युत शुल्क

उपभोक्ताओं से वसूल किया गया और सरकार को भेजा गया विद्युत शुल्क न तो बोर्ड की लागत है और न आय। अतः उसे राजस्व लेखा में पूरी तरह पृथक पृथक रखा जाएगा। वह निम्नलिखित अवधि जब सरकार को विद्युत शुल्क का संदाय करने का दायित्व प्रोद्भूत होता है हर राज्य के लिए पृथक पृथक होगी—यह दायित्व निर्धारण पर या संग्रहण पर उद्भूत हो सकता है। दोनों ही दशाओं में दायित्व को सही रूप में प्रस्तुत करने के लिए, उपभोक्ताओं पर निर्धारित किन्तु संग्रहण की गई

शुल्क की रकम और उपभोक्ताओं से संग्रह की गई किन्तु सरकार को न भेजी गई शुल्क की रकम लेखाओं में अलग अलग दर्शायी जाएगी।

#### (2) न्यूनतम प्रभाव

वित्त की अवधि के दौरान या वर्ष के दौरान विनिर्दिष्ट न्यूनतम उपभोग से कम उपभोग की वषा में उद्गृहीत न्यूनतम प्रभाव सुविधा की दृष्टि से, विद्युत के विक्रय से राजस्व के रूप में बढ़ता जाएगा अद्यपि वास्तव में उसका केवल एक अंश ही विद्युत के विक्रय से संबंधित है।

(3) कनेक्शन लेने में विलम्ब करने वाले आवेदकों पर उद्गृहीत न्यूनतम प्रभाव का लेखा

वे आवेदक जो अपनी परीक्षण रिपोर्ट में विलम्ब कर देते हैं, उनके लिए कई बार न्यूनतम प्रभाव का बिल तैयार किया जाता है अद्यपि उन्हें विद्युत का प्रदाय नहीं किया गया है। ऐसी आय को 'उपभोक्ताओं से प्रकीर्ण प्रभाव' के रूप में बढ़ता जाएगा। इस मय में प्राप्त की गई रकम को 'विद्युत के विक्रय के विभिन्न देनदार' से पृथक खाते में हिमाब में लिया जाएगा।

#### (4) समय पर संदाय करने के लिए दी गई छूट का लेखा

निश्चित तारीख पर समय से संदाय करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में उपभोक्ताओं को दी गई नगद छूट की लागत के रूप में बढ़ता जाएगा और राजस्व लेखा में इस रूप में पृथक में दर्शाया जाएगा।

#### (5) देर से संदाय के प्रभावों का लेखा

देर से संदाय के लिए उपभोक्ताओं से वसूल किए गए प्रभावों को विद्युत के विक्रय से राजस्व के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए अद्यपि पृथक से दर्शाया जाना चाहिए क्योंकि वे विभिन्न प्रभावों की प्रकृति के रूप में ही अधिक है।

#### (6) विद्युत की चोरी के बिलों के लिए लेखा

विद्युत की चोरी के लिए वसूल किए गए बिलों में होने वाली आय, चाहे वह किसी उपभोक्ता से हो या बाहरी व्यक्ति से आय के रूप में बढ़ती जाएगी और ऐसे राजस्व के लिए उपबंधित एक पृथक लेखा धीरे-धीरे अधीन दर्शाई जाएगी।

प्राप्त किए गए और हस्तगत बैंकों का नगदी के रूप में माला जाना

2.130 प्राप्त बैंकों और बैंक ड्राफ्टों को तब तक नगदी के रूप में बढ़ता जाएगा जब तक वे बैंक में जमा नहीं कर दिए जाते तथा लेखाधर्म में उन्हें 'हाथ नगदी' के रूप में सम्मिलित किया जाएगा। अतः ऐसे बैंकों और ड्राफ्टों का बैंक में रखा जाना बैंक लेखा में नगदी जमा करने के रूप में माला जाएगा।

सहायकिया

2.131 बोर्ड को किसी विनिर्दिष्ट प्रकार की सक्रिय करने या कोई विनिर्दिष्ट कार्यवाई अपनी ही धोर से करने की या उस निकाय के निर्देशों के अधीन, जिससे कोई सहायकी बोर्ड को प्राप्त होती है, करने की लागत की सुसना में राजस्व में कमी को लागत या पूर्णतः पूरा करने के लिए प्राप्त होने वाली सहायकिया राजस्व लेखा में जमा खाते की जाएगी।

2.132 ऐसे सहायकिया जिनकी प्राप्ति बोर्ड द्वारा कतिपय शर्तों का समाधान करने पर निर्भर है, तब तक राजस्व लेखा में जमा खाते नहीं की जाएगी जब तक बोर्ड ऐसी सब शर्तों का समाधान नहीं कर देता।

2.133 जहाँ राजस्व की प्रकृति की किसी सहायकी के लिए कोई दावा किया जाता है किन्तु दावे की मजूरी की कोई सुसचना उस समय तक प्राप्त नहीं होती है वहाँ सालू वर्ष के लिए और गत वर्षों के लिए वसूली रकम आरक्षित अनुसूची में कटौती के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।

उपबंध 4—लेखाओं का नया प्ररूप प्रपत्राने पर प्रक्रिया

लेखाओं का नया प्ररूप प्रपत्राने पर प्रक्रिया

1. लेखाओं के नये प्ररूप के कार्यान्वयन में, अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित बातें होंगी :

- (1) विहित मूल लेखा सिद्धांतों और नीतियों का प्रपत्राया जाना
- (2) लेखाओं के विहित चार्ट का अपनाया जाना
- (3) विहित प्रारूपों में वार्षिक लेखा विवरण का संकलन।

विहित मूल लेखा सिद्धांतों और नीतियों का प्रपत्राया जाना

2. विहित मूल लेखा सिद्धांत और नीतियां केवल भविष्यलक्षी रूप से लागू की जाएंगी, अर्थात् केवल उस संव्यवहारों को लागू होंगी जो प्रभावी तारीख के पश्चात होते हैं।

3. पूर्व भवित्तियों से संबंधित किन्हीं संव्यवहारों से परिणामित राजस्व या व्यय को, पूर्व भवित्तिये धाय या व्यय के रूप में प्रकट किया जाएगा।

4. नितियां, जैसे ऋण की गई सामग्री के मूल्यांकन का आधार केवल भविष्यलक्षी संव्यवहारों को लागू होंगी। किन्तु निर्गमों के मूल्यांकन का मूल्यांकन विहित आधार प्रभावी तारीख को हाथ स्टॉक में किए गए निर्गमों को भी, प्रासानी और एकरूपता की दृष्टि से, लागू किया जा सकता है यदि स्टॉक का मूल्यांकन विहित आधार से बहुत अधिक भिन्न आधार पर नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में होने वाले साधारण अंतरों को उस वर्ष के वार्षिक लेखाओं में, जिसमें लेखाओं के नए रूप को प्रपत्राया जाता है और जिसमें समायोजित किये जाते हैं, प्रकट करके उचित रूप से बढ़ता जाएगा।

व्याज और अवक्षयण के लिए भूतलक्षी समायोजन

5. तथापि, व्याज और अवक्षयण के संबंध में, भूतलक्षी समायोजन किया जाएगा। अधिनियम की धारा 67 और 68 के अधीन, विद्युत (प्रदाय) संशोधन अधिनियम, 1983 द्वारा उनमें संशोधन किए जाने के पूर्व, अवक्षयण का प्रभाव केवल उस प्रतिरिक्त राशि तक निर्बंधित था जो धारा 67 के अधीन विनियोगों के पश्चात् उपलब्ध होनी थी इसी प्रकार से, राज्य सरकार के अधीन पर व्याज को अधीन के संदाय के लिए ऋणसंभोल के सृजन की तुलना में निम्नतर प्रतिक्रिया प्राप्त थी।

6. इन उपबंधों के परिणामस्वरूप, बोर्डों ने अधीन के प्रति संदाय के लिए ऋण संभोलों का सृजन किया है यद्यपि व्याज और अवक्षयण के भारी बकाया राजस्व पर प्रभावित करने शेष हैं।

7. प्रत्येक बोर्ड प्रभावी तारीख से ठीक पूर्ववर्ती तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपने लेखाओं को पुनः खोलेंगे। इन लेखाओं में निम्नलिखित समायोजन किए जाएंगे :

- (1) किसी लेखा में बकाया अधीन के प्रति संदाय के लिए आरक्षित या ऋणसंभोल की पूरी रकम, चाहे वह किसी भी नाम के हो, एक पुनर्संरचना लेखा में जमा खाते की जाएगी।
- (2) अवक्षयण और व्याज के सभी बकाया पुनर्संरचना लेखा में नामे खाते किए जाएंगे।
- (3) पुनर्संरचना लेखा का शुद्ध प्रतिशेष चाहे वह नामे खाते हो या जमा खाते उस वर्ष के, जिसमें विहित लेखा नीतियां प्रभावी की जाएं, शुद्ध राजस्व और विनियोजन लेखा में अंतरित किया जाएगा।
- (4) उक्त लेखाओं को बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के पश्चात् ही खोला जाएगा
- (5) प्रभावी तारीख के पश्चात समाप्त होने वाले प्रथम वर्ष के

बोर्ड के वार्षिक लेखाओं में एक टिप्पण भी सम्मिलित किया जाएगा जिसमें, पूर्व वर्ष के लेखाओं में किए गए समायोजनों की दृष्टि से, "पुनर्संरचना लेखा" होगा।

लेखाओं के विहित चार्ट का अपनाया जाना

8. लेखाओं का विहित चार्ट निम्नलिखित रूप में प्रपत्राया जाएगा।

(1) प्रभावी तारीख के पश्चात होने वाले सब राजस्व, व्यय, लाभ और हानियां विहित लेखा शीर्षों के अधीन लेखांकित की जाएगी।

(2) (क) सुलभपक्ष लेखाओं में प्रभावी तारीख को प्रतिशेषों का, जहां कहीं आवश्यक हो, विस्तारण किया जाएगा और, जहां तक संभव हो, उन्हें प्रान्तियों, वारिंटों, आरक्षितियों और आरक्षित निधियों के लिए विहित लेखा शीर्षों के अधीन पुनः दर्शाया जाएगा।

(ख) जहां बकाया प्रतिशेषों (या प्रतिशेष के किसी भाग) के संबंध में जानकारी उपलब्ध न होने के कारण प्रतिशेषों को (या पृथक रूप से प्रतिशेष के भाग को) इसी प्रकार से पुनः दर्शाया जाना संभव नहीं हो, वहां

(i) प्रत्येक बोर्ड आवश्यक लेखा शीर्षों का प्रयोग प्रारंभ करेगा, अर्थात् ऐसे प्रतिशेषों या प्रतिशेषों के भागों को उनमें अंतरित करेगा जिन्हें दर्शाया न जा सका हो, और

(ii) प्रभावी तारीख के पश्चात ऐसे संव्यवहारों का जो पूर्णतया या भागतः किन्हीं पूर्वतर प्रतिशेषों को समाप्त कर देते हैं, बोर्ड द्वारा प्रारंभ किए गए ऐसे लेखाओं के अधीन लेखांकित किया जाएगा।

(ग) ऊपर के खण्ड (ख) (ii) में विनिर्दिष्ट से भिन्न सभी संव्यवहार लेखाओं के विहित चार्ट के अधीन सुसंगत लेखा शीर्षों के अंतर्गत लेखांकित किए जाएंगे।

(घ) प्रभावी तारीख से तीन वर्ष की अवधि के पश्चात, ऊपर बताए गए अनुसार बोर्ड द्वारा प्रारंभ किए गए लेखाओं में समाप्त न हुए मत गतिशेषों को संबंधित लेखा शीर्षों की प्रकृति और संबंधित रकम के महत्व के आधार पर भरता जाएगा।

(3) प्रभावी तारीख को अंतर यूनिट लेखाओं में के प्रतिशेष यदि कोई है, जहां तक संभव हो वहां तक, पुनः मिलाए जाएंगे। ऐसे प्रतिशेषों के मेल न होने वाले धनो को ऐसे कारणों पर विचार करने के पश्चात, भरता जाएगा, जैसे संबंधित लेखा यूनिटों के बीच सामान्यतया होने वाले अंतर-यूनिट संव्यवहारों के प्रकार, संबंधित लेखा यूनिटों पर की जाने वाली संक्रियाएं (सनिर्माण या संक्रियाएं और अनुरक्षण) और संबंधित रकमों का महत्व

पुनरोचित पारूप में वार्षिक लेखा विवरण का संकलन

9. प्रभावी तारीख के ठीक पश्चात समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के वार्षिक लेखा विवरण में जैसा कि बोर्ड द्वारा प्रंगीकार किया गया है, निम्नलिखित विशिष्टियों से युक्त एक टिप्पण सम्मिलित होगा।

(1) पुनः दर्शाए गए प्रतिशेष (अर्थात्, पुनः दर्शाई गई रकम और वह पूर्वतर लेखा शीर्ष जिससे और वह नए लेखा शीर्ष जिसमें प्रतिशेष को पुनः दर्शाया गया है) और

(2) ऊपर बताए गए अनुसार बोर्ड द्वारा प्रारंभ किए गए लेखाओं में प्रतिशेषों का अंतरण जो पुनः दर्शाए नहीं जा सके हों)।

ऐसे प्रतिशेष, जहां तक संभव हो, इस प्रकार से समूहित किए जाएंगे कि वे पुनरीक्षित वार्षिक लेखाओं के पारूपों के अंतर्गत प्रेषित प्रकटिकरणों के मोटे तौर पर अनुसृत हों।

10. प्रभावी तारीख के ठीक पश्चात् समाप्त होने वाले प्रथम चार वर्षों में से प्रत्येक के लिए बोर्ड अपने वार्षिक लेखाओं में निम्नलिखित विवरणों से युक्त एक टिप्पण भी सम्मिलित करेगा—

- (1) ऊपर पैरा 8 के उप पैरा 2 (ख) (i) के अनुसार बोर्ड द्वारा प्रारंभ किए गए लेखाओं में से प्रत्येक संवत् की गई प्रतिशेषों की रकम।
- (2) निम्नलिखित अवधियों के दौरान, प्रर्थात्—

वर्ष के दौरान

ऊपर पैरा 8 के उप पैरा 2 (ख) (ii) के अनुसार प्रभावी तारीख के पश्चात् समाप्त हुए एक या अधिक पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान,

संयमहारों द्वारा समाप्त किए गए गत अतिशेषों की रकम या रकमों का योग।

- (3) प्रभावी तारीख के पश्चात् तीसरे वर्ष की समाप्ति पर समाप्त न हुए बकाया गत प्रतिशेष और वह रीति जिससे उन्हें ऊपर पैरा 8 के उप पैरा (2) (ख) में वर्णन के अनुसार बरता गया है, और
- (4) संतर्पणित लेखाओं में मेल न खाए प्रतिशेष और वह रीति जिससे उन्हें ऊपर पैरा 8 के उप पैरा (3) में वर्णन के अनुसार बरता गया है।

11. लेखाओं के विहित नए प्रारूप को अपनाने की अवधि के दौरान पैरा 7 के उपपैरा (5), और पैरा 9 तथा पैरा 10 के अनुसार प्रयोजित अतिरिक्त टिप्पण वार्षिक लेखा विवरण के भाग होंगे।

12. प्रभावी तारीख के पश्चात् प्रथम तीन वर्षों के वार्षिक लेखाओं में बोर्ड द्वारा प्रारंभ किए गए लेखाओं में बकाया गत प्रतिशेष (जिन्हें पुनः दर्शाया न जा सका हो) सुतनपत्र की उपयुक्त अनुसूचियों में पृथक् रूप से प्रकट किए जाएंगे।

उप.बन्ध—

लेखा संयमहारों से संबंधित प्रक्रियात्मक विषय

राज्य विद्युत बोर्डों के लेखा संयमहारों से संबंधित प्रक्रियात्मक विषय निम्नलिखित भागों में वर्गीकृत किए गए हैं

भाग	विषय
1.	पूँजी व्यय और स्थिर धास्तियाँ
2.	ईंधन और सामग्री लेखा
3.	उदार और विनिधान.
4.	ग्रन्थ लेखा क्षेत्र

1. पूँजी व्यय और स्थिर धास्तियाँ

1.1 पूँजी धास्तियों के सन्निर्माण, प्रयोजन और धनुरक्षण पर व्यय की बाबत प्रक्रियात्मक विषयों को इस भाग में अधिकृत किया गया है।

पूँजी धास्तियों की लागत—“वास्तविक लागत” आधार से विचलन

1.2 उपबन्ध 3 के पैरा 2-4 को और ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें यह कथित है कि पूँजी धास्तियों की लागत में उन सभी “वास्तविक लागतों” को सम्मिलित किया जाएगा जो उपयोग के लिए धास्तियों को तैयार करने में उपगत हुई हो। किन्तु पूँजी धास्तियों के लेखा के “वास्तविक लागत आधार” से विचलन निम्नलिखित दशाओं में किया जा सकेगा :—

1. सदान/धनदान के रूप में प्राप्त धास्तियाँ

सदान के रूप में प्राप्त धास्ति का लेखा उचित बाजार मूल्य पर दिया जाएगा। उचित बाजार मूल्य को, धास्ति की लागत के रूप में नादे खाते डाला जाएगा और उसे “दान पूँजी धास्ति लेखा” में जमा किया जाएगा जिसे “भारक्षिति” के रूप में सम्मिलित किया जाएगा और उन्हें उसी रीति में माना जाएगा जैसा कि पूँजी धास्तियों की लागत में भविष्य, धनदान और साहायिकी को माना जाता है। ऐसी दान की गई धास्तियों को, जो कतिपय वर्तों के अधीन हैं, स्थिर धास्ति ही माना जाएगा किन्तु उन्हें पाद-टिप्पण के रूप में प्रकट किया जाएगा जिसमें ऐसी धास्ति के मूल्य को उपदर्शित किया जाएगा। धनदान के रूप में प्राप्त धास्तियों का लेखा, दान की गई धास्तियों के समान रीति में दिया जाएगा।

(2) धास्तियों का विनियम

जहाँ किसी धास्ति का विनियम दूसरी धास्ति के किया जाता है वहाँ अभ्यर्पित धास्ति को उसके उचित बाजार मूल्य पर व्ययनित किया गया समझा जाएगा। उचित बाजार मूल्य के आधार पर प्राप्ति या हानि का लेखा साधारण अनुक्रम में दिया जाएगा। विनियम में अर्जित धास्ति की लागत अभ्यर्पित धास्ति का बाजार मूल्य समझी जाएगी किन्तु उसमें कोई दिया गया अतिरिक्त प्रतिफल घटा दिया जाएगा या प्राप्त किया गया कोई अतिरिक्त प्रतिफल जोड़ दिया जाएगा।

3. पट्टाधृति धास्तियाँ

धास्तियों के लिए पट्टा अधिकार अर्जित करने पर संदेय पट्टा प्रीमियम को, पट्टाधृति धास्तियों की लागत के रूप में समझा जाएगा। ऐसी लागत पर अवक्षयण उस रीति में प्रभावित किया जाएगा जो पट्टाधृति धास्तियों पर अवक्षयण के लिए विहित है। पट्टाधृति धास्तियाँ पर संदेय कालिक माटक उस वर्ष में राजस्व पर प्रभावित किया जाएगा जिस वर्ष में माटक उदभूत होते हैं। यदि कोई ऐसी धास्ति के लिए पट्टाधृति अधिकार अर्जित करता है जिसका प्रीमियम नहीं है या नगण्य है तो धास्ति का उचित बाजार मूल्य अवधारित किया जाएगा और धास्ति का उचित बाजार मूल्य कथित करने के लिए अपेक्षित रकम धास्ति के नामेखाते डाली जाएगी और “पट्टाधृति धास्तियों के लिए वायित्व” खाते में जमा खाते की जाएगी। पट्टाधृति धास्तियों के उचित बाजार मूल्य का पट्टा अवधि के अवक्षयण किया जाएगा। इसके साथ ही बहियों में दर्ज वायित्व की रकम का अनुपातिक रूप में समापन भी किया जाएगा। पट्टा अवधि के अंत में, लेखाओं में वायित्व पूर्णतः समाप्त हो चुकेगा और लागत के रूप में खाताबद्ध उचित बाजार मूल्य के बराबर अवक्षयण के लिए उपबंध का सुजन हो चुकेगा। पट्टाधृति को धास्तियाँ लौटाने पर इस उपबंध को धास्तियों की लागत की राशि से मुजरा कर दिया जाएगा जिसके दोनों खातों को बंद किया जा सके।

1.3 संकर्म पर प्रभार्य कर्मचारी लाभ

पूँजी संकर्म पर प्रभार्य कर्मचारी लागत को अवधारित करने के प्रयोजनार्थ, कर्मचारी लागत के निम्नलिखित वर्गीकरण को अपनाया जाएगा :—

(1) ऐसे सन्निर्माण प्रभागों/सन्निर्माण सरकलों/सन्निर्माण सामान प्रभागों/सन्निर्माण कर्मशालाओं आदि में अभिलिखित कर्मचारी लागत में, जहाँ संगठन और पद्धति से संबंधित कोई क्रिया-कलाप नहीं किया जाता है, निम्नलिखित लागतें सम्मिलित होंगी :—

(क) उत्पादी कर्मचारिवृन्द लागत।

(ख) वर्ष भर उस स्थान पर अभिनियोजित स्थायी कर्म-चारिवृन्द की लागत।

(ग) वर्ष के भाग के लिए अभिनियोजित स्थायी कर्मचारिवृन्द की लागत।



ऐसे मामलों में, उदाहरणार्थ, यह हो सकता है कि किसी कर्मचारी के दो मास के वेतन आदि को, जब वह यहाँ खाताबद्ध किया जाता है अभिनियोजित था, किन्तु बोनस और छुट्टी यात्रा भत्ता या भ्रजित छुट्टी के बदले नकद प्राप्ति (जिसका एक भाग उन दो मासों से संबंधित है) जैसे वार्षिक संचय किसी ऐसे संचयों के समय अभिनियोजित है। किसी अन्य कर्मचारी की दशा में बोनस जैसे पूरे वर्ष का वार्षिक संचय सन्निमणि एकक में संदत और अभिलिखित किया जा सकता है यद्यपि उसने वहाँ चार मास ही कार्य किया हो। ऐसी छोटी अशुद्धियों के लिए किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं है।

(2) ऐसे लेखा एककों में, जिसमें संगठन और पद्धति तथा सन्निमणि संबंधी कार्य दोनों होते हैं, कर्मचारी लागत में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

- (क) ऐसे अस्थायी श्रमिकों, पर्यवेक्षकों की लागत जिन्हें एक या अधिक पूँजी कार्य के लिए विनिर्दिष्ट रूप से प्रतिधारित किया गया है।
- (ख) अतिरिक्त परिलब्धियाँ (जैसे परियोजना भत्ता) जो संगठन और पद्धति कर्मचारिवृत्त को किसी स्थान पर, पूँजी परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने के लिए दी गई हैं।
- (ग) ऐसे स्थायी कर्मचारिवृत्त की जो प्रधान कार्यालय में अग्रन्त्यतः या सम्पूर्णतः सन्निमणि कार्यों, यथा परियोजना अनुभाग, डिजाइन अनुभाग, आदि में अभिनियोजित किए गए हैं, प्रभाग के परियोजना लेखा कर्मचारिवृत्त की, विद्युत केन्द्र के, जहाँ दो एकक कार्यरत हों और तीसरा एकक स्थापित किया जा रहा है, के सन्निमणि इञ्जीनियर की पूँजी भंडार कर्मचारिवृत्त की यदि ऐसा पृथक भंडार स्थापित किया गया है और ऐसे ही अन्य कर्मचारिवृत्त की लागत।
- (घ) ऐसे कर्मचारी जो बिना किसी अतिरिक्त परिलब्धियों के पूँजी तथा संगठन और पद्धति दोनों पर कार्य करते हैं।

1.4 विभिन्न आस्तियों पर कर्मचारिवृत्त लागत तथा व्यय के आबंटन की पद्धति :

कर्मचारिवृत्त लागत, सामग्रियों से संबंधित व्यय और अन्य व्यय जो पूँजी संकर्म पर प्रभावी है :—

1. यावत्साध्य बिशिष्ट पूँजी कार्य को परिलक्षित, किए जाएंगे।
2. जिसके न हो सकने पर, यावत्साध्य पूँजी कार्य के बिशिष्ट समूह को परिलक्षित किए जाएंगे और उस समूह के भीतर, मूल्य के आधार पर आबंटित किया जाएगा।
3. जिसके न हो सकने पर, यावत्साध्य परियोजना को परिलक्षित (और परियोजना के भीतर विभिन्न कार्यों पर मूल्य के आधार पर आबंटित किए जाएंगे)।
4. जिसके न हो सकने पर, प्रत्येक परियोजना के भीतर विभिन्न परियोजनाओं और विभिन्न कार्यों पर मूल्य के आधार पर आबंटित किए जाएंगे।

एक या अधिक कार्यों के लिए परिलक्षित किया जाना लभी होता चाहिए जब बिना किसी आबंटन के परिलक्षित किया जाना संभव हो। अन्य मामलों के मूल्यानुसार आबंटन अपेक्षित जाना चाहिए।

1.5 मूल्यानुसार आधार से अभिप्रेत है जब कार्य, परियोजना पर उस अवधि के दौरान उपगत पूँजी व्यय के रूप में पूँजीकरणीय व्यय

का आबंटन (त कि उस कार्य, परियोजना पर कुल पूँजी व्यय का % जिसमें आबंटन की पूर्ववर्ती अवधियों में उपगत व्यय सम्मिलित है)।

1.6 आबंटन के प्रयोजनार्थ पूँजी व्यय पद में प्रदाय-सह-संबिदा कार्य आदेश पर प्रगति संभाव्य सम्मिलित है जिन्हें पृथक खाते में अभिलिखित किया जाना है।

1.7 कर्मचारिवृत्त लागत का कोई भाग या पूँजी संकर्म पर प्रभावी अन्य व्यय, फर्नीचर, कार्यालय उपकरण और यानों पर हुए पूँजी व्यय या अनुवृत्ति के ग्रहण के लिए पूँजी व्यय पर आबंटित नहीं किए जाएंगे।

1.8 उस अवधि के दौरान प्रारंभ की गई आस्तियों के पूँजीकरण का कार्य, उस अवधि के दौरान उपगत कुल पूँजीकरणीय व्यय को अवधारित किए जाने तक लंबित रखने की प्रथाका नहीं की जा सकती। जहाँ कहीं आवश्यक हो, ऐसे पूँजीकरणीय व्यय के उचित आकलन का उपयोग करके आबंटन की पद्धति अपनायी जा सकती है।

1.9 पट्टाधृत आस्तियों के विकास की लागत

पट्टाधृत आस्तियों के विकास की लागत को एक पृथक लेखा में खाताबद्ध किया जाएगा और उसे पट्टाधृत आस्तियों की लागत में जोड़ा नहीं जाएगा।

1.10 भविष्य के संयंत्र स्थल के रूप में भूमि

भविष्य के संयंत्र स्थल के रूप में भूमि, ऐसी परियोजनाओं के लिए क्रय की जा सकती है जिन पर अभी कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है (उदाहरणार्थ ऐसी परियोजनाओं के लिए क्रय की गई भूमि जिसे मित्रांत रूप में मंजूरी दे दी गई है किन्तु वस्तुतः सर्वेक्षण जारी है) ऐसी भूमि की लागत को अग्रतिगामी पूँजी संकर्म खाते में नभिलाने किया जाएगा (परियोजना कोड 99-किसी विशिष्ट परियोजना कोड के प्रति परिलक्षित होने योग्य नहीं)।

1.11 भवन के साथ भूमि का क्रय।

जब कोई भवन भूमि के साथ क्रय किया जाता है वहाँ क्रय की लागत को तकनीकी और वाणिज्यिक मूल्यांकन के आधार पर भूमि और भवन के बीच आबंटित कर दिया जाएगा। यदि भूमि के लिए क्रय प्रतिफल का एक भाग भूमि में पट्टा अधिकार के लिए है तो उस भा. को पट्टाधृत भूमि के रूप में समुचित रूप से वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

1.12 ऐसी आस्तियाँ जो बोर्ड के पक्ष में हस्तांतरित किए जाने की प्रवृत्ति में हैं।

उस क्रय की गई आस्तियों को दशा में जिसमें औपचारिक हस्तांतरण में विलम्ब हो गया है और बोर्ड ने, इस संबंध, उस आस्ति का उपयोग करना शुरू कर दिया है तो आस्ति की लागत को स्थिर आस्ति के रूप में दर्जित किया जाएगा। आस्ति के स्थिर हस्तांतरण के तथ्य को, लेखाओं के टिप्पण के रूप में प्रकट किया जाएगा।

पूँजी आस्तियों की लागत के लिए अभिदाय, अनुदान और महावर्क :

1.13 पूँजी आस्तियों की लागत के लिए अभिदाय, अनुदान और महावर्क से संबंधित लेखा तैयार रखने की प्रक्रिया निम्नलिखित पैराओं में अंकित है।

1.14 उपभोक्ता अभिदाय।

उपबंध 3 के पैरा 2.14 का और ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें यह कथित है कि उपभोक्ता अभिदाय के रूप में प्राप्त राशि को उपभोक्ता अभिदाय के खाते में जमा किया जाएगा, यदि

1. राशि किसी ऐसी शर्त के अधीन नहीं है जिसे बोर्ड को पूरा करना है या राशि में संलग्न होने बोर्ड द्वारा पूरी की जा चुकी है।

## और

1. राशि का कोई भाग प्रतिदाय योग्य नहीं है और न उसके बोर्ड द्वारा प्रतिदाय किए जाने योग्य होने की संभावना है।

1.15 उपभोक्ता के अभिदाय या निक्षेप के रूप में बोर्ड द्वारा प्राप्त रकम का लेखा "निक्षेप संकर्म" के लिए, निक्षेप ऐसी" के माध्यम से तब तक तैयार किया जाएगा जब तक कि ऊपर उल्लिखित उपभोक्ता के अभिदाय के रूप में रकम को समझने के लिए ऊपर की दो मंती पूरी नहीं हो जाती और तब वह रकम उपभोक्ता के अभिदाय लेखा में अनर्पित हो जाएगी। यदि कोई रकम, प्रतिदाय योग्य हो जाती है तो "निक्षेप संकर्म" के लिए निक्षेप ए, सी" में से विकलित की जाएगी।

1.16 कतिपय राशिगर्वा अनुदान/सहायकी नहीं होगी

बोर्ड द्वारा प्राप्त कतिपय राशिगर्वा, पूंजी परियोजना पर पूंजीआस्तियों या प्रयोजन की लागत के प्रतिनिर्देश से संगणित की जा सकेंगी किन्तु वे वास्तव में व्याज मुक्त उधार की प्रकृति की हैं। ऐसी रकमें, पूंजी आस्तियों का लागत के लिए अनुदान या सहायक नहीं समझी जाएगी। लेखा में भिन्न प्रयोजना के लिए छोटे और कम मूल्य की मदों का (जिनमें से प्रत्येक की लागत 500 रुपये या कम है) का व्यवहार।

1.17 परियोजना लागत प्राक्कलन के प्रयोजनों के लिए, कुल परियोजना लागत का रिपोर्ट करने के लिए, या परियोजना अनुमोदन तथा कार्यान्वयन के लिए, सक्षम प्राधिकारी का विनिश्चय करने के लिए, ऐसे सभी छोटे और कम मूल्य की मदों की लागत को परियोजना की लागत की रकम में सम्मिलित किया जाएगा और उनसे उसी रीति में व्यवहार किया जाएगा जिस प्रकार पूंजीकृत की जाने वाली बड़े मूल्य की आस्तियों में किया जाता है। उसी प्रकार ऐसी आस्तियों के अभिलेख, अभिरक्षा, संस्कारण और सत्यापन की बाबत नियंत्रण वही रहेंगे जो वर्तमान में उन आस्तियों पर किए जाते हैं।

1.18 विद्युत केन्द्र का कार्य प्रारंभ किया जाना

विद्युत स्टेशन का कार्य प्रारंभ करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं और जो इसी कारण विद्युत केन्द्र आस्तियों के पूंजीकरण के लिए लेखा नीति से संबंधित हैं, नीचे वर्णित हैं।

1. पाइपों का प्लग किया जाना, अम्प से वायरर की सफाई, पाइपों की अम्प से सफाई, लाइनों की स्टीम इन्वोइंग, जनित्र आदि से नमी का मुकाबला जाना प्रकार के क्रियाकलाप संयंत्र को प्रारंभ करने के पूर्व से समझे जाएंगे।
2. संयंत्र के अलग-अलग खंड का परीक्षण उदाहरणार्थ संरक्षण प्रणाली का परीक्षण, जल शक्तिजन प्रणाली का परीक्षण आदि, संयंत्र के प्रारंभ करने से पूर्व की गई समझी जाएगी।
3. सम्पूर्ण संयंत्र के मासिक परीक्षण (जो तब जब टरबाइन जनित्र को वायरर तथा अन्य संयंत्र के साथ परीक्षण पर लाया जाता है तो भर्तन के रोलन के रूप में ज्ञात है) परीक्षण प्रक्रम प्रारंभ हुआ समझा जाएगा।
4. परीक्षण प्रक्रम उच्च भाग के अंत में समाप्त समझा जाएगा जिसके दौरान तथा जनित्र स्टेशन, प्रथम बार 'उपलब्धता कारक' प्राप्त कर लेता है जो पूर्ववर्ती भाग से बोर्ड के सभी अन्य जनित्र स्टेशनों के औसत उपलब्धता कारक" के बराबर या अधिक है।

इस प्रयोजन के लिए, उपलब्धता कारक निम्नलिखित रीति से संगठित किया जाएगा।

भास के दौरान कुल घंटे के घंटे  $\times 100$   
भास के दौरान घंटा के अनुसार कुल घंटे

(अर्थात् भास के दौरान दिनों की संख्या  $\times 24$  घंटे)

बोर्ड के सभी अन्य जनित्र स्टेशनों के औसत उपलब्धता कारक को निम्नलिखित रूप से संगणित किया जाएगा।

प्रत्येक अन्य जनित्र स्टेशन  
के चलने के कुल घंटों का योग

भास के दौरान घंटे के  $\times 100$

अनुसार कुल घंटे  $\times$  अन्य जनित्र स्टेशनों की संख्या

5. नए जनित्र स्टेशन के परीक्षण प्रक्रम का समापन, बोर्ड के उच्चतम तकनीक प्राधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित किया जाएगा।

6. ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाने पर, नए जनित्र स्टेशन की वे सभी आस्तियाँ जो उपयोग में लाई जाती हैं पूंजीकृत की जाएगी। आस्तिया का लागत का स्थिर आस्ति लेखा में अनर्पित कर दिया जाएगा। इस संबंध में सामान्य मुविधाओं, आस्तियों और कम उपयोग की गई आस्तियों का पूर्ण लागत को भी पूंजीकृत किया जाएगा।

1.19 परीक्षण लाइन और सब-स्टेशनों का प्रारंभ किया जाना

परीक्षण लाइन और सब-स्टेशनों को प्रारंभ किए जाने में परीक्षण प्रक्रम होगा। तथापि, जनित्र स्टेशनों से भिन्नता यह है कि इससे कोई राजस्व नहीं आता और परीक्षण प्रक्रम के दौरान उपलब्धता कारक बहुत अधिक नहीं होता। अतः परीक्षण लाइन और सब-स्टेशनों को प्रारंभ करने के परिभाषा में कोई परीक्षण प्रक्रम मान्य नहीं होगा।

1.20 परीक्षण लाइन उस भाग के अंत में प्रारंभ हुआ समझा जाएगा जिसके दौरान यह उपलब्धता कारक प्राप्त कर लेता है जो "बोर्ड के सभी अन्य परीक्षण लाइनों के औसत उपलब्धता कारक" के बराबर या अधिक है।

1.21 उपलब्धता कारक प्राप्त करने पर सब-स्टेशन को भी प्रारंभ हुआ समझा जाएगा जैसा कि परीक्षण लाइनों की दशा में होता है। दोनों ही दशाओं में उनका प्रारंभ किया जाना, बोर्ड के उच्चतम तकनीक प्राधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित किया जाएगा।

1.22 परीक्षण प्रक्रम के दौरान जनित्र स्टेशन के राजस्व का अवधारण।

ऐसी पूंजीकरण अवधि के दौरान जो परीक्षण प्रक्रम की पूर्ण अवधि है या परीक्षण प्रक्रम के प्रारंभ से तीन मास की अवधि है (दोनों से जो भी अफर है) राजस्व की संगणना निम्नलिखित रीति से की जाएगी।

पूँजीकरण अवधि के दौरान उत्पादित यूनिट	$\times$	$\times$
घटाएँ सहायक खपत	$\times$	
जोशे गई शुद्ध यूनिट	$\times$	$\times$
घटाएँ टी एच डी शक्तियाँ जो पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान बोर्ड से टी और डी शक्तियों के % पर संगणित है		$\times$
बैचा मानक गई यूनिट	$\times$	
निम्नलिखित द्वारा गुणा किया जाएगा		
पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान प्रति यूनिट बोर्ड के औसत बिलों	$\times$	
संगणना के पश्चात् प्राप्त राशि को पूँजीकरण अवधि के दौरान, राजस्व समझा जाएगा।		
अवधारण		

1.23 स्थिर आस्तियों पर अवधारण पर लेखा नीति से संबंधित अधिसूचना विषयों को निम्नलिखित पैराओं में वर्णित किया गया है।

1. 24 अवशयन प्रभावित करने के लिए साधारण कपरेखा

अवशयन प्रभावित करने के लिए साधारण कपरेखा निम्नलिखित है—

1. सीमा साइन पद्धति पर अवशयन प्रभावित करने की विद्यमान प्रथा जारी रहेगी।
2. स्थिर आस्तियों की लागत के 30% का 'आस्ति के प्राक्कलित उपयोगी जीवन' पर अवशयन किया जाएगा।
3. "आस्ति का प्राक्कलित उपयोगी जीवन" केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा विहित होगा, उन आस्तियों की बाबत जिसमें केन्द्रीय सरकार ने कोई अवधि विहित नहीं की है, राज्य सरकार द्वारा यथा विहित होगा।
4. किसी आस्ति पर उस वर्ष में अवशयन का उपबंध नहीं किया जाएगा जिसमें बोर्ड द्वारा उसका प्रथम बार उपयोग किया जाता है।
5. किसी आस्ति पर तब भी अवशयन प्रभावित किया जाएगा जब उस वर्ष में बोर्ड द्वारा स्थायी रूप से उसका उपयोग बंद कर दिया जाता है।

विहित "प्राक्कलित उपयोगी जीवन" का कालिक पुनर्विवेकन

1. 25 के ग्रीक सरकार, समय-समय पर, उसके द्वारा विहित आस्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवन में परिवर्तन की किसी आवश्यकता का मूल्यांकन करेगी जो देश के विभिन्न बोर्डों द्वारा साधारणतया उपयोग में आई गई आस्तियों में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपेक्षित हो। इस कार्य के निष्कर्षों के आधार पर ऐसे परिवर्तन, आस्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवन की विहित अवधि की अनुसूची में किए जाएंगे जैसा कि केन्द्रीय सरकार आवश्यक समझे। प्राक्कलित उपयोगी जीवन की विहित अवधि की अनुसूची में सभी परिवर्तन, भविष्यवाणी होंगे और वे केवल पञ्चात्पूर्वी वर्षों के लिए ही लागू होंगे।

सामान्य निवृत्ति तारीख की आस्तियाँ

1. 26 वह क्षेत्र जिसमें "सामान्य निवृत्ति तारीख वाली आस्तियाँ" की धारणा प्रचलित होगी, किसी जनित्र संयंत्र में, मख-मेशिनों या गारेयन मशीनों में पञ्चात्पूर्वी परिवर्तन है, जिसका परिणाम ऐसे आस्तियों के रूप में होता है जो पहले संस्थापित आस्तियों के साथ निवृत्ति होती, यद्यपि इस प्रकार नहीं जोड़ी गई आस्तियों का प्राक्कलित उपयोगी जीवन उस समय समाप्त नहीं होता, इस धारणा की नीचे मोटाहूरण बताया गया है।

उदाहरण :

1. जल परिचालन प्रणाली का प्राक्कलित जीवन यदि 25 वर्ष और जनित्र संयंत्र का 15 वर्ष है।
2. किसी जनित्र संयंत्र में जल परिचालन की पूर्णतः नई व्यवस्था की आवश्यकता जनित्र संयंत्र के ग्यारहवें वर्ष में होती है, जिसका शेष जीवन 15 वर्ष है। (अर्थात् 25 वर्ष ऋण 15 वर्ष पर्यवसित)
3. जल परिचालन प्रणाली का साधारणतया 25 वर्ष में अवशयन हो जाना किन्तु इस मामले में नई जल प्रणाली पर व्यय का शेष 15 वर्षों में अवशयन किया जाना अपेक्षित होगा क्योंकि यह, जनित्र संयंत्र के अन्तिम 15 वर्षों में निवृत्त कर दिए जाने पर किसी काम का नहीं होगा।

किसी आस्ति के उपयोग के प्रयोजन में पञ्चात्पूर्वी परिवर्तन

1. 27 किसी आस्ति के उपयोग के प्रयोजन में परिवर्तन को, ऐसे परिवर्तन के पञ्चात्पूर्वी वर्षों में अवशयन प्रभावित करने के लिए, केवल मूल्यहीन रूप से मान्यता दी जाएगी। उदाहरणार्थ ईजल जनित्र सेट वाले भवन का 30 वर्षों में अवशयन किया जाएगा, ईजल तनियों को गहराई और अर्थ घोषित कर दिया गया है क्योंकि वे प्रौद्योगिकी के गतिकालिक और, मख भवन, कुछ उपयोगों के साथ कार्यालय के प्रयोजनों के लिए,

उपयोग किया जाता है (जिसके लिए प्राक्कलित जीवन 50 वर्ष है)। किसी आस्ति के उस प्रयोजन में परिवर्तन जिसके लिए उसका उपयोग, किया जाता है, प्राक्कलित उपयोगी जीवन में परिवर्तन, केवल भविष्य में अवशयन के लिए मान्य होगा।

1. 28 संश्लेषण के दौरान टूट-फूट : किसी ऐसे पथियोजना में जो 4 से 5 वर्षों की है, ऐसे आस्तियों के जा प्रथम वर्ष में, संश्लेषित हो गई हों, किन्तु जो अन्य आस्तियों के पूरा होने तक बेकार पड़ी रहें, आगामी 3 से 4 वर्षों में टूट-फूट में हों रहें हों। संश्लेषण प्रक्रम में ऐसे बेकार पड़ी आस्तियों का घिसाई के लिए कोई अवशयन प्रभावित नहीं किया जाएगा।

1. 29 अथ प्रभागों/सकिलों को स्थानांतरित आस्तियाँ : वर्ष के दौरान लेखा एकको के बीच स्थानांतरित आस्तियों की बाबत, वह लेखा एकक जिसके पास वर्ष के प्रारंभ में आस्तियाँ हो, स्थानांतरित आस्तियों पर पूरे वर्ष का अवशयन प्रभावित करेगा और स्थानांतरित स्थान (स्थानों) द्वारा उस वर्ष के लिए उन आस्तियों पर कोई अवशयन प्रभावित नहीं किया जाएगा।

आस्तियों की निवृत्ति, व्यर्थ घोषित किया जाना, गतिकालिक होना और विक्रय

1. 30 आस्तियों की निवृत्ति, व्यर्थ घोषित किया जाना, गतिकालिक होना और विक्रय से संबंधित लेखा नीतियों से संबंधित प्रक्रियात्मक विषय निम्नलिखित पैराओं में वर्णित हैं। ऐसे आस्तियों का विक्रय जिसके लिए अपलिखित मूल्य ज्ञात नहीं है।

1. 31 बोर्ड द्वारा बेची गई स्थिर आस्तियाँ, जिनके अपलिखित मूल्य ज्ञात नहीं हैं, बिना किसी हानि या लाभ के बेची गई समझी जाएंगी। अपलिखित मूल्य विक्रय आगम के समुत्पन्न समझा जाएगा।

1. 32 गतिकालिक हो जाने पर हानि के लिए उपबंध : बोर्ड द्वारा अवधारित अपनी किसी पूर्ण आस्तियों के गतिकालिक हो जाने से उद्भूत होने की आशयित हानि के लिए यदि कोई हो, चाहे ऐसी आस्ति कार्यरत हो या नहीं, उपबंध किया जाएगा। पूर्ण फालतू पुर्जों के गतिकालिक हो जाने से हानि के लिए का समान उपबंध किया जाएगा। इस उपबंध का उपयोग उन आस्तियों के व्यय/व्यर्थ घोषित किए जाने पर उद्भूत होने वाली हानियों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

1. 33 अनुज्ञापितधारी से गृहीत आस्तियाँ : अनुज्ञापितधारी से गृहीत आस्तियों के लिए विहित लेखा नीतियाँ, विवाद की दशा में मूल्यांकन के उपबंध को अपनाए जाने की अपेक्षा करता है। गृहीत आस्तियों के अंतिम मूल्यांकन पर निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

1. अंतिम मूल्यांकन में किसी कमी या वृद्धि को आस्तियों का लागत में समायोजित किया जाएगा।

2. छोटे और कम मूल्य की आस्तियों को अपलिखित किया जाएगा।

3. उन सभी अतिशेष आस्तियों पर जो पूर्ण हो गई हैं पर अवशयन उस तारीख से पुनः संगणित किया जाएगा जिसकी आन्तिका बोर्ड से विहित हो गई थी।

4. अन्तिम अवशयन और पुनः संगणित अवशयन के बीच अंतर को (व्यय-विधि) उस वर्ष के राजस्व लेखा में जमा किया जाएगा या विकलित दिया जाएगा जिसमें गृहीत आस्तियों का अंतिम मूल्यांकन किया जाता है। ऐसे विकलित या जमा को राजस्व लेखा में पूर्व अवधि अमिलामय प्रभाव के रूप में प्रकट किया जाएगा।

1. 34 ऊपर के पैरा में विहित अवशयन के पुनः संगणित में ऐसी आस्तियों के उपयोगों जीवन अवधि के प्राक्कलन में लिए गए परिवर्तन यदि कोई हो, सम्मिलित होंगे, जो अन्तिम अवशयन प्रभावित करने के लिए अपनाए गए थे। यह सब आवश्यक हो सकता है जब राज्य सरकार ने प्राक्कलित उपयोगों के अवधि नियम बर द हों। तथापि, यदि उपयोगों जीवन अवधि का अंतिम प्राक्कलन अवशयन को पुनः संगणित करने के पञ्चात् किया जाता है तो जीवन अवधि में परिवर्तनों

को बिना इतनासी संगणना के केवल अधिष्ठाता अध्यापन के लिए माफ़ता दी जाएगी।

1.35 सम्मेलन के लिए वाग्टो के प्रधान विवादग्रस्त दावे : ही राफता है कि पूजा उपस्कार के प्रदायकर्ता/डेकेदार ने आस्तिया का सम्मेलन के लिए वाग्टो का उपस्थिति किया ही। एसी वाग्टियों के अंतर्गत बॉर्ड के दावे पर प्रदायकर्ता/डेकेदार विवाद उठा सकते हैं। बॉर्ड द्वारा उपगत एसे सम्मेलन उपर्युक्त जिनके लिए प्रतिभूति का दावा किया गया है, किन्तु जो विवादग्रस्त है, उस वर्ष के राजस्व लेखा में पूर्णतः प्रभावित किया जाएगा जिसमें लागत उपगत हुई है। जब प्रदायकर्ता द्वारा प्रतिभूति मंजूर की जाए तो उस प्रतिभूति राशि को प्राप्ति के तारखे वाले वर्ष के राजस्व लेखा में जमा किया जाना चाहिए।

1.36 वस्तुपाक गत्यापन पर पाई जाने वाली अधिकता/कमी आस्तियों के वस्तुपाक सत्यापन पर पाई जाने वाली अधिकता/कमी बॉर्ड की बहियों में, प्रत्येक अधिक मद् को एक रूपका प्रत्येक की दर से मूल्यांकित करके दर्ज किया जाएगा। प्रकर्ष आय लेखा को जमा/कमी किया जाएगा।

1.37 वस्तुपाक गत्यापन पर न पाई गई आस्तियों का और जो अन्वेषण के गणना कमी के रूप में सिद्ध हो घटाकर लिखा गया मूल्य लागत और एसी आस्तियों पर संवित्त अवकाश को राजस्व लेखा अंतर्गत करके अपलिखित किया जाएगा।

1.38 बॉर्ड के लेखाओं में अपेक्षित कतिपय/प्रकटीकरण : बॉर्ड के लेखाओं में टिप्पण के रूप में निम्नलिखित प्रकट किया जाएगा :

1. आस्तियों का बही मूल्य, यदि कोई हो जिसने प्रदायकर्ता/डेकेदार देने वाले को बॉर्ड द्वारा आस्तियों को अभ्यर्णित करने की अपेक्षा गभाव्य हो, क्योंकि बॉर्ड आस्तियों की क्रय कीमत या ऐसी आस्तियों की प्रतिभूति पर लिए गए उधार की बाबत कतिपय सदाय करने में असफल रहा है।

2. ऐसी आस्तियां जिनकी बाबत बॉर्ड में कोई प्रभावी हक निहित नहीं है।

1.39 पूजा प्रदाय/पूजा सक्म के लिए दायित्व : पूजा प्रदाय/पूजा सक्म की बाबत दायित्व का उपबन्ध करने में संबंधित लेखा प्रक्रिया निम्नलिखित होगी :

1. प्रदायकर्ता/डेकेदार के प्रति दायित्व, बॉर्ड द्वारा प्रदायकर्ता द्वारा प्रदत्त माल या डेकेदार द्वारा निष्पादित सक्म स्वीकार किए जाने के बाद सृजित किया जाएगा।

2. ऐसे पूजा प्रदाय, जिनकी बाबत माल में का स्वत्व बॉर्ड का संक्रान्त हो गया है यद्यपि बॉर्ड ने वास्तव में माल प्राप्त नहीं किया है तो उसका लेखा अभिवहन-गत पूजा प्रदाय के रूप में वर्ष के अंत में दिया जाएगा और उसके संबंध में प्रदायकर्ता के प्रति दायित्व बॉर्ड की बहियों में सृजित किया जाएगा।

3. बंधित भाडागार में रखे गए आयातित पूजा उपस्कार की बाबत, उस सीमा-शुल्क के लिए कोई उपबन्ध करने को आवश्यकता नहीं है जो बंधित भाडागार से उपस्कार को हटाए जाने पर सदेय होगा।

1.40 नकद छूट :—प्रदायकर्ता/डेकेदारों को समय पर या लम्बे पहले सदाय करने पर बॉर्ड द्वारा अर्जित नकद छूट आस्तियों की लागत से घटाया नहीं जाएगी अपितु उस वर्ष के लिए आय के रूप में राजस्व लेखा में जमा की जाएगी जिसमें नकद छूट अर्जित की जाती है।

1.41 प्रदायकर्ता/डेकेदारों को दिए गए अग्रिमों पर व्याज : पूजा प्रदाय/सक्म के लिए प्रदायकर्ता/डेकेदारों को दिए गए अग्रिमों पर बॉर्ड द्वारा प्राप्त व्याज क्रय की गई या सन्निहित आस्तियों की लागत

में घटाई नहीं जाएगी किन्तु उस वर्ष के लिए आय के रूप में राजस्व लेखा में जमा किया जाएगा जिसमें व्याज की प्राय उद्भूत होती है।

सन्निर्माण प्रक्रम के दौरान उपयोग की गई विधियों पर व्याज का पूंजीकरण

1.42 पूंजीकरण के लिए, पूंजी आस्तियों के सन्निर्माण प्रक्रम के दौरान उपयोग की गई विधियों पर व्याज की संगणना करने में, वर्ष के लिए "सदेय" व्याज की पूर्ण रकम का हिसाब में लिया जाएगा।

टिप्पण (1) संगणना के दौरान उपयोग की गई विधियों पर व्याज की संगणना करने में, प्रभावी तारीख को व्याज के रूप में वकायों पर विचार नहीं किया जाएगा। क्योंकि उपबन्ध-4 के अनुसार इस वकायों को पुनर्मरचना किए गए लेखा में से कटौती किए जाने और फिर अधिपेय/दातियों में समायोजित किए जाने की अपेक्षा की गई है।

(2) के उपयोग के अनुसार ऋण के स्त्रोतों के पहचानने में कठिनाइयों की दृष्टि से, उनके अंतिम उपयोग में व्यक्तिगत ऋणों को मिलाते का प्रयास नहीं किया जाएगा।

(3) संगणना बॉर्ड के प्रधान कार्यालय पर की जाएगी और केवल हजार रुपयों में की जाएगी।

1.43 पूंजीकरण की जाने वाली व्याज की संगणना निम्नलिखित रूप में होगी :

(1) तुल्यपत्र में दर्शित शुद्ध आस्तियां निम्नलिखित रूप में विभाजित होंगी :—

(क) सन्निर्माण प्रक्रम पर आस्तियां (स.प्र.आ.) (ये तुल्यपत्र की अनुसूची 21 के प्रतिनिर्देश से निश्चित की जाएगी)।

(ख) वकाया शुद्ध आस्तियां (ब.शु.आ.)

(2) तुल्यपत्र के अनुसार तुल्य निधियों की पहले निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा :—

(क) कार्यकरण पूजा के लिए उधार

(ख) पूजा दायित्वों पर देय सदाय

(ग) व्याज अवकाश को आर्थिक अवधि वाले ऋण

(घ) अन्य व्याजमुक्त दायित्व

(ङ) आरक्षित निधियां

(च) आरक्षितियां और आधिक्य

(छ) पूजा दायित्व वाला व्याज।

(3) "सं. प्र. आ. वाली व्याज" और ब.शु.आ. वाली व्याज अवधारित करने के प्रयोजन के लिए ऊपर उल्लिखित आस्तियों सहित निधियों की विभिन्न मदों में से प्रत्येक का मिलान निम्न प्रकार में किया जाएगा :—

(क) कार्यकरण पूजा के लिए उधार और पूजा दायित्वों पर देय सदाय के अतिरिक्त शुद्ध आस्तियों का वित्त पोषण समझे जाएंगे और इसलिए ब.शु.आ. में स घटाए जाएंगे।

(ख) ऐसे पूजा ऋण जिनके लिए पहले कुछ वर्षों के लिए व्याजमुक्त अवधि का उपबन्ध है। सं.प्र.आ. में से घटाए जाएंगे।

(ग) व्याजमुक्त पूजा दायित्व, यदि कोई हो, आनुपातिक रूप से प्रभाजित किया जाएगा और सं. प्र. आ. और ब.शु.आ. में घटाया जाएगा।

(घ) आरक्षित निधियां, निधि में से किए गए विनिधानों में से मुजरा की जाएंगी।

(ख) आरक्षितियाँ, आधिक्य और ऊपर (घ) के अनुसार आरक्षित निधि के विनिधान के ऊपर अतिरिक्त आरक्षित निधि "बोर्ड की अपनी निधियों" का प्रवर्धन करने के लिए जोड़ ली जाएंगी और वे आनुपातिक रूप से और सं. प्र. आ. तथा ब. शु. आ. को प्रभारित की जाएंगी या उनमें से घटाई जाएंगी।

(घ) बोर्ड के अपने तुलनपत्र में यदि संचित हानियों के कारण उसकी निधि नकारात्मक है तो उसकी अपनी निधियों का समायोजन नहीं किया जाएगा।

4. ऊपर पैरा 3 में यथावर्णित समायोजन करने के पश्चात् सं. प्र. आ. और ब. शु. आ. अतिशेष मध्याह्न अणु द्वारा वित्त पोषित सं. प्र. आ. और ब. शु. आ. को दर्शाएंगे। दोनों का योग मध्याह्न पूंजी दायित्वों के बराबर होना चाहिए (जो उसकी अपनी नकारात्मक निधियों को, यदि कोई है घटाने के बाद होगा)।

5. औसत सं. प्र. आ. और ब. शु. आ. वर्ष के प्रारंभ में और वर्ष के अंत में औसत सं. प्र. आ. और ब. शु. आ. अतिशेष के प्रति निर्देश से अवधारित किया जाएगा।

6. पूंजी दायित्वों पर वर्ष के लिए संदेय म्याज ऊपर 5 के अधीन संगणित औसत सं. प्र. आ. और औसत ब. शु. आ. पर आनुपातिक रूप से विभाजित की जाएगी।

7. औसत सं. प्र. आ. के लिए आवंटित संदेय म्याज का भाग, पूंजीकृत किए जावे वाली म्याज की राशि होगी।

## 2 ईंधन और सामग्री लेखा

2.1 ईंधन और सामग्री लेखाकर्ता की बाबत प्रक्रिया संबंधी विषय इस अनुभाग में अधिकृत है।

### ईंधन का मात्रात्मक माप

2.2 ईंधन की प्राप्ति, खपत और भंडार की मात्रात्मक माप की बाबत प्रक्रियाओं पर निम्नलिखित पैराग्राफों में विचार किया गया है.—

#### माप की आवश्यकता

2.3 ईंधन की मात्रा की समुचित माप निम्न लिखित प्रयोजनों के लिए जरूर महत्व की है।

- (1) खपत किए गए ईंधन की लागत की संगणना
- (2) ईंधन के भंडारों का मूल्यांकन

3. तृतीय पक्षकारों, जैसे ईंधन प्रदायकर्ता, परिवहनकर्ता, ईंधन की बरार्ड-उठाई करने वाले ठेकेदारों के माप संस्थापकों को मुक्त बनाना। ऐसे माप की पद्धति और आधार को प्रमित करने की आवश्यकता है, क्योंकि आधार में कोई भी छोटी सी अशुद्धता के परिणामस्वरूप तब माप में महत्वपूर्ण अशुद्धता हो जाएगी बड़ी मात्रा पर उसे बढ़ाया जाएगा।

2.4. प्रमित माप की आवश्यकता की दृष्टि से, यह आवश्यक है कि प्रत्येक प्रकार के ईंधन की प्राप्ति और खपत का वास्तविक माप बजन कर के मात्रांकित किया जाए।

2.5 बाष्पबिक माप के लिए ऐसी प्रमुखियाओं के जैसे काटा, प्रतिष्ठापन, फ्लोमीटर, बैन्ट स्टेट, आदि के निरन्तर अनुरक्षण की आवश्यकता होगी जिसमें विद्यमान मुखियाओं की उपयुक्तता के आधार पर छोटी से बड़ी राशि तक का अध्ययन करना होगा तथापि, ईंधन की प्राप्ति, भण्डार और भंडार के प्रमित माप के महत्व की दृष्टि से ऐसे किसी व्यापक व्यापारमूलक समझा जाएगा।

#### तेल

2.6. तेल का मापण बनत्व, आदि जैसे कोई भौतिक पैरामीटरों का प्रयोग तेल प्रवाही मीटरों और तेल भंडार टकियों में गत मापों से

प्राप्त आंकड़ों का तेल की मात्रा में संपरिवर्तन करने के लिए प्रयोग करना पड़ेगा। ऐसे पैरामीटरों का निश्चय प्रयोगशाला में थानिक विश्लेषण करके किया जाएगा।

#### गैस

2.7. गैस के मात्रात्मक माप के लिए भी, गैस प्रवाह मीटरों से प्राप्त आंकड़ों को संपरिवर्तित करने के लिए, कतिपय मापदण्डों और भौतिक पैरामीटरों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे मानदण्डों और पैरामीटरों का प्रयोग, प्रयोगशाला में कालिक विश्लेषण के माध्यम से उनका निश्चय करने के पश्चात की किया जाएगा।

#### कोयला

2.8 कोयले के मात्रात्मक माप के संबंध में कुछ बातों पर विचार करने की आवश्यकता होगी :

- (1) प्राप्ति स्थान पर अपर्याप्त मुखियाओं के कारण उतारई की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। बैगनों को खाली करने में किसी बिलम्ब का परिणाम बैगन की प्रतिवर्तन अवधि में वृद्धि के अभाव में इमरज के सहाय का दायित्व भी होगा।
- (2) भारतीय प्रमुखियाओं द्वारा बरते जाने वाले कोयले की मात्रा बहुत अधिक होती है।
- (3) कोयले का धराई-उठाई के संयंत्रों में भारतीय की मुखियाएं काफी कठिन दशाओं में होती है।
- (4) कोयला की प्राप्ति और खपत दिन रात का मामला है।

2.9. इन बातों पर उचित विचार करने पर ईंधन की प्राप्ति और खपत के सभी मामलों में 100 प्रतिशत माप की अपेक्षित प्रक्रियाएं कोयला की दशा में उपान्वित की गई है। उपान्वित प्रक्रिया पर नीचे विचार किया गया है।

#### कोयले की प्राप्ति

(1) जहां भी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपस्कर के ठप्प होने की अवधि के दौरान पर्याप्त मुखियाएं जिसके अंतर्गत अनिरिक्त उपस्कर भी हैं उपलब्ध हैं, जहां कोयले की प्राप्ति की समस्त मात्रा को तोला जाना चाहिए।

(2) जहां भी पर्याप्त भारतीय मुखियाएं प्रतिष्ठापित की गई हों किन्तु भारतीय मुखियाओं के ठप्प होने की अल्प अवधि के कारण माप के दौरान प्राप्ति का 15 से 20 प्रतिशत बिना तुला रहा जाना है बल मास के दौरान प्राप्ति से (80 से 85 प्रतिशत), जो तोली गई है, प्राप्त परिणामों को बिना ताले गए बैगनों में अनुमानित मात्रा के लिए लागू करना चाहिए।

(3) जहां पर्याप्त भारतीय मुखियाएं विद्यमान नहीं हैं वहां ऐसी मुखियाएं प्रतिष्ठापित की जानी चाहिए। मध्यवर्ती अवधि में, प्रत्येक मास के दौरान कोयला प्राप्ति को नमूना प्रणाली के आधार पर मात्रांकित किया जाना चाहिए।

प्राप्तियों का एक नमूना, जो मास के दौरान समस्त प्राप्ति के आंकड़े दर्शा सक प्रत्येक मास निकाला जाना चाहिए। बैगनों के नमूने को तोला जाना चाहिए और तौल को एक-रजिस्टर में बैगन की वजन क्षमता (जिसके अंतर्गत अनुज्ञेय प्रति भराई भी है) के साथ अभिलिखित किया जाना चाहिए। भार के योग को वजन क्षमता के योग में से घटाया जाना चाहिए। परिणामी आंकड़ा कोयले की अभिवहन हानि दर्शाएगा।

मास के दौरान इस प्रकार ज्ञात की गई अभिवहन हानि और तोली गई प्राप्ति के लिए कुल वजन क्षमता को किसी अवधि, के उदाहरणार्थ, पूर्ववर्ती दो मासों में से प्रत्येक में, हुई अभिवहन हानि के साथ उसी प्रकार की रीति में ज्ञात की गई है, विचार किया जाना चाहिए, ताकि अभिवहन हानि की भारतीय प्रतिशतता की संगणना की जा सके

इस प्रकार की किसी अभिवहन हानि की तोली गई प्रतिशतता का उपयोग, क्षेत्रों में प्राप्त कोयले की कुल मात्रा (चाहे तोली गई हो या नहीं तोली गई हो) का प्राक्कलन करने के लिए किया जाना चाहिए।

कोयले की खपत

(1) जहाँ यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त भारतीय सुविधाएँ (जिसके अन्तर्गत उपस्कर के ठप्प होने की अवधि के दौरान उपयोग के लिए अनिश्चित उपस्कर भी है) उपलब्ध है कि पूर्ण अवधि के दौरान की खपत का ठीक-ठीक तोला जा सकता है वहाँ कुल खपत को वार्षिक माप/भारतीयन द्वारा मान्यकृत किया जाना चाहिए।

(2) जहाँ पर्याप्त भारतीय सुविधाएँ विद्यमान हैं किन्तु माप के दौरान अल्प-अवधि के लिए उपस्कर के ठप्प होने का सामना करना पड़ रहा हो वहाँ उस अवधि के दौरान खपत की गणना नीचे उप पैरा (4) में वर्णित तरीके के अनुसार उन विद्युत केन्द्र के लिए अधिकृत सूत्रों और मानदण्डों के आधार पर गणना करनी चाहिए।

(3) जहाँ कोयले की खपत के भारतीयन के लिए सुविधाएँ विद्यमान नहीं हैं, ऐसी सुविधाएँ प्रतिष्ठापित की जानी चाहिए। मध्यमवी अवधि में, कोयले की खपत उस विद्युत केन्द्र के लिए अधिकृत सूत्रों और मानदण्डों के आधार पर उस रीति से प्राक्कलित की जानी चाहिए, जो नीचे के उप पैरा (4) में वर्णित है।

(4) खपत के प्राक्कलन का आधार, खपत के चालू आंकड़ों के आधार पर से किए गए प्रेक्षण के प्रतिनिधि नमूने से संयंत्र के काम का पुनर्विलोकन करने के पश्चात्, अधिकृत किया जाना चाहिए।

(5) सूत्र सभी सुसंगत बातों पर विचार करने के पश्चात् नियत किया जाना चाहिए। सूत्र/मान-दण्ड नियत करने समय जिन बातों पर विचार किया जाना है उनकी एक उदाहरणात्मक सूची निम्नलिखित है :—

- (क) सामान्यतया प्राप्त किए गए ईंधन की मात्रा।
- (ख) अपेक्षित ईंधन के व्यय।
- (ग) संयंत्र डिजाइन, बायलर डिजाइन, आदि।
- (घ) संयंत्र कितना पुराना है।
- (ङ) ईंधन में मिश्रण के विभिन्न विकल्प।
- (च) संयंत्र की क्षमता।

(6) यह महत्वपूर्ण है कि ईंधन की खपत का प्राक्कलन करने के लिए सूत्र या मान-दण्ड नियत करने के लिए मार्ग/प्रणाली बोर्ड के सभी विद्युत संयंत्रों के लिए समान होनी चाहिए।

(7) इस संबंध में, एक या अधिक स्वतंत्र तकनीकी/वैज्ञानिक निकायों, प्रदायक-निर्माता के तकनीकी प्रतिनिधियों आदि को सम्मिलित करने में सूत्रों या मान-दण्डों का समुचित और उचित नियतन सुनिश्चित हो सकेगा।

(8) सूत्र/मान-दण्ड किसी विनिश्चित अवधि के लिए प्रभावी होने चाहिए जिसकी समाप्ति पर एक आवधिक पुनर्विलोकन किया जाना चाहिए।

ईंधन भण्डार

2.10 वर्ष के अंत में सभी प्रकार के ईंधन के भंडार को वस्तु परक रूप में सत्यापित किया जाएगा और भंडार की मात्रा समुचित प्रणालियों, जैसे भारतीयन आयातनिक माप, आदि के माध्यम से अवधारित की जाएगी।

ईंधन की प्राप्ति की यथालिदी का अवधारण

2.11 ईंधन की प्राप्ति के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए ईंधन की प्राप्ति की यथालिदी स्थापित प्रणालियों के आधार पर प्रयोजनशाली में

विवेक्षण के द्वारा अवधारित की जाएगी; ईंधन की प्राप्ति के सभी नमूने स्वीकृत सांख्यिकीय नमूना प्रणालियों के अनुसार लिए जाएंगे।

निम्नतर श्रेणी के कोयले का लेखा

2.12 उन मामलों में, जहाँ बोर्ड द्वारा कोयला की बटिया श्रेणी की प्राप्ति के कारण हुई हानि की प्रतिपूर्ति के लिए कोयलाखानों पर कोई दावा किया गया है, वर्ष के अंत में कोयलाखानों द्वारा उन पर किए गए दावों के नामजूर किए जाने से होने वाली प्रत्याशित हानि को पूरा करने के लिए उपबंध लिया जाएगा। ऐसा उपबंध, ऐसी किसी राशि का हो सकेगा जो वर्ष के अंत में बिना निपटाए गए दावों के कसी भाग या सम्पूर्ण के समतुल्य हो।

2.13 उपबंध की मात्रा बोर्ड और कोयलाखानों के बीच किसी ऐसे औपचारिक करार के उपबंधों के अनुसार होगी जो नमूना तकनीकी और किसी पक्षकार द्वारा श्रेणी के अंतर्गत के लिए संदेय राशि की संदेय राशि की संगणना के आधारों की विनियमित करेगा। जब तक कि बोर्ड और कोयलाखानों के बीच श्रेणी अंतर्गत से संबंधित कोई औपचारिक करार नहीं हो जाता, तब तक उपबंध निम्नलिखित रूप में होगा :—

(1) वर्ष के अंत में बिना निपटाए गए दावों की 100 प्रतिशत रकम जिसमें से :—

(2) दावों की ऐसी कोई रकम घटा दी जाएगी, जो, पूर्व अनुसंधान भविष्य के लिए किए गए प्राक्कलन की दृष्टि से, कोयलाखानों द्वारा संभाव्यतः मंजूर की जा सकती है।

श्रेष्ठता श्रेणी के कोयला का लेखा

2.14 कोयले की श्रेष्ठता श्रेणी की प्राप्ति की बाबत, अभिलाभ के लिए उपबंध, बोर्ड और कोयलाखानों के बीच कोयले की प्राप्ति के श्रेणी अंतर्गत से संबंधित किसी औपचारिक करार के अनुसार किया जाएगा जब तक कि कोई औपचारिक करार नहीं कर लिया जाता, तब तक अभिलाभ के लिए उपबंध ऐसी किसी रकम के लिए किया जाएगा जो बोर्ड द्वारा पूर्व व्यवहार और ऐसे किन्हीं कारणों जो भविष्य में किए जाने वाले विनिरक्षकों की विनियमित कर सकते हैं, की दृष्टि से संवेद प्रतीत हो।

अभिवहनगत कोयला क्षेत्रों का लेखा

2.15 अभिवहनगत कोयला क्षेत्रों में अभिप्रेत है ऐसे क्षेत्र जो किसी राज्य विद्युत बोर्ड को प्रांबंटित किए गए हों और कोयलाखानों द्वारा प्रेषित किए गए हों, किन्तु

—जो वर्ष के अंत तक बोर्ड को प्राप्त नहीं हुए हों।

—जिनके लिए रेल से “लापता क्षेत्रों” के रूप में दावा नहीं किया गया हो।

2.16 वर्ष के अंत में अभिवहनगत कोयला क्षेत्रों को चाहे कोयलाखानों को उन क्षेत्रों के लिए कोई संदाय किया गया है या नहीं उसनी रकम तक अभिवहनगत कोयला के रूप में दर्शाया जाएगा जिसका कोयलाखानों द्वारा बिल बनाया गया है।

2.17 अभिवहनगत कोयला क्षेत्रों की बाबत दायित्व, जिनका वर्ष के अंत तक राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा संदाय नहीं किया गया है, वर्ष के अंत में कोयलाखानों द्वारा बनाए गए बिल की रकम के बराबर रकम तक उपबंध करना होगा।

ईंधन के स्टॉक के वस्तुपरक सत्यापन पर आधिक्य कमी का हिसाब

2.18 वर्ष के अंत में ईंधन के स्टॉक का वित्तीय विवरणों में मूल्यांकन और प्रकटन के लिए विश्वास करने के लिए स्टॉक की मात्रा को अभिनिश्चित करने के लिए वस्तुपरक सत्यापन किया जाएगा। यदि स्टॉक के वस्तुपरक सत्यापन से कोई आधिक्य या कम प्रकट होती है तो, लेखा अभिलेख के अनुसार ईंधन के स्टॉक में उस कमी या आधिक्य की समायोजित किया जाएगा। कमी या आधिक्य का यदि

कोई हो, मूल्यांकन उस मास के लिए, वह स्टॉक को न गू को तर्क दिया जाएगा, जिसमें कमी या आधिक्य ज्ञात हुआ है।

गैस खपत के मूल्यांकन का आधार -

2.19 गैस की खपत का मूल्यांकन मास के दौरान प्राप्तिशो को लागू होने वाली अन्य आदेश दर पर होगा।

सामग्री का लेखा -

2.20 सामग्री लागत में सबधित लेखा प्रतिया नीचे अधिस्थित है

(1) ऐसे भंडार, जो अनन्य रूप में सनिर्माण परियोजनाओं की पूर्ति के लिए हैं, 'पूजी भंडार' माने जाएंगे।

(2) ऐसे भंडार, जो पूंजी और स और प. वाली प्रयोजना, के लिए सामग्रियों की व्यवस्था कर रहे हैं, मूल रूप में मध्यस्थता के तहत सबधित को स और प भंडारों के रूप में खानाबदल करने सिवाय इसके कि पूंजी कार्यों पर निर्माण के मूल्य को पृथक रूप में खानाबदल किया जाएगा।

(3) ग्रीष्म खपने वाली वस्तुएं मानक दर प्रणाली के अनुरूप होने जिसमें प्राप्तिशो, निर्माण और स्टॉक वैज्ञानिक रूप में अवधारित मानक दर पर मूल्यांकित किए जाएंगे। और वास्तविक लागत एवं मानक दर के बीच का अंतर 'सामग्री लागत अंतर' नामक एक पृथक लेख में मंगूहीत किया जाएगा।

(4) मानक दर प्रणाली के अनुरूप न होने वाली सटा की दशा में, प्राप्तिशो का मूल्यांकन, आधार कीमत उत्पाद शुल्क विवरण कर पर किया जाएगा। इस प्रकार के मामलों, में निर्माणों को, गत मास के वद स्टॉक को लागू ताल सीधत दर पर, मूल्यांकित किया जाएगा।

(5) ग्रामों की लागत में उत्तरवर्ती बुद्धि/कमी निर्गम दर में, भविष्यलक्षी रूप से समायोजित की जाएगी और सबधित प्राप्तिशो या इन प्रकार के निर्गमों से सनिर्माण की गई आस्तियों से पूर्व निर्गमों के मूल्य का भूतलक्षी रूप से समायोजन नहीं किया जाएगा।

(6) क्रय की गई सामग्रियों पर माल भाड़ा (चाहे प्रदायकर्ता द्वारा उपगत हो और बिल बनाया गया हो या बोर्ड द्वारा उपगत किया गया हो) सामग्रियों की लागत नहीं माना जाएगा और इस प्रयोजन के लिए उपबधित पृथक लेख में अभिलिखित किया जाएगा।

(7) सभी अन्य आनुषंगिक लागतें, जैसे, पैकिंग प्रभार, जुगो आदि को भी सामग्री लागत नहीं माना जाएगा और इस प्रयोजन के लिए उपबधित पृथक लेख में अभिलिखित किया जाएगा।

(8) पहले निर्गमित सामग्रियों की वापसियों का मूल्यांकन उस मास के लिए, जिसमें सामग्रियों वापस की गई हैं, लागू निर्गम दर पर किया जाएगा।

(9) निर्गमों और वापसियों के मूल्यांकन के विहित आधार के कारण स्टॉक मूल्यों में कुछ विषमताएं हो सकती हैं। ऐसी विषमताएं, यदि कोई हो, प्रत्येक तिमाही के अंत में दूर की जाएगी और ऐसी राशि को, जिसके द्वारा स्टॉक मूल्यों का समायोजन अपेक्षित है, इस प्रयोजन के लिए विहित पृथक लेख में हिमाब में लिया जाएगा।

(10) सामग्रियों की प्राप्ति पर सृजित दायित्व -

--श्रीधर खपने वाली मशी के मामले में मानक दर पर और

--अन्य मशी के मामले में क्रय आदेश दर पर होगा।

(11) समायोजित अग्रिम और बोर्ड द्वारा पास किए गए प्रदायकर्ता के बिल से की गई वसूतियों तथा कटौतियों का लेखांकन और उग बिल पर शोध्य शुद्ध राशि के लिए दायित्व की मान्यता तब तक आस्थित नहीं की जाएगी जब तक कि शुद्ध दायित्व का वास्तविक उन्मोचन नहीं कर दिया जाता।

(12) सामग्री स्टॉक में कमी से हानि के लिए उपबध उस अवधि में लिया जाएगा जिसमें कमी शान होती है।

सामग्री लागत अंतर का हिसाब

2.21 उपर विहित मानक दर प्रणाली के अंतर्गत, सनिर्माण अवस्थाता या स और प अवस्थानों पर प्राप्तिशो की बाबत सामग्री लागत अंतर की यदि कोई हो, राजस्व भेधा या पूंजी कार्य पर प्रभावित नहीं किया जाएगा।

2.22 बर्द के अंत में सामग्री लागत अंतर 'वखा' में अनिवार्य का निम्न प्रकार में दर्ज किया जाएगा

(1) अभावित अनिवार्य को 'सामग्री लागत अंतर के लिए आरक्षित' नाम में जान आरक्षित में अभावित किया जाएगा।

(2) नामे खात अनिवार्य का 'सामग्री लागत अंतर के लिए आरक्षित' नामे खाता जाएगा। यदि ऐसे नामे का परिणामस्वरूप, इस आरक्षित खाते में शुद्ध अनिवार्य नामे खाते अनिवार्य हो तो, नामे खात अनिवार्य की राशि वर्ष के राजस्व लेख में प्रभावित की जाएगी।

2.23 उपर विहित सामग्री लागत अंतर का लेखा में दर्ज करने की रीति में यह धारणा की जाती है कि मानक दर समुचित रूप में नियत की गई है और जब भी मन्तव्यपूर्ण अंतर प्रतीत हो तब उस प्रणाली के कालिक पुनरीक्षण की व्यवस्था विद्यमान है।

2.24 सनिर्माण डिबीजनों और सिकणों द्वारा अभिलिखित और उपर बताये गए अनुसार वर्गीकृत गई सामग्री लागत अंतर की राशि बोर्ड के वार्षिक लेखाओं में स्थिर आस्तियों की अनुसूची में एक टिप्पण के रूप में दर्शाई जाएगी।

3 उधार और बिलबान

3.1 उधार और बिलबानों के लेखा से सबधित प्रतिया सबधी विषय इस अनुभाग में अधिस्थित हैं।

आस्थितिक जमा अवधि बिल -

3.2 बोर्ड आस्थितिक जमा स्कीम के अधीन अवधि बिल जारी कर सकते हैं। ऐसे बिलों के अनुरूप आगामी वर्षों के लिए धराज की सम्भित की जा सकती है। तुल्यवत्त में, ऐसी व्याज का भाग, बताया अवधि बिलों की राशि में कटौती के रूप में दर्शाया जाएगा।

सांपाथिक प्रतिभूति के रूप में पुरोषुत डिबेचर

3.3 डिबेचर या सांपाथिक प्रतिभूति के रूप में पुरोषुत अन्य श्रृण प्रमाण-पत्रों को बहियों में दायित्व के रूप में अभिलिखित नहीं किया जाएगा किन्तु एक टिप्पण के रूप में प्रकट किया जाएगा।

बिलिधान के मुख्य में अवक्षेपण/अधिमयन के लिए उपबध

3.4 बाउ द्वारा बिलिधानों जैसे, बिलिधानों की लागत में कम रहने हुए बाजार मूल्य के लिए अधिस्थित प्रतिभूतियों (बाण्ड और डिबेचर या मन्तव्य बखत पत्र) का बाजार मूल्य में अवक्षेपण के लिए किसी उपबध को आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि ऐसी प्रतिभूतियों की दशा में यह एक उचित धारणा होगी कि प्रतिभूतियां परिकल्पना की उस अवधि तक नहीं जाएगी जब तक कि प्रतिभूति का मूल्य मूल्य की वसूली नहीं कर ले जाना। तथापि, ऐसी प्रतिभूतियां भी हो सकती हैं जिनकी बाबत यह अवधारणा कि वे परिशुता तक नहीं जाएगी राशि नहीं हो। बिलिधानों के मूल्य में अवक्षेपण के लिए ऐसे मामलों में भी कोई उपबध नहीं दिया जाएगा। इसी प्रकार, बोर्ड बिलिधानों का बाजार मूल्य में किसी अधिमयन के लिए भी कोई उपबध नहीं करना।

1 अन्य लेखा लेव

4.1 अन्य लेखा लेव से सबधित प्रतिया सबधी विषय इस अनुभाग में अधिस्थित हैं।

उपभोक्ताओं से शकास्पद शोषों के लिए उपबन्ध

4.2 उपभोक्ताओं से शोषों की एक निश्चित नियत प्रतिशतता (बड़े उपभोक्ताओं के मामले में मामूली अंतर के सिवाय) डूबत ऋणों का बटन करने के लिए उपबन्ध के रूप में रखी जाएगी। इससे, उपबन्ध का सृजन करते समय प्रत्येक मामले का अन्वेषण करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। ऐसा अन्वेषण, किसी ऋण का वास्तविक रूप से अपलिखित करने के समय, स्वतंत्र रूप से ग्रहण गणना से किया जा सकेगा। प्रत्येक बोर्ड की समुचित प्रतिशतता अभिविधित करने के लिए और इस प्रकार अवधारित की गई प्रतिशतता को अद्यतन करने के लिए कालिकत विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। उच्च के नियम का एक अपवाद उच्च ट्रेडिंग बृद्धि प्रदाय उपभोक्ताओं के मामले में है। ऐसे मामलों में, ऐसे कोई विशेष डूबत ऋण किसी सम्पूर्ण प्रतिशतता को प्रभावित करने के लिए कमी-कमा काफी पर्याप्त हो सकते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं से शोष अतिशयोक्ति की शकास्पदता की मामले के अनुसार पुनर्विलोकिन किया जाना चाहिए और यदि शकास्पद राशि नियत प्रतिशतता से अधिक है तो ऐसी अधिक राशि के लिए अतिरिक्त उपबन्ध करना चाहिए। तथापि, यदि ऐसी अवधारित शकास्पद राशि नियत की गई प्रतिशतता से कम है तो नियत प्रतिशतता के लिए, ऐसा होने पर भी, संरक्षण के उपाय के रूप में उपबन्ध किया जाना चाहिए।

डूबत ऋणों का अपलेखन करने के लिए लेखा :

4.3 विद्युत के विक्रय से ऐसी प्राप्तियां जिन्हें अपलिखित किया जाना हो, शकास्पद ऋणों के लिए माधारण उपबन्ध के बिना अपलिखित डूबत ऋणों के रूप में राजस्व लेखा में प्रभावित किए जाएंगे।

बिना काटे गए चैको को प्रकट करना :

4.4 ऐसे चैक जो प्राधिकृत सदाय वाउचरों के अधीन तैयार किये गए हैं किन्तु वर्ष के अंत में बिना कटे रहे जाते हैं (अर्थात्, जो अभी तक पाने वाले को जारी नहीं किए गए हैं), विहित लेखा नीति के अनुसार ऐसे चैको के तैयार होने पर सुसंगत दायित्व लेखा में नामे डाले जाएंगे। तथापि, क्योंकि ऐसे चैक पाने वाले को जारी नहीं किए गए हैं, और इन कारण दायित्व वास्तविक रूप में उन्मोचित नहीं हुआ है, ऐसे चैको की कुल राशि एक पृथक लेखा बिना काटे गए चैको के अधीन दायित्व में बोर्ड के खातों में प्रकट की जाएगी। उसी के अनुरूप बैंक अतिशेष ऐसे बिना काटे चैको को नामे डालने से पहले विद्यमान स्तर तक प्रत्यावर्तित किया जाएगा।

गतकाल मदों के लिए उपबन्ध :

4.5 प्रत्येक वर्ष उपयोगशील स्थिर आस्तियों मन्तिर्माण भंडारों या स्टॉक में कार्यकरण भंडारों और मन्तिर्माण के अधीन आस्तियों की बाबत उस सीमा तक जिस तक हानि अवधारित की गई हो तबनीकी रूप से गतकाल हो जाने के कारण हानि को पूरा करने के लिए उपबन्ध किया जाएगा। ऐसा उपबन्ध वर्ष के लिए राजस्व के प्रति प्रभार के रूप में बरता जाएगा।

बीमा

4.6 यदि बोर्ड ने अपनी आस्तियों का किसी बाहरी बीमाकर्ता से बीमा नहीं कराया है तो यह तथ्य बोर्ड के लेखा में प्रकट किया जाएगा।

4.7 स्वयं-बीमा प्रथा के अधीन प्रत्येक वर्ष अलग रखी गई राशि को (जहां बोर्ड बीमा के प्रीमियम के रूप में कोई राशि अलग रखता है, ताकि इस प्रकार मंचित राशि को आग, बाढ़, तूफान आदि के कारण आस्तियों को हुई हानि को पूरा करने के लिए उपयोग में लाया जा सके) राजस्व के प्रति प्रभार के रूप में बरता जाएगा। तथापि, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इस प्रयोजन के लिए बीमा प्रीमियम की राशि वैज्ञानिक रूप से नियत की गई है।

अनुसंधान और विकास लागत :

4.8 बोर्ड द्वारा उपगत अनुसंधान और विकास लागत, जिसके कारण बोर्ड द्वारा कोई मूल आस्ति अर्जित नहीं की गई है, लागत उपगत करने के वर्ष में अपलिखित की जाएगी। यह उन मामलों में भी किया जाएगा जिनमें आगामी वर्षों के राजस्व में अनुसंधान और विकास लागतों के परिणामस्वरूप वृद्धि होने की प्रत्याशा है। मूल आस्तियों को अर्जित करने के लिए अनुसंधान और विकास व्यय को किसी अन्य स्थिर आस्ति का अर्जित करने के लिए व्यय के समान बरता जाएगा।

अमूल्य आस्तियों का क्रामिक अपाकरण

4.9 बोर्ड की अमूल्य आस्तियों का, उस अवधि में जिसमें फायदा होने की प्रत्याशा है क्रमिक रूप से अपाकरण किया जाएगा। कोई आनु-गार्तिक राशि (जो वर्ष के दौरान होने वाले फायदों के प्रति निर्देश में, उच्च, आस्तियों के परिणाम होने वाली अतिरिक्त राजस्व) फायदा होने वाले ऐसे प्रत्येक वर्ष के लिए, राजस्व लेखा में प्रभावित की जाएगी।

विद्युत का पारेषण

4.10 यदि बोर्ड एक राज्य में दूसरे को पारेषण करने के लिए विद्युत को, उक्त दो राज्यों के बीच त्रय/विक्रय व्यवस्था के अधीन प्राप्त करता है तो, मध्यवर्ती पारेषण बोर्ड, ऐसी पारेषण की गई यूनिटों का, त्रय की गई यूनिटों और विक्रय की गई यूनिटों के सकल आकड़ों से कटौती के रूप में दर्शाया जाएगा।

आकस्मिक दायित्वों को प्रकट करना

4.11 ऐसे आकस्मिक दायित्वों की, जो तात्त्विक हो, राशि (जितनी तुलन पत्र की तारीख का है) बाई के वार्षिक लेखाओं में प्रकट की जाएगी।

4.12 आकस्मिक दायित्व में चालू वर्ष या पूर्व वर्षों से संबंधित ऐसा कोई दायित्व अभिप्रेत होगा, जो किसी घटना के होने या न होने पर निर्भर है। आकस्मिक दायित्वों के उदाहरण निम्नलिखित हैं -

- (1) प्रदायकर्ता या ठेकेदार द्वारा चालू वर्ष या पूर्व वर्षों के दौरान त्रयों या सविदा कार्य के संबंध में बोर्ड द्वारा उस पर दायित्व को वहीबद्ध करने के लिए अंगीकृत की गई कीमत से अधिक कीमत के लिए दावा इसके अंतर्गत प्रदायों/सकर्मों के लिए सभी लागू तीव्रिकरण दावे सम्मिलित होंगे।
- (2) उपभोक्ताओं द्वारा या किसी के भी द्वारा टैरिफ में न्यायालय में प्रतिवाद करने पर किसी टैरिफ वृद्धि के प्रतिसदाय के लिए दावा।
- (3) उधार देने वालों द्वारा उच्च ब्याज के लिए या किसी के प्रतिसदाय में किसी व्यतिक्रम के कारण शास्तिक ब्याज के लिए या ब्याज के सदाय करने में या किसी अन्य कारण से व्यतिक्रम के लिए दावा।
- (4) बाई की आय या लाभ पर आय-कर के सदाय के लिए या उत्पाद शुल्क, उदग्रहण आदि जो बोर्ड द्वारा स्वीकृत नहीं किए गए हो के लिए दावा।

सीमा शुल्क/पत्तन न्यास प्रभारों का प्रतिदाय

4.13 सीमा शुल्क या पत्तन न्यास प्रभारों का प्रतिदाय को राजस्व में जमा किया जाएगा जब तक कि राजिया तात्त्विक न हो, और ऐसी दशा में पूंजी आस्तियों के आयत में मंचित भाग, यदि कोई हो आस्तियों को लागत से घटाया जाएगा।



## MINISTRY OF ENRGY

(Department of Power)

New Delhi, the 31st October, 1985

G.S.R. 1134.—In exercise of the powers conferred by section 69 of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government, in consultation with the Comptroller and Auditor General of India and the State Governments, hereby makes the following rules namely :—

## CHAPTER I

## INTRODUCTORY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Electricity (Supply) Annual Accounts Rules 1985.

(2) They shall come into force with effect from date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948);
- (b) "Annexure" means an Annexure appended to these rules;
- (c) "Annual Statement of Accounts" means the annual statement of Accounts as defined in sub-rule (1) of rule 5 and includes the Annual Accounts and the Accounts;
- (d) "financial year" means a period of twelve calendar months ending on the 31st day of March every year or in the case of the first accounts, a shorter period commencing on the date of constitution of the Board and ending on the 31st day of March immediately following;
- (e) "Notes" or "Notes to Accounts" means the Notes to Accounts contained in Statement No. 5 of the Annual Statement of Accounts;
- (f) "Schedule" means a Schedule forming part of the annual Statement of Accounts;
- (g) "Statement" means a Statement forming part of the Annual Statement of Accounts.

(2) Words and expressions used herein and not defined but in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

## CHAPTER II

## COMPILATION OF ANNUAL ACCOUNTS

3. Accounting Period.—The accounting period for which the annual accounts have to be compiled by a Board shall be a period of twelve calendar months ending on the 31st day of March every year or in the case of the first accounts a shorter period commencing on the date of constitution of the Board and ending on the immediately following the 31st day of March.

4. Compilation and submission of annual accounts.—Every Board shall at the end of each financial year, compile its annual accounts for that year and, within six months from the end of such financial year, submit the said Annual Accounts and auditors' report thereon to the Central Electricity Authority and to the concerned State Government.

(2) The accounts when submitted to the Central Elec. Authority and to the State Government shall have the auditors' report at the top followed by Annual Statement of Accounts arranged in the order mentioned in sub-rule (1) of rule 5.

5. Form and contents of Annual Statement of Accounts:—

(1) The Annual Statement of Accounts of a Board shall comprise of the following Statements and Schedules arranged

in the order given below :—

Statement No.

Title

1. Revenue Account
2. Net Revenue and Appropriation Account
3. Balance Sheet
4. Schedules to the Revenue Account (Schedules 1 to 18)
- 18) Schedules to the Balance Sheet (Schedule 19 to 35)
4. Statement of Accounting Policies
5. Notes to Accounts
6. Function-wise Analysis of Revenue and expenses
7. Sources and uses of funds
8. Statement of Capital Base and surplus under section 59 of the Act, and
9. Statement of technical particulars

(2) The Annual Accounts shall present a true and fair view of the financial position of the Board at the end of the financial year and of the results of operations of the Board for that year.

6. Chart of Accounts:—(1) The Chart of Accounts, as laid down in Annexure II shall come into force with effect from the date of commencement of these rules. The transactions of a Board which take place after the said date shall, subject to rule 11, be accounted for under the account heads provided in the Chart of Accounts as given in the said Annexure.

(2) A Board may, in accordance with the provisions contained in Annexure II, make additions or modifications to the Chart of Accounts if the local conditions or procedures so warrant.

7. Basic accounting principles and policies.—(1) The transactions of a Board shall be accounted for in accordance with the basic accounting principles and policies laid down in Annexure III.

(2) The said basic accounting principles and policies shall be adopted immediately on the commencement of these rules.

(3) The basic accounting principles and policies shall be applied only prospectively, that is to say, only to the transactions which take place on the commencement of these rules.

8. Disclosure of accounting policies.—A Board shall, in its Annual Accounts, include a Statement of accounting policies (Statement 4) confirming adherence to the prescribed accounting policies and also stating therein the departures, if any, made therefrom.

9. Accounting policies for transactions not covered by Annexure-III:—(1) A Board shall adopt commercial accounting system of year-end accruals even in respect of transactions for which no specific policy is prescribed in Annexure III. The accounting policy adopted in such cases shall be stated in the statement of accounting policies, if the amounts involved are significant.

(2) Even the accounting policies other than the prescribed policies applied to a Board's peculiar transactions in accordance with sub-rule (1) above shall be applied consistently from year to year.

(3) In the event of several or all the Boards commencing new activities of the nature not hitherto carried out, the Central Government shall, in consultation with the Comptroller and Auditor General of India and the concerned State Governments, upon intimation or knowledge thereof, lay down wherever considered necessary the accounting policies relating to the transactions arising from the said new set of activities. Appropriate account heads may be specified Central Government for booking such transactions. Disclosure requirement for reporting of such transactions in Annual Accounts shall also be laid down by the Central Government in consultation with the Comptroller and Auditor General of India and the concerned State Governments.

10. Criteria for departure from the prescribed accounting policies—(1) A Board may make a departure from the prescribed accounting policies only in the following circumstances, namely:—

- (a) situations in which, for reasons to be recorded in writing, the prescribed accounting policies are considered impracticable or unnecessary;
- (b) by adoption of the prescribed accounting policies, the Board's accounts would fail to give a true and fair view.

(2) Any departure from the prescribed accounting policies or change in respect of the accounting policies adopted by the Board under sub-rule (1) of rule 9 shall be disclosed in a Board's annual accounts for the year of departure or change as also for the first two years immediately thereafter. Such disclosure shall also include the reasons for the said departure or change and its effect on the surplus for the year or on capital base to be considered for the purposes of computation of the minimum surplus under section 59 of the Act.

(3) Where the departure from the prescribed accounting policies referred to in sub-rule (2) above involves deviation from the account heads as prescribed in the Chart of Accounts or introduction of new accounts heads, the fact shall be reported to the Central Government and the Comptroller and Auditor General of India.

11. Process of change over to the new form of accounts.—The procedures to be followed on changing over to the new form of Accounts shall be as laid down in Annexure IV.

12. Uniformity in procedural matter.—In order to ensure uniformity in procedural matters in maintenance of accounts, a Board shall follow the principles specified in Annexure-V.

13. Adjusting Entries.—The Board may make any adjusting entries in its accounts for the financial year ending on the thirty first day of March, 1985, to make such accounts conformable to the provisions of these rules.

### CHAPTER III

#### Adoption of Annual Accounts

14. Adoption of annual accounts by the Board — (1) Annual accounts of a Board shall be considered and initially adopted by the Board before their submission for audit to the Comptroller and Auditor-General of India or to any other person authorised by him in this behalf.

(2) These accounts shall, upon completion of the audit by the aforesaid authority and after incorporating therein any changes necessitated be considered and finally adopted by the Board

[F. No. 25(1)/85 D(SHB)]  
SATISH KIRANNA, Jt. Secy.

## ANNEXURE I—ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS

### PART I

#### STATEMENTS

(Statements 1 to 9)

#### REVENUE ACCOUNT

#### STATEMENT 1

(Rs. in lakhs)

Schedule Note		This year	Previous year			
Units sold (in millions)						
1	2	3	4	5	6	7
	INCOME					
1*	Revenue from Sale of Power			—		
4	Revenue Subsidies and Grants			—		
5	Other Income			—		
	TOTAL			—		
	EXPENDITURE					
6	Purchase of Power			—		
7	Generation of Power			—		
8	Repairs and Maintenance			—		
9	Employee Costs			—		
10	Administration and General Expenses			—		
11	Depreciation and Related Debits (Net)			—		
12	Interest and Finance Charges			—		
	Sub-total			—		
	Less : Expenses Capitalised :					
13	Intorest and Finance Charges Capitalised			—		
14	Other Expenses Capitalised			—		
	Sub-Total			—		

15	Other Debits	—	
16	Extra-ordinary items	—	
	<b>TOTAL</b>	—	
	<b>PROFIT/(LOSS) BEFORE TAX</b>	—	
17	Provision for Income-tax	—	
	<b>PROFIT/(LOSS) AFTER TAX</b>	—	
	<b>PROFIT/(LOSS) AFTER TAX</b>	—	
18	Net Prior Period Credits/(Charges)	—	
	<b>SURPLUS/(DEFICIT)</b>	—	
	Surplus as a percentage of the value of fixed assets of the Board in service at the beginning of the year		
	Minimum specified by the State Government		
	Actual		
	(Minimum surplus specified by the State Government for 198 . . 8.... subsequent year) is %.	%	%

\*Schedules 2 and 3 relate to Element-wise Analysis of Revenue and Average Realisation from Sale of Power, respectively.

## STATEMENT 2

## NET REVENUE &amp; APPROPRIATION ACCOUNT

(Rs. in lakhs)

NOTE	This year	Previous year
Balance brought forward from last year		
Surplus/(Deficit) from Revenue Account		
<b>CREDITS</b>		
Transfer from General Reserve		
<b>APPROPRIATIONS</b>		
Contributions to Reserves and Reserve Funds		
—Sinking Fund for Repayment of Borrowings		
—General Reserve		
<b>BALANCE CARRIED FORWARD</b>		

\*Operation of this account may be held in abeyance.

## STATEMENT 3

## BALANCE SHEET

(Rs. in lakhs)

Schedule	Note	As at 31st March this year	As at 31st March Previous year
	<b>NET ASSETS</b>		
19*	Net Fixed Assets		
	Gross Block	—	
	Less : Accumulated Depreciation	—	
	Net Fixed Assets	—	

21	Capital Expenditure in Progress			
22	Assets not in Use			
23	Deferred Costs			
24	Intangible Assets			
25	Investments			
	Net Current Assets			
26	Total Current Assets			
	Less:			
	Total Current Liabilities :			
27	Security Deposits from Consumers			
28	Other Current Liabilities			
	Total Current Liabilities			
	Net Current Assets			
29	Subsidy Receivable from Government			

## NET ASSETS

## FINANCED BY

30	Borrowings for Workings Capital	
31	Payments due on Capital Liabilities	
32	Capital Liabilities	
33	Funds from State Government	
34	Contributions, Grants and Subsidies towards Cost of Capital Assets	
35	Reserves and Reserve Funds	
	Surplus/(Deficit)	

## TOTAL FUNDS

\*Schedule 20 relates to Function-wise Break-up of Fixed Assets.

## STATEMENT OF ACCOUNTING POLICIES

## STATEMENT 4

1. Statement on Compliance with the Provisions of the Electricity (Supply) Act, 1948 and the Rules made thereunder.

The Board has maintained its accounts and compiled its Annual Statement of Accounts in accordance with the related provisions of the Electricity (Supply) Act, 1948 and the Rules made thereunder.

The following departures from the Basic Accounting Principles and Accounting Policies (as permitted under the Rules) have been made for the reasons stated thereagainst :

(a) (b) (c)

2. Changes in Accounting policies

The accounting policies adopted by the Board have been consistently followed during the year, except for the changes in the following areas :

(For each change in the accounting policy, state

—policy followed hitherto

—policy adopted during the year

—the amount, if material, by which any item in the Revenue Account, Net Revenue and Appropriation Account or Balance Sheet, has been affected by the change. For this purpose, a plus/minus change of 3% or more shall be considered to be material).

## NOTES TO ACCOUNTS

## STATEMENT 5

Notes to accounts are an important requirement in providing a true & fair view. Notes must be as clearly worded as possible and be able to fully convey the matter without any ambiguity. Amounts involved must be given wherever relevant.

Notes should be split into 2 sections :

- (A) Notes to Revenue Account and Net Revenue & Appropriation Account and
- (B) Notes to Balance Sheet.

Wherever a note relates to items in both the sections, the note should be given in the Section for Revenue Account.

Cross reference of note number should be given against the relevant item in the Revenue Account, Net Revenue & Appropriation Account, Balance Sheet or any of the other Statements or Schedules. Similarly, relevant Schedule number/Statement number should also be stated against the note.

The matters included in the attached list must be disclosed in 'Note to Accounts' by every board except in cases where any of them are not applicable to a Board. This list, however, is not intended to be an exhaustive list and, therefore, a Board would have to select other matters for which a note would be essential in the Annual Accounts.

**Explanation of Certain Terms used in the Notes to Accounts**

- (1) Note 1 refers to 'Contracts placed but not executed and not provided for' This term means:

The total value of the work contracted as on the date of the Balance Sheet

*Less :*

Contract value of work which is executed and accounted for (i.e. either paid for or a liability in favour of the supplier/contractor having been provided for) as on that date.

*Less :*

Amount of advance payments (made against the unexecuted portion of contract) which remains unadjusted as on the date of the Balance Sheet.

The word 'contract' for the purpose of this note covers all types of capital contracts, such as contracts for capital supplies, contracts for erection of capital assets ; contracts for supply-cum-erection of capital assets etc. contract value of which exceeds Rs 1 crore each.

- (2) Notes 3 and 4 below refer to 'unconditional obligations for purchase and unconditional right of sale of power'.

An 'unconditional purchase obligation' is any arrangement for purchase of power from other bodies which is non-cancellable or is cancellable only:

- upon the occurrence of some remote contingency or
- with the permission of the other party or
- If a replacement agreement is signed between the same parties or
- upon payment of a penalty of such an amount that the continuation of the agreement appears reasonably assured.

What is, 'unconditional purchase obligation' for the purchasing party is 'an unconditional right of sale' for the selling party.

- (3) Notes 3 and 4 distinguish unconditional purchase obligations "with financing arrangement" from others. Unconditional purchase obligations "with financing agreement" means the purchase arrangement of the type described in (2) above which was negotiated as part of financing for the facilities (generating station, transmission lines etc). that will provide the contracted power. Example of such an arrangement is financing of NTPC projects by the World Bank subject to NTPC entering into agreements with State Electricity Boards for purchase of power to be generated by NTPC.

## NOTES TO ACCOUNTS

STATEMENT 5  
(Cont'd)

## MATTERS TO BE DISCLOSED IN 'NOTES TO ACCOUNTS'

	End of This year  Rs.	End of Previous year Rs.
1. Commitments for Capital Expenditure :		
Contracts placed but not executed and not provided for		
Works Authorised but not contracted		
Total		

2. Aggregate amount of Capital Liabilities falling due for Repayment/Redemption  
—next year

3. Unconditional Obligations for Purchase of Power

—With Financing Arrangement

—Others

The disclosure of such obligations should include the nature and term of obligations, the fixed or variable payments to be made for the power purchase under the agreement, the units and value of purchase during the year etc. separately for each such obligation.

4. Unconditional right of Sale of Power

—With Financing Arrangement

—Others

The disclosure shall include information referred to in note 3 above for purchase obligations.

5. In respect of Contingent Liabilities which are in excess of 1 crore each in value, Board shall disclose the total amount contingently payable if the liabilities were to become actual liabilities as of the date of the Balance Sheet.

6. Lien etc. on Board's assets.

7. Conditions, if any, remaining unfulfilled as on the date of the Balance Sheet for government grants etc. though the grant is received.

8. Board's assets, whether adequately insured or not.

9. Accumulated losses and unabsorbed depreciation and investment allowance as at the year-end in the income-tax proceedings.

This year		Previous year	
MT	MT	MT	MT

10. Coal Receipts, Consumption and Stocks' (Quantities):

Opening Stock

Gross Receipts

## NOTES TO ACCOUNTS

STATEMENT 5  
(Cont'd)

Less : Transit Loss	—				
	—	—	—	—	—
Net Receipts		—			
		—	—	—	—
Opening Stock plus Net Receipts		—			
Less : Consumption		—			
		—	—	—	—
Closing Stock		—			
		—	—	—	—

11. Amount of Liability for customs duty on capital equipment, spares and other materials in Bonded Warehouse which is not provided for.

12. Classification of Expenditure :

“All expenses are reflected in Revenue Account under natural heads. Accordingly expenses shown under Purchase of Power, Generation of Power or Repairs and Maintenance do not include any employee costs, depreciation, administration and general expenses and interest and finance charges which are disclosed separately”.

13. Revenue Account includes the following costs and revenue at trial stage in respect of the undermentioned generating stations, incurred after the capitalisable period i.e. Full period of trial stage or the period of three months from the commencement of trial stage (whichever is shorter) :

(1) Location of Generating Station

(2) Capacity

(3) Period of trial stage

(4) Units generated, auxiliary consumption and net generation during the trial stage

(5) Revenue from sale of power generated during trial stage (Total less : Capitalised =  
Credited to Revenue A/c)

(6) Costs incurred during trial stage— (Itemwise break-up) (total less : Capitalised =  
Charged to Revenue A/c)

14. Revenue Account includes the following continuing expenses relating to the undermentioned closed Power Stations, Lines, Sub-Stations etc. :

(1) Details of the closed Power Station/Line/Sub-Station

(2) Date of Closure

(3) Total expenses incurred since closure Rs. .... of which Rs. .... is incurred during the year

(4) Break-up of expenses into Employee Costs, Repairs and Maintenance, Administration

15. Note regarding reasons for extremely abnormal increase/decrease in the value of items in Annual Accounts as compared to those in the previous year.

16. Take-over of Licensee, broad details of assets and liabilities taken over, mortgages etc. of the assets not released upto the Balance Sheet date, compensation paid/payable and disputes, if any, raised by the licensee regarding the take-over, compensation or other matters.

17. Generation, Purchase and sale of Power (in million units)

	THIS YEAR			PREVIOUS YEAR		
	Units Generated	Auxilliary Consumption	Net	Units Generated	Auxilliary Consumption	Net
Thermal	✓	✓	✓			
Hydel	✓	✓	✓			
Gas	✓	✓	✓			
Purchase			✓			✓
Sale			✓			✓
T & D Losses		Units & %			Units & %	

## 18. Generating Stations

Location	Capacity
----------	----------

A. Plants in operation since the beginning of the year

B. Plants commissioned during the year

C. Plants decommissioned during the year

19. Purchase, Issues and Stocks of Materials (Value recorded in Account heads 22.2 to 22.6 should be disclosed here)

	Balance in Account code	This Year		Previous Year	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(A) Opening Stock					
—Capital	22.60 & 22.61	✓			
—O & M	22.62 & 22.63	✓	✓		
Total					
(B) Purchases					
—Capital	22.20 & 22.21	✓			
—O & M	22.22 & 22.23	✓			
Total			✓		
(C) Opening Stock Plus purchases			✓		
(D) Issues for Consumption					
—Capital	22.30 & 22.31	✓			
—O & M	22.32 & 22.33	✓			
Total			✓		
(E) Issued to Contractors					
—Issues	22.34 & 22.35	✓			
—Returns	22.36 & 22.37	✓			
Net Issues			✓		
(F) Total Issues (D+E)					
(G) Closing Stock					
—Capital	22.60 & 22.61	✓			



## NOTES TO ACCOUNTS

STATEMENT 5  
(Cont'd)

—O & M	22.62 & 22.63	✓		
Total		✓		
(H) Transfer Inward	22.40 & 22.41	✓		
(I) Transfer Outward	22.42 & 22.43	✓		
20. Reconciliation of Receivables against Sale of Power				
	Account Code	This year		Previous Year
		Rs.	Rs.	Rs. Rs.
(A) Opening Balance				
	23.1	✓		
	23.2	✓		
	23.4			
	23.5			
	23.6			
	23.7	✓		
			✓	
(B) Revenue from Sale of Power				
	61.1	✓		
	61.2	✓		
	61.3			
	61.6			
	61.7			
	61.9			
(C) Total Electricity Duty and other Levies Charged	61.501 } to 61.539)			
(D) Delayed Payment Charges	62.250	✓		
			✓	
(E) Total Debits (B to D)			✓	
(F) Total (A + E)			✓	
(G) Collections from Consumers	23.3	✓		
(H) Discount to Consumers for Timely Payment of Bills	78.820 } to 78.839)	✓		
(I) Bad Debts Written-off	79.410	✓		
(J) Security Deposits from Permanently Disconnected Consumers adjusted	—	✓		
(K) Total Credits (G to J)			✓	
(L) Closing Balance (F —K)			✓	

STATEMENT 5  
(Cont'd)

## NOTES TO ACCOUNTS

## 20. Reconciliation of Receivables against Sale of Power (Cont'd)

	Account Code	This Year		Previous Year	
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(M) Break-up of Closing Balance	23.1				
	23.2				
	23.4				
	23.5				
	23.6				
	23.7				
(N) Increase/Decrease in Receivables (A—L)					

## 21. Bases of determining quantities of Fuel Receipts, Consumption and Stocks at Power Stations of the Board.

## FUNCTION-WISE ANALYSIS OF REVENUE AND EXPENSES

## STATEMENT 6

Sr. No.	Item	Function (See Note 1 below)	GENERATION					Trans- mission
			Hydel	Thermal	Gas	....	Total	
REVENUE								
1.	Revenue from Sale of Power							
2.	Revenue Subsidies and Grants (See Note 3)							
3.	Other Income (See Note 3)							
4.	TOTAL INCOME							
EXPENSES								
1.	Purchase of Power (Put it in total column)							
2.	Generation of Power							
	—Fuel Consumption							
	—Other Fuel related costs							
	—Operating Expenses							
	Sub-total							
	—Fuel related Losses							
	Total							
3.	Repairs and Maintenance							
4.	Employee Costs							
5.	Administration and General Expenses							
6.	Depreciation and Related Debits (Net)							
7.	Interest and Finance Charges							
8.	Total Expenses							
9.	Less : Expenses Capitalised							
10.	Add : Expenses Re-allocated							
11.	NET EXPENSES							

- NOTES : (1) The functions shown in this schedule are only illustrative. Actually the analysis would be for those functions which are incorporated in the Location Codes assigned to accounting units.
- (2) To be shown in the column of the function the subsidy/grant relates to.
- (3) This being the income accounts group for different types of income including miscellaneous receipts, each function is likely to have some amount of some income.

## STATEMENT 6

Construc- tion	DISTRIBUTION					Stores organisa- tion	Manage- ment & Adminis- tration	Grand Total
	HV	MV & LV	Public Lighting	.....	Total			
	✓	✓	✓	✓	✓			
								✓
						NIL	NIL	

## SOURCES AND USES OF FUNDS

STATEMENT 7  
(Rs. in lakhs)

Note	Sr. No.	Particulars	THIS YEAR	PREVIOUS YEAR
1	2	3	4	5
		<b>FUNDS PROVIDED BY</b>		
		Profit before tax (excluding Revenue Subsidies and Grants)	✓	
		Less : Tax payments during the year	✓	
				✓
		<b>Add : Debits to Revenue Account not requiring Cash Outlay</b>		
		—Depreciation	✓	
		—Amortisation of deferred costs	✓	
		—Amortisation of intangible assets	✓	✓
		<b>Less : Credits to Revenue Account not involving cash receipts</b>		
			✓	
			✓	
			✓	✓
		Net Funds from Earnings		✓
		Receipts of Revenue Subsidies and Grants		✓
		Contributions, Grants and Subsidies towards cost of capital assets		✓
		Proceeds from disposal of fixed assets		✓
		<b>FUNDS FROM OPERATIONS</b>		✓

1	2	3	4	5
	Increase/(Decrease) in Working Capital			
	--Stocks		✓	
	--Receivables against Supply of Power		✓	
	--Loans & Advances		✓	
	--Sundry Receivables		✓	
	Sub-total		✓	
	--Security Deposits from Consumers		✓	
	--Current and Accrued Liabilities		✓	
	Net Increase/Decrease in Working Capital			✓
	Increase/Decrease in Cash and Bank Balances			✓
	Increase/Decrease in Borrowings for Working Capital			✓
	FUNDS UTILISED ON WORKING CAPITAL			✓
	NET FUNDS FROM OPERATIONS			✓
	FUNDS UTILISED ON CAPITAL EXPENDITURE			
	On Projects (Refer Annexure to Statement 7 for Projectwise break-up)			✓
	Intangible assets			✓
	Deferred costs			✓
	TOTAL CAPITAL EXPENDITURE			✓
	SHORTFALL IN CAPITAL FUNDS MET FROM EXTERNAL SOURCES			✓
	NET INCREASE/(DECREASE) IN CAPITAL LIABILITIES			
	Fresh Borrowings			
	State Loans		✓	
	Foreign Currency Loans/Credits		✓	
	Other Borrowings		✓	
	Less : Repayments			
	State Loans		✓	
	Foreign Currency Loans/Credits		✓	
	Other Borrowings		✓	
	Increase/Decrease in Payments Due on Capital Liabilities		✓	✓
	Net Increase/(Decrease) in Capital Liabilities			✓
	NET (INCREASE)/DECREASE IN INVESTMENTS			✓
	NET CAPITAL FUNDS FROM EXTERNAL SOURCES			✓
	Net Funds from Operations as a percentage of Total Capital Expenditure			%

## PROJECT-WISE ANALYSIS OF CAPITAL EXPENDITURE

Annexure to Statement 7

Project Code	Brief Description of Project	Total Project Cost		Cost upto the end of the Previous Year	Cost Incurred during this year	Total cost upto the end of this year
		Original Sanction	Revised Sanction			
	GENERATION (A)					
	Sub-total (A)					
	TRANSMISSION LINES & SUB-STATIONS (B)					
	Sub-total (B)					
	RURAL ELECTRIFICATION (C)					
	OTHER PROJECTS (D)					
	Sub-total (D)					
	Total (A to D)					
	Construction machinery not covered by any project					
	Revenue expenses capitalised					
	Provision for Works completed					
	<b>GRAND TOTAL</b>					

Notes : (1) Cost incurred during this year does not include—

The increase/decrease in following balances as compared to these balances at the end of previous year

Increase/(decrease) in advances for capital supplies/capital Works Rs. \_\_\_\_\_

Increase/(decrease) in capital stores at construction locations Rs. \_\_\_\_\_

(Increase)/decrease in liability for capital supplies/capital works Rs. \_\_\_\_\_

NET Rs. \_\_\_\_\_

(2) In the capital expenditure on take-over of licensee mentioned in project code . . . . . above.

Compensation paid in cash is Rs. \_\_\_\_\_

and

Compensation in form of Bonds/Debentures is Rs. \_\_\_\_\_

STATEMENT OF CAPITAL BASE AND SURPLUS  
[under Section 59 of the Electricity (supply) Act, 1948].

## STATEMENT 8

Sr. No.	Particulars	Schedule	At the Beginning of this year	At the Beginning of the Previous year
1.	Original Cost of Fixed Assets	19		
2.	Less : Accumulated Depreciation	19		
3.	Net Block (1—2)			
4.	Consumer's Contribution	34		
5.	CAPITAL BASE (3—4) (i.e. Value of Fixed assets in Service at the beginning of the year under Section 59)			
Sr. No.	Particulars	This year	Previous year	
6.	SURPLUS (under Section 59)			
7.	Surplus as a % of Capital Base (under Section 59)	%	%	%

## STATEMENT OF TECHNICAL PARTICULARS

## STATEMENT 9

Sr. No.	Particulars	This Year	Previous Year
1.	Installed Generating Capacity (in MW) at the year-end		
	Hydel		
	Thermal		
	_____		
	_____		
	TOTAL	_____	_____
2.	Normal Maximum Demand on the system (in MW)		
	(a) Restricted		
	(b) Unrestricted		
3.	Plant Capacity available at the time maximum system demand was met	%	%
	(as a % of Declared Net Capacity of generating stations)		
4.	Plant Load Factor		
5.	Generation (in Million KWH)		
	Hydel		
	Thermal		
	_____		
	_____		
	TOTAL	_____	_____
6.	Auxiliary Consumption (in Million KWH)		
7.	Power Purchases (in Million KWH)		
	Sources		
	TOTAL	_____	_____
8.	Power available for Sale (in Million KWH) (5—6—7)		
9.	Power Sold (in Million KWH)		
10.	Transmission & Distribution Losses		
	—in Million KWH (8—9)		
	—As a % of total power available for sale	%	%
11.	Fuel		
	(a) Consumption (in MT)		
	Coal		
	RFO/FO		
	LD Oil/HSD		
	(b) Average Calorific Value per kg of Fuel Consumed (in K. Cal./Kg.)		
	Coal		
	RFO/FO		
	LD Oil/HSD		
	(c) Consumption per Unit of Generation (in Kg./KWH)		
	Coal		
	RFO/FO		
	LD Oil/HSD		

STATEMENT 9  
(Contd.)

## STATEMENT OF TECHNICAL PARTICULARS

Sr. No.	Particulars	This year		Previous year	
		No. of Consumers	Connected Load in MW	No. of Consumers	Connected Load in MW
12.	Sale of Power				
	Consumer Category :				
	(i) Domestic				
	(ii) Commercial				
	(iii) Public Lighting				
	(iv) Irrigation and Dewatering				
	(v) Public Water Works				
	(vi) Industrial (LT/HT, Power-Intensive, Special)				
	(vii) Railway Traction				
	(viii) Bulk Supply				
	(ix) Outside Supplies				
	(x) Miscellaneous				
	<b>TOTAL</b>				

Note : Wherever appropriate indicate % Increase/Decrease over the previous year in brackets.

## PART II

## SCHEDULE TO THE REVENUE ACCOUNT

## SCHEDULE 1

## REVENUE FROM SALE OF POWER

Sr. No.	Particulars	Account Code	This year	Previous year
			Rs.	Rs.
1	2	3	4	5
1.		Consumer categorywise/		
2.		sub-accounts under main		
3.		accounts 61.2 and 61.3		
4.		and consumerwise sub-		
:		accounts under main		
:		account 61.1		
15.				
	Total Revenue			
16.	Electricity Duty Recovery	61.501 to 61.519		
17.	Other State Levies Recovery	61.521 to 61.539		
18.	Meter Rent/Service Line Rental	61.6		
19.	Recoveries for Theft of Power/Malpractice	61.7		

1	2	3	4	5
20.	Sub-total			
21.	Whooling Charges Recoveries	61.8		
22.	Miscellaneous charges from Consumers	61.9		
23.	GROSS REVENUE FROM SALE OF POWER			
24.	Less : Electricity Duty Payable(Contra)	61.541 to 61.559		
25.	Other State Levies Payable (Contra)	61.561 to 61.579		
26.	TOTAL			

## SCHEDULE 2

## ELEMENTWISE ANALYSIS OF REVENUE

Sr. No	Particulars	Account Code	This year Rs.	Previous Year Rs.
	REVENUE			
	Demand Charges	Last digit of the sub-accounts for each consumer category grouped by element		
	Energy Charges			
	Fuel Cost Adjustment Charge			
	Power Factory Surcharge			
	Adjustments to Past Billings			
	TOTAL			
	ELECTRICITY DUTY & OTHER STATE LEVIES			
	Electricity Duty Recovery	61.501 to 61.519		
	Other State Levies Recovery	61.521 to 61.539		
	TOTAL EXCISE			
	METER RENT/SERVICE LINE RENTAL	61.6		
	RECOVERIES FOR THEFT OF POWER/MALPRACTICES	61.7		
	WHEELING CHARGES RECOVERIES	61.8		
	MISCELLANEOUS RECOVERIES			
	Fuse Charges	Sub-accounts under 61.9		
	TOTAL MISCELLANEOUS RECOVERY	61.9		
	GROSS REVENUE FROM SALE OF POWER			
	Less : Electricity Duty Payable (Contra)	61.541 to 61.559		
	Other State Levies Payable (Contra)	61.561 to 61.579		
	TOTAL			





## SCHEDULE 6

## PURCHASE OF POWER

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year Rs.	Previous Year Rs.
1.	Power purchased	70.1 Each sub-account separately		
2.	Total Power purchase			
3.	Write-off of cost of acquiring rights to receive power from other bodies	70.3		
4.	Wheeling charges	70.4		
TOTAL				
Fuel Consumption				
1.	Coal	71.110	✓	
2.	Oil	71.120	✓	
3.	Gas	71.130	✓	
4.	—	71.140	✓	
		to		
		71.199		
5.	Total (1 to 4)		✓	
6.	Other Fuel Related Costs	71.2	✓	
		71.3,	✓	
		(71.4	✓	
		62.7)		
7.	Sub-total for Fuel Cost (5 + 6)		✓	
Operating Expenses				
8.	Cost of Water	71.5		
	— Hydel Power		✓	
	— Thermal Power		✓	
9.	Lubricants and Consumable Stores	71.6	✓	
10.	Station Supplies	71.7	✓	
11.	Sub-total for Operating Expenses (8 to 10)		✓	
12.	Cost of Generation of Power (7 + 11)		✓	
13.	Fuel Related Losses	(72.1,	✓	
		72.2)		
		72.3		
14.	TOTAL (12 + 13)		✓	

## SCHEDULE 8

## REPAIRS AND MAINTENANCE

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year	Previous Year
			Rs.	Rs.
	Repairs and Maintenance to			
	Plant & Machinery	74.1		
	Buildings	74.2		
	Civil Works	74.3		
	Hydraulic Works	74.4		
	Lines, Cable Network etc.	74.5		
	Vehicles	74.6		
	Furniture & Fixture	74.7		
	Office Equipments	74.8		
TOTAL				

## SCHEDULE 9

## EMPLOYEE COSTS

Sr. No.	Particulars	Account code	This Year		Previous Year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Salaries	75.1				
2.	Overtime	75.2		✓		
3.	Dearness Allowance	75.3	✓	✓		
4.	Other Allowances	75.4		✓		
5.	Bonus	75.5		✓		
6.	Sub-total			✓		
7.	Medical Expenses Reimbursement	75.611	✓			
8.	Leave Travel Assistance	75.612	✓			
9.	Earned Leave Encashment	75.617	✓			
10.	Payment under Workmen's Compensation Act	75.629	✓			
11.	Total Other Staff Costs (7 to 10)			✓		
12.	Staff Welfare Expenses	75.7		✓		
13.	Terminal Benefits	75.8		✓		
TOTAL						

## SCHEDULE 10

## ADMINISTRATION &amp; GENERAL EXPENSES

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year		Previous Year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Rent, Rates and Taxes	76.101				
		76.102	✓	✓		
2.	Insurance	76.104	✓	✓		
		to				
		76.106				

Sr. No.	Particulars	Account Code	This year		Previous year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
3.	Telephone charges, Postage, Telegram and Telex Charges	76.111 to 76.113		✓		
4.	Legal Charges	76.121		✓		
5.	Audit Fees	76.122		✓		
6.	Consultancy Charges	76.123		✓		
7.	Technical Fees	76.124		✓		
8.	Other Professional Charges	76.125				
9.	Conveyance & Travel	76.131 to 76.139				
10.	Other Expenses	76.151 to 76.190				
	Fees & Subscription		✓			
	Books & Periodicals		✓			
	Printing & Stationery		✓			
	Advertisements		✓			
	Contributions		✓			
	Electricity Charges		✓			
	Water Charges		✓			
	Entertainment		✓			
	Miscellaneous Expenses		✓			
11.	Total of Other Expenses					
12.	Freight	76.210 to 76.220	✓			
13.	Other Purchase related expenses	76.230 to 76.299		✓		
14.	Total freight and other Purchase related expenses	76.2		✓		
15.	TOTAL					

## SCHEDULE 11

## DEPRECIATION AND RELATED DEBITS (NET)

1.	Depreciation	77.1 & 77.2		✓		
2.	Asset Decomisioning Costs	77.5		✓		
3.	Small and Low Value Items Written-off	77.6		✓		
4.	Sub-total			✓		
5.	Written down value of assets scrapped	77.710	✓			
6.	Write-off of deficits of Fixed Assets observed upon physical verification.	77.720	✓			
7.	Loss on Sale of Fixed Assets	77.730	✓			

Sr. No.	Particulars	Account code	This year		Previous year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
8.	Total of 5 to 7			✓		
9.	Total Debits (4 and 8) Less :			✓		
10.	Gain on Sale of Assets (excluding Capital Gains Rs. .... transferred to Capital Reserve)	62.4		✓		
11.	TOTAL			✓		

## SCHEDULE 12

## INTEREST AND FINANCE CHARGES

1.	Interest on State Government Loans	78.1		✓		
2.	Interest on Bonds	78.2		✓		
3.	Interest on Debentures	78.3		✓		
4.	Interest on Foreign Currency Loans/Credits	78.4		✓		
5.	Interest on Other Loans/Deferred Credits	Each Sub- account under 78.5 shown separately	✓			
6.	Penal Interest in respect of Capital Liabilities	78.591 to 78.599		✓		
7.	Interest to Consumers	78.6				
8.	Total Interest on Capital Liabilities			✓.		
9.	Interest on Borrowings for Working Capital	78.7	✓			
10.	Other Interest and Finance Charges					
11.	Discount to Consumers for Timely Payment of Bills	78.820 to 78.839	✓			
12.	Interest to Suppliers/Contractors	78.841 to 78.842	✓			
13.	Interest on Fixed Deposits	78.850	✓			
14.	Interest on Contributory Provident Fund	78.851	✓			
15.	Interest on General Provident Fund	78.852	✓			
16.	Other Interest	Other sub-account under 78.85	—	✓		
17.	Cost of Raising Finance	78.861 to 78.869		✓		
18.	Discount on Issue of Bonds/Debentures	78.871	✓			

Sr. No.	Particulars	Account code	This year Rs.	Previous year Rs.
19.	Premium on Redemption of Bonds/Debentures	78.873	✓	✓
20.	Other Charges	78.881 to 78.889	✓	
21.	Interest on sums paid by State Govt. under Guarantees	78.890	✓	
22.	TOTAL		✓	

Note : The interest charges shown in the Schedule are after deducting a rebate of Rs. ☐ earned for timely payment of interest/timely repayment of borrowings.

## SCHEDULE 13

## INTEREST AND FINANCE CHARGES CAPITALISED

This Schedule shall contain the detailed workings for computing the amount of capitalised interest on funds used during construction stage.

This Year

Previous Year :

## SCHEDULE 14

## OTHER EXPENSES CAPITALISED

1.	Capitalisation of Cost of Generation during trial stage	71.9
2.	Employee Costs capitalised	75.9
3.	Administration and General Expenses capitalised	76.9
4.	Depreciation and related costs capitalised	77.9
TOTAL		

## SCHEDULE 15

## OTHER DEBITS

Sr. No.	Particulars	Account code	This year Rs.	Previous year Rs.
1.	Materials Cost Variance	79.1		
2.	Research & Development Expenses	79.2		
3.	Cost of Trading/Manufacturing Activities	79.3		
4.	Bad and Doubtful Debts Written off / Provided for	79.4		
5.	Miscellaneous Losses & Write-offs	79.5		
6.	Sundry Expenses	79.7		
		(each sub account separately)		
TOTAL				

## SCHEDULE 16

## EXTRAORDINARY ITEMS

Extraordinary items are defined as "Those items which arise from events or transactions outside the ordinary activities of the Board and which are both material and expected not to recur frequently or regularly. They do not include items which, though exceptional in terms of amount and occurrence (and which may therefore require separate disclosure), arise from the events or transactions within the ordinary activities of the Board. Similarly prior period items are not extraordinary items merely because they relate to a prior year.

	This year Rs.	Previous year Rs.
1. Extraordinary Credits (including subsidies against loss on account of flood, fire, cyclone etc. Account Head 63.2)		
1		
1		
1		
1		
Total Credits		
2. Extraordinary Debits (Losses on Account of Flood, Cyclone, Fire etc. Account Head 79.8)		
1		
1		
1		
1		
Total Debits		
3. Extraordinary items (Net)		

## SCHEDULE 17

## PROVISION FOR INCOME TAX

Sr. No.	Particulars	Account code	This year Rs.	Previous year Rs.
	Provision for Income Tax	46.8		
	TOTAL			

## SCHEDULE 18

## NET PRIOR PERIOD CREDITS/CHARGES

Prior period items are defined as those items which arise

- from retrospective change in the basis of accounting (it may be noted that retrospective changes in the basis of accounting should be avoided as far as possible).
- on correction of fundamental error in accounts of prior periods.
- on account of short or excess provision made in previous years.

## Boards

Waiver of any liability relating to revenue expense of past years (such as waiver of interest for past years by State Government in view of the Boards' weak financial position) would be treated as prior period income.

Sr. No.	Particulars	Account code	This year Rs.	Previous year Rs.
1.	Income relating to previous years	Separately each sub-account under 65.1 to 65.9		
2.	Prior period expenses/losses	Separately for each sub-account under 83.1 to 83.9		
3.	Net Prior period credits/Charges (1-2) or (2-1) as the case may be			

**PART III**  
**SCHEDULE TO THE BALANCE SHEET**

**SCHEDULE 19**

**FIXED ASSETS & PROVISION FOR DEPRECIATION**

Sr. No.	Asset Group	Account code	Gross Block				
			At the end of previous year	Additions	Deductions	Reclassification	At the end of the year
1.	Land & Land Rights	10.1					
2.	Buildings	10.2					
3.	Hydraulic Works	10.3					
4.	Other Civil Works	10.4					
5.	Plant & Machinery	10.5					
6.	Lines and Cable Network	10.6					
7.	Vehicles	10.7					
8.	Furniture & Fixtures	10.8					
9.	Office Equipment	10.9					
Sub-TOTAL							
10.	Capital Expenditure resulting in an asset not belonging to the Board	11.1					
11.	Spare Units/Service Units	11.2					
12.	Capital Spares at Generating Stations	11.3					
13.	Asset taken over from Licensees-pending final valuation	11.5					
TOTAL							
TOTAL for Previous Year							



Also provide notes as given on the next page.

[illegible]

Notes : (1) Previous year's figures should be shown in brackets below each figure

(2) Disclose by way of a note that "Gross block does not include value of small and low value assets each costing below Rs. 500, charged to Revenue Account in the year in which they are first put to use."

— Value of such assets charged to Revenue Account

— during the year Rs. ....

— Total upto the Balance Sheets date (i.e. including previous years' write offs) Rs.....”

**SCHEDULE 20**

### FUNCTIONWISE BREAK UP OF FIXED ASSETS

Function	Gross Block				
	At the end of the previous year	Additions	deductions	Reclassification	At the end of the year
Thermal Generation					
Hydel Generation					
Transmission					
Distribution					
TOTAL					

## Previous Year

Accumulated Depreciation					Net Book	
At the end of the previous year	Depreciation for the year	Adjustments on deductions	Reclassification	At the end of the year	At the end of the year	At the end of the previous year

## CAPITAL EXPENDITURE IN PROGRESS

## SCHEDULE 21

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year Rs.	Previous Year Rs.
1.	Capital Work-in-progress	14		
2.	Contracts-in-progress	15.1		
3.	Sub-total			
4.	Revenue Expenses Pending Allocation over Capital Works	15.2		
5.	Provision for completed work	15.5		
6.	Construction Facilities (Cost Rs. less Provision for Depreciation Rs. ....)	15.6		
7.	Assets at construction stage (3 to 6)			
8.	Advances for Suppliers/Contractors (Capital)	25.1 to 25.9		
9.	TOTAL			

- Note : 1. Under the standard rate based valuation, certain fast moving items of stores are charged to works at their standard rates and not at actual cost. For the year as a whole, the variance between the standard rate and the actual cost accumulated in Materials Cost Variance shows (an excess of standard cost over actual cost Rs. ....) (an excess of actual cost over standard cost Rs. ....) on the total purchases of materials (for use for both capital and O&M) recorded during the year Rs. ....
2. Contracts-in-progress represents the portion of interim payments made to contractors for capital works executed in respect of which title is to pass to the Board only upon completion of the contract.
3. Depreciation on construction facilities charged to capital work during the year is Rs. ....

## ASSETS NOT IN USE

## SCHEDULE 22

Balance in the beginning of the previous year Rs.	Additions during the previous year Rs.	Deductions during the previous year Rs.	Sr. No.	Asset Group	Account Code	Balance at the end of the previous year Rs.	Additions during the year Rs.	Deductions during the year Rs.	Balance at the end of (This year) Rs.
				1. Written down value of obsolete/Scrapped assets	16.1				
					Each sub-account separately disclosed				
				Total					

## SCHEDULE 23

## DEFERRED COSTS

Balance in the beginning of the previous year	Cost deferred during the previous year	Costs charged to revenue during the previous year	Particulars	Account code	Balance at the end of previous year	Costs deferred during the year	Costs charged to revenue during the year	Balance at the end of (this year)
Rs.	Rs.	Rs.			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
			Deferred Revenue Expenditure —Compensation for premature takeover of Licensed	17.2 17.221				
				Other sub-accounts under	17.2			
			Total Deferred Revenue Expenditure					
			Expenditure on survey/feasibility studies of projects not yet sanctioned	17.3				
			Total Deferred Costs	17				

## SCHEDULE 24

## INTANGIBLE ASSETS

Balance in the beginning of the previous year	Cost incurred during the previous year	Costs charged to revenue during the previous year	Intangible Assets	Account code	Balance at the end of previous year	Cost incurred during the year	Costs charged to revenue during the year	Balance at the end of this year
Rs.	Rs.	Rs.			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
			Payments to acquire right to receive power from other bodies	18.100				
			Expenses for forming and organising the Board	18.200				
			TOTAL					

## SCHEDULE 25

## INVESTMENTS

Balance in the beginning of the previous year	Further investments during the previous year	Investments realised during the previous year	Sr. Investment No.	Investment	Account code	Balance at the end of the previous year	Further investments during the year	Investments realised during the year	Balance at the end of (This year)	Details of investments, certificates etc. pledged or given as a security deposit
			1.	Investments against funds	20.1	Each sub-account separately				
				Sub-total						
			2.	Investments other than fund investments	20.2	Each sub-account separately				
				Sub-total						
			3.	Investments in subsidiaries	20.3	Each sub-account separately				
				Sub-total						
			4.	Investments in partnerships/joint ventures	20.4	Each sub-account separately				
				Sub-total						
				Grand Total						

## SCHEDULE 26

## TOTAL CURRENT ASSETS

Sr. No.	Current Asset	Schedule	This year	Previous year
1.	Stocks	26(a)		
2.	Receivables against Supply of Power	26(b)		
3.	Cash and Bank Balances	26(c)		
4.	Loan and Advances	26(d)		
5.	Sundry Receivables	26(e)		
6.	TOTAL			

## STOCKS

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year		Previous Year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Fuel Stocks	21.101	✓			
		21.105	✓			
		21.108	✓			
2.	Coal in Transit	21.121	✓			
3.	Oil in Transit	21.125	✓	✓		
4.	Stock of Materials at Construction Stores	22.60		✓		
		&		✓		
		22.61		✓		
5.	Stock of Materials at Other Stores	22.62 &		✓		
		22.63		✓		
6.	Materials at Site	22.64 &		✓		
		22.65		✓		
7.	Materials pending Inspection	22.66 &		✓		
		22.67		✓		
8.	Materials in Transit	22.68 &		✓		
		22.69		✓		
9.	Other Materials Accounts	22.7		✓		
10.	Fuel Stock Excess/Shortages—Pending Investigation	21.2		✓		
11.	Materials Stock Excess/Shortage—Pending Investigation	22.8		✓		
TOTAL						

**SCHEDULE 26(b)**

## RECEIVABLES AGAINST SUPPLY OF POWER

Sr. No.	Particulars	Account Code	This year Rs.	Previous year Rs.
1.	Sundry Debtors for Sale of Power	23.1		
2.	Sundry Debtors for Inter-State Sale of Power	23.6		
3.	Sundry Debtors for Electricity Duty	23.2		
4.	Provision for Unbilled Revenue	23.4		
5.	Dues from Permanently Dis-connected Consumers (net of security deposits forfeited)	23.5		
6.	Sundry Debtors—Miscellaneous Receipts from Consumers	23.7		
	Sub-total			
7.	Less Provision for Doubtful dues from consumers	23.9		
	<b>TOTAL</b>			

## SCHEDULE 26(c)

## CASH AND BANK BALANCES

Sr. No.	Particulars	Account Code	This year Rs.	Previous year Rs.
1.	Cash on hand	24.1		
2.	Cash Imprests with Staff	24.2		
3.	Balance with Banks	24.3 & 24.4		
4.	Cash in Transit	24.5 & 24.6		

## TOTAL

## SCHEDULE 26(d)

## LOANS &amp; ADVANCES

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year		Previous Year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Advances for O&M Supplies/Works	26.1 to 26.7	✓			
2.	Advances for Fuel Supplies	26.8	✓			
3.	Sub-total					
4.	Loans & Advances to Staff	27.1 & 27.2	✓			
5.	Loans & Advances to Licensees	27.3	✓			
6.	Advance Income Tax/deductions at source	27.4	✓			
7.	Loans & Advances—Others	27.8	✓			
8.	TOTAL					
9.	Less: Provision for Doubtful Loans and Advances	27.9	✓			
10.	TOTAL (8-9)					

## SCHEDULE 26(e)

## SUNDRY RECEIVABLES

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year		Previous Year	
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Sundry Debtors—Trading Account	28.1		✓		
2.	Income accrued and due					
	—on investments	28.210 to 28.240	✓			
	—other Income accrued and due	28.290	✓	✓		
3.	Income accrued but not due	28.3				

1	2	3	4	5	6	7
4. Amount recoverable from Employees/ Ex-Employees		28.4		✓		
5. Fuel Related Receivables & Claims						
—Grade difference of Coal (Net of provision for loss on grade difference)		28.511 & 28.512	✓			
—Railway claims for Coal		28.513 & 28.514	✓			
—Others		Other Sub-accounts under 28.5	✓			
6. Other Claims & Receivables		28.7 & 28.8		✓		
7. Deposits		28.9		✓		
<b>TOTAL</b>						

## SCHEDULE 27

## SECURITY DEPOSITS FROM CUSTOMERS

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year Rs.	Previous Year Rs.
1.	Security Deposits from Consumers (in cash)	48.1		
2.	Security Deposits from Consumers (other than in cash)	48.2		
3.	Interest Payable on Consumers' Deposits	48.3		
<b>TOTAL</b>				

## OTHER CURRENT LIABILITIES

## SCHEDULE 28

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year		Previous Year	
			Ks.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Liabilities to Railways for Coal Receipts	40.1	✓			
2.	Liability on account of Grade Differences of Coal	40.2	✓			
3.	Unpaid Coal Bills	40.7	✓			
4.	Other Fuel related Liabilities	Other sub-accounts under 40	✓			
5.	Liability for Purchase of Power	41.1 & 41.2		✓		
6.	Liability for Capital Supplies/Works	42.1, 42.2 & 42.3		✓		
7.	Liability for O&M Supplies/Works	43.1, 43.2 & 43.3		✓		
8.	Staff related liabilities and provisions	44.1 to 44.4		✓		
9.	Deposits & Retentions from Suppliers and contractors (Net of deposits received in form of investments, etc.).	46.1 & 28.930		✓		
10.	Electricity Duty & Other Levies Payable to Govern- ment.	46.3		✓		
11.	Liability for Expenses	46.4		✓		
12.	Amount owing to Licensees	46.6		✓		
13.	Accrued/Unclaimed amounts relating to Borrowings	46.7		✓		
14.	Provision for Income Tax	46.8		✓		
15.	Other Liabilities and Provisions	46.9		✓		
16.	Sub-Total			✓		
17.	Deposits for Electrification, Service Connection etc.	47		✓		
<b>18. TOTAL</b>						

**SUBSIDY RECEIVABLE FROM GOVERNMENT**

## SCHEDULE 29

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year Rs.	Previous Year Rs.
	Capital Subsidy/Grant Receivable		28.610	
	Revenue Subsidy/Grant Receivable		28.620	
	<b>TOTAL</b>			

### BORROWINGS FOR WORKING CAPITAL

**SCHEDULE 30**

Sr. No.	Particulars	Account Code	This Year Rs.	Previous Year Rs.
1.	Cash Credit from Banks	50.1		
2.	Bank Overdrafts	50.2		
<b>TOTAL</b>				

Note : Temporary borrowings raised and repaid during the years Rs ————

### PAYMENT DUE ON CAPITAL LIABILITIES

SCHEDULE 31

Due at the beginning of previous year	Becoming due during the previous year	Payments made during the previous year	Sr. No.	Particulars	Account Code	Due at the end of the previous year	Becoming due during this year	Payments made during the year	Due at the end of the year
			1.	REPAYMENTS DUE		51.101 to 51.199 each sub-account separately			
				Total Repayments Due					
			2.	INTEREST ACCRUED AND DUE		51.201 to 51.299			
				—On Capital Liabilities—State Government					
				—On Other Capital Liabilities					
				Total Interest Accrued & Due					
			3.	TOTAL					



## SCHEDULE 32

## CAPITAL LIABILITIES

Out standing at the beginning of the previous year	Amount Received during the previous year	Repayments due during the previous year	Sr. No.	Particulars	Details of interest rate, moratorium and rate applicable at the end of the year	Account Code	Out-standing at the end of the previous year	Amount received during the previous year	Repay-ments due during the year	Out-standing at the end of the year
			1.			Each				
			2.			sub-				
			3.			account				
			4.			under				
						52 & 53.				

## TOTAL

- Note : 1. In respect of foreign currency loans/credits, the amount shown as received during the year [includes increase of Rs. ——— (previous years Rs. ———)] [is net of decrease of Rs. ——— (previous year ———)] made consequent upon the realignment the rupee value of loans/credits in terms of exchange rate at the end of the year.
2. Borrowings Power : Maximum borrowing power under Section 65(B) of Electricity (Supply) Act, 1948.  
 Less : Exercised upto the end of the year  
 Add : Redeemed during the year  
 Balance of exercisable borrowing power as at the end of the year
3. Securities offered against the borrowings.

## SCHEDULE 33

## FUNDS FROM STATE GOVERNMENT

Out-standing at the beginning of the previous year	Amount received during the previous year	Repay-ments due during the previous year	Sr. No.	Particulars	Details of interest rate, moratorium and rate applicable at the end of the year	Account Code	Outstand-ing at the end of the previous year	Amount received during the year	Repay-ments due during the year	Outst-anding at the end of the year
			1.			Each Sub-account under				
			2.			54.1 & 54.2				
			3.			shown separately.				
			4.							
			9.	TOTAL LOANS						
			10.	Amount received from State Government under Guarantees		54.3 & 54.4				
			11.	TOTAL						

Notes :—The amount outstanding at the end of the year includes.

—Rs. ————being the fair value of assets donated by State Government.

—Rs. ————being fair value of assets received under lease from the State Government.

## SCHEDULE 34

CONTRIBUTIONS, GRANTS AND SUBSIDIES  
TOWARDS COST OF CAPITAL ASSETS

Balance at the beginning of the previous year	Received during the previous year	Sr. No.	Particulars	Account Code	Balance at the end of the previous year	Additions during the year	Total at the end of the year
		1.	Consumers' Contribution	55.1			
		2.		Separately			
		3.		for each sub-account			
		19.					
		20.	Total Consumers' Contribution				
		21.	Subsidies towards cost of Capital Assets	55.2			
		22.	Grants towards cost of Capital Assets	55.3			

## TOTAL

Note :—The amount if subsidies, grants etc. becoming refundable (owing to reasons such as Board's failure to fulfil the conditions for subsidies/grants) should be shown as a negative amount in the column for 'Additions during the year' and the reasons therefor, should be disclosed by way of a note in this Schedule.

## SCHEDULE 35

## RESERVE AND RESERVE FUNDS

Balance at the beginning of the previous year	Additions during the previous year	Deductions during the previous year	Sr. No.	Particulars	Account Code	Balance at the end of the previous year	Additions during the year	Deductions during the year	Balance at the end of the year
				RESERVES					
			1.		Each sub-account				
			2.						
			3.		under 56 & 57 to be shown separately (Excluding net Revenue Appropriation A/c.)				

## 10. Total Reserves

## 11. RESERVE FUNDS

15. Total Reserve Fund

16. TOTAL

Break-up of General Reserve Additions/Deductions.

## ANNEXURE II—CHART OF ACCOUNTS

### SECTION—1

### STRUCTURE OF CHART OF ACCOUNTS

1. A structured Chart of Accounts has been recommended for booking the various transactions.

#### CODING SCHEME

2. The Account heads bear a five-digit code. The coding scheme is explained below

- (1) First and second digits indicate the Account Group.
- (2) First and second digits along with the third digit indicate the Main Account Code.
- (3) The fourth and fifth digits are used for coding Sub-Accounts within each Main Account Code.
- (4) Main Account Code along with the Sub-Account Codes forms the specific Account Code for an Account Head.

#### BOARD'S ROLE IN CODING OF SUB-ACCOUNTS

3. In several Main Account Codes, the precise Sub-Accounts shall have to be assigned by individual Boards depending on their own requirements. The examples of such codes are:

- (1) Project codes for booking capital work-in-progress.
- (2) Consumer category codes for booking the Revenue from sale of power and Receivables for sale of power.
- (3) Inter-unit accounts.

#### LOCATION CODE

4. Each Board shall assign location codes to all its Accounting Units. These shall be assigned in such a way that the code also denotes the function performed by the operations under the Accounting Unit. The exact functions to be recognised for this purpose shall be those for which separate divisions are in existence. Coding at division level would enable two different codes, say transmission and construction, to be assigned to two different division under a common circle.

#### LOCATION CODE TO BE PREFIX AT ACCOUNT CODES

5. The location code shall be a prefix to the account codes recommended in the uniform Chart of Accounts. The location code will remain same for all the transactions at an Accounting Unit. Therefore, the location code shall not have to be written every time. The code will be pre-printed on all the accounting documents in use at that location. Such a structure of account coding has enabled smaller account code of 5 digits as against 8-digit code in the existing Chart of Accounts.

#### CODING OF ACCOUNTS EXPLAINED

6. An accounting unit shall record its transactions under the proposed Chart of Accounts in the manner discussed below :

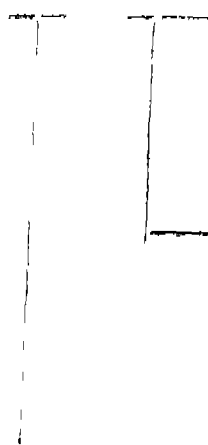
- (1) Each accounting unit shall be assigned a location code which will indicate.
  - (a) Function (generation, transmission etc) performed at the accounting unit.

(b) Specific code given to the accounting unit.

Location code will be a 3 digit code.

(2) The location code of a unit shall be a *prefix* to each account code used at the accounting unit.

111      46,410



Account code for Sundry Creditors for Expenses

Location code—Thermal Power Generation—Ukai.

- (3) The use of location code is mainly to segregate one unit from another at the time when trial balance or accounts statements/summaries from various accounting units are received at one place. For example at the stage of compiling accounts from divisions and trial balance and account summaries of a large number of circles, so long as an accounting unit sends its trial balance/accounts summaries, schedules, statements etc. to another unit with the Location Code written on it, identification of such location is ensured.
- (4) Therefore on a day to day basis, the location code need not be recorded while writing account code on vouchers etc. instead the code can be pre-printed or rubber stamped in advance.
- (5) Inter-unit advices raised by a location must bear the location code so that the receiving unit can easily identify the advices.
- (6) In relation to the accounts for inter-unit transactions, however, two location codes are involved.
- Location code of the unit which records the transaction.
  - Location code of the unit to which the transaction is debited or credited.
- For example, transfer of fixed assets from unit 334 to unit 465.
- The location code of the unit recording the transaction i.e. 334 will be as mentioned earlier, pre-printed on that unit's vouchers.
- The account code will be 32.465 where 32 is the inter-unit account for fixed assets related transaction and 465 means the transfer is to unit 465.
- Correspondingly unit number 465 has got its code pre-printed on its own vouchers. Therefore, it will use the account code 32.334 where 32 is the inter-unit account for fixed assets related transactions and 334 means the transfer is from unit number 334.
- (7) The location codes mentioned on divisions'/circles' accounts would be used for segregation of transactions of different functions at the time of compilation. The prefix of location code:
- of various divisions shall be omitted when circle prepares the trial balances of the divisions under it. The consolidated trial balance would then bear circle's code as the location code.
  - of various circles shall be omitted when the Head Office consolidates circlewise accounts and compiles the Board's accounts.

#### BLANKS PROVIDED IN THE CHART OF ACCOUNTS

7. Blanks have been provided in the Chart of Accounts at Account Group Main Account Head as well as the Sub-Account Head levels so as to provide flexibility for introduction of new account heads at appropriate levels as per the procedure laid down in paragraph 8 below.

**INTRODUCTION OF NEW ACCOUNTS**

8. The Chart of Accounts provides for all possible transactions envisaged by the Central Government. If however, a Board observes that some of its transactions cannot be booked under any of the account heads or that they need to be booked with greater analysis, new accounts, as may be necessary, shall be introduced. Purpose and usage of each new account shall be clearly defined by the Board.

9. Any main account code or sub-account code so introduced by a Board must be within the account group concerned.

10. Any main account code or sub-account code so introduced by a Board may, at Board's discretion, be reclassified within the same account group or deleted at any time thereafter.

11. Introduction of a new account group shall require prior approval of the Central Government. Any approval by the Ministry in this regard shall be in consultation with the C & AG and the concerned State Government.

**DELETION OF ACCOUNT CODES**

12. Boards shall not be permitted to delete any account from the prescribed chart of accounts. This prohibition shall apply even in cases where the Boards do not have the type of transactions covered by an account.

**SECTION—2****CHART OF ACCOUNTS****(ACCOUNT HEADS AND ACCOUNT CODES)**

ACCOUNT GROUP CODE	ACCOUNT GROUP
10 To 16	<b>CAPITAL EXPENDITURE AND FIXED ASSETS</b>
10	Fixed Assets
11	Other Capital Expenditure/Fixed Assets
12	Provision for Depreciation on Fixed Assets
13	Provision for Depreciation on Other Capital Expenditure/Fixed Assets.
14	Capital Work-in-Progress Accounts
15	Other Accounts for Assets at Construction Stage
16	Assets not in use
17 To 19	<b>DEFERRED COSTS AND INTANGIBLE ASSETS</b>
17	Deferred Costs
18	Intangible Assets
20	<b>INVESTMENTS</b>
21 To 39	<b>CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES</b>
21	Fuel Stock Accounts
22	Stocks and Related Accounts
23	Receivables against Supply of Power
24	Cash and Bank
25	Advance to Supplier/Contractors—(Capital)
26	Advance to Suppliers/Contractors—(O&M)
27	Other Loans and Advances
28	Sundry Receivables
30 To 39	<b>INTER UNIT ACCOUNTS</b>
30	Inter-Unit Accounts—Fuel
31	Inter-Unit Accounts—Materials
32	Inter-Unit Accounts—Capital Expenditure & Fixed Assets
33	Inter-Unit Accounts—Remittances to Head Office
34	Inter-Unit Accounts—Funds Transfer from Head Office

ACCOUNT GROUP CODE	ACCOUNT GROUP
36	Inter-Unit Accounts—Personnel
37	Inter-Unit Accounts—Other Transactions/Adjustments
40 To 49	<b>CURRENT AND ACCRUED LIABILITIES</b>
40	Fuel related Liabilities
41	Liability for Purchase of Power
42	Liability for Capital Supplies/Capital Works
43	Liability for O&M Supplies/O&M Works
44	Staff related Liabilities & Provisions
46	Other Liabilities and Provisions
47	Deposits for Electrification, Service Connection etc.
48	Security Deposits from Consumers
50 To 54	<b>CAPITAL LIABILITIES AND OTHER BORROWINGS</b>
50	Borrowings for Working Capital
51	Payments Due on Capital Liabilities
52-53	Capital Liabilities (Other than State Government Loans)
54	Funds from State Government
55 To 59	<b>RESERVES AND SURPLUS</b>
55	Contributions, Grants and Subsidies towards Cost of Capital Assets
56	Reserves
57	Reserve Funds
58	Surplus
60 To 69	<b>INCOME</b>
61	Revenue from Sale of Power
62	Other Income
63	Subsidies and Grants
65	Prior Period Income
70 To 89	<b>EXPENSES AND LOSSES</b>
70	Power Purchased Account
71	Cost of Generation of Power
72	Fuel related Losses
74	Repairs & Maintenance
75	Employee Costs
76	Administration and General Expenses
77	Depreciation and other Costs relating to Fixed Assets
78	Interest and other Finance Charges
79	Other Debits to Revenue Account
81	Provision for Income-tax for the year
83	Prior Period Expenses/Losses
90 To 99	<b>MEMORANDUM ACCOUNTS</b>
91	Costs and Revenue at Trial Stage
92	Memorandum Accounts for Recording No. of Units of Power Purchase, Generation, Sale etc.
10	<b>FIXED ASSETS</b>
10.1	<b>LAND AND LAND RIGHTS</b>
10.101	Land owned under full title
10.102	Land held under lease
10.103	Cost of land development on leasehold land
10.2	<b>BUILDINGS</b>
10.20	Buildings containing generating plant, transmission and distribution installations

ACCOUNT GROUP CODE	ACCOUNT GROUP
10	FIXED ASSETS—(CONT'D)
10.21	BUILDINGS (CONT'D)
10.201	Buildings containing Thermo-electric Generating Plant
10.202	Buildings containing Hydro-electric Generating plant
10.203	Buildings containing Diesel-electric generating plant
10.204 to 10.206	Blank for buildings containing other types of generating plant
10.207	Buildings containing Transmission Installations
10.208	Buildings containing Distribution installations
10.21 to 10.29	Ancillary Buildings
10.211	Office buildings
10.222	Residential colony for staff
10.233	Other Buildings
10.3	HYDRAULIC WORKS
10.301	Hydraulic works—forming part of hydro electric system, dams, spillways, weirs, canals, reinforced concrete flumes and syphons
10.305	Hydraulic works forming part of hydro electric system, reinforced concrete pipelines and surge tanks, steel pipe-lines, service gates, steel surge tanks, hydraulic control valves and other hydraulic works
10.310	Cooling water system
10.311	Cooling towers
10.315	Sweet water arrangement including reservoir etc.
10.320	Plant and pipelines for water supply in residential colony
10.322	Drainage and sewerage—residential colony
10.4	OTHER CIVIL WORKS
10.401	Pucca roads
10.402	Kutchra roads
10.412	Railway sidings
10.5	PLANT & MACHINERY
10.501	Boiler plant & equipments
10.502	Furnace/burners
10.503	Turbine—generator—steam power generation
10.504	Plant foundations for steam power plant
10.509	Auxiliaries in steam power plant
10.511	Locomotives and wagons
10.515	Coal handling plant and handling equipments
10.516	Oil storage tanks, oil handling plant and equipments
10.517	Gas station, gas pipelines etc.
10.531	Hydel power generating plant
10.532	Plant foundation for hydel power generating plant
10.535	Auxiliaries in hydel power plant
10.536	Gas power plant
10.537	Plant foundation for gas power plant
10.538	Auxiliaries in gas power plant
10.541	Transmission plant—transformers having a rating of 100 KVA and above
10.542	Other transformers
10.543	Other transmission plant, transformer kiosks, sub-station equipment and other fixed apparatus

ACCOUNT GROUP  
CODE

## ACCOUNT GROUP

10	FIXED ASSETS (CONT'D)
10.5	PI ANT & MACHINERY (CONT'D)
10.551	Material handling equipment-earth-movers, bulldozers
10.552	Material handling equipment-cement mixers
10.553	Material handling equipment-cranes
10.555	Material handling equipment-others
10.561	Switchgear including cable connections
10.563	Batteries including charging equipment
10.565	Fabrication shop/workshop plant & equipments
10.567	Lighting arrestors
10.571	Communication equipment-radio & high frequency carrier system
10.572	Communication equipment-telephone lines & telephones
10.574	Static machine tools & equipment
10.576	Air-conditioning plant-static
10.577	Air-conditioning plant portable
10.58 & 10.59	Miscellaneous equipments
10.580	Refrigerators and water coolers
10.581	Meter testing laboratory tools & equipment
10.582	Equipments in hospitals/clinics
	Tools & tackles
10.583	Sub-account codes should be introduced for each major type of equipments which are being grouped at present under one account head 'Miscellaneous Equipment'.
10.599	Other miscellaneous equipments
10.6	LINES, CABLE NETWORK ETC
10.601	Overhead lines (towers, poles, fixtures, overhead conductors and devices)—lines on fabricated steel supports operating at nominal voltages higher than 66 KVA
10.602	Overhead lines (towers, poles, fixtures, overhead conductors and devices)—lines on steel supports operating at nominal voltage higher than 13.2 KVA but not exceeding 66 KVA.
10.603	Overhead lines (towers, poles, fixtures, overhead conductors and devices)—lines on reinforced concrete supports
10.604	Overhead lines (towers, poles, fixtures, overhead conductors and devices)—lines on treated Wood Support
10.611	Underground cables including joint boxes and disconnecting boxes
10.612	Underground cables—cable duct system
10.621	Service connections
10.625	Temporary connections for supply of Power
10.631	Metering equipments
10.641	Street lighting and signal system
10.685	Miscellaneous equipments
10.7	VEHICLES
10.710	Trucks, tempos, trekkers etc.
10.720	Buses including minibuses
10.730	Jeeps and motor cars
10.740	Other vehicles
10.8	FURNITURE & FIXTURES
10.9	OFFICE EQUIPMENT
10.901	Calculators
10.902	Typewriters
10.903	Cash Registers in cash offices



ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
11	OTHER CAPITAL EXPENDITURE/FIXED ASSETS ACCOUNTS
11.1	CAPITAL EXPENDITURE RESULTING IN AN ASSET NOT BELONGING TO THE BOARD
11.101	Roads on municipal land
11.2	SPARE UNITS/SERVICE UNITS
11.3	CAPITAL SPARES AT GENERATING STATIONS
11.4	ASSETS TRANSFER INWARD
11.401 to 11.409	Assets transfer inward-debits on receipt Sub-accounts similar to broad asset groups in Account Group '10'.
11.421 to 11.429	Assets transfer inward-credits on transfer to Account Group 10. Sub-accounts similar to broad asset groups in Account Group 10.
11.5	ASSETS TAKEN OVER FROM LICENSEES—PENDING FINAL VALUATION
11.501 to 11.509	Assets taken over from licensees pending final valuation Sub-accounts similar to broad asset groups in Account Group 10. Thus separate sub-account groups e.g. 511 to 519, 521 to 529 for each licensee whose taken over assets are not finally valued.
12	PROVISION FOR DEPRECIATION ON FIXED ASSETS
12.1	DEPRECIATION PROVISION—LEASEHOLD LAND AND LAND DEVELOPMENT COSTS
12.2	DEPRECIATION PROVISION—BUILDINGS
12.3	DEPRECIATION PROVISION—HYDRAULIC WORKS
12.4	DEPRECIATION PROVISION—OTHER CIVIL WORKS
12.5	DEPRECIATION PROVISION—PLANT & MACHINERY
12.6	DEPRECIATION PROVISION—LINES, CABLE NETWORK ETC.
12.7	DEPRECIATION PROVISION—VEHICLES
12.8	DEPRECIATION PROVISION—FURNITURE & FIXTURES
12.9	DEPRECIATION PROVISION—OFFICE EQUIPMENT (Sub-accounts similar to broad classification in Fixed Assets accounts) Under each main account, two sub-accounts should be operated : 1. Provision for depreciation 2. Advance Depreciation (Debit Account)—see Guidelines to Chart of Accounts).
13	PROVISION FOR DEPRECIATION ON OTHER CAPITAL EXPENDITURE/FIXED ASSETS
13.1	DEPRECIATION PROVISION ON CAPITAL EXPENDITURE RESULTING IN AN ASSET NOT BELONGING TO THE BOARD
13.2	DEPRECIATION PROVISION ON SPARE UNITS/SERVICE UNITS
13.3	DEPRECIATION PROVISION ON CAPITAL SPARES AT GENERATING STATIONS
13.4	DEPRECIATION PROVISION ON ASSETS TRANSFER INWARD
13.401 to 13.409	Depreciation provision on assets transfer inward—credits Sub-accounts similar to broad asset groups in Account Group 10.
13.421 to 13.429	Depreciation provision on assets transfer inward-classified to Account Group 12. Sub-accounts similar to Broad asset groups in Account Group 10.
13.5	DEPRECIATION PROVISION ON ASSETS TAKEN OVER FROM LICENSEES—PENDING FINAL VALUATION
13.501 to 13.509	Depreciation provision on assets taken over from licensees—Pending final valuation. Sub-accounts similar to broad asset groups in account group 10. Thus sub account groups e.g. 13.511 to 13.519, 13.521 to 13.529 for each licensee whose assets taken over are not finally valued.

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
14	<b>CAPITAL WORK-IN-PROGRESS ACCOUNTS</b> Sub-accounts shall be structured as follows :
14	3rd & 4th digits of code
Capital WIP	5th digit
	indicating the main asset group
	1 Land
	2 Buildings
	3 Hydraulic works
	4 Other civil works
	5 Plant & machinery
	6 Lines, Cable Network etc.
	7 Vehicles
	8 Furniture & fixtures
	9 Office equipment
15	<b>OTHER ACCOUNTS FOR ASSETS AT CONSTRUCTION STAGE</b>
15.1	<b>CONTRACTS-IN-PROGRESS</b> Sub-account codes for each project.
15.2	<b>REVENUE EXPENSES PENDING ALLOCATION OVER CAPITAL WORKS</b>
15.201 to 15.209	Sub-account for each of the expense account groups (Not projectwise)
15.220	Head Office Supervision Charges
15.5	<b>PROVISION FOR COMPLETED WORKS</b>
15.6	<b>CONSTRUCTION FACILITIES</b>
15.601	Construction Equipment—Earthmoving equipment and bulldozers
15.602	Construction Equipment—Cranes
15.603	Construction Equipment—Cement mixers and other civil construction machinery
15.631	Fabrication shop/construction workshop equipment
15.651 to 15.699	Provision for depreciation on construction facilities
	Sub-accounts corresponding to sub-accounts for respective assets from 601 to 649 e.g. 15.693 will have 15.643 as the code for provision for depreciation on that asset.
16	<b>ASSETS NOT IN USE</b>
16.1	<b>WRITTEN DOWN VALUE OF OBSOLETE/SCRAPPED ASSETS</b> (Sub-accounts similar to classification of fixed assets accounts).
17	<b>DEFERRED COSTS</b>
17.2	<b>DEFERRED REVENUE EXPENDITURE</b>
17.221	Compensation for premature takeover of licensees
17.3	<b>EXPENDITURE ON SURVEY/FEASIBILITY STUDIES OF PROJECTS NOT YET SANCTIONED</b>
18	<b>INTANGIBLE ASSETS</b>
18.100	Payments to acquire right to receive power from other bodies
18.200	Expenses for forming and organising the Board
20	<b>INVESTMENTS</b>
20.1	<b>INVESTMENTS AGAINST FUNDS</b>
20.110	Staff Pension Fund Investments
20.120	Gratuity Fund Investments
20.2	<b>INVESTMENTS OTHER THAN FUND INVESTMENTS</b>
20.210	Investments in Government Securities
20.230	Investments in Bonds/Debentures of other Electricity Boards
20.250	Investments in Bonds/Debentures of Other Bodies engaged in Generation, Transmission or Distribution of Power
20.270	Investments in Shares in Corporations and Public Limited Companies
20.280	Investments in form of Fixed Deposits with Banks, Companies etc.

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
20.290	Other Investments For each of these accounts in 20.1 and 20.2 sub account codes can be used for recording investments in each type of bond, share etc. under an account. For example, 20.111 to 20.119 for different investments against staff Pension Funds, 20.270 to 20.279 for shares in different companies and so on.
20	INVESTMENTS (CONT'D)
20.3	INVESTMENTS IN SUBSIDIARIES
20.31	Investments in Share in Subsidiaries
20.311 to 20.319	Sub-accounts for subsidiarywise/share capitalwise (equity/preference) break-up (Separate account for each subsidiary)
20.32	Investments in Debentures/Bonds of Subsidiaries
20.321 to 20.329	Sub-accounts for subsidiarywise/investmentwise break-up
20.33	Loans to Subsidiaries
20.331 to 20.339	Sub-accounts for subsidiarywise/Loanwise break-up
20.4	INVESTMENTS IN PARTNERSHIPS/JOINT VENTURES
20.41	Investments in Capital of Partnerships/Joint Ventures
20.411 to 20.419	Sub-accounts for firmwise/joint venturewise break-up
20.42	Loans to Partnerships/Joint Ventures
20.421 to 20.429	Sub-accounts for firmwise/Joint venturewise/loanwise break-up
21	FUEL STOCK & RELATED ACCOUNTS
21.1	FUEL STOCK ACCOUNTS
21.101	Coal Stock
21.105	Oil Stock
21.108	Gas
21.121	Coal-in-Transit
21.125	Oil-in-Transit
21.2	FUEL STOCK EXCESS/SHORTAGE PENDING INVESTIGATION
22	MATERIALS STOCK & RELATED ACCOUNTS
22.1 to 22.7	MATERIALS STOCK & RELATED ACCOUNTS
22.1	INSURANCE SPARES STOCK ACCOUNTS
22.2	MATERIALS PURCHASE ACCOUNTS
22.20 & 22.21	Capital Materials Purchase
22.201	Capital Materials Purchase—Steel
22.202	Capital Materials Purchase—Cement
22.203	Capital Materials Purchase—Transformers
22.204	Capital Materials Purchase—Metering Equipments
22.205	Capital Materials Purchase—Cables & Conductors
22.206	Capital Materials Purchase—Poles
22.207	Capital Materials Purchase—Electric Light Fittings
22.208	Capital Materials Purchase—Spares
22	STOCKS & RELATED ACCOUNTS (CONT'D)
22.2	MATERIALS PURCHASE ACCOUNTS (CONT'D)
22.20 & 22.21	Capital Materials Purchase (Cont'd)
22.219	Capital Materials Purchase—Others (Materials groups indicated by the 5th digit can be restructured as considered suitable by the Board.)
22.22 & 22.23	O & M Materials Purchase
22.221	O&M Materials Purchase—Steel
22.222	O&M Materials Purchase—Cement
22.223	O&M Materials Purchase—Transformers
22.224	O&M Materials Purchase—Metering Equipments
22.225	O&M Materials Purchase—Cables & Conductors

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
22.226	O&M Materials Purchase—Poles
22.227	O&M Materials Purchase—Electric Light Fittings
22.228	O&M Materials Purchase—Spares
22.229	O&M Materials Purchase—Others
22.3	MATERIALS ISSUE ACCOUNTS
22.30 & 22.31	Materials Issues (Capital) Sub-Codes 22.301 to 22.319 shall be used to book issues as well as returns under each materials group.
22	STOCKS & RELATED ACCOUNTS (CONT'D)
22.3	MATERIALS ISSUE ACCOUNTS (CONT'D)
22.32 & 22.33	Materials Issues (O&M) Sub-Codes 22.321 to 22.339 shall be used to book issues as well as returns under each materials group.
22.34 & 22.35	Materials Issued to Contractors Sub-Codes 22.341 to 22.359 shall be used to book issues under each materials group.
22.36 & 22.37	Materials Returned by Contractors Sub-Codes 22.361 to 22.379 shall be used to book returns from contractors under each materials group.
22.4	MATERIALS TRANSFER ACCOUNTS
22.40 & 22.41	Materials Transfer Inward Sub-Codes 22.401 to 22.419 shall be used to book Materials Transfer Inward under each materials group.
22.42 & 22.43	Materials Transfer Outward Sub-Codes 22.421 to 22.439 shall be used to book Materials Transfer Outward under each materials group.
22.5	MATERIALS STOCK ADJUSTMENT ACCOUNTS
22.50 & 22.51	Materials Stock Adjustment A/c (Capital) Sub-Codes 22.501 to 22.519 shall be used to book stock adjustments for excesses/shortages and for each materials group.
22	STOCKS & RELATED ACCOUNTS (CONT'D)
22.5	MATERIALS STOCK ADJUSTMENT ACCOUNTS (CONT'D)
22.52 & 22.53	Materials Stock Adjustment A/c (O&M) Sub-Codes 22.521 to 22.539 shall be used to book stock adjustments for excesses and shortages under each materials group.
22.6	MATERIALS STOCK ACCOUNTS
22.60 & 22.61	Capital Materials Stock A/c Sub-Codes 22.601 to 22.619 shall be used to consolidate capital materials stocks under each materials group.
22.62 & 22.63	O&M Materials Stock A/c Sub-Codes 22.621 to 22.639 shall be used to consolidate O&M materials stocks under each materials group.
22.64 & 22.65	Materials at Site A/c (MASA)
22.640	Materials at Site (Capital)
22.650	Materials at Site (O&M)
22.66 & 22.67	Materials Pending Inspection
22.660	Capital Materials Pending Inspection
22.670	O&M Materials Pending Inspection
22	STOCKS & RELATED ACCOUNTS (CONT'D)
22.6	MATERIALS STOCK ACCOUNTS (CONT'D)
22.68 & 22.69	Materials-in-Transit
22.680	Capital Materials-in-Transit

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
22.690	O&M Materials-in-Transit
22.7	OTHER MATERIALS ACCOUNTS
22.710	Workshop Suspense—Materials
22.720	Materials Issued to Fabricators
22.730	Materials Issued on Loan to Parties other than Contractors
22.740	Capital Equipments and Capital Spares in Bonded Warehouse
22.750	Materials in Bonded Warehouse
22.760	Obsolete Materials Stock
22.8	MATERIALS STOCK EXCESS/SHORTAGE PENDING INVESTIGATION
22.810	Stock Excess Pending Investigation
22.830	Stock Shortage Pending Investigation
23	RECEIVABLES AGAINST SUPPLY OF POWER
23.1	SUNDRY DEBTORS FOR SALE OF POWER
23.101	Sundry Debtors for Sale of Power—Domestic
23.102	Sundry Debtors for Sale of Power—Commercial
	Thus sub-codes 101 to 119 shall be used to identify receivables to specific category of consumers.
23.2	SUNDRY DEBTORS FOR ELECTRICITY DUTY
	Sub-Codes 201 to 219 to identify receivables to specific category of consumers.
23.3	SUNDRY DEBTORS COLLECTIONS ACCOUNT
	(Separate sub-account for debiting day's collections and for crediting on transferring them to respective accounts in 23.1 & 23.2)
23.4	PROVISION FOR UNBILLED REVENUE
	Sub-Codes 401 to 419 to identify provisions to specific category of consumers.
23.5	DUES FROM PERMANENTLY DISCONNECTED CONSUMERS
	Sub-codes 501 to 519 to identify dues to specific category of consumers.
23.6	SUNDRY DEBTORS FOR INTER-STATE SALE OF POWER
	Sub-accounts 601 to 609 to identify dues to specific States.
23.7	SUNDRY DEBTORS—MISCELLANEOUS RECEIPTS FROM CONSUMERS
23.9	PROVISION FOR DOUBTFUL DUES FROM CONSUMERS (Credit Account)
	Sub-codes 901 to 919 to identify dues to specific category of consumers.
24	CASH AND BANK
24.1	CASH ACCOUNTS
24.110	Cash on Hand
24.120	Postage Stamps on Hand
24.2	CASH IMPRESTS WITH STAFF ACCOUNTS
24.210	Permanent Imprest with Staff
24.220	Temporary Imprest with Staff
24.3	COLLECTING BANKS ACCOUNTS
24.301	Collecting Bank—e.g. Bank of Baroda
	301 to 399 sub-accounts to be operated for individual Bank accounts. Each accounting unit shall operate the sub-codes for the specific Bank accounts under its jurisdiction.
24.4	DISBURSEMENT BANK ACCOUNTS
24.401	Disbursement Bank—e.g. Bank of Baroda
	401 to 489 sub-accounts to be operated for individual Bank accounts. Each accounting unit shall operate the sub-codes for the specific Bank accounts under its jurisdiction.
24.490	Funds Transfer for Payment of Interest on Bonds (say, Bank of India).

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
24.491	Funds Transfer for Payment of Interest on RE Debentures (say, Central Bank of India)
24.5	REMITTANCES TO HO IN TRANSIT ACCOUNTS
24.501	Remittances from Division. Sub-Accounts 501 to 549. HO will operate Circle-wise Subi-Accounts. Circle will operate Division-wise Sub-Accounts Sub-Account codes in use will vary from location to location. These Sub-account codes are to enable follow-up of remittances from Divisions by HO and Circle. At the time of consolidation of Board's Accounts, total amount in transit can be known at main a/c level 24.5.
24.551	Remittances from Circle. Sub-Accounts 551 to 599. HO will operate Circle-wise Sub-Accounts to monitor remittances from circles.
24.6	TRANSFERS FROM HO IN TRANSIT ACCOUNTS
24.601	Transfers from HO
24.9	CASH INFLOW AND OUTFLOW ACCOUNTS
24.911 to 24.919	Cash Outflow (Capital Receipts) A/c (Credit A/c)
24.921 to 24.929	Cash Outflow (Capital Payments) A/c (Debit A/c)
24.931 to 24.939	Cash Inflow (Revenue Receipts) A/c (Credit A/c)
24.941 to 24.959	Cash Outflow (Revenue Payments) A/c (Debit A/c)
24.991	Total Cash Inflow A/c—(Debit A/c)
24.995	Total Cash Outflow A/c. (Credit A/c).
25	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (CAPITAL)
25.1	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (CAPITAL) INTEREST BEARING Sub-codes 25.101 to 25.199 shall be used to identify advances to specific projects to the extent possible.
25.5	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (CAPITAL) INTEREST FREE Sub-codes 25.501 to 25.599 shall be used to identify advances to specific projects to the extent possible.
25.7	CONTRACTORS MATERIALS CONTROL ACCOUNT (CAPITAL) Sub-codes 25.701 to 25.799 shall be used to identify advances to specific projects.
26	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (O&M)
26.1	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (O&M)—INTEREST BEARING
26.5	ADVANCE TO SUPPLIERS/CONTRACTORS (O&M)—INTEREST FREE
26.7	CONTRACTORS MATERIALS CONTROL A/C (O&M)
26.8	ADVANCE FOR FUEL SUPPLIES
26.801	Advance to Coal Suppliers
26.805	Advance to Oil Suppliers
27	OTHER LOANS AND ADVANCES
27.1	LOANS AND ADVANCES TO STAFF—INTEREST BEARING
27.101	Loans and Advances to Staff—House Building
27.102	Loans and Advances to Staff—Scooter Sub-Accounts 101 to 119 for different types of loans.
27.2	LOANS AND ADVANCES TO STAFF—INTEREST FREE
27.3	LOANS AND ADVANCES TO LICENSEES
27.4	ADVANCE INCOME-TAX AND TAX DEDUCTIONS AT SOURCE
27.410	Advance Income Tax
27.421	Income tax deducted at source—Income from Investments
27.425	Income Tax deducted at Source—Other Receipts
27.8	LOANS AND ADVANCES—OTHERS
27.9	PROVISION FOR DOUBTFUL LOANS & ADVANCES (CREDIT A/C)
28	SUNDRY RECEIVABLES

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
28.1	SUNDRY DEBTORS—TRADING ACCOUNT
28.101	Sundry Debtors for Sale of Electrical Plant Manufactured by the Board
28.102	Sundry Debtors for Sale, Hire Purchase or Hire of Apparatus and Wiring
28.103	Sundry Debtors for Sale of Stores
28.104	Sundry Debtors for Rental from Property
28.107	Sundry Debtors for Sale of Steam
28.108	Sundry Debtors for Other Miscellaneous Income
28.2	INCOME ACCRUED & DUE
28.210	Income accrued and due on Fund Investments
28.220	Income accrued and due on Investments other than Fund Investments
28.230	Income accrued and due on Investments in subsidiary companies
28.240	Income accrued and due on Investments in Partnerships/Joint Ventures
28.290	Income accrued and due—Others. (Sub-account codes may be operated in respect of different incomes within each category e.g. 28.211 Income accrued on Pension Fund Investments)
28.3	INCOME ACCRUED BUT NOT DUE
28.310 to 28.340	Sub-heads same as in the case of 28.210 to 28.240 above
28.350	Interest Accrued but not Due—Loans & Advances to Licensees
28.360	Interest Accrued—Staff Loans & Advances
28.390	Income Accrued but not Due—Others
28.4	AMOUNT RECOVERABLE FROM EMPLOYEES/EX-EMPLOYEES
28.401	Amount Recoverable from Employees
28.402	Amount Recoverable from Ex-Employees
28.5	FUEL RELATED RECEIVABLES AND CLAIMS
28.511	Grade Differences—Inferior Grade of Coal
28.512	Provision for Loss on Inferior Grade of Coal
28.513	Railway Claims for Coal—Coal Cost
28.514	Railway Claims for Coal—Freight
28.531	Quantity Difference—Short Receipt of Gas
28.532	Provision for Loss on Short Receipts of Gas
28.551	Freight paid on coal wagons not received
28.552	Freight paid on oil Tankers not received
28.553	Coal Cost of wagons not received.
28.554	Claims for Missing Tankers—Oil Cost
28.555	Claims for Missing Tankers—Freight
28.558	Claims for Short Receipts of Gas
28.6	SUBSIDY/GRANTS RECEIVABLE
28.610	Capital Subsidy/Grants Receivable
28.620	Revenue Subsidy/Grant Receivable
28.7	OTHER CLAIMS
28.72	Claims for Loss/Damage to Materials
28.721	Claims for Loss/Damage to Materials—Railways
28.722	Claims for Loss/Damage to Materials—Customs Authorities
28.723	Claims for Loss/Damage to Materials—Port Trust Authorities
28.724	Claims for Loss/Damage to Materials—Insurance Companies
28.725	Claims for Loss/Damage to Materials—Suppliers
28.729	Claims for Loss/Damage to Materials—Others
28.74	Claims for Loss/Damage to Capital Assets
28.741	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Railways
28.742	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Customs' Authorities

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
28.743	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Port Trust Authorities
28.744	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Insurance Companies
28.745	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Suppliers
28.749	Claims for Loss/Damage to Capital Assets—Others
28.8	OTHER RECEIVABLES
28.810	Expenses Recoverable from Suppliers/Contractors
28.820	Prepaid Expenses
28.857	Excess Repayment of State Government Loans

*Note :—*Expenses recoverable from Suppliers/Contractors relate to certain expenses like demurrage etc. incurred by them which are recoverable from them in terms of the purchase order.

28.9	DEPOSITS
28.911	Deposit with Custom Authorities.
28.912	Deposit with Port Trust Authorities
28.913	Deposit with Excise Authorities
28.914	Deposit with Telephone Authorities
28.919	Other Deposits
28.930	Securities from Suppliers/Contractors (Deposits in the form of Fixed Deposits etc).
28.932	Securities from Consumers—(Deposits in the form of Fixed Deposits etc.)
30	INTER-UNIT ACCOUNTS—FUEL
31	INTER-UNIT ACCOUNTS—MATERIALS
32	INTER-UNIT ACCOUNTS—CAPITAL EXPENDITURE & FIXED ASSETS
33	INTER-UNIT ACCOUNTS—REMITTANCES TO HEAD OFFICE
34	INTER-UNIT ACCOUNTS—FUNDS TRANSFER FROM HEAD OFFICE
36	INTER-UNIT ACCOUNTS—PERSONNEL
37	INTER-UNIT ACCOUNTS—OTHER TRANSACTIONS/ADJUSTMENTS
	Each of the above accounts will have, as sub-account code, the 3-digit location code given to the Accounting Units with which the Inter-Unit transactions have taken place.
40	FUEL RELATED LIABILITIES
40.1	LIABILITIES TO RAILWAYS FOR COAL RECEIPTS
40.110	Freight Payable—Allotted Wagons
40.120	Diverted Internal Wagons Freight Payable
40.130	Diverted External Wagons Freight Payable
40.140	Unconnected Wagons Freight Payable
40.160	Diverted Internal Wagons—Coal Cost
40.170	Diverted External Wagons—Cost Cost
40.180	Unconnected Wagons—Coal Cost
40.2	LIABILITIES TO COLLIERIES
40.210	Grade Differences—Superior Grade
40.220	Provision for Gain on Superior Grade (Debit Account)
40.230	Retentions on account of inferior Grade
40.3	LIABILITIES TO RAILWAYS FOR OIL RECEIPTS
40.310	Freight Payable—Oil
40.320	Unconnected Tankers—Oil Cost A/c
40.330	Unconnected Tankers—Freight Payable A/c



ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
40	FUEL RELATED LIABILITIES—(CONT'D)
40.4	LIABILITY TO OIL SUPPLIERS
40.410	Provision for Unpaid Oil Bills
40.5	LIABILITY FOR SUPPLY OF GAS
40.510	Gas Suppliers Account
40.520	Liability for Purchase of Gas
40.530	Quantity Difference—Excess Receipts of Gas
40.540	Retentions for Short Receipts of Gas
40.6	LIABILITY FOR FUEL RELATED COSTS
40.611 to 40.619	Coal Related Costs  (Sub Accounts 40.611 to 40.619 can be operated for liability for specific coal related costs e.g. 40.611—Coal handling contractors).
40.621 to 40.629	Oil Related Costs.
40.631 to 40.639	Gas Related Costs
40.641	Provision for Coal Related Costs
40.642	Provision for Oil Related Costs
40.643	Provision for Gas Related Costs
40.7	UNPAID COAL BILLS
41	LIABILITY FOR PURCHASE OF POWER
41.1	SUNDRY CREDITORS FOR PURCHASE OF POWER (Sub-Accounts may be operated for each different suppliers of power e.g. 41.101 National Thermal Power Corporation)
41.2	PROVISION FOR LIABILITY FOR PURCHASE OF POWER
42	LIABILITY FOR CAPITAL SUPPLIES/CAPITAL WORKS
42.1	LIABILITY FOR SUPPLY OF MATERIALS/WORKS CAPITAL Sub-accounts 42.101 to 42.199 should be operated for project codes to identify liability under specific projects to the extent possible.
42.2	SUPPLIERS/CONTRACTORS CONTROL A/C—CAPITAL Sub-accounts 42.201 to 42.299 should be operated for project codes to identify creditors for suppliers/works under specific projects to the extent possible.
42.3	PROVISIONS FOR SUPPLY OF MATERIALS/WORKS—CAPITAL
43	LIABILITY FOR O&M SUPPLIES/O&M WORKS
43.1	LIABILITY FOR SUPPLY OF MATERIALS/WORKS—O&M
43.2	SUNDRY CREDITORS/CONTRACTORS CONTROL A/C—O&M
43.3	PROVISION FOR SUPPLY OF MATERIALS/WORKS—O&M
44	STAFF RELATED LIABILITIES AND PROVISIONS
44.1	STAFF RELATED PROVISIONS
44.110	Provision for Gratuity
44.120	Provision for Pension
44.2	UNPAID SALARIES, BONUS ETC.
44.210	Unpaid Salaries
44.220	Unpaid Bonus
44.3	SALARIES, BONUS ETC. PAYABLE
44.310	Net Salary Payable
44.320	Bonus Payable
44.330	Liability for Medical Expenses
44.340	Liability for Earned Leave Encashment

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
	<b>STAFF RELATED LIABILITIES AND PROVISIONS—(CONT'D.)</b>
44.4	<b>STAFF DEDUCTIONS &amp; RECOVERIES PAYABLE</b>
44.401	Income Tax Deducted at Source
44.402	Employees' Contribution to PF
44.403	Employees' Contribution to FPS
44.404	Boards Contribution to PF
44.405	Board's Contribution to FPS
46	<b>OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS</b>
46.1	<b>DEPOSITS FROM SUPPLIERS/CONTRACTORS</b>
46.101	Security Deposits in Cash—Capital
46.102	Security Deposits other than in Cash—Capital
46.103	Earnest Money Deposit—Capital
46.104	Retention Money from Suppliers/Contractors—Capital
46.121	Security Deposit in Cash—O&M
46.122	Security Deposit other than in Cash—O&M
46.123	Earnest Money Deposit—O&M
46.124	Retention Money from Suppliers/Contractors—O&M
46.3	<b>ELECTRICITY DUTY &amp; OTHER LEVIES PAYABLE TO GOVERNMENT</b>
46.300	Electricity Duty & Other Levies Payable to Government
46.4	<b>LIABILITY FOR EXPENSES</b>
46.410	Sundry Creditors for Expenses
46.430	Provision for Liability for Expenses
46.6	<b>AMOUNT OWING TO LICENSEES</b>
46.7	<b>ACCRUED /UNCLAIMED AMOUNTS RELATING TO BORROWINGS</b>
46.710	Interest Accrued but not Due on Borrowings
46.720	Unclaimed Interest on Borrowings
46.730	Unclaimed Repayments of Bonds/Debentures
46.8	<b>PROVISION FOR INCOME-TAX</b>
46.9	<b>SUNDRY LIABILITIES AND PROVISIONS</b>
46.91	Cheques etc. in Transit
46.910	Stale Cheques
46.911	Railway Credit Notes for Coal
46.912	Railway Credit Notes for Oil
46.913	Other Railway Credit Notes
46.914	Interest Warrants issued for Payment of Interest on Bonds.
46.915	Interest Warrant issued for Payment of Interest on Debentures.
46.920	Security Deposit from Employees
46.922	Advance Received for Sale of Stores Scrap etc.
46.923	Income-Tax Deducted at Source on Payment of Interest on Borrowings
46.924	Income-tax Deducted at Source on Payments to Contractors
46.925	Income-Tax Deducted at Source on other payments
46.931	Liability for Unissued Cheques
46.935	Government Subsidy Refundable
46.96	Provision for Loss on Obsolescence
46.961	Provision for Loss on Obsolescence of Capital Assets
46.962	Provision for Loss on Obsolescence of Capital Spares
46.963	Provisions for Loss on Obsolescence of Stores in Stock

*Note:—*The account—(Other Miscellaneous Liabilities)—is not provided in the proposed chart of accounts. Specific accounts for liabilities of different type should be opened under this group 46.9 and all transactions at source must be identified to a specific account head between 46.910 and 46.949

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
47	DEPOSITS FOR ELECTRIFICATIONS SERVICE CONNECTIONS ETC.
47.1	DEPOSITS FOR ELECTRIFICATION OF VILLAGES
47.2	DEPOSITS FOR ELECTRIFICATIONS OF INDUSTRIAL ESTATES
47.3	DEPOSITS FOR SERVICE CONNECTIONS
47.301	Deposits for Low or Medium Voltage Service Connections
47.311	Deposits for H.T. Service Connections
47.6	OTHER DEPOSITS FROM CONSUMERS (Sub-Accounts for each type of other deposits, for example: 47.601 Deposits Received against Burnt Meters).
48	SECURITY DEPOSITS FROM CONSUMERS
48.1	SECURITY DEPOSITS FROM CONSUMERS (IN CASH) (Sub-Accounts 48.101 to 48.119 shall be operated to book Security Deposit separately for each consumer category).
48.2	SECURITY DEPOSITS FROM CONSUMERS (OTHER THAN IN CASH) (Sub-Accounts for consumer categories from 48.201 to 48.219).
48.3	INTEREST PAYABLE ON CONSUMERS' DEPOSITS (Sub-Accounts for consumer categories from 48.301 to 48.319)
50	BORROWINGS FOR WORKING CAPITAL
50.1	CASH CREDIT FROM BANKS
50.2	BANK OVERDRAFT
51	PAYMENTS DUE ON CAPITAL LIABILITIES
51.1	REPAYMENTS DUE (Sub-Accounts 51.101 to 51.199 should be used for recording repayment due for each source of capital borrowings)
51.2	INTEREST ACCRUED AND DUE (Sub-accounts 51.201 to 51.299 should be operated for recording interest accrued and due on each source of capital borrowings)
52 & 53	CAPITAL LIABILITIES (OTHER THAN STATE GOVERNMENT LOANS)
52.1	BONDS
52.110	Public Bonds
52.170	Bond Subscription moneys pending Allotment
52.2	DEBENTURES
52.210	RE Debentures
52.250	RE Debentures—matching Contribution
52.270	Other Debentures
52.290	Debenture Subscription moneys pending Allotment
52.3	FOREIGN CURRENCY LOANS/CREDITS
52.310	Foreign Currency Loans
52.350	Foreign Currency Deferred Credit
52.4	DEFERRED PAYMENT CREDIT IN RUPEE
52.5	LOANS FROM LIFE INSURANCE CORPORATION
52.501	Loans from L.I.C.
53.1	LOANS FROM AGRICULTURAL REFINANCE CORPORATION
53.2	LOANS FROM AGRICULTURAL FINANCE CORPORATION
53.3	LOANS FROM RURAL ELECTRIFICATION CORPORATION
53.4	LOANS FROM NABARD
53.5	LOANS FROM COMMERCIAL BANKS FOR ELECTRIFICATION SCHEMES
53.6	FINANCIAL PARTICIPATION BY CONSUMERS
53.610	Financial Participation by Consumers—Interest bearing
53.620	Financial Participation by Consumers—Interest free

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
54	FUNDS FROM STATE GOVERNMENT
54.1	STATE GOVERNMENT LOANS UNDER SECTION 60 OF THE ELECTRICITY (SUPPLY) ACT, 1948
54.2	STATE GOVERNMENT LOANS UNDER SECTION 64 OF THE ELECTRICITY (SUPPLY) ACT, 1948
54.3	AMOUNT RECEIVED FROM STATE GOVERNMENT FOR REPAYMENTS GUARANTEED
54.4	AMOUNT RECEIVED FROM STATE GOVERNMENT FOR INTEREST GUARANTEED.
55	CONTRIBUTIONS GRANTS & SUBSIDIES TOWARDS COST OF CAPITAL ASSETS
55.1	CONSUMERS' CONTRIBUTION TOWARDS COST OF CAPITAL ASSETS
55.2	SUBSIDIES TOWARDS COST OF CAPITAL ASSETS
55.3	GRANTS TOWARDS COST OF CAPITAL ASSETS
56	RESERVES
56.1	GENERAL RESERVE
56.2	CAPITAL RESERVE
56.3	SINKING FUND FOR REPAYMENT OF BORROWINGS
56.4	INVESTMENT ALLOWANCE RESERVE
56.410	Investment Allowance Reserve
56.450	Investment Allowance Reserve—Utilised
56.5	TARIFF RESERVE
56.6	OTHER RESERVES
56.610	Reserve for Materials Cost Variance
56.620	Exchange Variance Reserve
56.660	Property Insurance Reserve
57	RESERVE FUNDS
57.1	STAFF RESERVE FUNDS
57.110	Contributory Provident Fund
57.20	General Provident Fund
57.130	Gratuity Fund
57.140	Staff Pension Fund
57.150	Staff Welfare Fund
58	SURPLUS
58.1	REVENUE ACCOUNT
58.2	NET REVENUE & APPROPRIATION ACCOUNT
58.210	Net Revenue & Appropriation Account
58.22	Appropriations of Surplus/Contribution to Reserves/Reserve Funds
58.221	Contribution to Sinking Fund for Repayment of Borrowings
58.222	Contribution to General Reserve
61	REVENUE FROM SALE OF POWER
61.1	REVENUE FROM SALE OF POWER—INTER-STATE
	Sub-accounts 61.10 to 61.19 should be operated for recording sale to different States.
61.2 & 61.3	REVENUE FROM SALE OF POWER—
	OTHER CONSUMERS
	Sub-accounts 61.20 to 61.39 should be operated for different categories of consumers as existing in the tariff structure of the respective Boards. In assigning the sub-accounts it is desirable to bear in mind the Planning Commission's categories of consumers which are given below :
	—Domestic
	—Commercial
	—Public Lighting
	—Irrigation & Dewatering

## ACCOUNT CODE

## ACCOUNT HEAD

- Public Water Works
- Industrial (LT, HT, Power Intensive and Special)
- Railway Traction
- Bulk Supply
- Outside Supplies
- Miscellaneous

Under the main accounts 61.1, 61.2 and 61.3 the 5th digit of each account code should be used for recording individual type of charge under the tariff effective in each Board. The specific code should however be so structured that uniform type of charge should be booked under the same 5th digit code. For example—

- 0 Energy Charges
- 1 Demand Charges
- 2 Fuel Cost Adjustment Charge
- ,
- ,
- ,
- 8 Power Factor Surcharge
- 9 Adjustment to Past Billing

61

REVENUE FROM SALE OF POWER (CONT'D)

61.2 &amp; 61.3

REVENUE FROM SALE OF POWER—OTHER CONSUMERS (CONT'D)

All adjustments made to correct the errors in past billing (but in current year) shall not be analysed into individual elements (0 to 8) but be booked in total under the head 9—“Adjustments to Post Billing”. On incorporating the Consumer Category and individual type of charge, the account codes would evolve as illustrated below : e.g.

61.201

Revenue from Sale of Power—Domestic—Demand Charges

61.292

Revenue from Sale of Power—Public Water Works—Fuel Cost Adjustment Charge

61.5

ELECTRICITY DUTY AND OTHER STATE LEVIES

61.501

Electricity Duty Recovery—Domestic  
Consumers

61.502

Electricity Duty Recovery—Commercial  
Consumers

Thus the last two digits shall be used for recording the excise duty recovery separately from each consumer category

61.521 )  
to )  
61.539 }

Other State Levies Recovery

61

REVENUE FROM SALE OF POWER (CONT'D)

61.5

ELECTRICITY DUTY AND OTHER STATE LEVIES (CONT'D)

61.541 )  
to )  
61.559 }

Electricity Duty Payable (Contra)

61.561 )  
to )  
61.579 }

Other State Levies Payable (Contra)

## NOTE

61.5 The sub-accounts in this group are contra accounts to enable reporting of Electricity Duty distinctly in the Income Schedule.

61.6

METER RENT/SERVICE LINE RENTAL

61.7

RECOVERIES FOR THEFT OF POWER/MALPRACTICES

61.710

Recoveries for Theft of Power

61.720

Recoveries for Malpractices

61.8

WHEELING CHARGES RECOVERIES

61.9

MISCELLANEOUS CHARGES FROM CONSUMERS

61.901

Fuse Charges

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
61.902	Reconnection Fee
61 903	Public Lighting Maintenance Charges
61 914	Meter Box Charges Sub-accounts to be operated for each type of miscellaneous recovery
62	OTHER INCOME
62 2	INCOME FROM LOANS ADVANCES, INVESTMENTS ETC
62 21	Interest on staff Loans & Advances Sub-accounts 62 210 to 62.219 for each type of loan
62 22	Income from Investments Sub-accounts 62.220 to 62.239 corresponding to each type of investment as classified in Account Group 20—"Investments"
62.240	Interest on Loans & Advances to Licensees
62.250	Delayed Payment Charges from Consumers
62.260	Interest on Advances to Suppliers/Contractors
62 270	Interest from Banks (other than interest on fixed deposits which will be accounted for as income from Investments)
62.3	INCOME FROM TRADING
62 310	Profit on Sale of Electrical Plant manufactured by the Board (only Profit i.e. after deducting cost from the sale proceeds)
62	OTHER INCOME (CONT'D)
62 3	INCOME FROM TRADING
62 321	profit on Sale, Hire Purchase or Hire of Apparatus (Profit after deducting cost from the sale proceeds)
62 322	Profit on Sale, Hire Purchase or Hire of Wiring (Profit after deducting cost from sale proceeds)
62 323	Hire Charges from Contractors
62 330	Profit on Sale of Stores (Profit after deducting cost from the sale proceeds)
62.340	Sale of Scrap (Sale proceeds since no cost is assigned to scrap)
62.350	Sale of Steam, (Sale proceeds since no cost is assigned to steam)
62.351	Sale of Fly Ash (sale proceeds since no cost is assigned to Fly Ash)
62.36	Other Miscellaneous Receipts from Trading
62.360 to 62 369	Separate sub-accounts should be operated for each type of miscellaneous receipts from trading normally received and 62 369 should be used for balance miscellaneous receipts from trading
62	OTHER INCOME (CONT'D)
62 4	GAIN ON SALE OF FIXED ASSETS
62.6	INCOME/FEES/COLLECTIONS AGAINST STAFF WELFARE ACTIVITIES
62 610	Film-Show Collections
62 620	Fees from Library Members
62 630	Recoveries for Transport Facilities
62.7	EXCESS FOUND ON PHYSICAL VERIFICATION OF FUEL STOCKS
62.9	MISCELLANEOUS RECEIPTS
62.901	Rental for Staff Quarters
62 902	Rental from Contractors
62 905	Excess found on Physical Verification of Materials Stock
62 906	Excess found on Physical Verification of Fixed Assets
62.910	Recovery for Transport & Vehicle Expenses (Other than Recoveries from Staff)
62.912	Sundry Credit balances Written back
62.913	Refunds from Customs Authorities
62 914	Port Trust Refunds
62 916	Commission for Collection of Electricity Duty

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
63	SUBSIDIES AND GRANTS
63.1	REVENUE SUBSIDIES AND GRANTS
63.110	RE Subsidies
63.120	Grants for Research and Development Expenses
63.2	SUBSIDIES AGAINST LOSS ON ACCOUNT OF FLOOD, FIRE, CYCLONE ETC.
65	PRIOR PERIOD INCOME
65.1	FUEL RELATED GAINS ON PRIOR PERIOD TRANSACTIONS
65.110	Coal related Gains of Prior Periods
65.120	Oil related Gains of Prior Periods
65.130	Gas related Gains of Prior Periods
65.2	RECEIPTS FROM CONSUMERS RELATING TO PRIOR PERIODS
65.4	INTEREST INCOME FOR PRIOR PERIODS
65.5	EXCESS PROVISION FOR INCOME-TAX IN PRIOR PERIODS
65.6	EXCESS PROVISION FOR DEPRECIATION IN PRIOR PERIODS
65.7	EXCESS PROVISION FOR INTEREST & FINANCE CHARGES IN PRIOR PERIODS
65.8	OTHER EXCESS PROVISION IN PRIOR PERIODS
65.9	OTHER INCOME RELATING TO PRIOR PERIODS
70	POWER PURCHASED ACCOUNT
70.1	POWER PURCHASED ACCOUNT
	(Sub-account for each supplier of power and separately for power cost and excise)
70.3	WRITE OFF OF COST OF ACQUIRING RIGHTS TO RECEIVE POWER FROM OTHER BODIES
70.4	WHEELING CHARGES PAYABLE
71	COST OF GENERATION OF POWER
71.1	FUEL CONSUMPTION
71.110	Cost of Coal Consumed-Steam Power Generation
71.120	Cost of Oil Consumed-Steam Power Generation
71.130	Cost of Gas Consumed-Steam Power Generation
71.140	Cost of Gas Consumed-Internal combustion
71.150	
71.160	(For each such separate category)
71.2	FUEL RELATED COSTS
71.21	Coal Related Costs
71.211	Coal Handling Contract Charges
71.212	Demurrage on Coal Wagons
71.213	Siding Charges
71.214	Penalties for Overloading
71.215	Commission to Agents
71.216	Payments to Railway Staff posted at Thermal Power Station
71.217	Coal Stock Maintenance Costs
71.219	Other Coal Related Costs
71	COST OF GENERATION OF POWER (CONT'D)
71.2	FUEL RELATED COSTS (CONT'D)
71.22	Oil Related Costs
71.221	Oil Handling Contract Charges
71.221	Demurrage on oil Tankers
71.223	Siding Charges for Oil Receipts
71.23	Gas Related Costs
71.231	Gas Station/Pipeline Maintenance Charges paid to Gas Suppliers
71.232	Gas Meter Testing Charges
71.3	FREIGHT VARIANCE ON COAL RECEIPTS

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
71.4	STOCK SHORTAGES ON PHYSICAL VERIFICATION OF FUEL STOCKS
71.410	Stock Shortage on Physical Verification of Coal Stock
71.420	Stock Shortage on Physical Verification of Oil Stock
71.5	COST OF WATER
71.6	LUBRICANTS & CONSUMABLES STORES
71.7	STATION SUPPLIES
	Each of these three accounts will have sub accounts for Hydel Power Generation, Thermal Power Generation and Internal Combustion Power Generation.
71	COST OF GENERATION OF POWER (CONT'D)
71.9	COST OF GENERATION DURING TRIAL STAGE—CHARGED TO CAPITAL WORKS
72	FUEL RELATED LOSSES
72.1	TRANSIT LOSS OF FUEL
72.100	Total Transit Loss-Coal
72.101	Transit Loss I—Coal
72.102	Transit Loss II—Coal
72.131	Transit Loss of Oil
72.141	Loss on Short Receipt of Gas
72.2	LOSS ON SETTLEMENT OF CLAIMS FOR FUEL
72.210	Difference on Settlement of Railway Claims for Coal
72.220	Difference on Settlement of Railway Claims for Oil
72.3	DEFERENCES IN GRADE OF COAL
74	REPAIRS AND MAINTENANCE
4.1	REPAIRS AND MAINTENANCE TO PLANT & MACHINERY
74.2	REPAIRS AND MAINTENANCE TO BUILDINGS
74.3	REPAIRS AND MAINTENANCE TO CIVIL WORKS
74.4	REPAIRS AND MAINTENANCE TO HYDRAULIC WORKS
74.5	REPAIRS AND MAINTENANCE TO LINES, CABLE NETWORK, ETC.
	These five main account heads shall have Sub-accounts as follows :
74.100 to 74.159	Normal Repairs & Maintenance. Such repairs shall be further classified into departments/cost centres. These departments need not be the same as the departments for which employee costs are analysed. However some degree of compatibility between the two bases of analyses would be desirable. For each department, the R&M costs shall be booked under 3 sub-heads : (1) Materials issued from Stores (2) Payments for materials specifically purchased for the repairs and directly received at site (not through stores) (3) Payments to Contractors and other outside parties. It should be noted that Payments to temporary employees shall not be booked under the account head 'Repairs and Maintenance' even if those employees were retained specifically for a scheme. All employee cost shall be booked under the account group "75 Employee Costs."
74.100 to 74.159	60 Account Codes (100 to 159) would accommodate 20 departments with 3 account heads for each.
74.160 to 74.189	Repairs & Maintenance under schemes for special and foreseen R&M sanctioned as a part of annual budget or at the time of revision of budgets. For each scheme, a code shall be assigned by the respective accounting unit. Each scheme shall have 3 sub-account codes as in case of normal repairs and maintenance.



ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
74	REPAIRS AND MAINTENANCE (CONT'D)
74.6	REPAIRS AND MAINTENANCE TO VEHICLE (CONT'D)
74.190 to 74.199	Repairs and Maintenance under specially sanctioned scheme for unforeseen repairs and Maintenance.  Each scheme shall be assigned code by the respective accounting unit. Each scheme shall have 3 sub-account codes as in case of normal repairs & maintenance.
74.6	REPAIRS AND MAINTENANCE TO VEHICLES
74.61	Repairs and Maintenance to Trucks Tempos and Trekkers
74.63	Repairs and Maintenance to Buses/Mini-Buses
74.65	Repairs and Maintenance to Jeeps and Motor Cars
74.66	Repairs and Maintenance to other vehicles Last digit shall be used for booking the repairs and maintenance into 3 types as in case of Repairs and Maintenance to Plant.
74.7	REPAIRS AND MAINTENANCE TO FURNITURE AND FIXTURES
74.70	Repairs and Maintenance to Furniture and Fixtures (Sub-account codes for analysis into 3 types as in case of Repairs and Maintenance to Plant and Machinery).
74.8	REPAIRS AND MAINTENANCE TO OFFICE EQUIPMENT
74.80	Repairs and Maintenance to Office Equipment (Sub-account codes for analysis into 3 types as in case of Repairs and Maintenance to Plant and Machinery)
75.1	SALARIES
75.110	Salaries-Permanent Employees
75.130	Salaries-Temporary Employees-Regular
75.150	Salaries-Temporary Employees-Casual
75.170	Salaries-Apprentices
75.2	OVERTIME
75.210	Overtime-Permanent Employees
75.230	Overtime-Temporary Employees-Regular
75.250	Overtime-Temporary Employees-Casual
75.270	Overtime-Apprentices
75.3	DEARNESS ALLOWANCE
75.310	Dearness Allowance-Permanent Employees
75.330	Dearness Allowance-Temporary Employees-Regular
75.4	OTHER ALLOWANCES
75.410	Other Allowances-Permanent Employees
75.430	Other Allowances-Temporary Employees—Regular
75.450	Other Allowances-Temporary Employees-Casual
75.470	Other Allowances-Apprentices
75.5	BONUS

All the above accounts under 75.1, 75.2, 75.3, 75.4 and 75.5 should incorporate sub-account codes for identifying these costs to broad departments to be decided by the Board. The purpose of departmentwise analysis of these costs is to provide information which can be used on various decisions such as capitalisation of staff costs etc. The coding would then be as illustrated below.

75.111 : Salaries-Permanent-Fuel Section

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
75	EMPLOYEES COSTS (CONTD)
75.6	OTHER STAFF COSTS (CONTD)
	75.112 : Salaries-Permanent-Accounts
	75.113 Salaries-Permanent-Electrical Maintenance
	75.114 Salaries-Permanent-Stores
	75.126 : Salaries-Permanent-H.T. Line Laying Cell
	75.127 : Salaries-Permanent-Workshop
	To enable incorporating such coding of departments, the accounts have been so coded that each account can have 20 sub-accounts e.g. 75.110 to 75.129 salaries Permanent Employees.
75.6	OTHER STAFF COSTS
75.611	Medical Expenses Reimbursement
75.612	Leave Travel Assistance
75.617	Earned Leave Encashment
75.629	Payment Workmen's Compensation Act
75.7	STAFF WELFARE EXPENSES
75.710	Medical Expenses
75.720	Canteen Expenses
75.730	Education Expenses
75.740	Uniform & Livery Expenses
75.750	Recreation Expenses
75.760	Other Welfare Expenses
75.8	TERMINAL BENEFITS
75.810	Terminal benefits (PF) Board's Contribution
75.820	Terminal benefits (FPS) Board's Contribution
75.830	Terminal benefits (Superannuation) Board's Contribution
75.840	Terminal Benefits (Gratuity)
75.850	Provident Fund Inspection & Audit Charges
75.9	EMPLOYEES COSTS CHARGED TO CAPITAL WORKS
76	ADMINISTRATION & GENERAL EXPENSES
76.1	ADMINISTRATION EXPENSES
76.10	Property Related Expenses
76.101	Rent (including Lease Rentals)
76.102	Rates & Taxes
76.104	Insurance on Fixed Assets
76.105	Insurance on Stocks
76.106	Insurance on Assets under construction
76.11	Communication
76.111	Telephone & Trunk Calls
76.112	Postage & Telegram
76.113	Telex Charges
76.12	Professional Charges
76.121	Legal Charges
76.122	Audit Fees
76.123	Consultancy Charges
76.124	Technical Fees
76.125	Other Professional Charges
76.13	Conveyance & Travelling
76.131	Conveyance Expenses
76.132	Travelling Expenses

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
76	ADMINISTRATION & GENERAL EXPENSES (CONTD)
76.1	ADMINISTRATION EXPENSES (CONTD)
76.133	Travelling Allowance to Employees
76.136	Vehicle Running Expenses-Petrol & Oil (Other than Trucks/Delivery Van)
76.138	Vehicles License & Registration Fee
76.15 }	Other Expenses
76.16 }	
76.151	Fees & Subscription
76.152	Books & Periodicals
76.153	Printing & Stationery
76.155	Advertisement Expenses
76.157	CONTRIBUTIONS
76.158	Electricity Charges
76.160	Water Charges
76.162	Entertainment
76.190	Miscellaneous Expenses
76.2	MATERIALS RELATED EXPENSES
76.210	Freight on Capital Equipments
76.220	Other Freight
76.230	Transit Insurance
76.240	Vehicle Running Expenses-Trucks/Delivery Vans
76.250	Octrai
76.260	Advertisement of Tenders, Notices & Other purchase related advertisement
76.270	Incidental Stores Expenses
76.281	Fabrication charges
76.282	Fabrication charges absorbed in cost of fabrication/credit
76.900	ADMINISTRATION AND GENERAL EXPENSES CHARGED TO CAPITAL WORKS (Credit Account)
77	DEPRECIATION AND OTHER COSTS RELATING TO FIXED ASSETS
77.1 & 77.2	DEPRECIATION
77.110	Amortisation of Leasehold Assets
77.120	Depreciation on Buildings
77.130	Depreciation on Hydraulic Works
77.140	Depreciation on Other Civil Works
77.150	Depreciation on Plant & Machinery
77.160	Depreciation on Lines & Cable Network etc.
77.170	Depreciation on Vehicles
77.180	Depreciation on Furniture & Fixtures
77.190	Depreciation on Office Equipment
77.210	Depreciation on Capital Expenditure resulting in an asset not belonging to the Board
77.220	Depreciation on Spare Units/Service Units
77.230	Depreciation on Capital Spares at Generating Stations
77.250	Depreciation on Assets taken over from Licensees pending final valuation
	The above accounts will have sub-account codes similar to main account codes of fixed assets

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
77	DEPRECIATION AND OTHER COSTS RELATING TO FIXED ASSETS (CONT'D)
77.5	ASSET DECOMMISSIONING COSTS
77.510	Site Restoration Costs
77.520	Building/Civil Works Demolition Costs
77.530	Generating Plant Decommissioning Costs
77.540	Transmission Lines/Sub-Station Decommissioning Costs
77.550	Other Decommissioning Costs
77.6	SMALL AND LOW VALUE ITEMS WRITTEN OFF
77.610	Small & Low Value Items Written-Off (Sub accounts 76.611 to 76.699 to analyse & control the write-off)
77.7	LOSSES RELATING TO FIXED ASSETS
77.710	Written Down Value of Assets scrapped
77.720	Write-off of Deficits of Fixed Assets observed upon Physical Verification
77.730	Loss on Sale of Fixed Assets (Last digit to be used for sub-account codes for each of the main asset group)
77.9	DEPRECIATION AND RELATED COSTS CHARGED TO CAPITAL WORKS (CREDIT ACCOUNT)
78	INTEREST & OTHER FINANCE CHARGES
78.1	INTEREST ON STATE GOVERNMENT LOANS
78.2	INTEREST ON BONDS
78.3	INTEREST ON DEBENTURES
78.4	INTEREST ON FOREIGN CURRENCY LOANS & CREDITS
78.5	INTEREST ON OTHER LOANS/DEFERRED CREDITS (IN RUPEE)
78.59	Penal Interest on Capital Liabilities (Sub accounts 78.590 to 78.599 as per classification of Capital Liabilities)
78.6	INTEREST TO CONSUMERS
78.7	INTEREST ON BORROWING FOR WORKING CAPITAL
78.8	OTHER INTEREST & FINANCE CHARGES
78.82 & 78.83	Discount to Consumers
78.820 to 78.839	Discount to Consumers for Timely Payment of Bills (Sub-accounts for consumer categories)
78.84	Interest to Suppliers/Contractors
78.841	Interest to Suppliers/Contractors—Capital
78.842	Interest to Suppliers/Contractors—O&M
78.85	Interest on FDs, CPF, GPF, SDs etc.
78.850	Interest on Fixed Deposits
78.851	Interest on Contributory Provident Fund
78.852	Interest on General Provident Fund
78.853	Interest on Security Deposits from Staff
78.86	Cost of Raising Finance
78.861	Stamp Duty
78.862	Legal Charges
78.863	Advertisements
78.864	Service Fee
78.865	Credit Fee
78.866	Commitment Charges
78.87	Discounts/Redemption Premium on Bonds/Debentures
78.871	Discounts on Bond/Debentures
78.873	Redemption Premium on Bonds/Debentures
78.83	Other Charges
78.881	Bank Charges for Remittances Between Board's Offices
78.882	Bank Commission for Collection from Consumers

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
78	INTEREST & OTHER FINANCE CHARGES (CONT'D)
78.8	OTHER INTEREST & FINANCE CHARGES (CONT'D)
78.88	Other Charges (Cont'd)
78.883	Other Bank Charges
78.884	Guarantee Charges
78.89	Interest on Payments by State Government under Guarantees
78.890	Interest on Sums paid by the State Government under Guarantees
78.9	CAPITALISATION OF INTEREST ON FUNDS USED DURING CONSTRUCTION
79	OTHER DEBITS TO REVENUE ACCOUNT
79.1	MATERIALS COST VARIANCE
79.110	Materials Cost Variance—Capital
79.120	Materials Cost Variance—O&M
79.2	RESEARCH & DEVELOPMENT EXPENSES
79.210	R&D Expenses
79.3	COST OF TRADING/MANUFACTURING ACTIVITY
79.4	BAD & DOUBTFUL DEBTS WRITTEN OFF/PROVIDED FOR
79.410	Bad Debts written off—Dues from Consumers
79.420	Bad Debts written off—Advances to Suppliers/Contractors
79.430	Bad Debts written off—Others
79.460	Bad and Doubtful Debts Provided for—Dues from Consumers
79.470	Bad and Doubtful Debts provided for—Advances to Suppliers/Contractors
79.480	Bad and Doubtful Debts provided for—Others
79.5	MISCELLANEOUS LOSSES AND WRITE-OFFS
79.510	Shortages on Physical Verification of Stocks
79.511	Loss of Materials by Pilferage etc.
79.520	Loss of Cash Written-off
79	OTHER DEBTS TO REVENUE ACCOUNT (CONT'D)
79.5	MISCELLANEOUS LOSSES AND WRITE-OFFS (CONT'D)
79.530	Compensation for Injuries, Death and Damages—Staff
79.531	Compensation for Injuries, Death and Damages—Outsiders
79.532	Infructuous Capital Expenditure Written-off
79.560	Loss on Obsolescence of Fixed Assets
79.561	Loss on Obsolescence of Stores, etc. in Stock
79.570	Loss on Exchange Rate Variation
79.571	Sundry Debit Balances Written-off.
79.572	Loss on Sale of Scrap
79.573	Loss on Sale of Stores
79.7	SUNDRY EXPENSES
79.710	Intangible Assets Written-off
79.72	Write-off of Deferred Revenue Expenditure
79.720	Write-off of Compensation for Premature Takeover of Licensee
79.730	Provision for Contingencies
79	OTHER DEBTS TO REVENUE ACCOUNT (CONT'D)
79.8	LOSSES ON ACCOUNT OF FLOOD, CYCLONE, FIRE, ETC.
79.881	Loss to Fixed Assets on account of Floods, Cyclone, Fire, etc.
79.882	Loss to Stocks on account of Flood, Cyclone, Fire, etc.
79.883	Loss to Assets under Construction on account of Flood, Cyclone, Fire, etc.
79.884	Loss on Write-off of Dues from Consumers in areas affected by Flood, Cyclone, etc.
81	PROVISION FOR INCOME-TAX FOR THE YEAR
81.1	PROVISION FOR INCOME-TAX FOR THE YEAR
83	PRIOR PERIOD EXPENSES/LOSSES
83.1	SHORT PROVISION FOR POWER PURCHASED IN PREVIOUS YEARS

ACCOUNT CODE	ACCOUNT HEAD
83.2	FUEL RELATED LOSSES AND EXPENSES RELATING TO PREVIOUS YEARS
83.210	Coal related Expenses/Losses of Previous Years
83.220	Oil related Expenses/Losses of Previous Years
83.230	Gas related Expenses/Losses of Previous Years
83.3	OPERATING EXPENSES OF PREVIOUS YEARS
83.4	EXCISE DUTY ON GENERATION RELATING TO PREVIOUS YEARS
83.5	EMPLOYEE COSTS RELATING TO PREVIOUS YEARS
83.6	DEPRECIATION UNDERPROVIDED IN PREVIOUS YEARS
83.7	INTEREST AND OTHER FINANCE CHARGES RELATING TO PREVIOUS YEARS
83.8	OTHER CHARGES RELATING TO PREVIOUS YEARS
83.810	Short Provision for Income-tax—Previous years
83.820	Administrative Expenses—Previous Years
83.840	Materials related Expenses—Previous Years
91	COSTS & REVENUE AT TRIAL STAGE
91.1	DEBIT ACCOUNTS FOR COSTS AT TRIAL STAGE
91.101	Fuel costs at trial stage debit account
91.111	Operating costs at trial stage—debit account
91.121, 91.131 & 91.191	For different expense groups
91.2	MEMORANDUM CREDIT ACCOUNTS FOR THE DEBITS OF COSTS
91.201 to 91.299	Memorandum credit accounts for the debits in above accounts e.g. 91.201 for fuel cost at trial stage credit account.
91.3	CREDIT ACCOUNTS FOR REVENUE AT TRIAL STAGE
91.301	Credit account for revenue from power generated at trial stage
91.4	MEMORANDUM DEBIT ACCOUNTS FOR CREDITS OF REVENUE
91.401	Memorandum debit account for the credits in above revenue account
92	MEMORANDUM ACCOUNTS FOR RECORDING NO. OF UNITS OF POWER PURCHASE, GENERATION SALE ETC.
92.1	TOTAL UNITS ACCOUNT
92.2	UNITS GENERATED ACCOUNT
92.201	Thermal
92.202	Hydel
92.205	Gas Turbine etc.
92.3	AUXILIARY CONSUMPTION ACCOUNT (Sub-accounts similar to those for 92.2)
92.4	UNITS PURCHASED ACCOUNT (Sub-accounts for each Source of Purchase)
92.5	UNITS SOLD ACCOUNT (Sub-accounts for each Consumer Category)

## ANNEXURE III—BASIC ACCOUNTING PRINCIPLES AND POLICIES

## 1. BASIC ACCOUNTING PRINCIPLES

1.1 A Board shall follow the basic accounting principles laid down in the following paragraphs in the preparation of its Annual Accounts.

## ENTITY OF A BOARD FOR THE PURPOSE OF ANNUAL ACCOUNTS

1.2 Annual Accounts of a Board shall reflect the transactions of the Board and of any other body in which the Board has ownership rights as a sole owner, partner or a member of association of persons and in the management of which the Board can exercise and actually exercises significant influence.

1.3 A mere right to receive a part or whole of the power generated by any other body, whether at cost or at a pre-

fixed rate shall not be the ground for reflecting the transactions of such body in a Board's accounts.

1.4 Where the transactions of any other body have to be reflected in more than one Board's accounts in accordance with the paragraph 1.2, each Board shall reflect the assets, liabilities, income and expenses of that body in proportion of its ownership share in that body.

1.5 Interest acquired by a Board in any body whose transactions do not require incorporation into a Board's accounts in accordance with the paragraph 1.2 shall be disclosed at cost, in Board's accounts as investments. In such cases the excess or shortfall of Board's share of the net assets of the body over the cost of acquiring the interest in that body shall be disclosed in the Board's accounts by way of a note.

**HISTORICAL COST CONVENTION**

1.6 In a Board's accounts, Assets, Liabilities, Expenses and Revenue shall be recorded at the amounts at which the transactions took place. This policy implies that no revaluation of assets or liabilities shall be done for adjusting them to replacement cost, current cost etc. Similarly depreciation on replacement cost basis shall also not be permitted.

**GONIG CONCERN CONCEPT**

1.7 Financial statements of a Board shall be drawn up on the premise that its business will continue indefinitely.

**CONSISTENCY CONCEPT**

1.8 Uniform accounting policies shall be applied on the same basis from year to year. Even the accounting policies followed in respect of areas not specifically covered hereafter or in cases where departure from the prescribed accounting policy is permitted, shall be followed consistently from year to year.

**TRUE AND FAIR PRESENTATION**

1.9 Accounts of a Board shall present a true and fair view of the financial position and results of operations of the Board. True and fair view implies the disclosure of all information necessary for a reader's understanding of the financial position and results of operations of the Board.

1.10 The objective of prescribing the forms of annual accounts of a Board is to prescribe the minimum and uniform disclosure required by all Boards. Additional information in the accounts or by way of notes may be given if it is necessary to ensure true and fair presentation.

**CASH BASIS OF ACCOUNTING ONLY WHERE PRESCRIBED**

1.11 The cash basis of accounting i.e. the practice of booking costs, revenues, assets and liabilities when money is received or paid and not when accrued shall not be adopted by a Board except in the specific cases where cash basis is prescribed in this Annexure or in Annexure V. In all other cases, a Board shall follow commercial accounting system which requires recording of transactions by which revenues, costs, assets and liabilities are reflected in the accounts for the period in which they accrue.

**NO RETROSPECTIVE ADJUSTMENTS TO PRIOR PERIOD REVENUE/COSTS**

1.12 All prior period revenue or costs arising on account of a difference between an accounting estimate made for accrual and the actual values involved or on account of any other reason shall be accounted for prospectively and no retrospective restating of past year's figures shall be permitted.

**COMPARATIVE FIGURES FOR PREVIOUS YEAR**

1.13 Comparative figures for the previous year shall be given in the Annual Accounts. No regrouping of previous year's figures shall be permitted except in cases where a different basis for the figures for the same item has been adopted during the current year.

**RESERVES NOT TO ABSORB CHARGE AGAINST REVENUE**

1.14 Reserves of a Board whether created out of appropriation from surplus of past years or in any other manner shall not be used (except in prescribed circumstances) for absorbing the costs which would otherwise be a charge against the revenue of the current year, past years or future years.

**REVENUES NOT TO BE DIRECTLY CREDITED TO RESERVES**

1.15 No reserves shall be given any credit for any amount which should otherwise be treated as revenue for the current year, past years or future years.

**OFFSETTING OF ASSETS AND LIABILITIES**

1.16 In the balance sheet of a Board, assets and liabilities shall be set off against each other only when a legal right of offset exists. Payables to one party shall therefore not be set off against receivables from the same party unless the Board has a legal right to offset the two.

**EVENTS OCCURRING AFTER THE BALANCE SHEET DATE**

1.17 All events or transactions occurring after the date of balance sheet and before the date of the auditors' report shall be treated in the following manner :

- (1) Two types of subsequent events and transactions require consideration by the Board.
- (2) The first type consists of those events that provide additional evidence with respect to the conditions that existed at the date of the balance sheet and affect the estimates necessary for accrual etc. in the process of preparing annual accounts. All information that becomes available prior to the finalisation of the annual accounts should be used in evaluating the conditions on which the estimates were based. The annual accounts shall be adjusted for any changes in estimates resulting from the use of such evidence. Identifying the events that require adjustment in accounts calls for the exercise of judgement and knowledge of the facts. For example, a loss on an uncollectible receivable as a result of a consumer's deteriorating financial condition leading to bankruptcy subsequent to the balance sheet date would be indicative of his poor financial condition existing at the balance sheet date, thereby calling for adjustment of the accounts. On the other hand, a similar loss resulting from a consumer's major casualty such as a fire or flood subsequent to the balance sheet date would not be indicative of conditions existing in respect of the consumer at the balance sheet date and adjustment would not be called for.
- (3) The second type consists of events that provide evidence with respect to conditions that did not exist at the balance sheet date but arose subsequent to that date. These events should not result in adjustment of the accounts. Some of these events, however, may be of such a nature that the omission of their disclosure may result in misleading statements. Examples of this type of event (which should not result in adjustment to accounts but which do require disclosure) are takeover of a licensee, loss from fire, flood etc.

**NO DEFERMENT OF LOSS WRITE OFF**

1.18 The Revenue Account for a Board shall reflect full amount of the loss, if any, to the Board due to any natural calamities like cyclone, flood, etc., on-recurring events like fire or possibly recurring events like receipt of inferior grade of coal. No part of the loss shall be deferred for write-off over future years.

**3% RETURN AND THE TREATMENT OF UNUSUAL AND EXTRA-ORDINARY GAINS AND LOSSES AND PRIORYEAR INCOME AND EXPENSES**

1.19 In a Board's Revenue Account, all unusual and extraordinary losses or gains and prior periods' income and expenses shall be disclosed separately. However, for the purpose of compliance with Section 59 requiring minimum surplus of 3% on fixed assets base, such unusual and extraordinary losses and gains and prior period credits and charge shall be considered in the same way as other usual and recurring income, expenses, losses or gains for the year. Such a treatment will reflect (and not conceal by ignoring such items) that the Board's operating surplus has been affected during the year on account of such items.

**2. ACCOUNTING POLICIES**

2.1 Transactions of a Board shall be accounted for in accordance with the Accounting Policies laid down herein below. The prescribed Accounting Policies are classified under the following sections.

- (1) Capital Expenditure and Fixed Assets
- (2) Fuel and Materials Accounting
- (3) Borrowings and investments
- (4) Other Accounting Areas

## 1. CAPITAL EXPENDITURE AND FIXED ASSETS

### Disclosure at Historical Cost and no Revaluation of Fixed Assets

2.2 Fixed Assets of a Board shall be recorded in the books of account and disclosed in annual accounts at Historical Cost. This policy implies that no revaluation of fixed assets shall be done for adjusting them to replacement cost, current cost etc. Similarly depreciation on replacement cost shall also not be permitted.

### Expenditure on Project Identification Survey and Feasibility Studies

2.3 Expenditure incurred on identification, survey and feasibility studies of a project, before the project is considered for sanction or rejection, shall be accumulated in an account provided for this purpose. Later, if the project is rejected, the full amount of expenditure shall be charged to Revenue as infructuous capital expenditure in the year in which the project is rejected. If the project is sanctioned, the expenditure shall be charged to capital work-in-progress account for that project. Any expenditure incurred on detailed feasibility studies etc. after a project is sanctioned shall also be charged to the capital work-in-progress account for that project. The aggregate of the expenditure incurred before and after sanction of a project shall be allocated over the 'tangible' assets acquired/constructed under the project, in the same manner as the revenue expenditure chargeable to capital works are to be allocated.

### COST OF CAPITAL ASSETS

2.4 Cost of a capital asset shall include all 'actual Costs' incurred to prepare the asset for use subject to the exceptions and the bases of determining costs prescribed in the following paragraphs.

### Treatment of Materials related Costs

2.5 All materials related costs recorded at an accounting unit under which only capital construction activities are carried out shall be charged to capital works.

2.6 At a location under which capital construction as well as O&M activities are being carried out, only the following costs shall be charged to works :

- (1) Inland freight on imported capital equipment
- (2) Freight on Local Capital Equipment
- (3) Testing charges—capital equipment
- (4) Incidental Stores Expenses—Capital Equipment
- (5) Octroi on Capital Equipment
- (6) Advertisement for tenders etc. for purchase of capital equipment.

### Imported Equipments

2.7 Capital equipments, spares and other materials imported by the Board shall be valued as follows for receipts and issues accounting :

- |                                  |                |
|----------------------------------|----------------|
| (1) Cost<br>Freight<br>Insurance | } C.I.F. value |
| (2) Customs Duty                 |                |
- PLUS

### Outside Labour/Contractor Charges

2.8 All labour charges or contractor charges payable to outsiders for work done by them in respect of capital jobs shall be included in the cost of concerned capital assets.

### Employee Costs of Board's Staff

2.9 All employee costs in respect of construction units shall be fully charged as cost of capital assets.

2.10 For an O&M-cum-capital unit, the procedure for accounting Employee Costs shall be as follows :

- (1) Temporary employees—monthly payments such as salaries/wages, dearness allowance, overtime and other allowances shall be capitalised. Some temporary employees may be entitled to retirement benefits. Monthly contribution to Provident Fund and Family Pension Scheme should also be capitalised. If however, any temporary employees are entitled to annual payment like bonus, no part of it should be capitalised because by the time of bonus payment, the relevant capital jobs/project that they worked on might have been completed and closed and the asset cost already determined and transferred to fixed assets. For the sake of uniformity, no capitalisation of such annual payments shall be done even if the jobs are not closed.
- (2) Additional emoluments (e.g. Project allowance) to O&M staff for working additionally on a capital project shall be recorded in a separate account on accrual and shall be fully capitalised.
- (3) A separate payroll shall be prepared for a group of permanent staff members, if any, deployed exclusively or largely on capital jobs. The costs should be booked under a distinct department codes such as 'construction' or 'Project Section' etc. All monthly payments (salaries, overtime, D.A. and other allowances) recorded under such departmental codes shall be fully capitalised. However, no part of retirement benefits and annual payments should be capitalised.
- (4) In respect of other permanent employees who work on both capital and O&M jobs without additional emoluments, no part of the employee costs shall be capitalised.

### Expenses Chargeable to Capital Works

2.11 All expenses in respect of construction units shall be fully chargeable as cost of capital assets.

2.12 At an O&M-cum-capital location (where both capital and O&M work is being carried out) only the following expenses shall be capitalised.

- (1) Insurance on assets under construction.
- (2) Legal charges and stamp fees in connection with agreements with capital suppliers/contractors.
- (3) Fees payable to foreign technician for capital projects.
- (4) Expenses incurred for foreign technician for capital projects.
- (5) Technical documentation and design charges.
- (6) Other consultancy charges—Projects (which includes architectural fees)
- (7) Power consumed for construction.

No part of any other Administration and general expenses shall be charged to capital works

### Capitalisation of Depreciation

2.13 Depreciation on construction facilities (earthmovers, cement mixers etc.) shall be capitalised. Similarly, depreciation on fixed assets used for construction of other assets (e.g. depreciation on vehicles transferred to a project, depreciation on building, furniture & fixtures, vehicles and office equipments at construction division or construction circles) shall also be charged to capital works.



**No Capitalisation of Losses**

2.14 Some losses may be involved in execution of capital projects for example irrecoverable advances to contractors, loss of assets or damage to assets at construction stage and shortage observed upon physical verification of stores at construction divisions. No part of any loss should be capitalised and included in the cost of assets.

**No Capitalisation of Income**

2.15 No income shall be capitalised and reduced from the cost of any asset. Even in cases where the income is identifiable to one or more specific assets, no capitalisation of such income shall be done. The policy is however, subject to a different treatment prescribed for revenue during trial stage.

**Subsequent Increase/Decrease in Costs**

2.16 All subsequent increase or decrease in capital expenditure shall be identified to relevant assets and the cost accounted for earlier for that asset shall be changed accordingly. Subsequent increase/Decrease in Staff Costs and Other Expenses.

2.17 Any subsequent increase or decrease in the staff costs and other expenses which were charged to capital works in the past shall be treated as follows :

- (1) If the increase or decrease has taken place during the same accounting year (as the year in which the expenses were originally charged to works), the amount of increase or decrease should be added to, or deducted from, the staff costs and expenses chargeable to works for the period in which the increase/decrease has taken place.
- (2) If the increase/decrease has taken place in the accounting years subsequent to the accounting year in which the relevant staff costs and other expenses were incurred, the amount of increase/decrease shall be ignored for the purpose of capitalisation of expenses in the subsequent years.

**Land and Land Rights**

2.18 Land cost shall comprise of the following :

- (1) Purchase price of land
- (2) Compensation for acquisition of land
- (3) Compensation for trees and crops on the acquired land
- (4) Legal charges stamp duty etc. incurred in order to secure effective title
- (5) Land revenue and other taxes paid during the stage of land development
- (6) Site preparation costs such as cost of levelling hills or filling low spots cost of clearing trees, etc.
- (7) Cost of demolishing an unwanted structure if the land is acquired with structure.

2.19 Cost of land improvements having a limited life such as cost of landscaping, gardens, sidewalks, fences and digging for sewage system shall also be added to Cost of Land as "Cost of Land Development".

**Buildings**

2.20 In case of purchase/acquisition of a building, the building costs shall include the following items :

- (1) Purchase price
- (2) Compensation for acquisition of Building
- (3) Payments to tenants to cancel their tenancy rights
- (4) Expenses such as legal charges, stamp duty etc. incurred for securing an effective title
- (5) Repairs, alterations and improvements to put the building in usable condition

(6) Architect's fees for remodelling, alterations, improvements before the building is first put to use.

2.21 Cost of a constructed building shall include the following items :

- (1) Cost of construction comprising of materials, labour, contractor charges and depreciation on construction machinery
- (2) Surveying
- (3) Cost of obtaining permits, sanctioned plans, occupation certificates from Municipal or other bodies
- (4) Architectural fees
- (5) Insurance on uncompleted structure
- (6) Cost of excavation (excavation is not a cost of land development).

**Additions, Improvements, Replacement & Repairs**

2.22 Expenditure on additions, improvements, replacement and repairs and maintenance shall be treated in accordance with the policies prescribed in the following paragraphs.

**Repairs before Commissioning of Assets**

2.23 Any expenditure on repairs or rehabilitation of an asset purchased by the Board (whether second hand or new) incurred before commissioning the asset 'for putting the asset in usable condition' shall be treated as a cost of that capital asset.

**Repairs and Maintenance**

2.24 Any expenditure on restoring an asset back upto the level of output/efficiency/performance at which it was, when it was first put to use is repairs expenditure. Any expenditure on maintaining the asset upto the level of output/efficiency/performance at which it was, when it was first put to use is maintenance expenditure.

2.25 Expenditure on repairs and maintenance shall be charged to revenue in the year in which it is incurred. This shall be done regardless of the amount of any repairs or maintenance expenditure.

**Additions**

2.26 Additions may bring into existence a new asset or increase the physical size of an asset through expansion, extension etc. All expenditure on additions shall be capitalised.

2.27 An expenditure having the effect of extending the useful life of an asset or increasing output or capacity or efficiency of an asset or decreasing operating costs of an asset is 'Improvement'. Expenditure on improvement may involve replacement of old (e.g. replacing a transformer by another transformer of higher capacity) or may not involve replacement of old (e.g. expenditure on acid resistance lining in a tank in water treatment plant). All expenditure on improvements shall be capitalised.

**Alterations/Renovations**

2.28 In case of alterations or renovations of building or plant, the treatment of expenditure shall be similar to that for improvements.

**Rearrangement**

2.29 All expenditure on rearrangement (of plan layout, office layout etc.) shall be charged to revenue in the year in which the expenditure is incurred.

**Replacements**

2.30 Replacements can be defined as 'Substitution of one fixed asset by another, particularly of an old asset by a new asset, or of an old part by a new part'. Expenditure on minor replacements shall be charged to revenue as Repairs and Maintenance Expenditure. Major replacement expenditure shall be capitalised. However, the cost and accumulated depreciation of the old replaced asset shall be withdrawn when the expenditure on the new replacing asset is capitalised. A

broad criterion of distinguishing minor and major shall be that replacement of any asset or part of the asset for which a separate fixed asset record is required shall be considered major replacement.

#### Piecemeal Rebuilding

2.31 An asset may be rebuilt by replacement of its components over a period of time instead of at one time. The criteria fixed for 'minor' and 'major' replacements shall in such cases be applied to the aggregate of expenditures on replacement in an asset and accounted for accordingly.

#### Shifting an asset to another Place

2.32 Any expenditure incurred on shifting assets from one place to another place shall, regardless of the amount of expenditure, be charged to revenue in the year in which the expenditure is incurred.

#### Contributions, Grants & Subsidies Towards Cost of Capital Assets

2.33 Contributions, Grants and Subsidies towards cost of Capital Assets shall be treated in accordance with the policies laid down in the following paragraphs.

2.34 Amount receivable as consumers' contribution, subsidy or grant towards capital assets shall be credited to appropriate account set out in Chart of Accounts only if the following conditions are satisfied :

- (1) the amount is not subject to any conditions to be fulfilled by the Board or

the conditions attached to the amount have been fulfilled by the Board

- (2) no part of the amount is refundable nor is likely to become refundable by the Board.

2.35 Consumers' Contribution, subsidies and grants towards cost of capital assets shall not be treated as a reduction in the 'cost' but as a capital receipt to be credited to capital reserve account.

2.36 Accounting for cost of a capital as at shall be done in the normal course without considering any contribution, subsidy or grants towards the cost of the asset. Depreciation shall also be charged in the normal course on the 'full cost' of the asset.

#### Full Write-off of Small and Low Value Items

2.37 Full cost of all small and low value assets each costing Rs. 500 or less shall be fully charged to revenue in the year in which the assets are put to use. No part of the cost of such items shall therefore be included in the cost of fixed assets nor shall any depreciation be charged thereon.

#### Exceptions

2.38 The policy for full write-off stated in paragraph 2.37 above shall not apply to :

- (1) Items of a type for which a specific classification has been prescribed for the purpose of depreciation under the Electricity (Supply) Act, 1948.
- (2) Items included under the classifications 'Furniture & Fixture' and 'Office Equipments'.

2.39 The accounting policy for write-off of small and low value assets prescribed in paragraph 2.37 shall not apply to cost of granting each service connection.

#### Criteria to apply to whole Asset and not to individual components

2.40 In applying the accounting policy for full write-off of small and low value items, the asset as a whole shall be recognised and the individual spare parts or components of the asset shall not be treated separately. The criterion of Rs. 500 should therefore be applied to the aggregate expenditure.

#### Piecemeal Building of Assets

2.41 Assets may be completely built over a considerable period of time rather than at one time. The cut-off criteria for write-off should in such cases be applied to the aggregate of expenditures and accounted for accordingly.

#### Commissioning of Assets

2.42 All capital expenditure shall be accounted for through capital work-in-progress accounts. On commissioning of the assets, the expenditure shall be transferred to appropriate fixed assets accounts. Transfer from capital work-in-progress accounts to fixed assets accounts is referred to in this section as 'Capitalisation of Assets'. The accounting policies prescribed for capitalisation of assets are laid down in the following paragraphs.

#### Capitalisation when Asset is first put to use

2.43 An asset shall be capitalised when it is first put to use.

#### Assets which are 'commissionable' but not actually commissioned

2.44 An asset which is installed/constructed and is in 'unsuitable/commissionable' condition but is 'not commissioned/put to use' shall not be capitalised until it is actually put to use.

2.45 All costs incurred on capital assets (including costs incurred on maintaining the assets which are ready but await the actual commissioning) shall be charged as the cost of the assets.

#### No waiting for Finishing Touches

2.46 Cost of an asset incurred upto the stage of commissioning of the asset should be capitalised when it starts being used without waiting for any finishing touches which may not be significant in work and value. Costs of such finishing touches when completed, should be accounted for and added to the cost of the asset capitalised earlier.

#### Technical Certificate

2.47 Commissioning of an asset is a technical matter which involves consideration of various factors such as trial, testing to ensure whether the asset is in usable condition etc. Capitalisation of assets shall therefore be done on issue of Asset commissioning certificate from the relevant Technical Authority of the Board.

#### Capitalisation regardless of disputes with Contractors

2.48 Mere disputes with contractors/suppliers regarding the fulfilment of the terms and conditions of contract with them shall not be permitted to withhold or defer capitalisation of assets concerned. Cost of the assets determined on the basis of the contract should be capitalised by making necessary provision for liability to contractors/suppliers acknowledged by the Board.

#### Capitalisation regardless of Non-finalisation of Contractors' Bills, etc.

2.49 Mere non-submission of interim or final bills by suppliers or contractors shall not be permitted to withhold capitalisation of assets. In cases where bills are not received or are received but not passed, a provision should be made for an amount as per the contract. The cost of assets concerned shall be determined accordingly and capitalised when assets are first put to use.

#### Escalation Claims

2.50 Cost escalation claims made by suppliers and contractors should be provided for to the extent the claims are acknowledged by the Board and cost of assets inclusive of such provision shall be capitalised when the asset is first put to use.

#### Rural Electrification Schemes

2.51 Cost of assets forming basic infrastructure for an electrification scheme shall be capitalised, when the in-

infrastructure is first put to use and lines are energised. The subsequent expenditure on granting service connections, shall be capitalised as and when each service connection is granted. Capitalisation of individual service connections shall not be withheld or deferred until the targetted number of service connections are granted.

#### Full Capitalisation of Common Facilities

2.52 Certain assets may constitute common facilities, such as coal handling plant at a power station project which would provide services to say 3 units. Full cost of such common facilities assets shall be capitalised when the assets are first put to use.

#### Full Capitalisation of Underutilised Assets

2.53 An asset once put to use, even if underutilised, shall be capitalised for its full cost.

#### Commissioning of Power Station

2.54 The prescribed accounting policy for capitalisation of power station assets is laid down below :

- (1) All costs incurred prior to commencement of trial stage shall be capitalised.
- (2) All costs and revenue during the trial stage shall be treated in the manner prescribed in paragraph 2.56 titled "Costs and Revenue at Trial Stage".
- (3) At the end of the trial stage, the generating plant shall be treated as 'commissioned'.

#### Commissioning of Transmission Lines and Sub-stations

2.55 On commissioning of a transmission lines, all the assets which are put to use shall be capitalised and the total cost of such assets shall be transferred from capital work-in-progress accounts to Fixed Asset Accounts. All expenses incurred before commissioning of transmission lines and sub-stations shall be included in the cost of the assets.

#### Costs and Revenue during Trial Stage

2.56 Costs incurred and revenue earned (from sale of power generated by the unit under trial) during the period of trial stage shall be treated as follows :

- (1) Full period of trial stage or the period of three months from the commencement of trial stage (whichever is shorter) shall be called capitalisable period.
- (2) Trial stage costs incurred during the capitalisable period shall be treated as capital costs of assets involved.
- (3) Revenue earned from the sale of power generated (by the unit under trial) during the capitalisable period shall be treated as reduction in capital costs.
- (4) The excess of costs as per (2) above over the revenue as per (3) above shall be added to the costs of the assets involved at the trial stage. If the amount of revenue is greater than the amount of costs, the excess shall be deducted from the cost of the assets involved at trial stage.
- (5) All trial stage costs incurred or revenue earned after the end of capitalisable period shall be taken to Revenue Account without capitalisation of any part of it.

#### Capitalisation of Capital Spares at Generating Stations

2.57 'Capital spares at a Generating Station' purchased prior to commissioning of the generating station shall be capitalised upon 'Capitalisation of the Generating Station' for which the spares are purchased.

2.58 Capital spares purchased subsequent to the commissioning of the generating station shall be capitalised upon purchase.

#### Capitalisation of Spare Units/Service Units

2.59 Assets which are to be classified as Spare Units/Service Units in accordance with the accounting policy re-

commanded under the section 'Other Accounting policies' shall be capitalised when they are 'Put into usable condition' regardless of whether they are actually used or not.

#### DEPRECIATION

2.60 The accounting policies relating to depreciation on fixed assets are laid down in the following paragraphs :

- (1) The Board shall charge as depreciation on the fixed assets in use in the beginning of the year, such an amount as is required to write-off 90 per cent of the cost of an asset, on a straight line method over the 'estimated useful life of the asset'.
- (2) Depreciation charge on an asset shall cease from the year following the year in which
  - the year's depreciation along with the depreciation charged in the previous year(s) becomes equal to or more than 90 per cent of the cost of the asset or
  - the asset permanently ceases to be used by the Board
 whichever is earlier.
- (3) Depreciation charge on a newly commissioned asset shall commence in the year immediately following the year of commissioning.

#### Depreciation on Leasehold Assets

2.61 In respect of leasehold assets, the depreciation to be charged every year shall be such an amount as is required to write off 100 per cent (unlike 90 per cent for other assets) of the cost of leasehold asset, on a straight line method

- over the estimated useful life of the asset or
- over the period of the lease

whichever is shorter.

In considering the period of the lease, the renewal clause, if any, in the lease agreement shall be ignored.

2.62 Expenditure on development/improvement on leasehold assets shall be depreciated in such a way that full amount of such expenditure, can be written-off, on straight line method over

- the estimated useful life of the asset or
  - the balance of the lease period
- whichever is shorter.

In considering the lease period the renewal clause, if any, in the lease agreement shall be ignored.

#### Second Hand Assets

2.63 Second hand assets i.e. assets used by the previous owner (for whatever number of years) and acquired by the Board shall be depreciated over

- the estimated useful life of those assets ascertained by the State Government and
- where no such period is ascertained by the State Government 'Half of the estimated useful life of new assets of that class' (as if half the life is expired).

#### Assets of Common Retirement Date

2.64 Assets which are of use only collectively in a group and an individual asset in that group is of no use in isolation after the other assets of the group are retired/scrapped, are defined as 'Assets of Common Retirement Date'. The 'period of estimated useful life' adopted for the purpose of charging depreciation shall be 'common' for all the assets in the group of 'Assets of Common Retirement Date'.

#### Retrospective Reworking of Depreciation

2.65 Retrospective reworking of accumulated depreciation owing to change in the amount of cost of an asset for

(the reasons mentioned in 2.124 shall be made only where the increase/decrease in the amount of cost is more than

- Rs. 50,000 for an asset; and
- 20 per cent of the cost booked earlier.

In all other cases, the depreciation in the balance life of the asset should be increased or decreased proportionately so that 90 per cent of full cost (or 100 per cent in case of lease-hold assets) is depreciated over the estimated useful life of the asset.

#### Depreciation on Assets used for Construction

2.66 Assets used for construction are classified as under:

- (1) Construction Facilities
- (2) Project Assets
- (3) Fixed Assets

2.67 By 'construction facilities' is meant those assets which are intended for use on one or the other capital project.

2.68 Depreciation shall be charged on assets classified as construction facilities in the normal manner as it is charged on assets used for O & M except that the amount of depreciation shall be debited not to Depreciation Account but to 'capital WIP—Revenue Expenses Reclassified Account'.

2.69 Certain assets acquired/constructed as a part of a project may be used for construction of other assets of the same project. Such assets should be capitalised when they are first put to use. Capitalisation should not be withheld till commissioning of say power plant itself. Depreciation is not chargeable in the first year of commissioning. From the subsequent year, depreciation should be charged in the normal manner. However, the depreciation so charged shall be reclassified and charged to cost of other assets of the project.

2.70 Fixed Assets used for construction means those assets which have been, on their commissioning, transferred to Fixed Assets accounts, and are now deployed on any project at construction stage.

2.71 Depreciation on such assets shall be charged in the normal manner. The amount of depreciation charged on such assets shall be later reclassified and charged to capital works.

#### Provisional Depreciation

2.72 Board shall ensure that there is no asset which is in service but not depreciated for reasons such as

- (1) Precise cost not known
- (2) Estimated useful life not known or
- (3) The responsibility for maintenance and/or accounting of newly constructed/acquired assets not known

Boards shall endeavour to remove any such reasons at the earliest and shall in the meantime charge at least provisional depreciation on the assets concerned.

#### Retirement, Scrapping, Obsolescence and Sale of Assets

2.73 The accounting policies relating to retirement scrapping, obsolescence and sale of assets are laid down in the following paragraphs.

#### Cost of Retirement, Scrapping, Sale of Assets

2.74 All costs incurred on retirement scrapping and sale of assets shall be charged to Revenue Account in the year in which the costs are incurred. Examples of such costs are :

- (1) Building/Civil Works demolition costs
- (2) Plant decommissioning costs
- (3) Site restoration costs
- (4) Expenses like Legal Charges and stamp duty for transfer of title to the purchaser

(5) Freight etc. on transfer of assets to any Asset/Scrap Disposal Authority in the Board

(6) Expenditure on freight etc. on delivery of the sold assets/scrap to the purchaser.

#### Withdrawal of cost and Depreciation

2.75 On retirement, scrapping, obsolescence of an asset, the cost of the asset and the accumulated depreciation on it shall be withdrawn from the fixed asset base and transferred to a separate account provided for this purpose.

#### Loss on Scrapping of Assets

2.76 In case of scrapped asset for which no scrap/salvage value is realised, the written down value of such assets shall be charged off as "Written down value of assets scrapped" in the Revenue Account for the year in which the scrapped assets are found unrealisable.

#### Gain or Loss on Sale of Assets

2.77 Gain or loss arising on sale of capital assets shall be treated as a revenue item. The gain shall, subject to paragraph 2.78, be credited to Revenue Account for the year in which the assets is sold and the loss on sale of a capital asset shall be debited to the Revenue Account for the year in which the asset is sold.

2.78 The gain on sale of assets shall be treated as a Revenue item only to the extent of total depreciation charged on the sold asset. Gain if any in excess of the accumulated depreciation charged by the Board on the sold asset shall be treated as a capital gain and credited to Capital Reserve.

2.79 For the purpose of computing gain or loss on sale of an asset also the contributions, grants and subsidies towards cost of any capital asset sold shall not be reduced from the cost of the asset sold.

#### Date of Acquisition not known

2.80 In case of assets scrapped/destroyed/sold for which the date of acquisition is not known, it shall be assumed, for the purpose of withdrawal of cost and depreciation, that the asset concerned was the oldest asset of that type in use at that accounting unit.

#### Loss of Assets

2.81 In the event of loss/destruction of an asset, the cost and the accumulated depreciation on that asset shall be withdrawn from the fixed assets block and provision for depreciation respectively.

#### Write-off of Loss

2.82 Excess of the written down value of the lost/destroyed asset over the amount of insurance claim granted shall be charged to revenue in the year in which the insurance claim is settled.

#### Other Accounting Policies

2.83 The accounting policies for all other matters in relation to capital assets are laid down in the following paragraphs.

#### Capital Spares at Generating Stations

2.84 The accounting policy in respect of capital spares at generating stations is given below :

- (1) The capital spares at generating stations should be treated as a capital asset.
- (2) Accounting shall be done together for the entire 'lot' of the spares and not item by item.
- (3) The total cost of all the spares shall be capitalised.
- (4) No accounting shall be done at the time of issue of such spares for replacement in the generating plant
- (5) However on the other hand, depreciation shall be charged on the total cost of the entire lot of spares.
- (6) For the purpose of charging depreciation, the estimated useful life of the spares shall be assumed

to be equal to the estimated useful life of the generating plant.

- (7) On this basis, depreciation equal to 100% (not 90% as in case of other assets) of the cost of spares shall be charged by the time the generating plant is to be retired.
- (8) On expiry of the life, the spares will therefore be valueless.
- (9) The spares remaining unutilised may be sold along with the retired generating plant. Entire sale proceeds should be treated as gain on sale of assets since 100% depreciation is charged in the past.
- (10) In respect of the stock of spares remaining unsold on retirement of the plant, no accounting shall be necessary.
- (11) If some spares are sold and some are not sold, the accounting is necessary only for spares sold i.e. treat the sale proceeds as gain on sale of assets.
- (12) If some spares are transferred by the generating station to another generating station requiring them, no accounting is necessary in such case.

#### Takeover of Licensee

2.85 In respect of the assets taken over from licensee, the amount of compensation payable for an asset shall be treated as and accounted for as the cost of the asset.

2.86 Even where the takeover itself or the compensation determined by the Board for takeover has been disputed by the licensee, the assets shall be provisionally valued at the compensation determined by the Board.

2.87 Depreciation shall also be charged as in the normal course based on the provisional valuation. Estimated useful life shall be as fixed by the State Government. If State Government has not fixed any life half of normal life shall be adopted.

#### Spare Units/Service Units

2.88 The accounting policies prescribed for spare units/service units are given below. The term 'spare unit' covers both spare units and service units.

- (1) All spare units shall be capitalised when they are purchased and put into 'usable' condition (ignoring the fact that they are not actually being used and lying in stores unutilised).
- (2) Depreciation on spare units shall be charged in normal course as charged for the same type of assets which are 'in use'.
- (3) When the original units are removed for repairs or maintenance and the spare units are installed, no accounting adjustments are necessary.
- (4) Expense on repairs or maintenance on the removed units shall be charged to revenue.
- (5) No accounting entry will be passed either :
  - when the removed unit is put back into usable condition or
  - when it is actually used again in place of some other unit removed for repairs or maintenance or
  - the repaired unit is installed back in its place and the spare unit installed earlier (Step No. 3 above) is removed and brought back to stores.
- (6) When the removed unit is considered irreparable, it will be considered to be a retired asset (if the estimated life is over) or scrapped asset (if estimate life is not over) and accordingly the subsequent accounting for retirement, scrapping and sale shall be done.
- (7) Simultaneously with retirement/scrapping of the original unit, the cost and accumulated depreciation

on the spare unit shall be transferred to Fixed Assets account.

- (8) If one new spare unit is purchased (so as to keep total stock at its position) it will be capitalised and thereafter the above procedure shall again be followed in respect of it.

- (9) Thus essentially, the capital asset additions shall be recognised when a new unit is purchased and a deduction is recognised when any unit is retired/scrapped. All transfers within the entire stock of installed units plus spare units would not involve any accounting.

#### Formation of a New Board

2.89 On formation of a new State Electricity Board, the geographical territories of an existing Board may get transferred to the new Board. The fixed assets of the existing Board may also get transferred at Book Value (cost less accumulated depreciation) to the new board. In all cases of transfers, the new board shall not account for the book value at the net cost but shall incorporate gross cost as well as accumulated depreciation in its books of account. Depreciation on such assets should also continue to be charged on the gross cost in the same manner as the Board holding that asset hitherto would have charged.

#### Finance related Costs

2.90 The accounting policies for treatment of costs related to funds utilised for the purpose of construction/ acquisition of assets are prescribed in the following paragraphs.

#### Costs relating to Borrowings

2.91 Guarantee charges, commitment charges, legal charges/ stamp duty for loan agreements/bonds/debentures, advertisement costs in a public issue of bonds, commission on issue of bonds/debentures and such other costs shall be charged to revenue in the year in which the costs are included.

#### Discount/Commission/Redemption Premium on Bonds/Debentures etc.

2.92 Discounts on issue of bonds/debentures shall be charged to revenue in the year in which bonds/debentures are issued. Premium payable on redemption of bonds/debentures shall be charged to revenue in the year in which the premium becomes payable.

#### Capitalisation of Interest on Funds utilised at Construction Stage

2.93 No capitalisation of an imputed interest cost (notional interest) on the Board's own funds and interest free finance shall be permitted.

2.94 Every year, a portion of the interest payable on the interest bearing borrowings which relate to financing of capital assets at constructions stage i.e. till the point of commissioning of assets shall be computed in the manner prescribed in paragraph 1.42 of Annexure V and, if so directed by Central Government, be capitalised.

2.95 The amount of interest so computed and capitalised shall be reduced from the amount of interest for the year and only the balance amount shall be chargeable to the Revenue Account for the year.

2.96 No part of interest shall be capitalised in respect of assets which involve no time period or involve insignificant time periods for bringing the asset into usable condition. Examples of such cases are :

- purchase of new vehicles.
- purchase of furniture items.
- purchase of office equipments.

2.97 The amount of interest capitalised shall be included in the cost of the assets which involve significant time periods at construction stage and the same shall, along-with the basic cost of assets, be depreciated in normal course, over the expected useful life of the assets.

## II. FUEL AND MATERIALS ACCOUNTING

## Fuel Accounting

2.98 The accounting policies for Fuel Accounting are laid down in the following paragraphs :

## Basis of Valuation of Receipts of Fuel

2.99 Valuation of fuel receipts shall be based on the actual quantity and quality of fuel received as determined in accordance with Annexure V and shall cover two elements of cost viz. fuel cost and freight for fuel receipts.

2.100 Freight cost for coal shall be booked at a standard freight rate to be fixed for each quarter for each power station on the basis of colliery-wise expected supplies as per Coal Allotment Programme.

## Treatment of Other Costs relating to Fuel

2.101 The costs relating to receipts and stocks of fuel other than the freight cost and fuel cost shall not be added to the value of fuel received, consumed or in stock. These costs when incurred (whether paid or not) shall be charged to revenue through the relevant account provided for these costs.

## Accounting for Inferior Grade of Coal

2.102 In respect of the wagons allotted to and received by a Board, in the event of receipt of a grade of Coal inferior to the grade billed, the excess if any, of the amount billed over the amount payable for the inferior grade of Coal actually received, shall be treated as a loss on inferior grade of coal, if the same is not recoverable from the collieries. Such treatment shall be given as far as possible, in the year of such receipts.

## Accounting for Superior Grade of Coal

2.103 In respect of the wagons allotted to and received by a Board, in the event of receipt of a grade of Coal superior to the grade billed, the excess, if any, of the amount payable for the superior grade of Coal actually received over the amount billed shall be treated as a gain on superior grade of Coal. Such treatment shall, as far as possible, be given in the year of such receipts.

## Accounting for Losses or Gains on Settlement of Claims with Railways for Missing Wagons

2.104 No provision shall be made for the losses or credit taken for the gains which are likely to arise on settlement of the claims with Railways which remain unsettled at the year-end.

2.105 Losses or gains on settlement of claims should be booked in the accounts on intimation of the decision by the Railways to the Board of the claims which are settled by them.

## Basis of Valuation of Fuel Consumed and Fuel Stock

2.106 The rate adopted for valuation of fuel consumed shall be a weighted average rate computed in the following manner :

(Value of stock at the	plus	Value of 'Net receipts'	)
(beginning of the month --		during the month	)
Quantity of stock at		Quantity of 'Net	)
the (beginning of the month		Receipts' during the	)
plus		month	)

2.107 The fuel stocks at the end of a month shall also be valued at the above mentioned weighted average rate.

Notes.--(1) Net receipts would mean receipts after deducting the transit loss of fuel. Transit loss shall be valued at the average receipt rate for the month

(2) Quantity and value of all fuel receipts during the month shall, regardless of their grades, be aggregated for this purpose.

## Treatment of Excess/Shortage on Physical Verification of Fuel Stocks

2.108 The value of shortage, on physical verification of fuel stocks at the year-end, will be treated as a cost of fuel consumed and the value of excess, as a reduction in cost of fuel consumed.

## MATERIALS ACCOUNTING

## Accounting for Materials Transactions

2.109 Accounting for all materials transactions shall be in the same period in which the physical event of receipts, issues etc takes place. Similarly, liability for all materials received and accepted by the Board shall be created in the month in which the materials are accepted.

## Accounting for Incidental Expenses

2.110 Incidental expenses incurred shall not be linked to the actual materials receipts/issues and therefore shall not be treated as Materials Cost. These expenses shall be treated as a period cost and shall be charged to the Revenue Account of the period in which these expenses are incurred.

## Recognition of Consumption

2.111 Accounting for consumption shall closely follow the physical transactions. Issues of materials in respect of specific works shall be forthwith treated as consumption. Where there are lump-sum withdrawal of materials, consumption shall be recognised only when the exact end-use is established.

## III. BORROWINGS AND INVESTMENTS

## Interest on Borrowings

2.112 Provision shall be made every year for the interest accrued on all borrowings including State Government loans whether such interest is due or not and whether it is actually paid or not. In the event of interest payment to State Government not being effected in pursuance of Section 67A of the Act, the same may be considered as deferred liability. The deferred liability in such cases only means deferment of payments and not deferment of the charge to Revenue Account.

2.113 Total interest cost for the year including interest on State Government loans shall, subject to capitalisation of a portion of interest as per paragraph 2.114 be charged to Revenue Account for the year.

2.114 A portion of the interest on borrowings which relates to financing of capital work-in-progress upto the stage of commissioning shall, if so directed by Central Government, be capitalised in accordance with paragraphs 2.93 to 2.97.

## Cost Relating to Borrowings

2.115 Guarantee charges, commitment charges and legal charges/stamp duty for loan agreements, debenture trust deeds, bonds or debentures shall be charged to revenue in the year in which the costs are incurred. Provision shall be made at the year-end for the above costs for the year, which have accrued but are not paid.

## Discount and Redemption Premium on Bonds etc.

2.116 Discount on issue of bonds, debentures or other securities offered by a Board shall be charged to Revenue in the year in which the bonds/debentures are issued.

2.117 Premium, if any payable on redemption of bonds, debentures or other securities shall also be charged to Revenue Account in the year in which premium becomes payable.

## Treatment of Income and Investments

2.118 Income from investment shall be credited to the Revenue Account for the year in which the income has accrued. However, if the investments are held as earmarked investments against any Fund such as Pension Fund, Gratuity Fund etc., the income from such investments may be credited directly to the respective Fund.

2.119 Provision shall be made for the income from investments (whether to be credited to Revenue Account or a Fund) which has accrued but not received by the Board.

**Investments to be Recorded 'at Cost'**

2.120 Investments shall be recorded in the books of accounts at actual cost of acquisition including transfer charges, stamp duty etc. No adjustment shall be made for the excess or shortfall of the cost over the face value of the investments.

**Treatment of Loss/Gain relating to Investments**

2.121 Gain on sale of investments shall be credited to the net Revenue and Appropriation Account. Similarly if any Redemption premium is received on maturity of securities, the same shall also be credited to Net Revenue and Appropriation Account. Loss on sale of investments shall be debited to Net Revenue and Appropriation Account. In case of investments against a Fund, the credit for the gain or debit for the loss shall not be given to the Revenue Account but to the respective Fund Account itself.

**IV. OTHER ACCOUNTING AREAS****Foreign Currency Transactions**

2.122 When a foreign currency transaction is being first recorded in a Board's books of accounts, the assets, liabilities, income or expenses arising from the foreign currency transaction shall be translated at the official exchange rate in force on the transaction date.

2.123 All amounts owed to the Board or owed by the Board in foreign currency outstanding at the balance sheet date (including liability in relation to acquisition of fixed assets) shall be translated at the official exchange rate in force as on the balance sheet date. If the amount derived on such translation is different from the amount at which the receivable or liability is appearing in the books of account, the difference shall be recorded in the books as under :

- (1) Increase in the amount of receivable or decrease in the amount of the liability shall be treated as a gain and be credited to Exchange Variance Reserve.
- (2) Decrease in the amount of receivable or increase in the amount of liability shall be treated as a loss and shall be debited to Exchange Variance Reserve. If as a result of such debit, the net balance in reserve account is a debit balance, the amount of debit balance shall be charged to revenue for the year as "Loss on Exchange Rate Variation".

Gain or loss arising on account of difference between actual amount received/paid and the amount at which the item is appearing in books shall also be treated in the same manner as above.

2.124 Where any revaluation or devaluation of rupee vis-a-vis the currency in which the liability is to be discharged is more than 10% at one time, the same shall not be treated in accordance with the above-mentioned policy. The policy relating to treatment of such situation shall be as follows :

- (1) the increase or decrease in the amount of foreign currency liability shall be accounted for as an increase or decrease in the cost of the assets financed by the liability.
- (2) the depreciation for the past years shall also be reworked for the assets where the conditions laid down in paragraph 2.65 for retrospective reworking of depreciation are fulfilled.

**Loss due to Fire, Flood, Cyclone etc.**

2.125 All losses on account of flood, cyclone, fire etc., shall be treated as the loss for the year in which the loss was incurred. Such a charge against revenue shall be reduced

- (1) by the insurance claim granted by the insurer where assets are insured with an outside insurer;
- (2) by the amount of reserve created where the Board follows self insurance practice and
- (3) by subsidy, if any, received from Government etc., specifically for meeting the loss.

In the case referred to in sub-point (2) above, the excess amount set aside, if any, in respect of the assets may be written back to Revenue Account.

**Income-tax**

2.126 Provision shall be made every year, for the tax payable by the Board on its income or profits in accordance with provisions of the relevant tax law. Such a provision shall be treated as a charge against the revenue before arriving at the Board's profit for the purpose of computing surplus for the year under Section 59.

2.127 Any excess or shortfall of the provision for income-period credit or, also, period charge in the Revenue account for the year in which such excess or shortfall is established.

**Timing of Accounting for Revenue**

2.128 Revenue from sale of power shall be accounted for on an accrual basis. The accounting for revenue shall thus be totally delinked from the timing and the extent of actual collection of revenue from consumers. Where the sale of energy prior to the end of a year has not been billed, a provision for such unbilled revenue shall be made at the year-end so as to treat the amount as revenue in the year of supply of power.

**Treatment of certain items recoverable from Consumers**

2.129 The accounting policy on treatment of certain items recoverable from consumers is laid down below with reference to each such item :

(1) **Electricity Duty.**—Electricity duty recovered from consumers and forwarded to the Government is neither a cost nor an income to the Board. It should thus be kept out of the Revenue Account altogether. The point of time the liability to pay Electricity duty to the Government arises would differ from State to State—it may arise either on assessment or on collection. In order to reflect the liability truly in either case, the amount of duty assessed but not collected from consumers and the amount of duty collected from consumers but not yet remitted to the Government shall be shown separately in the accounts.

(2) **Minimum Charges.**—Minimum charges levied in case of consumption below a specific minimum consumption during a billing period or during a year shall, for the sake of working convenience, be treated fully as revenue from sale of power although strictly only a part thereof relates to sale of power.

(3) **Treatment of Minimum charge levied on Applicants who have delayed taking of connection.**—Applicants who delay their Test Report are at times billed a minimum charge even though no power has been supplied to them. Such income shall be treated as "Miscellaneous Charges from Consumers". The amount receivable on this account shall also be accounted for in an account separate from 'Sundry Debtors for Sale of Power'.

(4) **Treatment of Discount allowed for Timely Payment.**—Cash discounts allowed to consumers as an incentive for timely payment by the due date should, when allowed, be treated as a cost and shown separately as such in the Revenue Account.

(5) **Treatment of Delayed Payment Charges.**—Charges recovered from consumers for delayed payments should not be clubbed with the revenue from sale of power but shown separately since these are more in the nature of a financial charge.

(6) **Accounting for bills of Thefts of Energy.**—Income arising from the bills raised for Theft of Energy, whether on a consumer or an outsider, shall be treated as income and reported under a separate account head provided for such revenue.

**Cheque Received and in Hand to be Regarded as Cash**

2.130 Cheques and bank drafts received will be treated as cash until they are deposited in bank, and will be included as "Cash on Hand" in the accounts. Banking of such cheques

and drafts will, therefore, be considered as deposit of cash in the Bank Account.

#### Subsidies

2.131 Subsidies which are receivable to assist a Board to meet, partly or fully, shortfall of revenue as compared to cost of operations of a specific type or of a specific activity carried out or being carried out by the Board on its own or under the directive of the body from whom the subsidy is receivable shall be credited to Revenue Account.

2.132 The subsidies, the receipt whereof is dependent upon the Board satisfying certain conditions shall not be taken credit for to Revenue Account until the Board satisfies all such conditions.

2.133 Where a claim for subsidy of revenue nature is made but no intimation of granting of the claim has so far been received the outstanding amount for the current year and for the past years should be shown as a deduction in the Reserve Schedule.

#### ANNEXURE IV—PROCEDURES ON CHANGE-OVER TO THE NEW FORM OF ACCOUNTS

1. Implementation of the New Form of Accounts shall, inter alia, involve the following:

- (1) Adoption of the prescribed basic accounting principles and policies.
- (2) Adoption of the prescribed Chart of Accounts and
- (3) Compilation of the Annual Statement of Accounts in the prescribed formats.

#### Adoption of the prescribed basic accounting Principles and Policies

2. The prescribed basic accounting principles and policies shall be applied only prospectively, that is to say, only to the transactions which take place after the effective date.

3. The revenue or expense resulting from any transaction relating to prior periods shall be segregated as 'Prior Period Income or Expense'.

4. Policies, like basis of valuation of materials purchased, would apply only to prospective transactions. But the prescribed basis of valuation of issues may be applied for the sake of simplicity and uniformity even to the issues out of the stock on hand as on the effective date, if the stock is valued on a basis not much different from the prescribed basis. The small differences arising in such cases shall be dealt with appropriately with a disclosure in the annual accounts for the year of changeover to the new form of accounts and the year in which the adjustments are made.

#### Retrospective adjustments for interest and depreciation.

5. In respect of interest and depreciation, however, a retrospective adjustment shall be done. Under Sections 67 and 68 of the Act, prior to their amendment by the Electricity (Supply) Amendment Act, 1983, depreciation charge was restricted to the amount of surplus available after appropriations under Section 67. Similarly, interest on State Government loans had lower priority as compared to the creation of Sinking Fund for repayment of loans.

6. As a consequence of these provisions, the Boards have created Sinking Funds for repayment of loans although huge arrears of interest and depreciation remain to be charged to revenue.

7. Every Board shall re-open its accounts for the year ending on a date immediately preceding the effective date. The following adjustments shall be made to these accounts:

- (1) Full amount of the reserve or the sinking fund for repayment of loans standing in an account, by whatever name called, shall be credited to a 'Restructuring Account'.
- (2) All arrears of depreciation and arrears of interest shall be debited to the Restructuring Account

(3) The net balance in the Restructuring Account, whether debit or credit, shall be transferred to the Net Revenue and Appropriation Account for the year in which the prescribed accounting policies become effective.

(4) Reopening of the said accounts shall be after prior approval of the Board.

(5) A note containing the 'Restructuring Account' showing adjustments made to the previous year's accounts shall also be included in the Board's annual accounts for the first year ending after the effective date.

#### Adoption of the prescribed chart of Accounts

8. The prescribed Chart of Accounts shall be adopted as under:

- (1) All revenue, expenses, gains and losses which take place after the effective date shall be accounted for under the prescribed account heads.
- (2)(a) Balances in the Balance Sheet accounts as on the effective date shall be analysed wherever necessary, and restated, to the extent possible, under the account heads prescribed for assets, liabilities, reserves and reserve funds.
- (b) Where such restating of a balance (or part of a balance) is not possible owing to non-availability of information in respect of the outstanding balance (or, as the case may be, that part of the balance):
  - (i) each Board shall introduce necessary account heads and transfer thereto each of such balances or the parts of the balances which could not be so restated; and
  - (ii) transactions after the effective date, which clear, in full or in part, the earlier balances shall be accounted for under the accounts so introduced by the Board.
- (c) All transactions, other than those referred to in clause b(ii) above, occurring after the effective date, shall be accounted for under the relevant account heads under the prescribed Chart of Accounts.
- (d) After a period of three years from the effective date, the past balances remaining uncleared in the accounts introduced by the Board as aforesaid shall be dealt with depending on the nature of the account head concerned and the materiality of the amounts involved.
- (3) Balances, if any, in inter-unit accounts, as on the effective date, shall be reconciled, as far as possible. The unreconciled portions of such balances shall be dealt with after taking into consideration factors such as the types of inter-unit transactions normally taking place between the accounting units involved, the nature of operations (construction or operations and maintenance) performed at the concerned accounting unit and the materiality of the amounts involved.

#### Compilation of the Annual Statement of Accounts in the Revised Formats

9. The Annual Statement of Accounts for the accounting year ending immediately after the effective date, as adopted by the Board, shall also include a note containing particulars of:—

- (1) part balances restated (i.e. the amount restated and the earlier account head from which and the new account head under which the balance has been restated); and
- (2) balances transferred (which could not be so restated) to the accounts introduced by the Board as aforesaid.

Such balances shall, as far as possible, be so grouped as to broadly conform to the disclosure requirements under the revised annual accounts formats.



10. For each of the first four years ending immediately after the effective date, the Board shall also include, in its annual accounts, a note containing particulars of:

- (1) the amount of past balances transferred to each of the accounts introduced by the Board in accordance with sub-paragraph 2(b)(i) of paragraph 8 above.
- (2) the amount of the aggregate of the amounts of past balance cleared by transactions:
  - during the year.
  - during one or more previous years ended after the effective date in accordance with sub-paragraph 2(b)(ii) of paragraph 8 above.
- (3) the past balances remaining uncleared at the end of the third year after the effective date and the manner in which they have been dealt with in the fourth year as discussed in sub-paragraph (2)(d) of paragraph 8 above; and
- (4) the unreconciled balances in the inter-unit accounts and the manner in which they have been dealt with as discussed in sub-paragraph (3) of paragraph 8 above.

11. The additional notes required to be given as per sub-paragraph (5) of paragraph 7 as also per paragraphs 9 and 10 above, during the period of change-over to the prescribed new form of accounts, shall form part of the Annual Statement of Accounts.

12. In the annual accounts for the first three years ending after the effective date, the uncleared portions of the past balances (which could not be restated), outstanding in the accounts introduced by the Board, shall be disclosed separately in the appropriate Schedule to the Balance Sheet

#### ANNEXURE V

##### PROCEDURAL MATTERS RELATING TO ACCOUNTING TRANSACTIONS

The procedural matters relating to accounting transactions of State Electricity Boards are classified under the following sections:

Section	Subject
---------	---------

1. Capital Expenditure and Fixed Assets.
2. Fuel and Materials Accounting.
3. Borrowings and Investments.
4. Other Accounting Areas.

##### 1. Capital Expenditure & Fixed Assets

1.1 The procedural matters regarding expenditure on construction, acquisition and maintenance of capital assets are laid down in this Section

Cost of Capital Assets—Departure from 'Actual Cost' basis

1.2 Reference is invited to paragraph 2.4 of Annexure III wherein it is stated that the cost of a capital asset shall include all 'actual costs' incurred to prepare the assets for use. However a departure from 'Actual Cost' basis of accounting capital assets shall be made in the following cases

- (1) Assets Received as Donation/Grant.—An Asset received as donation shall be accounted for at its fair market value. The fair market value shall be debited as the cost of the asset and credited to 'Donated Capital Assets Account', which shall be included under a Reserve and be treated in the same manner as Contributions, Grants and Subsidies towards cost of capital assets. Donated assets which are subject to certain conditions shall nevertheless be treated as fixed assets but be disclosed by way of a foot note indicating value of such assets. Assets received as grant shall also be accounted for in the same manner as donated assets.
- (2) Exchange of Assets.—Where an asset is exchanged for another asset, the asset surrendered shall be deemed to have been disposed of at its fair market

value. Gain or loss based on the fair market value shall be accounted for in the normal course. The cost of the asset acquired in exchange shall be deemed to be the fair market value of the asset surrendered plus any additional consideration given or minus any additional consideration received.

- (3) Leasehold Assets.—Lease premium payable on acquiring lease rights for assets shall be treated as the cost of leasehold assets. Depreciation shall be charged on such cost in the manner prescribed for Depreciation on Leasehold Assets. Periodic rentals payable on leasehold assets shall be charged to Revenue in the year in which the rentals accrue. If the Board acquires leasehold rights for an asset with no or negligible lease premium, the fair market value of the asset shall be determined and the amount required to state the asset at its fair market value shall be debited to the asset and credited to an account 'Liability for Leasehold Assets'. The fair market value of the leasehold assets shall be depreciated over the lease period. Simultaneously extinguishment of a proportionate amount of liability set up in the books shall also be affected. By the end of the lease period the liability in accounts would have been fully extinguished and a provision for depreciation equal to the amount of fair market value booked as cost would have been created. On returning the assets to lessor, the provision shall be set off against the amount of cost of the asset so as to close the two accounts.

#### Employee Costs Chargeable to Works

1.3 For the purpose of determining employee costs chargeable to capital works, the following classification of employee costs shall be adopted:

- (1) Employee costs recorded at construction divisions/construction circle/construction stores division/construction workshops etc. where no activities relating to O&M are carried out shall include:
  - (a) Cost of temporary staff
  - (b) cost of permanent staff deployed at the location throughout the year
  - (c) cost of permanent staff deployed for part of the year. In such cases it may happen for example that an employee's two months' salaries etc. are booked here when he was deployed here but the annual payments like bonus and LTA or earned leave encashment, (part of which is relating to these two months) is paid and recorded at some other location where he is deployed at the time of such payments. In case of some other employee full year's annual payment like bonus may be paid and recorded at construction unit although he has worked there only for say 4 months. No adjustment need be made for such minor inaccuracies.
- (2) At accounting units which have both O&M and construction work, employee costs shall include:
  - (a) Cost of temporary labour/supervisors retained specifically for one or more capital jobs.
  - (b) Additional emoluments (such as project allowance) given to O&M staff at a location for also doing the work related to capital projects.
  - (c) Cost of permanent staff members deployed exclusively or largely on construction jobs. For example, Project Section, Design Section etc. at Head Office, Project Accounting Staff at a division, construction engineers at a power station where 2 units are in operation and 3rd unit is being setup, capital stores staff if such a separate stores is set up and so on.
  - (d) Staff which works on both capital as well as O&M jobs, without any additional emoluments to them.

### Method of Allocation of Staff Cost and Expenses over Various Assets

1.4 Staff costs, materials related expenses and other expenses which are chargeable to capital works shall be

- (1) identified to specific capital job wherever possible.
- (2) failing which, identified to a specific group of capital jobs wherever possible (and within the group allocated on an ad-valorem basis).
- (3) failing which, identified to a project wherever possible (and allocated on ad-valorem basis over various jobs within the project).
- (4) failing which, allocated on an ad-valorem basis over various projects and various jobs within each project.

Identification to one or more jobs should be done only if possible to identify without any allocation. In all other cases, ad-valorem allocation shall be adopted.

1.5 By ad-valorem basis is meant allocation of capitalisable expenses as a per cent of the capital expenditure incurred during the period on that job/project (and not as a per cent of total capital expenditure on that job/project including the expenditure incurred in previous periods of allocation).

1.6 For the purpose of allocation the term capital expenditure would include progress payments on supply-cum-contracted work order which are to be recorded in a separate account.

1.7 No part of the staff costs or other expenses chargeable to capital works shall be allocated over the capital expenditure on furniture, office equipments and vehicles or on capital expenditure for take-over of licensee.

1.8 The work of capitalisation of assets commissioned during the period cannot be expected to be kept pending merely for determination of total capitalisable expenses incurred during the period. Methods of allocation using fair estimates of such capitalisable expenses may be adopted where necessary.

### Cost of Development on Leasehold Assets

1.9 The cost of development on leasehold assets shall be accounted for under a separate account and not added to the cost of leasehold assets.

### Land as a Future Plant Site

1.10 Land may be purchased or acquired as a future plant site for projects which are yet to be taken up (e.g. land purchased for a project which is sanctioned in principle but detailed survey and investigation is continuing). Cost of such land shall be debited to capital work-in-progress account (Project code 99-Not identifiable to any specific project code).

### Purchase of a Building along with Land

1.11 When a building is purchased along with the land, the purchase cost shall be allocated between the land and building based upon a technical and commercial appraisal. If a part of the purchase consideration towards land is for lease rights to the land, that part should be appropriately classified as leasehold land.

### Assets Awaiting Conveyance in favour of the Board

1.12 In the case of purchased assets, wherein formal conveyance is delayed and the Board has in the meantime put the asset to use, the cost of the asset shall be shown as fixed assets. The fact of pending conveyance of the asset may be disclosed by way of a note to the accounts.

### Contributions, grants and subsidies towards cost of Capital Assets

1.13 Accounting procedures relating to contributions, grants and subsidies towards cost of capital assets are laid down in the following paragraphs.

### Consumer Contribution

1.14 Reference is invited to Paragraph 2.34 of Annexure III wherein it is stated that amount receivable as consumers' contribution shall be credited to Consumers' Contribution account if

- (1) the amount is not subject to any conditions to be fulfilled by the Board or the conditions attached to the amount have been fulfilled by the Board and
- (2) no part of the amount is refundable nor is likely to become refundable by the Board.

1.15 Any amount received by a Board as consumers' contribution or deposit shall be accounted through "Deposit for Deposit Works A/c" until the above two conditions for treating the amount as Consumers' Contribution mentioned above have been met, at which time the amount will be transferred to Consumers' Contribution Account. Amount, if any becoming refundable shall be debited to the 'Deposit for Deposit works A/c'.

### Certain Amounts may not be Grants/Subsidy

1.16 Certain amounts receivable by the Board may be computed with reference to the cost of capital assets or progress on a capital project but in fact are actually in the nature of interest free loans. Such amounts shall not be treated as grants or subsidy towards cost of capital assets.

### Treatment of Small and Low Value Items (each costing Rs. 500 or less) for non-accounting purposes

1.17 For the purpose of project cost estimation, for reporting of total project cost, or for deciding competent authority for project approval and execution, the cost of all such small and low value items shall be included in the amount of cost of the project and be treated in the same manner as large value assets which are to be capitalised. Similarly the controls regarding records, custody, numbering and verification of such assets shall remain the same as is presently exercise over those assets.

### Commissioning of Power Station.

1.18 The various aspects connected with commissioning of Power Station and therefore related to the accounting policy for capitalisation of Power Station assets are set out herein below:

- (1) Activities like flushing of pipes, acid cleaning of boiler, acid cleaning of pipes, steam blowing of lines, moisture drying of generator etc shall be deemed to be before commissioning.
- (2) Testing of individual segments of the plant for example testing of protective system, testing of cooling water system etc. shall be deemed to be before commissioning.
- (3) On the collective testing of the entire plant (which is also known as rolling of the machine—when Turbine-Generator is put on trial along with Boiler and all other plants) the 'trial stage' shall be deemed to have commenced.
- (4) The trial stage shall be deemed to have ended at the end of the month during which the new generating station achieves for the first time an 'Availability Factor' which is equal to or more than the 'Average Availability Factor of all other generating stations of the Board in the previous month'.

For this purpose, Availability Factor shall be computed as follows:

Total Running Hours during the month  
 ----- X 100  
 Total Clock Hours during the month  
 (i.e. No. of days in the month X 24 Hours)

Average Availability Factor of all other Generating Stations of the Board shall be worked out as follows:

Aggregate of the total running hours of each of the other generating stations  
 ----- X 100  
 Total clock hours during the month X Number of other Generating Stations

- (5) The end of the trial stage of a new generating station shall be certified by the highest technical authority in the Board.
- (6) On the receipt of such a certificate, all the assets at the new generating station which are put to use shall be capitalised. Cost of the assets shall be transferred to Fixed Assets Accounts. In this re-

paid full cost of common facilities, assets and under-utilised assets shall also be capitalised.

#### Commissioning of Transmission Lines & Sub-Stations.

1.19 Commissioning of transmission lines and sub-stations also involve trial stage. However, unlike generating stations, no revenue is generated and the costs incurred are not very large during the trial stage. No trial stage shall therefore be recognised for defining commissioning of transmission lines and sub-stations.

1.20 A transmission line shall be deemed to have been commissioned at the end of the month during which it achieves an availability factor which is equal to or more than the "Average Availability Factor of all other Transmission Lines of the Board".

1.21 Sub-stations shall also be deemed to have been commissioned on achievement of the availability factor as in case of transmission lines. In both cases, commissioning shall be certified by the highest technical authority of the Board.

#### Determination of Revenue during Trial Stage of Generating Station

1.22 Revenue during the capitalisable period which is the full period of trial stage or the period of three months from the commencement of trial stage (whichever is shorter) shall be computed as under:

Units generating during the capitalisable period	XX
Less: Auxiliary Consumption	X
Net Units sent out	XX
Less: T&D Losses computed at a % of T&D Loss in the Board during the previous year	X
Units treated as sold	XX
Multiplied by	
Board's average realisation per unit during the previous year	X

The resultant amount shall be deemed to be the Revenue during the capitalisable period.

#### Depreciation

1.23 Procedural matters connected with the accounting policy on depreciation on fixed assets are set out in the following paragraphs.

#### General Framework for charging Depreciation

1.24 The general framework for charging depreciation is outlined below:

- (1) The existing practice of charging depreciation on straight line method shall continue.
- (2) 90 per cent of the cost of a fixed asset shall be depreciated over the 'estimated useful life of the asset'.
- (3) "Estimated useful life of the asset" shall be:
  - as prescribed by the Central Government in consultation with the Central Electricity Authority.
  - as prescribed by the State Government in respect of assets where the Central Government has not prescribed any period.
- (4) No depreciation shall be provided on an asset in the year in which it is first put to use by the Board.
- (5) Depreciation shall be charged on an asset even if during the year, it permanently ceases to be used by the Board.

#### Periodic Review of Prescribed 'Estimated useful life'

1.25 Central Government shall periodically carry out an exercise to assess the need for any change in the 'estimated useful life of assets' prescribed by it, required in view of technological changes in the assets, normally used by various Boards of the country. Based on the findings of the exercise, such changes shall be made to the schedule of prescribed period of estimated useful life of assets as are considered necessary

by the Central Government. All changes to the schedule of prescribed period of estimated useful life, shall be prospective and shall be applicable only for depreciation chargeable in subsequent years.

#### Assets of Common Retirement Date

1.26 An area where the concept of 'Assets of Common Retirement Date' would become operative is subsequent additions at a generating plant, sub-stations or transmission lines, resulting in assets which would be retired along with the assets installed earlier, although as such, the number of years of estimated useful life of the newly added assets would not expire by then. This concept is illustrated below:—

#### Example:

- (1) Estimated life of water circulating system is say 25 years and generating plant also 25 years.
- (2) A totally new arrangement of water circulating system at a generating plant, felt necessary in say 11th year of the generating plant with balance life 15 years (i.e. 25 years less 10 years expired).
- (3) The water circulating system would have normally been depreciated over 25 years. However the expenditure on new water circulating system in this case would be required to be depreciated over the balance 15 years since it would not be of any use after the generating plant itself is retired in the 15th year from now.

#### Subsequent Change in the Purpose of use of an Asset

1.27 Any change in the purpose of use of an asset shall be recognised only prospectively for charging depreciation in the years subsequent to such change. For example, Building containing Diesel Generating Sets is to be depreciated over say 30 years, the DG sets are scrapped earlier since they were obsolete in technology and the building is, after some notifications, used for say office purposes (for which estimated life is say 50 years). The change in the estimated useful life of the asset owing to a change in the purpose for which the asset is used, shall be recognised only for future depreciation.

#### Near & Tear during Construction Stage

1.28 In a project period of say 4 to 5 years, assets which were constructed in say first year but lying idle until completion of other assets, do suffer wear and tear during the following 3 to 4 years. No depreciation shall be charged towards such wear and tear of such idle assets at construction stage.

#### Assets Transferred to Other Divisions/Circles

1.29 In respect of the assets transferred between accounting units during the year, the accounting unit which held the assets at the beginning of the year, shall charge full year's depreciation on the transferred asset and no depreciation on the assets shall be charged for the year by the transferee location(s).

#### Retirement, Scrapping, Obsolescence and sale of Assets

1.30 Procedural matters connected with the accounting policies relating to retirement, scrapping, obsolescence and sale of assets are set out in the following paragraphs.

#### Sale of Assets for which written down value is not known.

1.31 Fixed Assets sold by the Board for which written down value is not known, shall be deemed to have been sold without any loss or gain. The written down value shall be deemed to be equal to the sale proceeds.

#### Provision for Loss on Obsolescence

1.32 Provision shall be made for loss, if any, expected to arise from the obsolescence, determined by the Board of any of its capital assets whether in service or removed from service. Similar provision shall be made for loss from obsolescence of capital spares. The provision shall be utilised to meet the loss arising on disposal/scrapping of those assets.

#### Assets taken over from Licensee

1.33 The accounting policy prescribed for assets taken over from licensee requires adoption of provisional valua-

tion in case of disputes. On final valuation of the taken over assets the following procedures should be adopted.—

- (1) Any increase or decrease from the provisional valuation shall be adjusted to the cost of the assets
- (2) Small and low value assets shall be written off
- (3) Depreciation on all the balance assets which are capitalised shall be reworked from the date on which the assets were vested in the Board
- (4) Difference between the provisional depreciation and the reworked depreciation shall be credited or debited (as the case may be) to the Revenue Account for the year in which final valuation of taken over assets is done. Such debit or credit shall be disclosed in the Revenue Account as Prior Period Gain or Charge.

1.34 The reworking of depreciation referred to in the above paragraph shall also incorporate changes, if any, made to the estimates of useful life of the assets which were adopted for charging provisional depreciation. This may be necessary when the State Government has finally fixed the estimated useful life. If however, the final estimate of useful life is made after the reworking of depreciation, then the changes in life shall be recognised only for future depreciation without any retrospective reworking.

#### Disputed Claims under Warranty for Repairs

1.35 Suppliers/Contractors of capital equipments may have provided warranty of repairs of assets. Board's claims under such warranties may get disputed by suppliers/Contractors. Repairs expenditure incurred by the Board for which reimbursement is claimed but is disputed shall be fully charged to Revenue Account for the year in which the costs are incurred. Reimbursement when granted by the supplier should be credited to Revenue Account in the year of receipt of reimbursed amount.

#### Excess/Deficits observed on Physical Verification

1.36 Any excess observed on physical verification of assets shall be brought into Board's books by valuing each excess item at one rupee each. The credit will be given to miscellaneous income account.

1.37 The written down value of assets not found on physical verification and established after investigation, as deficit shall be written off by transferring the cost and accumulated depreciation on such assets to the Revenue Account.

#### Certain Disclosures required in Board's Accounts

1.38 Board's accounts shall disclose by way of a note.—

- (1) Book value of assets, if any, which are likely to require surrender of the assets by the Board to the Suppliers/Lenders since the Board has failed to make certain payments in respect of purchase price of the asset or loans raised on the security of such assets
- (2) The Assets in respect of which an effective title is not vested in the Board

#### Liability for Capital Supplies/Capital Works

1.39 The accounting procedures relating to providing of liability in respect of Capital Supplies/Capital Works shall be as follows :—

- (1) Liability to Supplier/contractor shall be created by the Board on acceptance by the Board of the goods supplied by supplier or works carried out by Contractor.
- (2) Capital supplies in respect of which the property in the goods has passed to the Board although the Board has actually not received the goods shall be accounted for at the year end as capital supplies in transit and corresponding the liability towards the supplier shall be created in Board's books.
- (3) At the year end, the capital works completed by contractors in respect of which bills are not received by the Board or received but not passed

shall be identified and certified by Board's engineers and provided for in accounts to create liability to contractors as ascertained on the basis of the contracts. This requirement shall not apply to contracts with total contract value of less than Rs. 25 lakhs.

- (4) In respect of imported capital equipment kept in Bonded warehouse, no provision need be made for the customs duty which will become payable on removal of the equipments from the bonded warehouse.

#### Cash Discount

1.40 Cash discounts earned by the Board on making timely or early payments to suppliers/contractors shall not be reduced from the cost of the assets, but shall be credited to Revenue Account as an income for the year in which the cash discount is earned.

#### Interest on Advances to Suppliers/Contractors

1.41 Interest receivable by the Board on advances to suppliers and contractors for capital supply/works shall not be deducted from the cost of the assets purchased or constructed but shall be credited to Revenue Account as an income for the year in which the interest income accrues.

#### Capitalisation of Interest on funds utilised during construction stage

1.42 In computing the interest on funds utilised during construction stage of capital assets, the following factors shall be taken into consideration :

- (1) The full amount of interest payable for the year would be considered for this purpose.
- (2) Arrears of interest shall not distort the computation of interest on funds utilised during construction as these arrears are required to be debited to a Restructuring Account and then adjusted to surplus/losses.
- (3) In view of the difficulties in identifying a source to its use, no attempt shall be made for source-use identification.
- (4) The exercise of computation of capitalisable interest shall be carried out at head office of the Board.
- (5) This exercise shall be carried out considering rupees in thousands only.

1.43 Interest on funds utilised during construction stage of capital assets shall, for the purpose of capitalisation of such interest be computed as outlined below :

- (1) The Net Assets shown in the Balance Sheet shall be split into :
  - (a) Assets at Construction Stage (ACS) (This would be established with reference to Schedule 21 to the Balance Sheet).
  - (b) Balance Net Assets (BNA)
- (2) The ACS computed under 1(a) above shall be reduced by excess, if any, of Liability for Capital Supply/works over Capital Stores and Advances for Capital Supply/Works.
- (3) BNA shall be derived after the balance current liabilities are netted off against the current assets.
- (4) Total Funds as per Balance Sheet will be first classified as under :
  - (a) Borrowing for Working Capital
  - (b) Payments due on Capital Liabilities
  - (c) Loans having an initial period of interest-holiday
  - (d) Other interest-free liabilities
  - (e) Reserve Funds
  - (f) Reserves and Surplus
  - (g) Interest-bearing capital liabilities.
- (5) Matching of each of the above-mentioned different items of funds with the Assets for the purpose of determining 'Interest-bearing ACS' and 'Interest-bearing BNA' shall be carried out as under :

- (a) Borrowings for Working capital and payments due on capital liabilities shall be deemed to be financing BNA and therefore deducted from BNA.
- (b) Capital loans which provide an interest-free period for the first few years shall be fully appropriated against the ACS on the grounds that interest-holiday is specifically to provide interest-free finance at construction stage.
- (c) Interest-free capital liability, if any, shall be proportionately divided over ACS and BNA.
- (d) Reserve funds shall be set-off against the investments made against the funds.
- (e) Reserves, surplus and the excess of Reserve fund over its investment as per 5(d) above shall be added up to determine 'Own Funds'. 'Own Funds' shall be divided proportionately over ACS and BNA.
- (f) Where the Board has negative 'Own Funds' in its Balance Sheet because of accumulated losses, no adjustment of own funds shall be made (meaning that a part of the funds of capital liabilities is sunk by way of losses).
- (6) Balance ACS and BNA after carrying out the matching as described in (5) above would represent 'Interest-bearing ACS' (IB-ACS) and 'Interest-bearing BNA' (IB-BNA). The aggregate of the two should be equal to interest-bearing capital liabilities (as reduced by negative own funds, if any).
- (7) Interest-bearing ACS at the beginning of the year and at the end of the year shall be used to determine 'Average Interest-Bearing ACS'. Similarly, Average Interest-Bearing BNA shall be computed.
- (8) The interest payable for the year on capital liabilities shall be proportionately divided over the average IB-ACS and average IB-BNA.
- (9) The portion of interest payable allocated to IB-ACS would represent the amount of interest to be capitalised.

## 2. FUEL AND MATERIALS ACCOUNTING

2.1 The procedural matters regarding Fuel and Materials accounting are laid down in this section.

### Quantitative Measurement of Fuel

2.2 The procedures in respect of quantitative measurement of receipts, consumption and stock of fuel are discussed in the following paragraphs:

#### Need for measurement

2.3 Proper measurement of quantity of fuel is of critical importance for the following purposes:

- (1) Computation of cost of fuel consumed
- (2) Valuation of fuel stocks
- (3) Facilitating dealings with third parties such as fuel suppliers, transporters, fuel handling contractors.

The method and basis for such measurement needs to be precise because any small inaccuracy in the basis would, when applied to large volumes of fuel, result in a significant inaccuracy in the measurement.

2.4 In view of the need for a precise measurement, it is essential that all receipts and consumption of fuel of each type be quantified through actual measurement/weightment.

2.5 Actual measurement would require installation and continuous maintenance of facilities like weigh bridges, flow meters, belt scale etc. which would involve expenditure ranging from small to large amounts depending on the adequacy of the existing facilities. Such an expenditure should

however be treated as justified in view of the importance or precise measurement of fuel receipt, consumption and stocks.

2.6 Certain physical parameters like specific gravity of oil etc. have to be used for converting readings from oil flow meters and dip measurement in oil storage tanks into quantity of oil. Such parameters shall be established through laboratory analysis periodically.

### Gas

2.7 Quantitative measurement of gas also requires use of certain norms and physical parameters for converting readings from gas flow meters into volume of gas. Such norms and parameters shall be used after they are established through periodic analysis in the laboratory.

### Coal

2.8 With regard to quantitative measurement of coal however, certain factors need to be considered:

- (1) Inadequate facilities at the receiving point would slow down the unloading process. Any delay in unloading wagons would result in a liability to pay demurrage and hence increasing the wagon 'turn-around' time.
- (2) Quantity of coal to be handled by weighing facilities is relatively high.
- (3) The weighing facilities in coal handling plants work in quite rugged conditions.
- (4) Receipt and consumption of coal is a day and night affair.

2.9 On a proper consideration of these factors the procedures requiring 100 per cent measurement in all cases of fuel receipt and consumption has been modified in case of coal. The modified procedure is discussed below:

### Receipts of Coal

- (1) Wherever adequate facilities including spare equipment to meet the requirements during the period of equipment break-down are available, full quantity of all the receipts of coal should be weighed.
- (2) Wherever adequate weighing facilities are installed but owing to a short period of breakdown of weighing facilities, 15 to 20 per cent of the receipts during the month remain unmeasured, the results obtained for the (80 to 85 per cent) receipts during the month which have been weighed should be applied to the unweighed wagons to estimate quantity therein.
- (3) Where adequate weighing facilities are not existing, such facilities should be installed. In the intervening period, coal receipts during each month should be quantified on the basis of a sampling method.

A sample of receipts which are statistically representative of all the receipts during the month must be drawn each month.

The sample of wagons should be weighed and the weightment recorded in a register alongwith the carrying capacity (including permissible overloading) of the wagon. Total of weightment should be deducted from the total of carrying capacity. The resultant figure would give quantity of transit loss of coal.

The transit loss so derived during the month and total carrying capacity for weighed receipts should be considered alongwith such transit loss derived in similar manner during, say, each of the preceding two months so as to compute a weighted percentage of transit loss.

Such a weighted percentage of transit loss should be used for estimating the total quantity of coal received in the wagons (whether weighed or not weighed).

### Consumption of Coal

- (1) Where adequate weighing facilities (including spare equipment for use during the period of break-

down) are available to ensure that consumption during full period can be weighed accurately, the total consumption should be quantified through actual measurement/weightment.

- (2) Where adequate weightment facilities are existing but are facing a breakdown for a short period during the month, the consumption during that period should be worked out on the basis of formulae or norms to be laid down for that power station on the lines described in sub-para (4) below.
- (3) Where facilities for weightment of coal consumption do not exist, such facilities should be installed. In the intervening period, the consumption of coal should be estimated on the basis of formulae or norms to be laid down for that power station in the manner described in sub-para (4) below.
- (4) The basis for estimation of consumption should be laid down after reviewing plant performance in a representative sample of observations drawn from the current data on consumption.
- (5) The formulae should be fixed after considering all the relevant factors. An illustrative list of the factors to be considered while fixing the formulae/norms is :
  - (a) Quality of the fuel normally received
  - (b) Specification of the fuel required.
  - (c) Plant design, boiler design etc.
  - (d) Age of the plant.
  - (e) Various options of fuel mix.
  - (f) Plant efficiency
- (6) It is vital that the approach/method of fixing formulae or norms, for estimating the consumption of fuel, be uniform for all the power plants of a Board.
- (7) In this respect, involvement of one or more independent technical/scientific bodies, technical representatives of suppliers etc. would ensure a fair and proper fixation of formulae or norms.
- (8) Formulae/norms should be operative for a specified period at the end of which a periodic review should be carried out.

#### Fuel Stocks

2.10 The stock of all types of fuel at the year end shall be physically verified and the quantity of stock determined through appropriate methods such as weightment, volumetric measurement etc.

#### Determining Quality of Fuel Receipts

2.11 For the purpose of valuation of fuel receipts, the quality of fuel, receipts shall be determined by analysing in the laboratory, under established methods, all the samples of fuel receipts drawn under accepted statistical sampling methods.

#### Accounting for Inferior Grade of Coal

2.12 In the cases where a claim is preferred by the Board on the collieries for reimbursement of the loss on account of receipts of inferior grade of coal, a provision shall be made at the year-end to cover the loss expected to arise from the refusal by the collieries of the claims made on them. Such a provision may be of an amount equal to apart or whole of the claims remaining unsettled at the year-end.

2.13 The quantum of provision shall be in accordance with the provisions of a formal agreement between the Board and the collieries which would govern the sampling techniques and basis of computation of amount payable by either party on grade differences. Until such time as a formal agreement in connection with grade differences is entered into between the Board and the collieries, the provision shall be :

- (1) 100 per cent of the amount of claims remaining unsettled at the year end as reduced by

- (2) an amount of claims which is, in view of the past experience and an appraisal of future, considered likely to be granted by the collieries.

#### Accounting for Superior Grade of Coal

2.14 In respect of receipts of superior grade of coal, a provision for gain shall be made in accordance with a formal agreement between the Board and the collieries dealing with grade differences of coal receipts. Until such time as a formal agreement is entered into the provision for gain shall be made for an amount considered by the Board as not payable in view of past practice and an appraisal of factors likely to govern future decisions.

#### Accounting for Coal Wagons in Transit

2.15 Coal wagons in transit would mean "wagons allotted to an SEB and despatched by the collieries but which are :

- not received by Board by the year end
- not claimed from the Railways as "missing wagons".

2.16 Coal wagons in transit at the year-end shall, whether or not any payment is made to the collieries for those wagons, be disclosed as coal-in-transit at the amount billed by the collieries.

2.17 Liability in respect of coal wagons in transit which are not paid for by the SEB at the year-end would be provided for at the year-end at an amount equal to the amount billed by the collieries.

#### Treatment of Excess/Shortage on Physical Verification of Fuel Stocks

2.18 Fuel stocks at the year end shall be physically verified to ascertain the quantity of stock to be considered for valuation and disclosure in financial statements. Fuel stock as per accounting records shall be adjusted for the shortage or excess, if any observed on physical verification of stocks. Valuation of shortage or excess, if any, shall be at the rate to be applied to the closing stocks for the month in which the shortage or excess has been observed.

#### Basis for valuation of Gas Consumption

2.19 Valuation of gas consumption would be at the purchase order rate applicable to the receipts during the month.

#### MATERIALS ACCOUNTING

2.20 Accounting procedures relating to materials cost are laid down hereinbelow :

- (1) Stores which are exclusively catering to the requirements of construction projects shall be treated as 'Capital Stores'.
- (2) Stores which are providing materials for both capital and O&M purposes shall book purchase related transactions basically as an O&M stores except that the value of issues on capital jobs shall be booked separately.
- (3) Fast moving items shall be covered by a standard rate system in which receipts, issues and stocks shall be valued at scientifically determined standard rate and the variance between actual costs and standard rate shall be collected in a separate account called 'Materials Cost Variance'.
- (4) In case of items not covered by the Standard Rate system, the receipts shall be valued at Basic price plus Excise Duty plus Sales Tax. In such cases, the issues shall be valued at the weighted average rate applicable to the closing stock of the previous month. Where the closing stock of the previous month is nil, the valuation of issues shall be at the rate of first receipt of the month.
- (5) Subsequent increase/decrease in the cost of receipts shall be adjusted in the issue rate prospectively and no retrospective adjustment shall be made to the value of past issues made out of the concerned receipts or to the assets constructed out of such issues.
- (6) Freight on materials purchased (whether incurred and billed by supplier or incurred by the Board) shall not be treated as materials cost and shall be re-

recorded in the separate account provided for this purpose.

- (7) All other incidental costs such as packing charges, Octroi etc. shall also not be treated as materials cost and shall be recorded in separate accounts provided for this purpose.
- (8) Returns from out of the materials issued in the past shall be valued at the issue rate applicable for the month in which the materials are returned.
- (9) The prescribed bases of valuation of issues and returns may lead to certain anomalies in stock values. Such anomalies, if any, shall be removed at the end of every quarter and the amount by which the stock values required adjustment shall be accounted for in a separate account prescribed for this purpose.
- (10) The liability to be created on the receipt of materials shall be made
  - at the standard rate in case of fast moving items and
  - at the purchase order rate in case of other items.
- (11) Accounting for advance adjusted and recoveries and deductions made from a suppliers bill passed by the Board and recognition of the liability for the net amount due on that bill shall not be deferred till the actual discharge of the net liability.
- (12) Loss on shortage in materials stock shall be provided for in the period in which the shortages are observed.

#### Treatment of Materials Cost Variance

2.21 Under the standard rate system referred to above, materials cost variance if any, in respect of receipts at construction locations or at O&M locations shall not be charged to Revenue Account or to Capital Works.

2.22 The balance in the "Materials Cost Variance Account" at the year-end shall be treated as follows :

- (1) Credit balance shall be created to a Reserve called "Reserve for Materials Cost Variance".
- (2) Debit balance shall be debited to the "Reserve for Materials Cost Variance". If as a result of such debit, the net balance in this Reserve account is a debit balance, the amount of debit balance shall be charged to Revenue account for the year.

2.23 Accounting treatment for materials cost variance prescribed above assumes that the standard rates are fixed appropriately and that a system exists for periodic revision of rates whenever significant variances are being observed.

2.24 The amount of materials cost variance recorded by construction divisions and circles and treated on the above lines shall be shown by way of note in the Fixed Assets Schedule in the Board's annual accounts.

### 3. BORROWINGS AND INVESTMENTS

3.1 The procedural matters regarding accounts of borrowings and investments are laid down in this section.

#### Deferred Credit Usance Bills

3.2 Usance bills may be issued by a Board under Deferred Credit Scheme. Such bills may include even the interest for future years. In a balance sheet, such interest portion should be shown as a deduction from the amount of outstanding usance bills.

#### Debentures issued as Collateral Security.

3.3 Debentures or any other debt certificates issued as a collateral security shall not be recorded in the books as a liability but be disclosed by way of a note.

#### Provision for Depreciation or Appreciation in value of Investment

3.4 No provision need be made for the depreciation in the market value of securities (bonds and debentures or govern-

ment promissory notes) held by the board as investments (i.e. market value being lower than the cost of the investments) since it would be a fair assumption in the case of such securities that the securities would be held till maturity when full value of the security would be realised. However, there may be securities in respect of which such an assumption about holding till maturity does not hold good. No provision shall be created even in such cases for depreciation in the value of investments. Similarly no provision for any appreciation in the market value of investments shall be made by a Board.

### 4. OTHER ACCOUNTING AREAS

4.1 The procedural matters relating to other accounting areas are laid down in this section.

#### Provision for Doubtful Dues From Consumers

4. A fixed percentage of dues from consumers (except for a slight variation in the case of large consumers discussed later) shall be maintained as a provision for meeting debts which turn bad. This will eliminate the need for casewise investigation at the time of creating a provision. Such investigation can be conducted independently and in depth at the time of actually writing off a debt. A detailed study should be conducted periodically to ascertain the appropriate percentage for each Board and to update the percentage so determined. One exception to the above rule is the case of high tension/large supply consumers. In such cases, individual bad debts can sometimes be large enough to affect any overall percentage. Doubtfulness of balances due from such consumers should be reviewed casewise and if the doubtful amount exceeds the fixed percentage, the amount of such excess should be additionally provided for. However, if the doubtful amount so determined is less than the fixed percentage, the fixed percentage should be nevertheless provided as a measure of conservatism.

#### Accounting for Writ-Off of Bad Debts

4.3 Any receivables for sale of power to be written off shall be charged to the Revenue Account as bad debts written off, without touching the general provision for doubtful debts directly.

#### Disclosure of Unissued Cheques

4.4 Cheques which are prepared under authorised payment vouchers but remain unissued at the year end (i.e. not yet issued to payee) will, in accordance with the prescribed accounting policy, be debited to relevant liability account on preparation of such cheques. However, since such cheques are not issued to payee and therefore liability not actually discharged, the total amount of such cheques shall be disclosed in Board's Accounts under a separate account "Liability under Unissued Cheques". Correspondingly, the bank balance shall be restored to the level existing before debiting such unissued cheques.

#### Provision For Obsolescence

4.5 Provision shall be made every year to cover the loss arising from technological obsolescence to the extent such loss has been determined, in respect of fixed assets in use, construction stores or operating stores in stock and assets under construction. Such provision shall be treated as a charge against the revenue for the year.

#### Insurance

4.6 If a Board has not got its assets insured with an outside insure, the fact shall be disclosed in the Board's account.

4.7 Under the practice of self-insurance (where the Board sets aside an amount as an insurance premium, so that the amount so accumulated can be used for meeting loss of assets on account of fire, flood, cyclone etc.) the amount set aside every year shall be treated as a charge against revenue. However, it needs to be ensured that the amount of insurance premium for this purpose is scientifically established.

#### Research and Development Costs

4.8 Research and development costs incurred by a Board as a result of which no tangible asset is acquired by the Board

shall be written-off in the year of incurring the costs. This shall be done even in cases where the R&D costs are expected to result in an increase in revenue of future years. The R&D expenditure for acquiring tangible assets shall be treated like expenditure for acquiring any other fixed asset.

#### Amortisation of Intangible Assets

4.9 Intangible assets of a Board shall be amortised over the period estimated to be benefited. A proportionate amount (calculated with reference to the benefits during the year such as additional revenue arising as a result of the asset) shall be charged to revenue account for each of such years benefited.

#### TRANSMISSION OF POWER

4.10 If a Board receive power from one State for onward transmission to another State under purchase/sale arrangement between the former State and the latter State, the intermediary transmitting Board shall show the units so transmitted as a deduction from its gross figures of units purchased and units sold.

#### Disclosure of Contingent Liabilities

4.11 The amount of contingent liabilities (as on the date of the Balance Sheet) which are material shall be disclosed in the annual accounts of the Board.

4.12 Contingent liability would mean an obligation relating to current year or past years which is dependent upon the happening or on-happening of an event. Example of contingent liabilities are :

- (1) claim by the supplier or contractor for a price higher than the one adopted by the Board for booking liability to him in relation to purchases or contract work during the current year or past years. This would include all cost escalation claims for supplies/works.
- (2) claim for refund of an increase in tariff made by consumers or by anyone else by contesting it in a court of law.
- (3) claim by the lenders for a higher interest or for a penal interest for any default in repayment instalments or in paying interest or for any other reason.
- (4) claim against the Board for payment of tax on income or profit of the Board or for excise duty, levies etc not accepted by the Board.

#### Refunds of Customs Duty/Port Trust Charges

4.13 Refunds of customs duty or port trust charges shall be credited to revenue unless the amounts are material in which case the portion, if any, relating to import of capital assets shall be deducted from the cost of the assets



